



भारत का राजपत्र



संघ प्रवर्तन विभाग

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32। मई शिल्पी, श्रावणी, अगस्त 9, 1980/श्रावण 18, 1902

No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1980/SRAVANA 18, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यभेद प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए संविधिशील आदेश और अधिकारामां

**Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the
Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

प्राचीन

ORDERS

ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, 4 ਜਲਾਈ, 1980

New Delhi, the 4th July, 1980

कांग प्रा० 2088-- यतः, निवाचन धार्योग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में कुएं केरल विधान सभा के लिए साधारण निवाचन के लिए 7-पश्चात्नूर निवाचिन-स्केत्र से चुनाव लड़ने वाले उमीदवार की एस० भारथा शेषोगी, शा० पश्चात्नूर (केरल), लोक प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री, 1951 तथा उद्धीष्ट बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपत्ति निवाचन व्यक्ति को कौन सी लेखा दाखिल करने में प्रमुखल रहे हैं;

और, यह; उक्त उम्मीदवार ने, उसे साधक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि 'उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक विचित्र नहीं है'।

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री एस० भारथा शेनोय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा अधिया विधान परिषद् के सदस्य बने जाने प्रीर होते के लिए इस प्रायोग की ताकीय से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्गत घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/7/80(2)]

S.O. 2088.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Bharatha Shenoy, P.O. Payyanur (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 7-Payyanur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Bharatha Shenoy to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/7/80(2)]

का० आ० 2089--यत्, निवाचित प्रायोग का लमाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 93-पंजार निवाचित-स्थेय से चुनाव लड़े वामे उम्मीदवार श्री शाको बाको,

वट्टाकुलाथिल, डाको विडानाडु (केरल राज्य), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी नेत्रा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री चौको चाको भो संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० केरल-विंस०/93/80(4)]

S.O. 2089.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chacko Chacko, Vattakulathil, Thidanadu P.O. (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 93-Poonjar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chacko Chacko to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/93/80(4)]

का० आ० 209०.—यतः निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 93-पूजार निवाचित-सेवा से 'चूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रभाकरम नयर, थेंगनथिल, डाक विधानाडु (केरल राज्य), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी नेत्रा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः 'उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है';

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रभाकरम नयर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० केरल-विंस०/93/80(5)]

S.O. 2090.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prabhakaram Nair, Thenganyil, Thidamodu P.O. (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in the January, 1980 from 93-Poonjar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prabhakaram Nair to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/93/80(5)]

का० आ० 209१.—यतः निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 93-पूजार निवाचित-सेवा से 'चूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अब्दुल मलाम मीराननान, चिन्नुकमयाराम्बल, इरटुपेट्टा-2 (केरल राज्य) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी नेत्रा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री अब्दुल मलाम मीराननान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० केरल-विंस०/93/80(6)]

आवेदन से,

धर्मवीर, अवर मणिव
भारत निवाचित आयोग

S.O. 2091.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Salam Meerannan, Chanthukamparambil, Erattupetta-2 (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 93-Poonjar Constituency, has failed to lodge an account of election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abdul Salam Meerannan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/93/80(6)]

By order

DHARAM VIR, Under Secy.
Election Commission of India.

आवेदन

नई विल्सन, 15 जून 1980

का० आ० 2092.—यतः निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 39-नामरकोइल संसदीय निवाचित-सेवा से 'चूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० पानेराज, श्री कामुमगाडी, नामरकोइल (तमिलनाडु), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा

अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा वार्षिक करने में असकल रहे हैं ;

और, यह: उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है ;

अब, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस० पोनराज को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की सारीष से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० त०न०-स००स०/39(i)]

आदेश से,
एस० सी० जैम, अवर सचिव
भारत निवाचित आयोग

ORDER

New Delhi, the 15th July, 1980

S.O. 2092.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Ponraj, Kalumgadi, Nagercoil (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 39-Nagercoil parliamentary constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Ponraj to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-HP/39/(1)]

By order,
S. C. JAIN, Under Secy.
Election Commission of India

गृह मंत्रालय

नई विल्सनी, 26 जुलाई, 1980

का० भा० 2093.—राष्ट्रपति, मंविधान के अनुस्तोत्र 239 के खण्ड (1) के अनुसरण में और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०भा० 2567 तारीख 21 जून, 1969 का आंशिक उपान्तरण करते हुए यह निदेश देते हैं कि उनके नियंत्रण के अधीन रहते हुए और आगे आदेश होने तक प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक, सम्बद्ध संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में प्रायुक्त नियम, 1962 की अनुसूची 2 की भव 16(ख) के अधीन गज्ज सरकार की शक्तियों का प्रयोग और कृत्यों का निवहन करेगा ।

[सं० य० 11030/1/80-य० ट०० एल०]

वाई० श्री० नरंजे, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 23th July, 1980

S.O. 2093.—In pursuance of clause (1) of article 239 of the Constitution and in partial modification of the notification of the Government of India in Ministry of Home Affairs No. S.O. 2567, dated the 21st June, 1969, the President hereby directs that, subject to his control and until further orders, the Administrator of every Union territory, shall, in relation to the Union territory concerned, exercise the powers and discharge the functions of the State Government under Item No. 16(b) of the Schedule II of the Arms Rules, 1962.

[No. U-11030/1/80-UTL]

Y. V. NARANJE, Under Secy.

भारत के महापंजेकार का कार्यालय

नई विल्सनी, 8 जुलाई, 1980

का०भा० 2094.—जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 4 की उपधारा (1) के द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रणालीनिक सेवा के (संघ राज्य क्षेत्र संघर्ष) के श्री वी० श्री० भ० भर्ला को एतद्वारा 1981 की जनगणना के लिए दिल्ली में पदेन जनगणना कार्य निवेशक के पद पर नियुक्त करती है ।

[सं० 11/61/79-प्रशा०-1)]

वी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार
और पदेन जनगणना प्रायुक्त

Office of the Registrar General, India

New Delhi, the 8th July, 1980

S.O. 2094.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Census Act, 1948 (No. 37 of 1948) the Central Government hereby appoints Shri V. K. Bhalla, IAS (UT) as Director of Census Operations, Delhi for the 1981 Census.

[No. 11/61/79-Ad. I]

P. PADMANABHA, Registrar General
and ex-officio Census Commissioner for India

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई विल्सनी, 26 मई, 1980

लाय-कर

का०भा० 2095.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह प्रधिसूचित किया जाता है कि विहिन प्राधिकरण, अर्थात् भारतीय लैण्ड प्रायोजन ने निम्नलिखित संस्थाएँ, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनार्थ अनुमोदित किया है ।

संस्था

भारतीय पोटाश भनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

यह प्रधिसूचना तारीख 1-4-1980 से 31-3-1982 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है ।

[सं० 3415 (का०सं० 203/123/79-प्राई० टी० ए० II)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 26th May, 1980

INCOME TAX

S.O. 2096.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by

the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of class (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 :

INSTITUTION

POTASH RESEARCH INSTITUTE OF INDIA, NEW DELHI

This notification is effective for a period of 2 years from 1st April, 1980 to 31st March, 1982.

[No. 3415 (F. No. 203/123/79-ITA II)]

का०शा० 2096.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली से आयकर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम नीचे विविषित अवधि के लिए अनुमोदित कर दिया है :

वैज्ञानिक अनुसंधान	हलके भोलिपिन का वाष्प वृक्ष सम्प्रे और प्राहृतक गैस पद्धति
कार्यक्रम का नामः	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली
प्रयोजक का नामः	

क्रियान्वयन करने वाली प्रयोगशाला : प्राईंस प्राईंस ट्री०, मुम्बई

प्रारम्भ की प्रस्थापित तारीख : मार्च, 1980

पूरा होने की प्रस्थापित तारीख : मार्च, 1985

अनुमानित परिष्यय : 4.9 लाख रुपए

2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई आयकर अधिनियम, 1922 की धारा 10(2) (xiii) के अधीन अनुमोदित है। देखिए का०शा० 148 तारीख 12-1-1961।

[सं० 3410(फा०सं० 203/145/80-प्राईंस ट्री० ए II)]

S. O. 2096.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi : Name of the Scientific Research Programme : Vapour Liquid Equilibria of light olefins and natural gas systems.

Name of the sponsorer : Engineers India Ltd., New Delhi.

Implementing Laboratory : I.T.I., Bombay.

Proposed date of commencement : March 1980

Anticipated date of Completion : March, 1985.

Estimated outlay : Rs. 4.9 lakhs

2. The Indian Institute of Technology, Bombay stands approved u/s. 10(2) (xiii) of the Income-tax Act, 1922 vide S. O. 148 dated 12-1-1961.

[No. 3410 (F. No. 203/145/80-ITA. I)]

नई दिल्ली, 29 मई, 1980।

आयकर

का०शा० 2097.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने आयकर अधिनियम, 1962 की उपधारा (2क) के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक

अनुसंधान कार्यक्रम को नीचे विविषित अवधि के लिए अनुमोदित कर दिया है :

1. वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना : साइटो एप्ल केमोजेनेटिम्स और मेल स्टेगेशल जूट (कोरोबोरस कैप-सुभरीज एप्ल)

2(क) किसने प्रयोजित किया है : हिन्दुस्नान लीवर लिमिटेड, नई दिल्ली

3(ख) कहा प्रायोजित किया गया है : विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय (कृषि संकाय आनुवंशकी और पौधा प्रजनन विभाग), कल्याणी, मार्दिया

4 अनुसंधान परियोजना की अवधि : 1-4-1980 से 3 वर्ष

5 प्राक्कलित व्यय : 90,700 रु

2. विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 31(1)(ii) के अधीन अनुमोदित है। देखिए अधिसूचना सं० 878 फा०सं० 203/39/75—प्राईंस ट्री० ए II, तारीख 18 अप्रैल, 1975।

[सं० 3420(फा०सं० 203/3/79-ईटी ए II)]

New Delhi, the 29th May, 1980.

INCOME TAX

S. O. 2097.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of the Income-tax Act, 1962 by the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi

1. Scientific Research Project: Cyto and Chemo-genetics of male sterile Jute (Corchorus Capsularis L).

2. Sponsored (a) by : Hindustan Lever Ltd., New Delhi.

3. Sponsored (b) at : Bidhan Chandra Krishi Viswa Vidyalaya, (Faculty of Agriculture, Department of Genetics & Plant Breeding), Kalyani, Nadia.

4. Duration of Research Project : 3 years w.e.f. 1-4-1980.

5. Estimated Expenditure : Rs. 90,700

2. Bidhan Chandra Krishi Viswa Vidyalaya stands approved under Section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 by Notification No. 878 F. No. 203/39/75-ITA. II dated the 18th April, 1975.

[No. 3420(F. No. 203/3/79-ITA. II)]

नई दिल्ली, 18 जून, 1980।

आयकर

का०शा० 2098.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया है :

संस्था

इंडियन सोसाइटी ऑफ अग्रिकल्चरल इकोनॉमिस्ट्स, बांग्ला

यह अधिसूचना 1-4-1977 से 31-3-79 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 3477 (फा०सं. 203/99/75-आई टो ए II)]
हरि नारायण, अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1980

INCOME TAX

S.O. 2098.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 :

INSTITUTION

INDIAN SOCIETY OF AGRICULTURAL ECONOMICS,
BOMBAY

This notification is effective for a period of 2 years from 1-4-1977 to 31-3-1979.

[No. 3477/F. No. 203/99/75-ITA. II]

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1980

आय कर

का०आ० 2099.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करने हुए, तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 22 जनवरी, 1980 की अधिसूचना संख्या 3150 (फा०सं. 398/1/80-आ०क०स०क०) का अधिलेखन करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एन्ड्रूडारा श्री जै०जी० नायक को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री जै०जी० नायक द्वाग कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 3524 (फा०सं. 398/1/80-आ०क०स०क०)]

New Delhi, the 7th July, 1980

INCOME TAX

S.O. 2099.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3150 (F. No. 398/1/80-ITCC), dated 22-1-1980, the Central Government, hereby authorises Shri J. G. Naik, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri J. G. Naik takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3524 (F. No. 398/1/80-ITCC)]

का०आ० 2100.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करने हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रूडारा, श्री एम० एम० पटेल को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एम० एम० पटेल द्वाग कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 3526 (फा०सं. 398/1/80-आ०क०स०क०)]

S.O. 2100.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri S. M. Patel being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. M. Patel takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3526 (F. No. 398/1/80-ITCC)]

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1980

आय कर

का०आ० 2101.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 10 अप्रैल, 1980 की अधिसूचना संख्या 3239 (फा०सं. 404/118-क०व०आ०प्र०प्रदेश/79-आ०क०स०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रूडारा, श्री महेश अब्दाम घनी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री महेश अब्दाम घनी द्वाग कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 3535 (फा०सं. 398/2/80-आ०क०स०क०)]

New Delhi, the 8th July, 1980

INCOME TAX

S.O. 2101.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3239 (F. No. 404/118/TRO-AP/79-ITCC), dated 10-4-1980, the Central Government hereby authorises Shri Syed Abbas Ali, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Syed Abbas Ali takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3535 (F. No. 398/2/80-ITCC)]

का०आ० 2102.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 10 अप्रैल, 1980 की अधिसूचना संख्या 3241 (फा०सं. 404/118-क०व०आ०प्र०प्रदेश/79-आ०क०स०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रूडारा श्री शेख पीरां को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री शेख पीरां द्वाग कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 3537 (फा०सं. 398/2/80-आ०क०स०क०)]

S.O. 2102.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3241 (F. No. 404/118/TRO-AP/79-ITCC), dated 10-4-1980, the Central Government hereby authorises Shri Shaik Peeran, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Shaik Peeran takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3537 (F. No. 398/2/80-ITCC)]

का०धा० 2103.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, नया भारत सरकार के राजस्व विभाग की 29 प्रभौल, 1980 की अधिसूचना संख्या 3270 (फा०सं० 398/5/80-आ०क०म०क०) का अधिसूचन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एस०सी० जैन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राप्ति करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एस० सी० जैन द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार प्रहृण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 3539 (फा०सं० 398/5/80-आ०क०म०क०)]
एम० वेकटरामन, उप सचिव

S.O. 2103.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3270 (F. No. 398/5/80-ITCC), dated the 29th April, 1980, the Central Government hereby authorises Shri S. C. Jain, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. C. Jain takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3539 (F. No. 398/5/80-ITCC)]
H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

‘केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्वारा’

नई दिल्ली, 31 मई, 1980

प्राप्त कर

का०धा० 2104.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्वारा, प्रायकर अधिनियम, 1961 (43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ममय-समय पर यातासशोधित अधिसूचना सं० 2309 [फा०सं० 187/11/78 आई टी (ए 1), तारीख 25 मई, 1978] से उपायक अनुसूची में निम्नलिखित संघीयत करता है :

(1) अम सं० 9 के मामने स्थान 3 के अन्तर्गत विषमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियों रखी जाएँगी :—

प्रायकर आयुक्त	मुस्यालय	अधिकारिता
1	2	3
9 दिल्ली (केन्द्रीय-I)	नई दिल्ली	केन्द्रीय सकिल I से X, XXV प्रीर XXVI, नई दिल्ली प्रीर केन्द्रीय सकिल I प्रीर IV, मेरठ ।

यह अधिसूचना 5-6-80 से प्रभावी होगी।

[सं० 3460 (फा०सं० 187/12/80-आई टी [ए-ज])]

बी० एम० मिह, अवर सचिव
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्वारा

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 31st May, 1980

INCOME TAX

S. O. 2104.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 2309 F. No. 187/11/78-IT (AI), [dated 24th May, 1978] as amended from time to time.

(i) Existing entries under Col. 3 against Sl. No. 9 shall be substituted by the following entries :—

Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
9. Delhi (Central- I)	New Delhi	Central Circles I to X, XXV and XXVI, New Delhi and Central circles-I and IV, Meerut.

This notification shall take effect from 5-6-80.

[No. 3460 (F. No. 187/12/80-IT[AI])]

B. M. SINGH, Under Secy.
Central Board of Directors

प्राप्ति

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1980

स्थान

का०धा० 2105.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो, कर्ताक राज्य वित्ती निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किये जाने वाले दो करोड़ बीस लाख रुपये के छंद-मत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं० 18/80/स्टाम्प-फा०सं० 33/12/80-बिक्री कर]

जी० एम० मेहरा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd July, 1980

STAMPS

S.O. 2105.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of two crores and twenty lakhs of rupees, to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 18/80-Stamps-F. No. 33/12/80-ST]

G. S. MEHRA, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(Department of Economic Affairs)

(बैंकिंग विभाग)

(Banking Division)

भारतीय रिजर्व बँक

RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1980

New Delhi, the 21st July, 1980

**का०आ० 2106।—भारतीय रिजर्व बँक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में जून 1980 के दिनांक 27-6-80 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा
S.O. 2106.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 27th day of June 1980.**

इष्ट विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएँ LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियाँ ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			सोने का सिक्का और गुलियत		
Notes held in the Banking Department	24,97,51,000		Gold Coin and Bullion		
संचलन में नोट			(क) भारत में रखा हुआ		
Notes in circulation	12366,24,72,000	12391,22,23,000	(a) Held in India	224,71,19,000	
जारी किये गये कुल नोट			(ब) भारत के बाहर रखा हुआ		
Total Notes issued			(b) Held outside India		
			विदेशी प्रतिशतियाँ		
			Foreign Securities	2564,05,75,000	
			जोड़		
			Total	2788,76,94,000	
			रुपये का सिक्का		
			Rupee Coin	61,60,30,000	
			भारत सरकार की रुपया प्रतिशतियाँ		
			Government of India Rupee		
			Securities	9540,84,99,000	
			देशी विनियम छिल और इमरे		
			वाणिज्य पत्र		
			Internal Bills of Exchange and		
			other Commercial paper		
कुल देयताएँ			कुल आस्तियाँ		
Total Liabilities	12391,22,23,000		Total Assets	12391,22,23,000	

दिनांक : 2 जुलाई, 1980
Dated the 2nd day of July, 1980

I. G. PATEL,
गवर्नर
Governor

27 जून, 1980 को सार्वतीय रिजर्व बैंक के हेतिंग विभाग के कार्डियलाप का विवरण

STATEMENT OF THE AFFAIRS OF THE RESERVE BANK OF INDIA, BANKING DEPARTMENT
as on the 27th June 1980

देयमानी LIABILITIES	रुपये Rs.	आसन्नधा ASSETS	रुपये Rs.
चुकता पूँजी Capital Paid Up		नोट 5,00,00,000 Notes	24,97,51,000
आरक्षित निधि Reserve Fund		रुपये का मिक्का 150,00,00,000 Rupee Coin	2,59,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबन्धन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund		छोटा मिक्का 750,00,00,000 Small Coin	3,83,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund		खरीदे और भुगाये गये दिल 225,00,00,000 Bills Purchased and Discounted :	
राष्ट्रीय शोधांशिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबन्धन) निधि National Industrial Credit (Long term Operations) Fund		(क) देशी (a) Internal	76,28,84,000
जमा राशियाँ --		(ख) विदेशी (b) External	
Deposits :		(ग) नगरानी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	3871,92,13,000
(क) सरकारी (a) Government		विदेशों में रखा हुआ अकाउंट 1898,24,00,000 Balances Held Abroad*	1923,79,26,000
केन्द्रीय सरकार (i) Central Government		निवेश 11,50,41,0000 Investments**	833,24,54,000
राज्य सरकारें (ii) State Governments		ऋण और अप्रियम :-- Loans and Advances to :--	
(ख) बैंक (b) Banks		केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	..
अनुमूलित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	3294,69,06,000	राज्य सरकारों को (ii) State Governments @	203,68,99,000
अनुमूलित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	58,42,50,000	ऋण और अप्रियम :-- Loans and Advances to :--	
नीर अनुमूलित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	3,45,84,000	अनुमूलित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks†	487,66,19,000
अन्य बैंक (iv) Other Banks	8,88,20,000	राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks ††	192,31,16,000
(ग) अन्य (c) Others	1305,98,57,000	दूसरों को (iii) Others	1,39,40,000
सेवा धन Bills Payable	214,922,6,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबन्धन) निधि से ऋण, अप्रियम और निवेश --	
अन्य देयताएँ		Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund :--	
Other Liabilities	1692,92,74,000	(क) ऋण और अप्रियम :-- (a) Loans and Advances to :--	
		राज्य सरकारों को (i) State Governments	123,98,25,000
		राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	30,40,41,000
		केन्द्रीय मूमिचर्धक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	

विवरण LIABILITIES	रुपये Rs.	विवरण ASSETS	रुपये Rs.
(iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	328,01,80,000	कृषि पुनर्निवासी विकास नियम को	
(a) केंद्रीय भूमिका-धरक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	7,13,71,000	(iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	
(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	7,13,71,000	गारंटीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिकार	
Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अधिकार	
Loans and Advances to State Co-operative Banks	122,42,58,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि से ऋण, अधिकार और निवेश	
Loans Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund		राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि में से किये गये बांडों/ डिबेंचरों में निवेश	
(a) Loans and Advances to the Development Bank	1084,11,02,000	(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	16,90,48,000
प्रत्येक आस्तिनाम	1425,70,89,000	प्रत्येक आस्तिनाम	10754,03,58,000
Rupees		Rupees	

नकदी, आवधिक जमा और अत्यकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि से प्रकृत ऋण और अधिकार शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवरड्रॉफ्ट शामिल हैं।

† Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

प्रारंभिक रिजर्व बैंक अधिनियम की आरा 17(4)(ग) के प्रधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अधिक दिये गये
संस्थाएँ शामिल हैं।

‡ Includes Rs. Nil. advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अधिकार शामिल नहीं हैं।

† Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

I.G. PATEL,

गवर्नर

Governor

[U.O.F. 10/1/80-B.O. I]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

दिनांक : 2 जुलाई, 1980

Dated the 2nd day of July 1980

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

का०प्रा० 2107.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपबन्ध (ख) (1) के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार, देना बैंक, ब्रेबोर्न रोड गाँव कलकाता के विशेष सदायक, श्री कमल कुमार भट्टाचार्य को उक्त बैंक के कर्मचारियों, जो कि कर्मकार हैं, का प्रतिनिधित्व करने के लिए 23 जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होने वाली और 22 जुलाई, 1983 को समाप्त होने वाली अधिकृत के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (वैकिंग विभाग) की 28 मिशन्स्वर, 1973 की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4/46/73-बी०प्र०-१ के अन्तर्गत नियुक्त किये गये श्री एच० सी० देसाई के स्थान पर देना बैंक का निवेशक नियुक्त करती है।

[संख्या एफ० 9/14/79-बी०प्र०-१]
ज० वा० मीरचन्द्रानी, उप सचिव

New Delhi, the 23rd July, 1980

S.O. 2107.—In pursuance of sub-clause (b)(i) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, hereby appoints Shri Kamal Kumar Bhattacharya, Special Assistant, Dena Bank, Brabourne Road Branch, Calcutta as a Director of the Dena Bank for a period of three years commencing on 23rd July, 1980 and ending with 22nd July, 1983 to represent employees of the said Bank who are workmen in the place of Shri H. C. Desai appointed under the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/46/73-BO. I, dated 28th September, 1973.

[No. F. 9/14/79-BO.I]
C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

का०प्रा० 2108.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एलद्वारा श्री ए० सी० दुग्गल को काशी ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 28 जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होकर 27 जुलाई, 1983 को समाप्त होने वाली अधिकृत को उस प्रबन्ध के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री ए० सी० दुग्गल अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 1-12/80-भार०भार०बी०]

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2108.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) the Central Government hereby appoints Shri A. C. Duggal as the Chairman of the Kashi Gramin Bank and specifies the period commencing on the 28th July, 1980 and ending with the 27th July, 1983 as the period for which the said Shri A. C. Duggal shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-12/80-RRB]

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1980

का०प्रा० 2109.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एलद्वारा श्री कदम कान्त सैकिया को लखिया गोशोलिया बैंक, गोलाघाट का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 29 जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होकर 28 जुलाई, 1983 को समाप्त होने वाली अधिकृत को उस अधिकृत के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री पी० के० सैकिया अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 1-4/79-भार०भार०बी०]
इन्द्रानी सेन, प्रवर चिकित्सक

New Delhi, the 28th July, 1980

S.O. 2109.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Padma Kanta Saikia as the Chairman of the Lakhimi Gaonlia Bank, Golaghat and specifies the period commencing on the 29th July, 1980 and ending with the 28th July, 1983 as the period for which the said Shri P. K. Saikia shall hold office as such Chairman.

[No. F. 1-4/79-RRB]
INDRANI SEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1980

का०प्रा० 2110.—केन्द्रीय सरकार, मरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की वैद्यकीय) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे मारणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित अधिकारियों को जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की रैंक के समतुल्य हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्बद्ध अधिकारी नियुक्त करती है जो उक्त मारणी के स्तम्भ 2 की तात्पारी प्रविष्टि में विनिविट सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम के द्वारा या अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिगृहीत करन्वाले का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारियों का प्रबन्धितान

सरकारी स्थानों के प्रबन्ध और
अधिकारियों की स्थानीय सीमाएँ

1

2

- | | |
|---|--|
| 1. मारसीय श्रीधोगिक विकास बैंक, मुम्बई महाप्रबन्धक या उसके प्रशासन, कार्मिक, प्रशिक्षण और परिसर विभाग में महाप्रबन्धक की शक्तियों का प्रयोग करने वाला कोई अधिकारी । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक मुम्बई के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |
| 2. उप महाप्रबन्धक,
भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक,
कलकत्ता । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक नई दिल्ली के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |
| 3. उप महाप्रबन्धक,
भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक,
नई दिल्ली । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक नई दिल्ली के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |
| 4. उप महाप्रबन्धक,
भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक,
मद्रास । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक मद्रास के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |
| 5. उप महाप्रबन्धक,
भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक,
भ्रह्मदत्तावाद । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक भ्रह्मदत्तावाद के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |
| 6. उप महाप्रबन्धक,
भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक,
गोहाटी । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक गोहाटी के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |
| 7. उप महाप्रबन्धक
भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक,
बंगलौर । | भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक बंगलौर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर । |

1	2
8. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, भोपाल।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, भोपाल के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
9. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, मुमनेश्वर।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, मुमनेश्वर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
10. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, चंडीगढ़।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, चंडीगढ़ के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
11. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, कोल्काता।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, कोल्काता के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
12. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, हैदराबाद।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, हैदराबाद के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
13. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, जयपुर।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, जयपुर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
14. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, जम्मू।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, जम्मू के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
15. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, कानपुर।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, कानपुर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
16. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, पटना।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, पटना के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
17. प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, शिमला।	भारतीय श्रौद्धोगिक विकास बैंक, शिमला के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।

[सं. 10 (123 आईएफ० 1/79)
विनोद राल, निदेशक

New Delhi, the 24th July, 1980

S. O. 2110:—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column 1 of the Table below, being officers equivalent to the rank of gazetted officer of Government, to be estate officers for the purpose of the said Acts who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in the corresponding entries in column 2 of the said Table.

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. The General Manager or any Officer exercising the power of General Manager in the Department of Administration, Personnel, Training and Premises, Industrial Development Bank of India, Bombay.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bombay.
2. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Calcutta.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Calcutta.
3. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, New Delhi.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in New Delhi.
4. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Madras.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Madras.
5. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Ahmedabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Ahmedabad.
6. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Gauhati.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Gauhati.
7. Manager, Industrial Development Bank of India, Bangalore.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bangalore.
8. Manager, Industrial Development Bank of India, Bhopal.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bhopal.
9. Manager, Industrial Development Bank of India, Bhubaneswar.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bhubaneswar.
10. Manager, Industrial Development Bank of India, Chandigarh.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Chandigarh.

1

2

11. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Cochin.

12. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Hyderabad.

13. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Jaipur.

14. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Jammu.

15. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Kanpur.

16. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Patna.

17. Manager,
Industrial Development
Bank of India, Simla.
- Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Cochin.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Hyderabad.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Jaipur.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Jammu.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Kanpur.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Patna.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Simla.

[No. 10(123) I. F. 1/79]
VINOD DHALL, Director

विदेश संचालय

गृहि-पत्र

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

का०आ० 2111.—अधिसूचना संख्या का०आ० 18 जून, 1980 में श्री ए० बी० अग्रवाल के स्थान पर श्री ए० बी० अग्रवाल पढ़ा जाए।

[फाइल सं० टी० 4330/1/80]
जे० हजारी, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2111.—In the Notification No. S.O. dated 18th June, 1980 the name of Shri A. B. Aggarwal may be amended to read as Shri S. B. Aggarwal.

[File No. T. 4330/1/80]
J. HAZARI, Under Secy.

शारणज्य एवं नागरिक आपूर्ति संचालय (वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

का०आ० 2112.—केन्द्रीय सरकार, चाय नियम, 1954 के नियम 4 और 5 के माध्य पात्र चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की घारा 4 की उपधारा (3) वार्ग प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मर्क्षंशी तोष मोहन देव और आनन्द पाठक, लोक सभा के सदस्यों द्वा० इस अधिसूचना के राजपत्र में पक्षीशत री० तारीख से 31 मार्च, 1981 तक, जिसमें यह विन भी सम्मिलित है, चाय बोर्ड के सदस्य के हाथ में नियुक्त करनी है और भारत सरकार के विभिन्न नागरिक पूर्ति और मकारित संचालय (वाणिज्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 622 (प्र), तारीख 30 अक्टूबर, 1978 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अथवा :—

उक्त मधिसूचना में, कम सं० 7 और 8 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित अम संचालय, और प्रतिनिधिया गई जाएंगी, अथवा :—

"7 श्री संतोष मोहन देव, लोक सभा सदस्य,
225, नर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली-110001।

8 श्री आनन्द पाठक, लोक सभा सदस्य,
401, विठ्ठल भाई पटेल हाउस,
नई दिल्ली-110001।"

[सं० ई-12012(1)/78-प्लांट(ए)]
डी० फल्गुन नेशन, संयुक्त मन्त्रिय

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLY (Dept. of Commerce)

New Delhi, the 23rd July, 1980

S.O. 2112.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), read with rules 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby appoints Sarva Shri Santosh Mohan Dev and Ananda Pathak, Members of Lok Sabha as members of the Tea Board with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto and inclusive of the 31st March 1981, and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation (Deptt. of Commerce) No. S.O. 622(E), dated the 30th October, 1978, namely :—

In the said notification, for serial Nos. 7 and 8 and the entries relating thereto, the following serial Nos. and entries shall respectively, be substituted, namely :—

"7. Shri Santosh Mohan Dev, Member, Lok Sabha, 225, North Avenue, New Delhi-110001.

8 Shri Ananda Pathak, Member, Lok Sabha, 401, Vithalbhai Patel House, New Delhi-110001."

[No. E-12012(1)/78-Plant (A)]
D. W. TELANG, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1980

का०आ० 2213.—केन्द्रीय सरकार, अबरक नियम (निकरीण) नियम, 1969 के नियम 7 के अनुमति में, भारत सरकार के भूत्तूर्य वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सद्कारिता संचालय की अधिसूचना सं० का०आ० 3348, तारीख 25 नवम्बर, 1978 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अथवा :—

उक्त अधिसूचना के नीचे सारणी के स्तरम् (1) के नीचे कम सं० 6 की भद्र संधा (3) और स्तरम् 2 में उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित भद्र और प्रविष्टिया गई जाएंगी, अथवा :—

(3) श्री डॉ भास्कर रेड्डी,
मै. एसोसियेटेड माइका एक्सपोर्ट्स,
1213, विशेषानन्द रोड,
गुदूर-524101.
जिला : नैलोर, आन्ध्रप्रदेश।

[मं. 6(27)/76-निःनौ संथा निः-खण्ड-1]
सौ.वी.० कुकरेती, संयुक्त निवेशक

New Delhi, the 9th August, 1980

S.O. 2113.—In pursuance of rule 7 of the Export of Mica (Inspection) Rules, 1969, the Central Government hereby make the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation No. S. O. 3348, dated the 25th November, 1978, namely :—

In the Table below the said notification, serial number 6 under column (1), for item number (3) and entries relating thereto in column 2, the following items and entries shall be substituted, namely :—

"(3) Shri D. Bhaskara Reddy, M/s. Associated Mica Exports, 12/3, Vivekananda Road, Gudur-524101. Nellore Dist. Andhra Pradesh".

[No. 6(27)/76-EI&EP-Vol. II]
C. B. KUKRETI, Jt. Director.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्धारित का कार्यालय)

आदेश

नई शिल्पी, 16 जून, 1980

का०आ० 2114.—प्रबन्ध निवेशक, मैसूर पावर कारपोरेशन नि०, बंगलौर को सोवियत समाजवादी गणतन्त्र संघ भास्थानित भूगतान नियम समझौते के अन्तर्गत सोवियत समाजवादी गणतन्त्र संघ से 2×27.5 एम०इएल्प० जनिन्स संयंत्र एक नग ई०प्ल०टी० ट्रेन का आयात करने के लिए 3,11,35,461/- रुपए (तीन करोड़ चारह लाख, पैसोंत हजार चार सौ इकाम रुपए मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं. जी/सी/2029373/जी/प०-4/8/प०/37/38, दिनांक 28-7-73 प्रदान किया गया था। लाइसेंस के मूल्य को बाद में बढ़ाकर 3,12,28,461/- रुपए कर दिया गया था।

2. फर्म ने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की भनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर अबेक्षन किया है कि उसकी मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सहायक सीमा-गुल्क समाहर्ता (समाहर्ता कार्यालय) भद्राम के पास पंजीकृत कराने के पश्चात् यों गई है। आगे यह भी बताया गया था कि आयात लाइसेंस का आग्रिक उपयोग कर लिया गया था और उसमें 41,272/- रुपए मात्र हो रह रह गए थे। अपने अनुरोध के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी, बंगलौर नगर के सामने विधिवत् शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया था। यथा संरोचित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दि० 7-12-1955 की उपधारा 9 (सी०सी०) के अन्तर्गत अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयात लाइसेंस सं. जी०/सी०/2029373, दिनांक 28-7-73 की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई थी और अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं. डी० 2468456, दिनांक 15-6-79 लाइसेंसधारी को जारी कर दी गई थी।

3. लाइसेंसधारी ने अब आगे यह सूचना दी है कि आयात लाइसेंस सं. जी०/सी०/2029373, दिनांक 28-7-73 की मूल मूद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति के साथ-साथ अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं. डी० 2168456, दिनांक 15-6-79 यों गई/प्रस्थानस्थ हो गई

है। अपने नक्के के समर्थन में उहने नोटरी बंगलौर नगर के सामने विधिवत् शपथ लेकर, स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं सन्तुष्ट हूं कि आयात लाइसेंस सं. जी०/सी०/2029373, दिनांक 28-7-73 की मूल मूद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति और अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं. डी० 2468456, दिनांक 15-6-79 यों गई है। यथा संरोचित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 के उपधारा 9 (सी०सी०) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयात लाइसेंस सं. जी०/सी०/2029373, दिनांक 28-7-73 की उपर्युक्त मूल मूद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति और अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं. सी० डी० 2468456-15-6-79 रद्द कर दी गई है।

4. आयात लाइसेंस सं. जी०/सी०/2029373, दिनांक 28-7-73 की अनुलिपि मूद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति और अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति पार्टी को शतग से जारी की जा रही है।

[सख्त सी जी०-2/एच ई पी०/प०-7/73-74/294]
जी० एस० ग्रेवाल, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति
कृत मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 16th June, 1980

S.O. 2114.—The Managing Director, Mysore Power Corporation Ltd., Bangalore, was granted an Import Licence No. G/C/2029373/D/S4/48/H/37-38 dated 28th July, 1974 for Rs. 3,11,35,461 (Rupees three crores, eleven lakhs, thirtyfive thousand and four hundred and sixtyone only) for import of 2x7.5 MW Generating Plant, 1 No. EOT Crane from USSR under the USSR Deferred Payment Terms Agreement. The value of the licence was later enhanced to Rs. 3,12,28,461.

2. The firm applied for issue of a Duplicate Customs Purposes Copy of the above import licence on the ground that the original Customs Purposes Copy thereof had been lost after having been registered with the Assistant Collector of Customs (Customs House), Madras. It was further stated that the Import licence had been partly utilised leaving a balance of Rs. 41,273 only. In support of their request the licensee filed an affidavit duly sworn in before Notary, Bangalore City. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7th December, 1955, as amended, the Customs Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 was cancelled and a Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979 was issued to the licensee.

3. The licensee has now informed that the Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979 as well as the original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 have been lost/misplaced. In support of their contention they have filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary, Bangalore City. I am satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 and Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979, have been lost. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7th December, 1955 as amended, the said original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 and Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979 have been cancelled.

4. Duplicate Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 and Duplicate Customs Purposes copy are being issued to the party separately.

[No CG II/HEP/My. 7/73-74/294]
G. S. GREWAL, Dy. Chief Controller
of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports.

(बस्त्र विभाग)

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

का०ग्रो० 2115.—केन्द्रीय सरकार एतद्वाग्रा प्रधिसूचित करती है कि लोक सभा केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपवारा (3) के अंग (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्यों के रूप में कायं करने के लिए 20 जून, 1980 से लोक सभा के निम्नांकत चार सदस्यों को निर्वाचित करती है:—

1. डा० ए० कलानिधि
2. डा० ए० वी० चन्द्रशेखर मुर्ति
3. श्री शामिनुद्दीन
4. श्री जैनुल बाशेर

[का०ग्रो० 25012/19/78-रेशम]
एतद्वाग्रा प्राप्तक्रृति, उप सचिव

(Department of Textiles)

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2115.—The Central Government hereby notify that the Lok Sabha has in pursuance of clause (c) of Sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), elected the following four members of the Lok Sabha with effect from 20th June, 1980 to serve as Members of the Central Silk Board:—

1. Dr. A. Kalanidhi
2. Shri M. V. Chandrashekara Murthy
3. Shri. Saminuddin
4. Shri. Zainul Basher.

[File No. 25012/19/78-Silk]
L. V. SAPTHARISHI, Dy. Secy.

(वार्षिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1980-07-11

का०ग्रो० 2116.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम, 1955 के नियम 3 के उप-विनियम 2 तथा विनियम 3 के उप-विनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था एतद्वाग्रा प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के अंग भी भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रतिक्रिया किए गए हैं, वे 1978-01-31 को निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम निर्धारित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिक्रिया किए गए	अन्य विवरण
संख्या	भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	

(1)	(2)	(3)	(4)
1 IS : 367~1977 घरेलू और जामान्य उपयोग के लिए विजली की केतलियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) ।	1 IS : 367-1965 विजली की केतलियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित) एवं 2 IS : 3482-1966 विजली के सासरैम की विशिष्टि ।	1977-12-31 को निर्धारित	
2 *IS : 368-1977 विजली के दुबाइ जस हीटर की IS : 368-1963 विजली के दुबाइ जस हीटरों की विशिष्टि (पुनरीक्षित) ।		* 1977-10-31 को भा. मा. संस्था की प्रमाणन महर योजना के उपयोग के लिए 1978-05-01 से IS : 368-1977 लागू होगा ।	
3 IS : 1003 (भाग 1)-1977 लकड़ी के विलहेंदर और IS : 1003 (भाग 1)-1966 लकड़ी के चिकने किंवाड़ों की विशिष्टि भाग 1 किंवाड़ (दूसरा पुनरीक्षण) ।	शिलहेंदर और चिकने किंवाड़ों की विशिष्टि भाग 1 किंवाड़ (पहला पुनरीक्षण) ।	—	
4 IS : 1315-1977 सूती तन्दों पर कले धारे का भैंसिक घनत्व ज्ञान करने की पद्धति (पहला पुनरीक्षण) ।	1 IS : 237-1975 सूती धारे का नम्बर अथवा टेक्स में धारे की मोटाई ज्ञान करने की पद्धति, और 2 IS : 1315-1959 सूती धारे का नावं-भीम नम्बर ज्ञान करने की पद्धति ।	—	
5. IS : 1448 (पी. 22)-1977 पेट्रोलियम और इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां (पी. 22) जामान्य हैंटेन के साथ आस्फाल्टीन अवक्षेपण ।	IS : 1448 (पी. 22)-1960 पेट्रोलियम और इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां (पी. 22) कठोर आस्फाल्ट अंग ।	—	
6 *IS : 1855-1977 वाईटिंग तथा खासों में मनुष्यों की लाने ले जाने वाली लिपियों के लिए लड्डावार हस्पात के तार की भूमियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 1855-1961 खासों में वाईटिंग के लिए प्रमुख इस्पात तार की भूमियों की विशिष्टि ।	* 1977-12-31 को निर्धारित भा. मा. संस्था की प्रमाणन महर योजना के उपयोग के लिए 1978-04-01 से IS : 2581-1977 लागू होगा ।	
7 IS : 1899-1977 ब्लौ लैम्प की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) ।	IS : 1899-1965 ब्लौ लैम्प की विशिष्टि (पुनरीक्षित) ।	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
8 *IS : 2581-1977 जहाजरानी कारों के लिए शोल IS : 2581-1968 जहाजरानी कारों के लिए गोल लड़ वाले जन्मेदार इम्पाल के तार के रस्से (इसरा पुनरीक्षण) ।	—	*भा मा संस्था को प्रमाणन मुहर योजना के उपयोग के लिए 1978-04-01 से IS : 2581-1977 लागू होगा ।	—
9 IS : 2686-1977 चूना कंक्रीट में उपयोग के लिए IS : 2686-1964 चूना कंक्रीट में उपयोग के लिए सिडर पुज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	—	—	—
10 *IS : 2870-1977 पृष्ठवाही दावधारी सम्पीड़न फ़ुहारों IS : 2870-1964 पृष्ठवाही दावधारी फ़ुहारों के लिए चार्ज पम्प (पहला पुनरीक्षण) ।	—	*1977-10-31 को भा मा संस्था की प्रमाणन मुहर योजना के उपयोग के लिए 1978-04-15 से IS : 2870-1977 लागू होगा ।	—
11 IS : 3747 (भाग 7/प्रनुभाग 1)-1977 पोर्सेलीन की ट्रांसफार्मर बुशबन्डियों के माप भाग 7 123 किवा बुशबन्डी प्रनुभाग 1 पोर्सेलीन हिस्से ।	—	—	—
12 IS : 3400 (भाग 10)-1977 बल्कनीकूल रबड़ की परीक्षण पद्धति, भाग 10 अचर प्रतिबल पर सम्पीड़न द्वारा जमाया (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 3400 (भाग 10)—1969 बल्कनीकूल रबड़ की परीक्षण पद्धति भाग 10 अचर प्रतिबल पर सम्पीड़न द्वारा जमाया ।	—	—
13 IS : 3688-1977 शाफ्ट मिर्गों के माप (पहला पुनरीक्षण) IS : 3688-1966 शाफ्ट मिर्गों के माप	—	—	—
14 IS : 4521-1977 तेल कूपों और तेल कूपों में ड्रिलिंग IS : 4521-1968 तेल कूपों और तेल कूपों में में प्रयुक्त तार के रस्सों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	ड्रिलिंग में प्रयुक्त तार के रस्सों की विशिष्टि	—	—
15 4660-1977 शक्ति चालित औद्योगिक ट्रक सम्बन्धित IS : 4660-1968 शक्ति चालित और चिना शब्दावली (इसरा पुनरीक्षण) ।	शक्ति चालित ट्रक सम्बन्धी शब्दावली ।	—	—
16 IS : 4800 (भाग 10)—1977 इन्सेल चड़े गोल वाईडिंग तारों की प्रिविष्टि भाग 10 स्वदर्थक तार ।	—	—	—
17 IS : 5116-1977 इक्रित पेट्रोलियम गैसों के साथ काम में आने वाले घरेलू और व्यापारी उपस्कर सम्बन्धी सामान्य अपेक्षाएँ (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5116-1969 इक्रित पेट्रोलियम गैसों के साथ काम में आने वाले घरेलू और व्यापारिक उपस्कर सम्बन्धी सामान्य अपेक्षाएँ ।	—	—
18 IS : 5134-1977 बिट्युमेन मिक्सर कागज की विशिष्टि IS : 5134-1969 बिट्युमेन मिक्सर कागज (पहला पुनरीक्षण) ।	—	—	—
19 IS : 5290-1977 सैडिंग बाल्व (भूमिगत हाइटेंट) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5290-1969 सैडिंग बाल्व (भूमिगत) हाइटेंट की विशिष्टि ।	1977-10-31 को निर्धारित ।	—
20 IS : 5701 (भाग 12)-1977 प्रयोगशाला जीवों के प्रजनन, देखभाल, प्रबन्ध और आवास सम्बन्धी सहित भाग 12 प्रयोगशाला के लिए मैट्रिक ।	—	—	—
21 IS : 5852-1977 जूतों के लिए इम्पाल की सुरक्षा टो की परीक्षण टो कीप की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5852-1970 जूतों के लिए इम्पाल की सुरक्षित टो कीप की विशिष्टि ।	1977-12-31 को निर्धारित । *भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के उपयोग के लिए 78-04-01 से IS : 5852-1977 लागू होगा ।	—
22 IS : 7741 (भाग 4)-1977 लाउडस्पीकरों की विशिष्टि भाग 4 सामुदायिक रेडियो के लिए लाउडस्पीकर ।	IS : 1034-1957 सामुदायिक रेडियो के लिए लाउडस्पीकर तन्त्र ।	—	—
23 IS : 8426 (भाग 1)-1977 सूक्ष्म तरंग प्रकृतियों पर प्रयोग के लिए पूर्ण चुम्बकीय सामग्रियों के गुणधर्म मापने की पद्धति भाग 1 चुम्बकीकरण ।	—	—	—
24 IS : 8468-1977 कार्यरत स्थिति में टोटी परिवर्तकों की उपयोग संवर्णिका ।	—	—	—
25 IS : 8478-1977 कार्यरत स्थिति में टोटी परिवर्तकों के प्रनुपयोग की संदर्भिका ।	—	—	—
26 IS : 8508-1977 लोहा और इम्पाल एन्टिमिनीकरण की गर्म छब्बांक रीति की सिफारिश ।	—	—	—
27 IS : 8527-1977 दस्त निकालने की चिमटी की विशिष्टि	—	—	—

1	2	3	4
28	IS : 8528-1977 दोहरी शॉवनमा ग्राम के शतों का बनाने के लाभ की विशिष्टि ।	—	—
29	IS : 8530-1977 अधिकतम मांग सूचकों वर्षे 1 की विशिष्टि ।	—	—
30	IS : 8533-1977 पर्यावरण के लिए सामान्य उपयोग वाले कैगवाइतर की विशिष्टि ।	—	—
31	IS : 8534 (भाग 1)-1977 खोदने के टब कपलिंगों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ ।	—	—
32	IS : 8534 (भाग 2)-1977 खोदने के टब कपलिंगों की विशिष्टि भाग 2 हुक और झी-पाण किस्म के ।	—	—
33	IS : 8534 (भाग 4)-1977 खोदने के टब कपलिंगों की विशिष्टि भाग 4 सरकारना पाश किस्म के ।	—	—
34	IS : 8546-1977 केवल पिकर्स बनाने में प्रयुक्त चमड़े या कच्ची बाल सम्बन्धी अपेक्षाएँ ।	—	—
35	IS : 8547-1977 स्वचल करबों के लिए एकहरे बक्स पिकर की आकृति और माप सम्बन्धी सिफारिशें ।	—	—
36	IS : 8562-1977 कोम प्रयोक्त की बानी लेने की विधि ।	—	—
37	IS : 8575 (भाग 2)-1977 छौकी पर बने खुले पक्कों वाले पूर्ण ढांचे सहित सीरीज़ 1 के माल कंटेनर भाग 2 परीक्षण ।	—	—
38	IS : 8578-1977 चकियों (पल्वराइजरों) सम्बन्धी ग्रहक आंकड़ा-प्रपत्र ।	—	—
39.	IS : 8580-1977 कम्पन स्कीम सम्बन्धी विक्रेता आंकड़ा प्रपत्र ।	—	—
40.	IS : 8582-1977 डोनचीनम्, अपेक्षित सम्बन्धी विक्रेता आंकड़ा प्रपत्र ।	—	—
41.	IS : 8583-1977 बेक नमूने के डाइलेटर की विशिष्टि	—	—
42.	IS : 8584-1977 बैबकाक नमूने के पर्युक्त्रों कोर्सेप्ट की विशिष्टि ।	—	—
43.	IS : 8585-1977 ग्रासनली बूजी की विशिष्टि	—	—
44.	IS : 8586-1977 पूल नमूने की शूषण नसी की विशिष्टि	—	—
45.	IS : 8588 (भाग 1)-1977 तापस्थानी द्विधातुओं की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ और परीक्षण पद्धतियाँ	—	—
46.	IS : 8589 (भाग 1)-1977 आयुयान पैलेट पर माल करने के लिए काबला समुच्चय भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ ।	—	—
47.	IS : 8590-1977 विष्वत्सेपन के लिए इण्डियम सल्फेट की विशिष्टि ।	—	—
48.	IS : 8591-1977 कोकम बमा की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 8594-1977 चिकित्सा गोलों की विशिष्टि	—	—
50.	IS : 8595-1977 अचल भाष्प रॉइलरों के पैरामीटर सम्बन्धी शब्दावली ।	—	—
51.	IS : 8596-1977 अचल भाष्प बॉइलरों के सिफारिशी पैरामीटर ।	—	—
52.	IS : 8599-1977 ऐप्रन कनेक्टरों की चयन सिफारिशें	—	—
53.	IS : 8600-1977 तमाकू की बानी लेने की पद्धति	—	—

1	2	3	4
54.	IS : 8601-1977 चर्मकर्म उद्योग के लिए हरण (साबूत और पिसी) की विशिष्टि ।	—	—
55.	IS : 8604-1977 तुड़ाई के बाद अयस्क सोह छरों की संस्थीकृत सामर्थ्य ज्ञात करने की पद्धति ।	—	—
56.	IS : 8614-1977 स्वतः विलगायी 7/24 टेपर बाले मिलिंग आर्बर की विशिष्टि ।	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, १३-बहाबुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२ और इसके शास्त्र कार्यालय प्रदूमदाबाद, बंगलौर, मम्बई, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम से प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं० सी०ए०झ०/१३ : २]

(Dept. of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1980-07-11

S. O. 2116.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule here to annexed, have been established on 1978-01-31:

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards No.	No. and Title of the Indian Standard or Established Standards, if any, superseded by the new Indian Standard		Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 367—1977 Specification for electric kettles and jugs for household and similar use (Second Revision)	(i) IS : 367—1965 Specification for electric kettles (revised) & (ii) IS : 3482—1966 Specification for electric saucepans	Established on 1977-12-31	
2. *IS : 368—1977 Specification for electric immersion water heaters (Second Revision)	IS : 368—1963 Specification for electric immersion water heaters (revised)	Established on 1977-10-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 368-1977 shall come into force w.e.f. 1978-03-01	
3. IS : 1003 (Part I) 1977 Specification for timber panelled and glazed shutters Part I Door shutters (Second Revision)	IS : 1003 (Part I)—1966 Specification for timber panelled and glazed shutters Part I door shutters (First Revision)	—	
4. IS : 1315—1977 Method for determination of linear density of yarns spun on cotton system (First revision)	(i) IS : 237—1951 Method for determination of cotton yarn count (or yarn meildity in tax) and (ii) IS : 1315—1959 Method for determination of universal count of cotton yarn	—	
5. IS : 1448 (P : 22)—1977 Methods of test for petroleum and its products (P : 22) Asphaltene precipitation with normal heptane (First Revision)	IS : 1448 (P : 22)—1960 Methods of test for petroleum and its products P : 22 Hard asphalt content	—	
6. *IS : 1855—1977 Specification for stranded steel wire ropes for winding and man-riding haulages in mines (First Revision)	IS : 1855—1961 Specification for steel wire ropes for winding purposes in mines. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1855—1977 shall come into force w.e.f 1978-04-01	Established on 1977-12-31	
7. IS : 1899—1977 Specification for blow lamps (Second Revision)	IS : 1899—1965 Specification for blow lamps (revised)	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
8. *IS : 2581—1977 Specification for round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes (Second revision)	IS : 2581—1968 Specification for round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes (First revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2581—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-01	—
9. IS : 2686—1977 Specification for cinder aggregates for use in lime concrete (First revision)	IS : 2686—1964 Specification for cinder aggregates for use in lime concrete	—	—
10. *IS : 2870—1977 Specification for charge pump for pressure retaining type compression knapsack sprayer (First revision)	IS : 2870—1964 Specification for charge pump for pressure retaining knapsack sprayer	Established on 1977-10-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2870—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-15	—
11. IS : 3347 (Pt VII/Sec I)—1977 Dimensions for porcelain transformer bushings Part VII 123 kV bushings Section I porcelain parts	—	—	—
12. IS : 3400 (Part X)—1977 Methods of test for vulcanized rubbers Part X compression set at constant strain (First Revision)	IS : 3400 (Part X)—1969 Methods of test for vulcanized rubbers Part X compression set at constant strain.	—	—
13. IS : 3688—1977 Dimensions for shaft ends (First revision)	IS : 3688—1966 Dimensions for shaft ends	—	—
14. IS : 4521—1977 Specification for wire ropes used in oil wells and oil well drilling (First Revision)	IS : 4521—1968 Specification for wire ropes used in oil wells and oil well drilling	—	—
15. IS : 4660—1977 Glossary of terms relating to powered industrial trucks (Second Revision)	IS : 4660—1968 Glossary of terms on powered and non-powered trucks	—	—
16. IS : 4800 (Part X)—1977 Specification for enamelled round winding wires Part X self bonding wires	—	—	—
17. IS : 5116—1977 General requirements for domestic and commercial equipment for use with LPG (First Revision)	IS : 5116—1969 General requirements for domestic and commercial equipment for use with LPG	—	—
18. IS : 5134—1977 Specification for bitumen impregnated paper (First Revision)	IS : 5134—1969 Specification for bitumen impregnated paper and board	—	—
19. IS : 5290—1977 Specification for landing valves (internal hydrant) (First Revision)	IS : 5290—1969 Specification for landing valves (internal hydrant)	Established on 1977-10-31	—
20. IS : 5701 (Part VII)—1977 Code for breeding, care, management and housing of laboratory animals Part VII laboratory frogs	—	—	—
21. *IS : 5852—1977 Specification for protective steel toe caps for footwear (First Revision)	IS : 5852—1970 Specification for protective steel toe caps for footwear	Established on 1977-12-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 5852—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-01	—
22. IS : 7741 (Part IV)—1977 Specification for loudspeakers Part IV loudspeakers for community radio receivers	IS : 1034—1957 Specification for loudspeaker systems community radio receivers	—	—
23. IS : 8426 (Part I)—1977 Methods for measurements for properties of gyro-magnetic materials for use at microwave frequencies Part I magnetization	—	—	—
24. IS : 8468—1977 Specification for on-load tap-changers	—	—	—
25. IS : 8478—1977 Application guide for on-load tap-changers	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
26.	IS : 8508—1977 Recommended practice for hot-dip aluminizing of iron and steel	—	—
27.	IS : 8527—1977 Specification for tweezers, extraction, dental	—	—
28.	IS : 8528—1977 Specification for pliers, anterior band forming, double beak, dental	—	—
29.	IS : 8530—1977 Specification for maximum demand indicators, Class I	—	—
30.	IS : 8533—1977 Specification for general purpose carabiners for mountaineering	—	—
31.	IS : 8534 (Part I)—1977 Specification for mine tub couplings Part I General requirements	—	—
32.	IS : 8534 (Part II)—1977 Specification for mine tub couplings Part II hook and d—shackle type	—	—
33.	IS : 8534 (Part VI)—1977 Specification for mine tub couplings Part IV bow shackle type	—	—
34.	IS : 8546—1977 Requirements for leather or raw-hide exclusively used in the manufacture of pickers	—	—
35.	IS : 8547—1977 Recommendations on shape and dimensions of single box picker for automatic looms	—	—
36.	IS : 8562—1977 Methods of sampling chrome ore	—	—
37.	IS : 8575 (Part II)—1977 Specification for series I freight containers, platform-based, open-sided with complete superstructure Part II testing	—	—
38.	IS : 8587—1977 Purchaser's data sheet for pulverizers	—	—
39.	IS : 8580—1977 Supplier's data sheet for vibrating screens	—	—
40.	IS : 8582—1977 Supplier's data sheet for basket type centrifuges	—	—
41.	IS : 8583—1977 Specification for dilators, Baker's pattern	—	—
42.	IS : 8584—1977 Specification for caps, peritoneum, Babcock's pattern	—	—
43.	IS : 8585—1977 Specification for bougie, oesophageal	—	—
44.	IS : 8586—1977 Specification for suction tube, Poole's pattern	—	—
45.	IS : 8588 (Part I)—1977 Specification for thermostatic bimetals Part I general requirements and methods of tests	—	—
46.	IS : 8589 (Part I)—1977 Specification for net-assembly to secure cargo on aircraft pallets Part I general requirements	—	—
47.	IS : 8590—1977 Specification for Indium sulphate for electroplating	—	—
48.	IS : 8591—1977 Specification for kokum fat	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
49. IS : 8594—1977 Specification for ball, medicine		—	—
50. IS : 8595—1977 Terminology for parameters of stationary steam boilers		—	—
51. 8596—1977 Recommended parameters of stationary steam boilers		—	—
52. IS : 8599—1977 Recommendations for selection of apron conveyors		—	—
53. IS : 8600—1977 Method for sampling of tobacco		—	—
54. IS : 8601—1977 Specification for myrobalan nuts (whole and crushed) for tanning industry		—	—
55. IS : 8604—1977 Method for determination of compression strength of iron ore pellets after reduction		—	—
56. IS : 8614—1977 Specification for milling arbors with self-release 7/24 taper		—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Bhubneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का० आ० 2117.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 में उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन 311 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका फरवरी 1980 में नवीकरण किया गया है :

अनुसूची

क्रम संख्या/एवं संख्या	वैध से तक	भारतीय मानक विशिष्टि की पद संख्या				
		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 20	79-10-16	80-10-15	IS: 296—1976			
2. 52	80-02-01	81-01-31	IS: 10 (भाग 2)—1976			
3. 101	80-01-01	80-12-31	IS: 10 (भाग 2)—1976			
4. 105	80-02-16	81-02-15	IS: 10 (भाग 2)—1976			
5. 131	80-01-16	81-01-15	IS: 561—1972			
6. 212	79-09-01	80-08-31	IS: 10 (भाग 3)—1976			
7. 224	80-03-01	81-02-28	IS: 10 (भाग 11)—1976			
8. 241	80-0-01	81-01-31	IS: 562—1972			
9. 251	80-01-01	80-12-31	IS: 1221—1971			
10. 369	80-01-01	80-12-31	IS: 916—1975			
11. 489	80-01-16	81-01-15	IS: 325—1970			
12. 490	80-01-16	81-01-15	IS: 966—1964			
13. 529	79-11-16	80-11-15	IS: 774—1971			
14. 544	80-01-01	80-12-31	IS: 434 (भाग 1 और 2) —1964			
15. 553	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977			
16. 559	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977			
17. 629	80-01-01	80-12-31	IS: 1855—1977 सुधा IS: 1856—1977			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
18. 698	80-01-16	81-01-15	IS: 774—1971	
19. 793	79-10-01	80-09-30	IS: 226—1975	
20. 834	80-02-01	81-01-31	IS: 398 (भाग 2) 1976	
21. 1090	80-03-01	81-02-28	IS: 226—1975	
22. 1091	80-03-01	81-02-28	IS: 1977—1975	
23. 1109	80-02-01	81-01-31	IS: 280—1978	
24. 1149	79-12-16	80-12-15	IS: 694—1977	
25. 1152	80-02-01	31-01-31	IS: 2865—1964	
26. 1162	80-01-01	80-12-31	IS: 398 (भाग 1 और 2)—1976	
27. 1176	80-01-01	80-12-31	IS: 1536—1976	
28. 1231	80-02-01	81-01-31	IS: 3975—1966	
29. 1237	79-12-16	80-12-15	IS: 692—1973	
30. 1274	79-10-16	80-10-15	IS: 1851—1975	
31. 1380	80-01-01	80-12-31	IS: 1596—1977	
32. 1433	79-12-16	80-12-15	IS: 1596—1970	
33. 1487	80-02-01	81-01-31	IS: 916—1975	
34. 1505	80-01-01	80-12-31	IS: 398 (भाग 2)—1976	
35. 1512	80-02-01	81-01-31	IS: 564—1975	
36. 1576	79-12-01	80-11-30	IS: 10 (भाग 3)—1974	
37. 1659	80-01-16	81-01-15	IS: 633—1975	
38. 1758	80-01-01	80-12-31	IS: 3623—1966	
39. 1759	80-01-01	80-12-31	IS: 3975—1967	
40. 1762	80-01-01	80-12-31	IS: 2266—1977	
			IS: 2365—1977	
			IS: 2581—1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
41.	1827	80-01-01	80-12-31	IS : 2465-1969	89.	3604	80-01-01	80-12-31	IS : 1785 (भाग 1)- 1966
42.	1882	80-01-01	80-12-31	IS : 3196-1974					IS : 1785 (भाग 2)- 1967
43.	1895	80-02-01	81-01-31	IS : 245-1970					
44.	2017	80-01-01	80-12-31	IS : 2326-1970					
45.	2097	79-12-16	80-12-15	IS : 398-1976	90.	3622	79-12-16	80-12-15	IS : 6914-1978
46.	2109	80-01-16	80-01-15	IS : 561-1972	91.	3623	79-12-16	80-12-15	IS : 6915-1978
47.	2124	80-01-01	80-12-31	IS : 10 (भाग 4)-1976	92.	3627	79-12-16	80-12-15	IS : 5455-1969
48.	2155	79-10-16	80-10-15	IS : 10 (भाग 3)-1974	93.	3628	80-01-01	80-12-31	IS : 6003-1970
49.	2175	80-01-01	80-12-31	IS : 694-1977	94.	3643	80-01-01	80-12-31	IS : 2148-1968
50.	2194	79-12-15	80-12-15	IS : 10 (भाग 4)-1976	95.	3647	80-01-01	80-12-31	IS : 2148-1968
51.	2238	80-02-01	81-01-31	IS : 1855-1977 और 1856-1977	96.	3653	80-01-01	80-12-31	IS : 2925-1975
52.	2239	80-02-01	81-01-31	IS : 2266-1970	97.	3661	80-01-16	81-01-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
53.	2377	80-02-16	81-02-15	IS : 10 (भाग 5)-1976					
54.	2395	79-12-01	80-11-30	IS : 774-1971					
55.	2439	80-01-16	81-01-15	IS : 564-1975	98.	3662	80-01-16	81-01-15	IS : 561-1978
56.	2441	80-01-16	81-01-15	IS : 633-1975	99.	3663	80-01-16	81-01-15	IS : 562-1972
57.	2484	80-01-16	81-01-15	IS : 2567-1978	100.	3683	79-11-16	80-11-15	IS : 226-1975
58.	2513	79-12-16	80-12-15	IS : 1554 (भाग 1)- 1976	101.	3684	79-11-16	80-11-15	IS : 1977-1975
59.	2536	80-02-01	81-01-31	IS : 1786-1966	102.	3696	80-02-01	81-01-31	IS : 398-1961
60.	2544	80-01-01	80-12-31	IS : 691-1966	103.	3702	80-02-01	81-01-01	IS : 6003-1970
61.	2583	79-12-16	80-12-15	IS : 325-1970	104.	3703	80-02-16	81-01-31	IS : 1785 (भाग 1 और 2)-1967
62.	2626	79-09-16	80-09-15	IS : 2266-1977	105.	3705	80-02-16	81-02-15	IS : 2148-1968
63.	2658	79-10-01	80-09-30	IS : 434 (भाग 1 और 2)-1964	106.	3708	80-02-16	81-02-15	IS : 325-1970
64.	2711	80-02-01	81-01-31	IS : 325-1978	107.	3714	79-02-16	80-02-15	IS : 226-1975
65.	2805	80-01-01	80-12-31	IS : 398 (भाग 1 लाया 2)-1976	108.	3717	80-02-16	81-02-15	IS : 325-1978
66.	2880	79-12-16	88-12-15	IS : 226-1977	109.	3730	80-03-01	81-02-20	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
67.	2835	80-01-01	80-12-31	IS : 269-1976	110.	3790	80-02-01	81-01-31	IS : 5281-1969
68.	2838	79-12-16	80-12-15	IS : 1786-1966	111.	3832	79-02-01	80-01-31	IS : 565-1975
69.	2878	80-02-01	81-01-31	IS : 2512-1963	112.	3893	80-02-01	81-01-31	IS : 1703-1977
70.	2888	80-02-01	81-12-31	IS : 1786-1966	113.	3901	80-02-01	81-01-31	IS : 1011-1968
71.	2903	80-01-01	80-01-31	IS : 774-1971	114.	4006	80-01-01	80-12-31	IS : 2509-1973
72.	2912	80-01-16	81-01-15	IS : 366-1965	115.	4032	80-02-01	81-01-31	IS : 2548-1967
73.	2921	80-02-16	81-02-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	116.	4041	79-11-16	80-11-15	IS : 6914-1978
74.	2922	80-02-16	81-02-15	IS : 694 (भाग 1 और 2) ---1964	117.	4042	79-11-16	80-11-15	IS : 6915-1978
75.	2938	80-03-01	81-02-20	IS : 1786-1966	118.	4076	79-12-01	80-11-30	IS : 1554 (भाग 1)- 1976
76.	2986	80-02-16	81-02-15	IS : 1554 (भाग 1)- 1964	119.	4096	80-01-01	80-12-31	IS : 3224-1974
77.	3039	79-10-16	80-10-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	120.	4106	80-01-01	80-12-31	IS : 2373-1973
78.	3065	79-11-16	80-11-15	IS : 458-1971	121.	4108	80-01-01	80-12-31	IS : 4246-1972
79.	3091	80-02-01	81-01-31	IS : 561-1972	122.	4109	80-01-01	80-12-31	IS : 2141-1968
80.	3183	79-09-16	80-09-15	IS : 226-1975	123.	4112	80-01-01	80-12-31	IS : 1239-(भाग 1) 1979
81.	3184	79-09-16	80-09-15	IS : 1977-1975	124.	4113	80-01-01	80-12-31	IS : 1703-1977
82.	3188	80-02-16	81-02-15	IS : 6599-1972	125.	4150	80-01-16	81-01-15	IS : 398-1961
83.	3242	80-03-01	81-02-28	IS : 335-1972	126.	4152	80-02-01	81-01-31	IS : 4246-1972
84.	3248	79-12-16	80-12-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	127.	4157	80-02-01	81-01-31	IS : 7121-1973
85.	3319	80-02-01	81-01-31	IS : 1011-1968	128.	4158	80-02-01	81-01-31	IS : 7122-1973
86.	3333	80-03-01	81-02-28	IS : 1726 (भाग 2) 1974	129.	4160	80-02-01	81-01-31	IS : 5679-1970
87.	3362	80-03-16	81-03-15	IS : 335-1972	130.	4179	80-02-01	81-01-31	IS : 1875-1971
88.	3418	79-09-16	80-09-15	IS : 390 (भाग 2)- 1976	131.	4186	80-02-01	81-01-31	IS : 5346-1975
					132.	4187	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (भाग 4)-1976
					133.	4188	79-12-16	80-12-15	IS : 5950-1971

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
134.	4109	80-02-01	81-01-31	IS : 5346-1975	183.	5618	79-11-01	80-10-31	IS : 8055-1976
135.	4194	80-02-01	81-01-31	IS : 2052-1975	184.	5640	79-12-01	80-11-30	IS : 325-1970
136.	4195	80-02-01	81-01-31	IS : 6747-1972	185.	5672	79-12-01	80-11-30	IS : 778-1971
137.	4306	79-10-16	80-10-15	IS : 10 (भाग 3)-1974	186.	5690	79-10-16	80-10-15	IS : 458-1971
138.	4358	80-02-01	81-01-31	IS : 561-1972	187.	5727	80-03-01	81-02-28	IS : 1538 भाग 1 23)-1976
139.	4391	80-01-16	81-01-15	IS : 565-1975	188.	5728	80-01-01	80-12-31	IS : 2089-1972
140.	4477	80-01-16	81-01-15	IS : 325-1970	189.	5734	80-02-16	81-02-15	IS : 1875-1970
141.	4563	79-09-16	80-08-15	IS : 10 (भाग 4)-1976	190.	5740	79-12-16	80-12-15	IS : 7175-1974
142.	4591	79-12-16	80-12-15	IS : 1658-1966	191.	5741	79-12-16	80-12-15	IS : 5430-1969
143.	4699	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	192.	5752	80-02-16	81-02-15	IS : 564-1975
144.	4700	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	193.	5772	80-01-16	81-01-15	IS : 2415-1969
145.	4701	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	194.	5791	80-01-16	81-01-15	IS : 1977-1975
146.	4705	79-10-01	80-09-30	IS : 1048-1971	195.	5783	80-01-16	81-01-15	IS : 2567-1978
147.	4706	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	196.	5792	80-01-16	81-01-15	IS : 2140-1968
148.	4747	79-11-01	80-10-31	IS : 10 (भाग 3)-1974	197.	5810	80-01-16	81-01-15	IS : 2465-1969
149.	4777	80-02-01	01-01-31	IS : 4366 (भाग 1) 1972	198.	5818	80-01-01	80-12-31	IS : 3986 (भाग 1) 1974
150.	4815	79-12-01	80-11-30	IS : 335-1972	199.	5821	80-02-21	81-01-31	IS : 1601-1960
151.	4851	79-12-01	80-11-30	IS : 8054-1976	200.	5828	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972
152.	4882	79-12-01	80-11-30	IS : 774-1974	201.	5831	80-02-01	81-01-31	IS : 7538-1975
153.	4894	79-12-16	80-12-15	IS : 1180-1964	202.	5841	80-02-01	81-01-31	IS : 7121-1973
154.	4997	80-03-01	81-02-28	IS : 561-1972	203.	5864	80-01-16	81-01-15	IS : 6914-1978
155.	4916	80-01-01	80-12-31	IS : 624-1975	204.	5874	80-02-01	81-01-31	IS : 1554 (भाग 1)- 1964
156.	4918	80-01-01	80-12-31	IS : 1283-196	205.	5878	80-02-16	81-02-15	IS : 561-1972
157.	4999	80-01-16	81-01-15	IS : 564-1975	206.	5880	80-02-16	81-02-15	IS : 633-1975
158.	4955	80-01-16	81-01-15	IS : 325-1970 और IS : 1520-1970	207.	5884	80-02-01	81-01-31	IS : 1977-1975
159.	4963	80-03-16	81-03-15	IS : 5225-1969	208.	5890	80-02-16	81-02-15	IS : 4964 (भाग 2)- 1975
160.	4978	80-02-01	81-01-31	IS : 5515-1969	209.	5891	80-02-16	81-02-15	IS : 5430-1969
161.	4971	79-12-16	80-12-15	IS : 1026-1966	210.	5893	80-02-16	81-02-15	IS : 3903-1975
162.	4962	80-02-01	81-01-31	IS : 335-1972	211.	5896	80-02-16	81-02-15	IS : 4323-1967
163.	4996	80-02-16	81-02-15	IS : 5346-1975	212.	5897	80-02-16	81-02-15	IS : 4323-1967
164.	5002	80-02-16	81-02-15	IS : 2834-1964	213.	5899	80-02-03	81-01-31	IS : 226-1975
165.	5007	80-02-16	81-02-15	IS : 564-1975	214.	5905	80-02-16	81-02-16	IS : 1166-1973
166.	5018	80-02-01	81-01-31	IS : 325-1978	215.	5911	80-02-16	81-02-15	IS : 4366 (भाग 1)- 1972
167.	5019	80-02-16	81-02-15	IS : 1165-1975	216.	5914	80-03-01	81-02-28	IS : 572-1972
168.	5020	80-02-16	81-02-15	IS : 561-1972	217.	5918	80-03-01	81-02-28	IS : 816-1975
169.	5058	80-01-16	81-01-15	IS : 1814 (भाग 1 और 2)-1974	218.	5924	80-03-01	81-02-28	IS : 4246-1972
170.	5095	80-03-01	81-02-28	IS : 916-1975	219.	5956	79-12-16	80-12-15	IS : 2593-1964
171.	5108	80-02-01	81-01-31	IS : 325-1970	220.	5972	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972 और IS : 7538-1975
172.	5181	79-10-16	80-10-15	IS : 774-1971	221.	5993	79-12-16	80-12-15	IS : 4288-1967
173.	5232	80-02-01	81-01-31	IS : 4808-1968	222.	6040	80-04-16	81-04-15	IS : 1601-1960
174.	5279	79-12-16	80-12-15	IS : 2148-1968	223.	6066	80-01-16	81-01-15	IS : 7538-1975
175.	5461	79-09-16	80-09-15	IS : 2509-1973	224.	6132	80-01-16	81-01-15	IS : 8028-1976
176.	5509	79-10-01	80-09-30	IS : 398 (भाग 2)- 1976	225.	6293	79-10-01	80-09-30	IS : 1026-1966
177.	5516	80-08-01	81-02-20	IS : 1601-1960	226.	6308	79-09-16	80-09-15	IS : 3623-1966
178.	5587	79-11-01	80-10-31	IS : 1536-1979	227.	6362	80-02-01	81-01-31	IS : 1251-1973
179.	5595	80-01-16	81-01-15	IS : 1507-1966	228.	6390	79-09-16	80-09-15	IS : 780-1969
180.	5601	79-11-01	80-10-31	IS : 7283-1970	229.	6422	79-12-16	80-12-15	IS : 459-1971
181.	5602	79-11-01	80-10-31	IS : 4432-1967	230.	6434	79-10-01	80-09-30	IS : 1239 (भाग 1)- 1979

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
231	6452	79-10-16	80-10-15	IS : 325-1970	281	7341	79-11-16	80-11-15	IS : 1239-(भाग 1)-1979
232	6454	80-02-16	81-02-15	IS : 564-1975	282	7371	79-12-01	80-11-30	IS : 1239 (भाग 1)-1979
233	6458	79-10-16	80-10-15	IS : 4175-1967	283	7387	79-12-01	80-11-30	IS : 458-1971
234	6464	80-02-16	81-02-15	IS : 226-1973	284	7411	79-12-16	80-12-15	IS : 10 (भाग 4)-1976
235	6476	79-11-01	80-10-31	IS : 1222-1973	285	7412	79-12-16	80-12-15	IS : 7452-1974
236	6482	79-11-01	80-10-31	IS : 6073-1971	286	7437	80-01-01	80-12-31	IS : 6914-1978
237	6537	79-12-01	80-11-30	IS : 780-1969	287	7438	80-01-01	80-12-31	IS : 6915-1978
238	6543	79-12-01	80-11-30	IS : 2878-1978	288	7440	80-01-01	80-12-31	IS : 1786-1966
239	6550	80-02-01	81-01-31	IS : 8291-1976	289	7449	80-01-16	81-01-15	IS : 1061-1975
240	6576	80-01-01	80-12-31	IS : 1222-1973	290	7472	80-01-16	81-01-15	IS : 1801-1960
241	6597	80-01-01	80-12-31	IS : 3748-1966	291	7474	80-01-16	81-01-15	IS : 226-1973
242	6599	80-01-01	80-12-31	IS : 226-1975	292	7477	80-01-16	81-01-15	IS : 133-1968
243	6624	80-01-01	80-12-31	IS : 6595-1972 शीर	293	7486	80-02-01	81-01-31	IS : 694-1977
				IS : 7538-1975	294	7487	80-02-01	81-01-31	IS : 694-1977
244	6635	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972	295	7488	80-02-01	81-01-31	IS : 2834-1964
245	6642	80-01-16	81-01-15	IS : 1223 (भाग 2)-1972	296	7491	80-02-01	81-01-31	IS : 6595-1972
					297	7492	80-02-01	81-01-31	IS : 7830-1975
246	6646	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972	298	7496	80-02-01	81-01-31	IS : 694-1977
247	6647	80-01-16	80-01-15	IS : 1161-1979	299	7498	80-02-01	81-01-31	IS : 633-1975
248	6653	80-01-16	81-01-15	IS : 5281-1960	300	7510	80-02-16	81-02-15	IS : 4965 (भाग 2)-1978
249	6661	80-01-16	81-01-15	IS : 226-1973	301	7511	80-02-16	81-02-15	IS : 4965 (भाग 2)-1975
250	6671	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (भाग 4)-1976	302	7511	80-02-16	81-02-15	IS : 633-1975
251	6673	80-02-01	81-01-31	IS : 1601-1960	303	7514	80-02-16	81-02-15	IS : 3196-1974
252	6674	80-02-01	81-01-31	IS : 3903-1976	304	7515	80-02-16	81-02-15	IS : 633-1975
253	6681	79-09-16	80-09-15	IS : 3745-1976	305	7518	80-02-16	81-02-15	IS : 916-1975
254	6685	80-02-01	81-01-31	IS : 565-1976	306	7520	80-02-16	80-11-15	IS : 4964 (भाग 2)-1975
255	6696	80-02-03	81-01-31	IS : 3903-1975	307	7522	80-02-16	81-02-15	IS : 814 (भाग 1 शीर 2)-1974
256	6697	80-02-01	81-01-31	IS : 564-1975	308	7523	80-02-16	81-05-15	IS : 6430-1978
257	6698	80-02-01	81-01-31	IS : 7122-1973	309	7531	80-02-16	81-02-15	IS : 1891 (भाग 1)-1968
258	6699	80-02-03	81-01-31	IS : 1308-1974	310	7565	80-03-01	81-02-28	IS : 1165-1975
259	6700	80-02-01	81-01-31	IS : 1239-(भाग 1)-1973	311	7572	80-03-01	81-02-28	IS : 1601-1960
260	6718	80-02-01	81-01-31	IS : 3575-1977					[सं. सं. एम. दो. /13:12]
261	6723	80-02-16	81-02-15	IS : 694-1977					
262	6728	80-02-16	81-02-15	IS : 2358-1963					
263	6730	80-02-16	81-02-15	IS : 2208-1962					
264	6742	80-02-16	81-02-15	IS : 366-1965					
265	6759	80-02-16	81-02-15	IS : 1165-1975					
266	6761	80-02-16	81-02-15	IS : 325-1970					
267	6762	80-02-16	81-02-15	IS : 1161-1968					
268	6763	80-02-16	81-02-15	IS : 2567-1973					
269	6811	80-03-16	81-03-15	IS : 1601-1960					
270	6815	80-03-01	71-02-28	IS : 633-1975					
271	7093	79-07-01	80-06-30	IS : 1398-1968					
272	7211	79-09-16	80-09-30	IS : 280-1978					
273	7245	79-10-01	80-09-30	IS : 371-1966					
274	7252	79-10-01	80-10-31	IS : 325-1978					
275	7271	79-10-16	80-10-15	IS : 1785-(भाग 1) शीर 2)-1967					
276	7300	79-11-16	80-11-15	IS : 6914-1970					
277	7303	79-11-16	80-11-15	IS : 7577-1975					
278	7320	79-11-16	80-11-15	IS : 6914-1978					
279	7321	79-11-16	80-11-15	IS : 398 (भाग 1 शीर 2)-1976					
280	7335	79-11-16	80-11-15	IS : 7538-1975					

SCHEDULE.

Sl. No.	CM/L No.	Valid		Indian Standard Spec-ification No.
		From	To	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	20	79-10-16	80-10-15	IS : 296-1976
2.	52	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (Pt II)-1976
3.	101	80-04-01	80-12-31	IS : 10 (Pt III)-1976
4.	105	80-02-16	81-02-15	IS : 10 (Pt II)-1976

S.O. 2117.--In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1953, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 311 Licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of February, 1980:

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
5.	131	80-01-16	81-01-15	IS: 561—1972	66.	2830	79-12-16	80-12-15	IS: 226—1977
6.	212	79-09-01	80-08-31	IS: 10 (Pt IV)—1976	67.	2835	80-01-01	80-12-31	IS: 269—1976
7.	224	80-03-01	81-02-28	IS: 10 (Pt II)—1976	68.	2838	79-12-16	80-12-15	IS: 1786—1966
8.	241	80-02-01	81-01-31	IS: 562—1972	69.	2878	80-02-01	81-01-31	IS: 2312—1963
9.	251	80-01-01	80-12-31	IS: 1221—1971	70.	2888	80-02-01	81-01-31	IS: 1786—1966
10.	369	80-01-01	80-12-31	IS: 916—1975	71.	2903	80-01-01	80-12-31	IS: 774—1971
11.	489	80-01-16	81-01-15	IS: 325—1970	72.	2912	80-01-16	81-01-15	IS: 366—1963
12.	490	80-01-16	81-01-15	IS: 966—1964	73.	2921	80-02-16	81-02-15	IS: 398—(Pts I & II)—1976
13.	529	79-11-16	80-11-15	IS: 774—1971	74.	2922	80-02-16	81-02-15	IS: 694 (Pts I & II) 1964
14.	544	80-01-01	81-12-31	IS: 434 (Pts I & II)—1964	75.	2938	80-03-01	81-02-28	IS: 1786—1966
15.	553	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977	76.	2986	80-02-16	81-02-15	IS: 1554 (Pt I)—1964
16.	559	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977	77.	3039	79-10-16	80-10-15	IS: 398 (Pts I & II)—1976
17.	629	80-01-01	80-12-31	IS: 1855—1977 &	78.	3065	79-11-16	80-11-15	IS: 458—1971
				IS: 1856—1977	79.	3091	80-02-01	81-01-31	IS: 561—1972
18.	698	80-01-16	81-01-15	IS: 774—1971	80.	3183	79-09-16	80-09-15	IS: 226—1975
19.	793	79-10-01	80-09-30	IS: 226—1975	81.	3184	79-09-16	80-09-15	IS: 1977—1975
20.	834	80-02-01	81-01-31	IS: 398 (Pt II)—1976	82.	3188	80-02-16	81-02-15	IS: 6599—1972
21.	1090	80-03-01	81-02-28	IS: 226—1975	83.	3242	80-03-01	81-02-28	IS: 335—1972
22.	1091	80-03-01	81-02-28	IS: 1977—1975	84.	3248	79-12-16	80-12-15	IS: 398 (Pts I & II)—1976
23.	1109	80-02-01	81-01-31	IS: 280—1978	85.	3319	80-02-01	81-01-31	IS: 1011—1968
24.	1149	79-12-16	80-12-15	IS: 694—1977	86.	3333	80-03-01	81-02-28	IS: 1726—(Pt II)—1974
25.	1152	80-02-01	80-01-31	IS: 2865—1964	87.	3362	80-03-16	81-03-15	IS: 335—1972
26.	1162	80-01-01	80-12-31	IS: 398 (Pts I & II)—1976	88.	3418	79-09-16	80-09-15	IS: 398 (Pt II)—1976
27.	1176	80-01-01	80-12-31	IS: 1536—1976	89.	3604	80-01-01	80-12-31	IS: 1785 (Pt I)—1966
28.	1231	80-02-01	80-01-31	IS: 3975—1966					IS: 1785 (Pt II)—1967
29.	1237	79-12-16	80-12-15	IS: 692—1973	90.	3622	79-12-16	80-12-15	IS: 6914—1978
30.	1274	79-10-16	80-10-15	IS: 1851—1975	91.	3623	79-12-16	80-12-15	IS: 6915—1978
31.	1380	80-01-01	80-12-31	IS: 1596—1977	92.	3627	79-12-16	80-12-15	IS: 5455—1969
32.	1433	79-12-16	10-12-15	IS: 1596—1970	93.	3628	80-01-01	80-12-31	IS: 6003—1970
33.	1487	80-02-01	81-01-31	IS: 916—1975	94.	3643	80-01-01	80-12-31	IS: 2148—1968
34.	1505	80-10-01	80-12-15	IS: 398—(Pt II)—1976	95.	3647	80-01-01	80-12-31	IS: 2148—1968
35.	1512	80-02-01	80-01-31	IS: 564—1975	96.	3653	80-01-01	80-12-31	IS: 2925—1975
36.	1576	79-12-01	80-11-30	IS: 10 (Pt III)—1974	97.	3661	80-01-16	80-01-15	IS: 398 (Pts I & II)—1976
37.	1659	80-01-16	80-01-15	IS: 633—1975	98.	3662	80-01-16	80-01-15	IS: 561—1978
38.	1758	80-01-01	80-12-31	IS: 3623—1966	99.	3663	80-01-16	80-01-15	IS: 562—1972
39.	1759	80-01-01	80-12-31	IS: 3975—1967	100.	3683	79-11-16	80-11-15	IS: 226—1975
40.	1762	80-01-01	80-12-31	IS: 2266—1977	101.	3684	79-11-16	80-11-15	IS: 1977—1975
				IS: 2365—1977	102.	3696	80-02-01	81-01-31	IS: 398—1961
				IS: 2581—1968	103.	3702	80-02-01	81-01-01	IS: 6003—1970
41.	1827	80-01-01	80-12-31	IS: 2465—1969	104.	3703	80-02-01	81-01-31	IS: 1785 (Pts I & II)—1967
42.	1882	80-01-01	80-12-31	IS: 3196—1974	105.	3705	80-02-16	81-02-15	IS: 2148—1968
43.	1995	80-02-01	81-01-31	IS: 245—1970	106.	3708	80-02-16	81-02-15	IS: 325—1970
44.	2017	80-01-01	80-12-31	IS: 2326—1970	107.	3714	79-02-16	80-02-15	IS: 226—1975
45.	2097	79-12-16	80-12-15	IS: 398—1976	108.	3717	80-02-16	81-02-15	IS: 325—1978
46.	2109	80-01-16	80-01-15	IS: 561—1972	109.	3730	80-03-01	81-02-28	IS: 398 (Pts I & II)—1976
47.	2124	80-01-01	80-12-31	IS: 10 (Pt IV)—1976	110.	3790	80-02-01	81-01-31	IS: 5281—1969
48.	2155	79-10-16	80-10-15	IS: 10 (Pt III)—1974	111.	3832	79-02-01	80-01-31	IS: 565—1975
49.	2175	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977	112.	3893	80-02-01	81-01-31	IS: 1703—1977
50.	2194	79-12-15	80-12-15	IS: 10 (Pt IV)—1976	113.	3901	80-02-01	81-01-31	IS: 1011—1968
51.	2238	80-02-01	80-01-31	IS: 1855—1977 &	114.	4006	80-01-01	80-12-31	IS: 2509—1973
				1856—1977	115.	4032	80-02-01	81-01-31	IS: 2548—1967
52.	2239	80-02-01	81-01-31	IS: 2266—1970	116.	4041	79-11-16	80-11-15	IS: 6914—1978
53.	2377	80-02-16	81-02-15	IS: 10 (Pt V)—1976	117.	4042	79-11-16	80-11-15	IS: 6915—1978
54.	2395	79-12-01	80-11-30	IS: 774—1971	118.	4076	79-12-01	80-11-30	IS: 1554 (Pt I)—1976
55.	2439	80-01-16	80-01-15	IS: 564—1975	119.	4096	80-01-01	80-12-31	IS: 3224—1974
56.	2441	80-01-16	81-01-15	IS: 663—1975	120.	4106	80-01-01	80-12-31	IS: 2373—1973
57.	2484	80-01-16	80-01-15	IS: 2567—1968	121.	4108	80-01-01	80-12-31	IS: 2446—1972
58.	2513	79-12-16	80-12-15	IS: 1554(Pt I)—1976	122.	4109	80-01-01	80-12-31	IS: 2141—1968
59.	2536	80-02-01	81-01-31	IS: 1786—1966	123.	4112	80-01-01	80-12-31	IS: 1239 (Pt I)—1979
60.	2544	80-01-01	80-12-31	IS: 691—1966	124.	4113	80-01-01	80-12-31	IS: 1703—1977
61.	2583	79-12-16	80-12-15	IS: 325—1970	125.	4150	80-01-16	81-01-15	IS: 398—1961
62.	2626	79-09-16	80-09-15	IS: 2266—1977	126.	4152	80-02-01	81-01-31	IS: 4246—1972
63.	2658	79-10-01	80-09-30	IS: 434(Pts I & II)—1964	127.	4157	80-02-01	81-01-31	IS: 7121—1973
64.	2711	80-02-01	81-01-31	IS: 325—1978	128.	4158	80-02-01	81-01-31	IS: 7122—1973
65.	2805	80-01-01	80-12-31	IS: 398(Pts I & II)—1976	129.	4160	80-02-01	81-01-31	IS: 5679—1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
130.	4179	80-02-01	81-01-31	IS : 1875—1971	191.	5741	79-12-16	80-12-15	IS : 5430—1969
131.	4186	80-02-01	81-01-31	IS : 5346—1975	192.	5752	80-02-16	81-02-15	IS : 564—1975
132.	4187	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (Pt IV)—1976	193.	5772	80-01-16	81-01-15	IS : 2415—1969
133.	4188	79-12-16	80-12-15	IS : 5950—1971	194.	5781	80-01-16	81-01-15	IS : 1977—1975
134.	4189	80-02-01	81-01-31	IS : 5346—1975	195.	5783	80-01-16	81-01-15	IS : 2567—1978
135.	4194	80-02-01	81-01-31	IS : 2052—1975	196.	5792	80-01-16	81-01-15	IS : 2148—1968
136.	4195	80-02-01	81-01-31	I : 6747—1972	197.	5810	80-01-16	81-01-15	IS : 2465—1969
137.	4306	79-10-16	80-10-15	IS : 10 (Pt III)—1974	198.	5818	80-01-01	80-12-31	IS : 3906 (Pt I)—1974
138.	4358	80-02-01	81-01-31	IS : 561—1972	199.	5821	80-02-01	81-01-31	IS : 1601—1960
139.	4391	80-01-16	81-01-15	IS : 565—1975	200.	5828	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972
140.	4477	80-01-16	81-01-15	IS : 325—1970	201.	5831	80-02-01	81-01-31	IS : 7538—1975
141.	4563	79-09-16	80-08-15	IS : 10 (Pt IV)—1976	202.	5841	80-02-01	81-01-31	IS : 7121—1973
142.	4591	79-12-16	80-12-15	IS : 1658—1966	203.	5864	80-01-16	81-01-15	IS : 6914—1978
143.	4699	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	204.	5874	80-02-01	81-01-31	IS : 1554 (Pt I)—1964
144.	4700	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	205.	5878	80-02-16	81-02-15	IS : 561—1972
145.	4701	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	206.	5880	80-02-16	81-02-15	IS : 633—1975
146.	4705	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	207.	5884	80-02-01	81-01-31	IS : 1977—1975
147.	4706	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	208.	5890	80-02-16	81-02-15	IS : 4954 (Part II)—1975
148.	4747	79-11-01	80-10-31	IS : 10 (Pt III)—1974	209.	5891	80-02-16	81-02-15	IS : 5430—1969
149.	4777	80-02-01	81-01-31	IS : 4366 (Pt I)—1972	210.	5893	80-02-16	81-02-15	IS : 3903—1975
150.	4815	79-12-01	80-11-30	IS : 335—1972	211.	5896	80-02-16	81-02-15	IS : 4323—1967
151.	4851	79-12-01	80-11-30	IS : 8054—1976	212.	5897	80-02-16	81-02-15	IS : 4323—1967
152.	4882	79-12-01	80-11-30	IS : 774—1974	213.	5899	80-02-01	81-01-31	IS : 226—1975
153.	4894	79-12-16	80-12-15	IS : 1180—1964	214.	5905	80-02-16	81-02-15	IS : 1166—1973
154.	4897	80-03-01	81-02-28	IS : 561—1972	215.	5911	80-02-16	81-02-15	IS : 4366 (Pt I)—1972
155.	4916	80-01-01	80-12-31	IS : 624—1975	216.	5914	80-03-01	81-02-28	IS : 562—1972
156.	4918	80-01-01	80-12-31	IS : 1283—1968	217.	5918	80-03-01	81-02-28	IS : 916—1975
157.	4939	80-01-16	81-01-15	IS : 564—1975	218.	5924	80-03-01	81-02-28	IS : 4246—1972
158.	4955	80-01-16	81-01-15	IS : 325—1970 & IS : 1520—1970	219.	5936	79-12-16	80-12-15	IS : 2593—1964
					220.	5972	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972 & IS : 7538—1975
159.	4965	80-03-16	81-03-15	IS : 5225—1969	221.	5993	79-12-16	80-12-15	IS : 4288—1967
160.	4970	80-02-01	81-01-31	IS : 5515—1969	222.	6040	80-04-16	81-04-15	IS : 1601—1960
161.	4971	79-12-16	80-12-15	IS : 1026—1966	223.	6066	80-01-16	81-01-15	IS : 7358—1975
162.	4982	80-01-01	81-01-31	IS : 335—1972	224.	6132	80-01-16	81-01-15	IS : 8028—1976
163.	4996	80-02-16	81-02-15	IS : 5346—1975	225.	6293	79-10-01	80-09-30	IS : 1026—1966
164.	5002	80-02-16	81-02-15	IS : 2834—1964	226.	6308	79-09-16	80-09-15	IS : 3623—1966
165.	5007	80-02-16	81-02-15	IS : 564—1975	227.	6362	80-02-01	81-01-31	IS : 1251—1973
166.	5018	80-02-01	81-01-31	IS : 325—1978	228.	6390	79-09-16	80-09-15	IS : 780—1969
167.	5019	80-02-16	81-02-15	IS : 1165—1975	229.	6422	79-12-16	80-12-15	IS : 458—1971
168.	5020	80-02-16	81-02-15	IS : 561—1972	230.	6434	79-10-01	80-09-30	IS : 1239 (Pt I)—1979
169.	5050	80-01-16	81-01-15	IS : 814 (Pts I & II)—1974	231.	6452	79-10-16	80-10-15	IS : 325—1970
170.	5098	80-03-01	81-02-28	IS : 916—1975	232.	6454	80-02-16	81-02-15	IS : 564—1975
171.	5108	80-02-01	81-01-31	IS : 325—1970	233.	6458	79-10-16	80-10-15	IS : 4175—1967
172.	5181	79-01-16	80-10-15	IS : 774—1971	234.	6464	80-02-16	81-02-15	IS : 226—1975
173.	5232	80-02-01	81-01-31	IS : 4808—1968	235.	6476	79-11-01	80-10-31	IS : 1222—1973
174.	5279	79-12-16	80-12-15	IS : 2148—1968	236.	6482	79-11-01	81-10-31	IS : 6073—1971
175.	5461	79-09-16	80-09-15	IS : 2509—1973	237.	6537	79-12-01	80-11-30	IS : 780—1969
176.	5509	79-10-01	80-09-30	IS : 398 (Pt II)—1976	238.	6543	79-12-01	80-11-30	IS : 2878—1978
177.	5516	80-03-01	81-02-28	IS : 1601—1960	239.	6550	80-02-01	81-01-31	IS : 8291—1976
178.	5587	79-11-01	80-10-31	IS : 1536—1976	240.	6576	80-01-01	80-12-31	IS : 1222—1975
179.	5595	80-01-16	81-01-15	IS : 1507—1966	241.	6597	80-01-01	80-12-31	IS : 3743—1966
180.	5601	79-11-01	80-10-31	IS : 7283—1970	242.	6599	80-01-01	80-12-31	IS : 226—1975
181.	5602	79-11-01	80-10-31	IS : 4432—1967	243.	6624	80-01-01	80-12-31	IS : 6595—1972 & IS : 7538—1975
182.	5617	79-11-01	80-10-31	IS : 8052—1976	244.	6635	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972
183.	5618	79-11-01	80-10-31	IS : 8055—1976	245.	6642	80-01-16	81-01-15	IS : 1223—(Pt II)—1972
184.	5640	79-12-01	80-11-30	IS : 325—1970	246.	6646	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972
185.	5672	79-12-01	80-11-30	IS : 778—1971	247.	6647	80-01-16	80-01-15	IS : 1161—1979
186.	5690	79-10-16	80-10-15	IS : 458—1971	248.	6653	80-01-16	81-01-15	IS : 5231—1969
187.	5727	80-03-01	81-02-28	IS : 1538 (Pts I to XXIII)—1976	249.	6661	80-01-16	81-01-15	IS : 226—1975
188.	5728	80-01-01	80-12-31	IS : 2089—1972	250.	6671	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (Pt IV)—1976
189.	5734	80-02-16	81-02-15	IS : 1875—1978	251.	6673	80-02-01	81-01-31	IS : 1601—1960
190.	5740	79-12-16	80-12-15	IS : 7175—1974	252.	6674	80-02-01	81-01-31	IS : 3903—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
253.	6681	79-09-16	80-09-15	JS : 3745—1978	283.	7387	79-12-01	80-11-30	IS : 458—1971
254.	6695	80-02-01	81-01-31	IS : 565—1975	284.	7411	79-12-16	80-12-15	IS : 10 (Pt IV)—1976
255.	6696	80-02-01	81-01-31	IS : 3903—1975	285.	7412	79-12-16	80-12-15	IS : 7452—1974
256.	6697	80-02-01	81-01-31	IS : 564—1975	286.	7437	80-01-01	80-12-31	IS : 6914—1978
257.	6698	80-02-01	81-01-31	IS : 7122—1973	287.	7438	80-01-01	80-12-31	IS : 6915—1978
258.	6699	80-02-01	81-01-31	IS : 1308—1974	288.	7440	80-01-01	80-12-31	IS : 1785—1966
259.	6700	80-02-01	81-01-31	IS : 1239—(Pt I)—1973	289.	7449	80-01-16	81-01-15	IS : 1061—1975
260.	6718	80-02-01	81-01-31	IS : 3575—1977	290.	7472	80-01-16	81-01-15	IS : 1601—1960
261.	6723	80-02-16	81-02-15	IS : 694—1977	291.	7474	80-01-16	81-01-15	IS : 226—1975
262.	6726	80-02-16	81-04-15	IS : 2358—1963	292.	7477	80-01-16	81-01-15	IS : 133—1965
263.	6730	80-02-16	81-02-15	IS : 2208—1962	293.	7486	80-02-01	81-01-31	IS : 694—1977
264.	6742	80-02-16	81-02-15	IS : 366—1965	294.	7487	80-02-01	81-01-31	IS : 694—1977
265.	6759	80-02-16	81-02-15	IS : 1165—1975	295.	7488	80-02-01	81-01-31	IS : 2834—1964
266.	6761	80-02-16	81-02-15	IS : 325—1970	296.	7491	80-02-01	81-01-31	IS : 6595—1972
267.	6762	80-02-16	81-02-15	IS : 1161—1968	297.	7492	80-02-01	81-01-31	IS : 7538—1975
268.	6763	80-02-16	81-02-15	IS : 2567—1973	298.	7496	80-02-01	81-01-31	IS : 694—1977
269.	6811	80-03-16	81-03-15	IS : 1601—1960	299.	7498	80-02-01	81-01-31	IS : 633—1975
270.	6815	80-03-01	81-02-28	IS : 633—1975	300.	7510	80-02-16	81-02-15	IS : 4965 (Pt II)—1975
271.	7093	79-07-01	80-06-30	IS : 1398—1968	301.	7511	80-02-16	18-02-15	IS : 4965 (Pt II)—1975
272.	7211	79-09-16	80-09-30	IS : 280—1978	302.	7512	80-02-16	81-02-15	IS : 633—1975
273.	7245	79-10-01	80-09-30	IS : 371—1966	303.	7514	80-02-16	81-02-15	IS : 3195—1974
274.	7252	79-10-01	80-10-31	IS : 325—1978	304.	7515	80-02-16	81-02-15	IS : 633—1975
275.	7271	79-10-16	80-10-15	IS : 1785(Pt I & II)—1967	305.	7518	80-02-16	81-02-15	IS : 916—1975
276.	7300	79-11-16	80-11-15	IS : 6914—1978	306.	7520	80-02-16	80-11-15	IS : 4964 (Pt II)—1975
277.	7303	79-11-16	80-11-15	IS : 7577—1975	307.	7522	80-02-16	81-02-15	IS : 814 (Pt I & II)—1974
278.	7320	79-11-16	80-11-15	IS : 6914—1978	308.	7523	80-02-16	81-05-15	IS : 613—1973
279.	7321	79-11-16	80-11-15	IS : 398 (Pt I & II)—1976	309.	7531	80-02-16	81-02-15	IS : 1891 (Pt I)—1968
280.	7335	79-11-16	80-11-15	IS : 7538—1975	310.	7565	80-03-01	81-02-28	IS : 1165—1975
281.	7341	79-11-16	80-11-15	IS : 1239 (Pt I)—1979	311.	7572	80-03-01	81-02-28	IS : 1601—1960

[No. CMD/13 : 12]

नई दिल्ली, 14 जुलाई 1980

क्र.आ० 2118.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्ह) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के प्रनुसार भारतीय मानक संस्था एतद्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के व्योरे नीचे घनसूची में दिए गए हैं वे 1978-02-28 को मिधारित किए गए हैं :

घनसूची

क्र०	निधारित भारतीय मानक की पद संस्था और शीर्षक सं०	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिश्रृति भारतीय मानक की पद संस्था और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 177-1977 सूती ड्रिल की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 177-1970 सूती ड्रिल की विशिष्टि (ह्रासरा पुनरीक्षण)	--
2.	IS : 179-1977 सूती दो सूती की विशिष्टि (ह्रासरा पुनरीक्षण)	IS : 179-1965 दो सूती की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	--
3.	IS : 189-1977 सूती और पटसन वस्त्र उद्योगों में प्रयुक्ति चूर्ण की विशिष्टि (ह्रासरा पुनरीक्षण)	1. IS : 189-1956 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्ति चियां चूर्ण की विशिष्टि (पुनरीक्षित) 2. IS : 511-1962 पटसन वस्त्र उद्योग में प्रयुक्ति चियां चूर्ण की विशिष्टि	--
4.	IS : 404 (भाग 1)-1977 सीसे की नलियों की विशिष्टि भाग 1 इतर रासायनिक कार्बों के लिए (ह्रासरा पुनरीक्षण)	IS : 404-1962 सीसे की नलियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	--

(1)	(2)	(3)	(4)
5. IS : 1184-1977 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त मक्के के भांड की विशिष्टि (हृसरा पुनरीक्षण)	IS : 1184-1968 सूती वस्त्र उद्योग में भा० मा० संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना कार्यों के लिए IS : 1184-1968 तथा IS : 1184-1977 के साथ विनांक 1978-06-30 तक लागू होगा।		
6. IS : 1339-1977 विशुत केबलों के खोल के लिए सीमा और सीमा मिश्र धातुओं की विशिष्टि (हृसरा पुनरीक्षण)	IS : 1339-1965 विशुत केबलों के खोल के लिए सीमा मिश्र धातुओं की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	--	
7. IS : 1448 (पी : 50)-1977 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियाँ	IS : 1448 (पी : 50)-1971 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियाँ पी : 50 स्नेहकों में नवोदी	--	
8. IS : 1479 (भाग 4)-1977 डेरी उद्योग के लिए परीक्षण पद्धतियाँ भाग 4 दृथ का हिमांक अवनमन	IS : 1479 (भाग 4)-1962 डेरी उद्योग के लिए परीक्षण पद्धतियाँ भाग 4 हार्टेकेट पद्धति द्वारा दृथ का हिमांक अवनमन	--	
9. IS : 1605-1977 सूती वस्त्र उद्योग के लिए ईपिओका स्टार्च की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1605-1960 सूती वस्त्र उद्योग में उपयोग के लिए ईपिओका स्टार्च की विशिष्टि	--	
10. IS : 1671-1977 सूती तंत्र पर करे धारे के धागा सामर्थ्य लक्षण ज्ञात करने की पद्धति	1. IS : 239-1951 सूती धारे के ली टूटन भार (सामर्थ्य) और उसके संबंध-नी-सामर्थ्य का गुणनकल ज्ञात करने की पद्धति 2. IS : 1671-1960 सूती धारे की स्कीन टूटन भार (सामर्थ्य), दृक्ता और धागा सामर्थ्य सूचकांक ज्ञात करने की पद्धति (समगति गार्मी मशीन द्वारा) (मीटरी प्रणाली)	--	
11. IS : 1880-1977 विशुत लेपन के लिए जस्ता आक्साइड और जस्ता स्वर्णों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1. IS : 1880-1967 विशुत लेपन के लिए जस्ता आक्साइड की विशिष्टि 2. IS : 2290-1962 विशुत लेपन के लिए जस्ता सलफेट की विशिष्टि 3. IS : 3027-1964 विशुत लेपन के लिए जस्ता सायनाइड की विशिष्टि	--	
12. IS : 2015-1977 टी-डिबरियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2015-1962 टी-डिबरियों की विशिष्टि	--	
13. IS : 2033-1977 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त ईपिओ-का आटे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2033-1962 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त ईपिओका आटे की विशिष्टि	--	
14. IS : 2214-1977 रजत नाइट्रेट शुद्ध और विश्लेषी अभिकर्मक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2214-1962 रजत नाइट्रेट तकनीकी और विश्लेषी अभिकर्मक की विशिष्टि	भा०मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के कार्यों के लिए IS : 2214-1977 के साथ दिनांक 1978-06-31 से लागू होगा।	
15. IS : 2255-1977 मशीन पेंच बनाने (मिरे बनाने की शीत विधि से) के लिए मृदू इस्पात के तार की सरिया की विशिष्टि (हृसरा पुनरीक्षण)	IS : 2255-1969 मशीन पेंच बनाने (मिरे बनाने की शीत विधि से) के लिए मृदू इस्पात के तार की सरिया की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1977-12-31 को निर्धारित	
16. IS : 2307-1977 विस्फोटन और आतिशबाजी आरूप के लिए मैग्नीशियम चूर्ण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2307-1962 विस्फोटन और आतिशबाजी आरूप के लिए मैग्नीशियम चूर्ण की विशिष्टि	--	
17. IS : 2380 (भाग 1 से 21)-1977 लकड़ी के बुरावे और लिम्नोसेल्युलोजी पदार्थों के तत्त्वों की परीक्षण पद्धतियाँ (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2380-1963 लकड़ी के बुरावे और लिम्नोसेल्युलोजी पदार्थों के तत्त्वों की परीक्षण पद्धतियाँ	--	

(1)	(2)	(3)	(4)
18. IS : 2663-1977 अभिनेत्रागार भवनों की डिजाइन के प्राथमिक तत्वों संबंधी मिफारिसें (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2663-1964 अभिनेत्रागार भवनों के डिजाइन के प्राथमिक तत्वों संबंधी रीति महिना	—	—
19. IS : 2720 (भाग 39/अनुभाग 1)-1977 मूलिका की परीक्षण पद्धतियाँ भाग 39 बज्रीदार मूलिका का प्रस्त्यक्ष कर्मन परीक्षण अनुभाग 2 प्रयोगशाला परीक्षण	—	—	—
20. IS : 3018 ढालाशिरों में कञ्ची सामग्री-परीक्षण के लिए मानक सिलिंका रेत की विशिष्टि	—	—	—
21. IS : 4497-1977 16-मिमी के सुव्याप्त ध्वनि और सिनेमा प्रोजेक्टरों को विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4497-1968, 16 मिमी के सुव्याप्त ध्वनि और सिनेमा प्रोजेक्टरों की विशिष्टि	भा. मा संस्था प्रमाणन मुद्रर योजना के कार्यों के लिए IS : 4497-1971 दिनांक 1978-07-31 से वाग् होगा	—
22. IS : 4747-1977 रबड़ मुहरों के पैड की विशिष्टि	IS : 4747-1968 रबड़ मुहरों के पैड की विशिष्टि	—	—
23. IS : 4793-1977 जमाई हुई पामफेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4793-1968 जमाई हुई मिल्कर पामफेट	—	—
24. IS : 4796-1977 जमाई हुई थोड़फिल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4796-1968 जमाई हुई थोड़फिल की विशिष्टि	—	—
25. IS : 5700-1977 सिनेमा प्रदर्शन पद्धों की परीक्षण पद्धतियाँ (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5700-1970 सिनेमा प्रदर्शन पद्धों की परीक्षण पद्धतियाँ	—	—
26. IS : 5910-1977 ऊन की बारीकी के प्रेड (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5910-1970 ऊन की बारीकी प्रेडों की विशिष्टि	—	—
27. IS : 6219-1977 बार बार काम में आने वाले सपाट ऐलेटों की परीक्षण संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6219-1971 बार बार काम में आने वाले ऐलेटों की परीक्षण संहिता	—	—
28. IS : 7255 (भाग 2)-1977 सोने की बस्तुओं में प्रयुक्त दांतों की रासायनिक विश्लेषण पद्धतियाँ भाग 2 धृव्यलेखी पद्धति द्वारा कैडमियम और जस्ते की मात्रा ज्ञात करना।	—	—	—
29. IS : 7809 (भाग 2)-1977 विद्युत कार्यों के लिए ध्वनि-कर विषयाने वाले टेपों की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण पद्धतियाँ	—	1978-01-31 को निर्धारित	—
30. IS : 8062 (भाग 3)-1977 इस्पात संरचनाओं की कैथोडी मुख्या की रीति संहिता भाग 3 जलयानों के छाँचे (हवा)	—	—	—
31. IS : 8395 (भाग 1)-1977 स्वचल आहतों में वायरिंग के लिए केबल अंतर्यों की विशिष्टि भाग 1 लेन्डलमा कोलटर (नर और मादा)	—	—	—
32. IS : 8544 (भाग 1)-1977, 1000 बोल्ट्स से प्रनधिक बोल्ट्स के लिए मोटर स्टार्टरों की विशिष्टि भाग 1 साइन पर सीधे लगे एमी स्टार्टर	—	—	—
33. IS : 8548-1977 शक्ति चालित द्रवीय इक्षकावकों की परीक्षण संहिता	—	—	—
34. IS : 8573-1977 घंक बाले इलेक्ट्रॉनिक ही बोल्टमापी और ही सो इलेक्ट्रॉनिक एनालाइन से घंकीय कनवर्टरों की विशिष्टि	—	—	—
35. IS : 8574-1977 मक्का सूजी या खें की विशिष्टि	—	—	—
36. IS : 8576-1977 सामान्य कार्य शीर्षकों (ड्रायरों) के लिए श्रेता का आंकड़ा पक्ष	—	—	—
37. IS : 8579-1977 क्रिस्टलकारकों के लिए फ्रेता का आंकड़ा पक्ष	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
38.	IS : 8602-1977 जम्ता और फैब्रियम मत्तों पर क्रोमेट रक्षण लेनों की परीक्षण पद्धतियां	--	--
39.	IS : 8605-1977 चिनाई बांधों के निर्माण की रीति संहिता	--	--
40.	IS : 8606-1977 जूतों के लिए पीलन के देव तार की विशिष्टि	--	--
41.	IS : 8609-1977 विकलांगता उपयोग के लिए कोल, फाटी, उद्वेट टाइप की विशिष्टि	--	--
42.	IS : 8612-1977 मोर्द गावतुम और अनातमक ज्ञान वाले मिलिंग आवरणों की विशिष्टि	--	--
43.	IS : 8620-1977 मिलिंग आवरण के धारक पेंचों की विशिष्टि	--	--
44.	IS : 8621-1977 मिलिंग आवरणों के धारक पेंचों की विशिष्टि	--	--
45.	IS : 8624-1977 लौह अवस्थक छारों का फूनन अंक ज्ञान करने की पद्धति	--	--
46.	IS : 8625-1977 लौह अवस्थक छारों की सामर्थ्य ज्ञान करने की पद्धति	--	--
47.	IS : 8626-1977 भार लवण, तकनीकी की विशिष्टि	--	--
48.	IS : 8627-1977 गामा अम्ल की विशिष्टि	--	--
49.	IS : 8628-1977 जी लवण (डाइपोटेशियम लवण), तकनीकी की विशिष्टि	--	--
50.	IS : 8631-1977 जहाजरानी नीदकों के लिए ताबे से बनी विश्वधातुओं की विशिष्टि	--	--
51.	IS : 8634-1977 नाइट्रोडायजो अम्ल की विशिष्टि	--	--
52.	IS : 8637-1977 एच अम्ल की विशिष्टि	--	--
53.	IS : 8638 (भाग 3)-1977 चुम्बकीय दिवसूचकों और बहनैकिल्स की परीक्षण सहिता वर्ग ए: भाग 3 बहनैकिल्स और शोधक युक्तियों का टाइप परीक्षण	--	--
54.	IS : 8639-1977 खाद्यों और वेपों के गैस्ट्रिक गुणों पर हिम्बाबन्द और भूमिकान के प्रभाव ज्ञात करने की संहिता	--	--
55.	IS : 8645-1977 ऊर्जा माध्यियों के लिए चुम्बनों के माप	--	--
56.	IS : 8652-1977 जमींदुई नारडान की विशिष्टि	--	--
57.	IS : 8653-1977 ताजी सारडीन की विशिष्टि	--	--
58.	IS : 8662-1978 रेल के डिम्बों के लिए संश्लिष्ट, आहरी, क. निष्ठला परत देने, और ग. किनिश देने के इनैमल की विशिष्टि	--	--

इन भारतीय मानकों की प्रतियां, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, ९ बहादुरशाह जफर मार्ग, नई फिल्डी-110002 और अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और विवेकम नियन शास्त्र कार्यालयों में विक्री के लिए उपलब्ध हैं।

S.O. 2118.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulation (2) and (3) of regulations 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1978-02-28.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 177—1977 Specification for cotton drills (third revision)	IS : 177—1970 Specification for cotton drills (second revision)	—	
2. IS : 79—1977 Specification for cotton dosuti (second revision)	IS : 179—1965 Specification for dosuti (revised)	—	
3. IS : 189—1977 Specification for tamarind kernel powder for use in cotton and jute textile industries (second revision)	(i) IS : 189—1956 Specification for tamarind kernel powder for use in the cotton textile industry (revised) and (ii) IS : 511—1962 Specification for tamarind kernel powder for use in the jute textile industry.	—	
4. IS : 404 (Part I)—1977 Specification for lead pipes Part I For other than chemical purposes (second revision)	IS : 404—1962 Specification for lead pipes (revised)	—	
5. IS : 1184—1977 Specification for maize starch, cotton textile industry (second revision)	*IS : 1184—1968 Specification for maize starch for use in the cotton textile industry (first revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 1184—1968 shall run concurrently with IS : 1184—1977 upto 1978-06-30	
6. IS : 1339—1977 Specification for lead and lead alloys for sheathing of electric cables (second revision)	IS : 1339—1965 Specification for lead alloys for sheathing of electric cables (revised)	—	
7. IS : 1448 (P : 50)—1977 Methods of test for petroleum and its products	IS : 1448 (P : 50)—1971 Methods of test for petroleum and its products : P : 50 Chlorine in lubricants	—	
8. IS : 1479 (Part IV)—1977 Method of test for dairy industry Part IV Freezing-point depression of milk (first revision)	IS : 1479 (Part IV)—1962 Methods of test for dairy industry : Part IV Freezing-point depression of milk by Hortvet method	—	
9. IS : 1605—1977 Specification for tapioca starch, cotton textile industry (first revision).	IS : 1605—1960 Specification for tapioca starch for use in the cotton textile industry	—	
10. IS : 1671—1977 Method for determination of yarn strength parameters of yarn spun on cotton system (first revision)	(i) IS : 239—1951 Method for determination of lea breaking load (strength) of cotton yarn and its count-lea-strength product and (ii) IS : 1671—1960 Method for determination of skein breaking load (strength), tenacity and yarn strength index of cotton yarn (by constant-rate of traverse machine) (metric system)	—	
11. IS : 1880—1977 Specification for zinc oxide and zinc salts for electroplating (first revision)	(i) IS : 1880—1967 Specification for zinc oxide for electroplating: (ii) IS : 2290—1962 Specification for zinc sulphate for electroplating; and (iii) IS : 3027—1964 Specification for zinc cyanide for electroplating	—	
12. IS : 2015—1977 Specification for t-nuts (first revision)	IS : 2015—1962 Specification for t-nuts	—	
13. IS : 2033—1977 Specification for tapioca flour, cotton textile industry (first revision)	IS : 2033—1962 Specification for tapioca flour for use in the cotton textile industry	—	
14. *IS : 2214—1977 Specification for silver nitrate, pure and analytical reagent (first (revision))	IS : 2214—1962 Specification for silver nitrate, technical and analytical reagent	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2214—1977 shall come into force with effect from 1978-06-01 Established on 1977-12-31	
15. IS : 2255—1977 Specification for mild steel wire rod for the manufacture of machine screws (by cold heating process) (second revision)	IS : 2255—1969 Specification for mild steel wire rod for the manufacture of machine screws (by cold heating process) (first (revision))	—	
16. IS : 2307—1977 Specification for magnesium powder for explosive and pyrotechnic compositions (first revision)	IS : 2307—1962 Specification for magnesium powder for explosives and pyrotechnic compositions	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
17. IS : 2380 (Parts I to XXI)—1977 Methods of test for wood particle boards and boards from other lignocellulosic materials (first revision)	IS : 2380—1963 Methods of test for wood particle boards and boards from other lignocellulosic materials	—	—
18. IS : 2663—1977 Recommendations relating to primary elements in the design of buildings for archives (first revision)	IS : 2663—1964 Code of practice relating to primary elements in design of buildings for archives.	—	—
19. IS : 2720 (Part XXXIX/Sec. 1)—1977 Methods of test for soils Part XXXIX Direct shear test for soils containing gravel Section I laboratory test	—	—	—
20. IS : 3018 Specification for standard silica sand for raw material testing in foundries	—	—	—
21. *IS : 4497—1977 Specification for 16-mm portable sound-and-picture cinematograph projectors (first revision)	IS : 4497—1968 Specification for 16-mm portable sound-and-picture cinematograph projectors	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 4497—1977 shall come into force with effect from 1978-07-31	—
22. IS : 4747—1977 Specification for pads for rubber stamps (first revision)	IS : 4747—1968 Specification for pads for rubber stamps	—	—
23. IS : 4793—1977 Specification for pomfret, frozen (first revision)	IS : 4793—1968 Specification for frozen silver pomfret and brown pomfret	—	—
24. IS : 4796—1977 Specification for threadfin, frozen (first revision)	IS : 4796—1968 Specification for frozen threadfin	—	—
25. IS : 5700—1977 Specification for cinematograph screens (first revision)	IS : 5700—1970 Methods of test for projection screens	—	—
26. IS : 5910—1977 Fineness grades of wool (first revision)	IS : 5910—1970 Specification for fineness grades of wool	—	—
27. IS : 6219—1977 Test code for non-expandable flat pallets (first revision)	IS : 6219—1971 Test code for non-expandable flat timber pallets	—	—
28. IS : 7255 (Part II)—1977 Methods of chemical analysis of solders for use in goldware ; Part II Determination of cadmium and zinc by polarographic method	—	—	—
29. IS : 7809 (Part II)—1977 Specification for pressure sensitive adhesive tapes for electrical purposes ; Part II Methods of test	—	Established on 1978-01-31	—
30. IS : 8062 (Part III)—1977 Code of practice for cathodic protection of steel structures, Part III Ship's hulls	—	—	—
31. IS : 8395 (Part I)—1977 Specification for cable terminations for automobile wiring; Part I Blade type connectors (Male and female)	—	—	—
32. IS : 8544 (Part I)—1977 Specification for motor starters for voltages not exceeding 1000 V; Part I Direct-on-line ac starters	—	—	—
33. IS : 8548—1977 Test code for power-operated hydraulic sprayer	—	—	—
34. IS : 8573—1977 Specification for digital electronic dc voltmeters and dc electronic analogue-to-digital converters	—	—	—
35. IS : 8574—1977 Specification for maize SUJI OR RAVA (semolina)	—	—	—
36. IS : 8576—1977 Purchaser's date sheet for general purpose dryers	—	—	—
37. IS : 8579—1977 Purchaser's date sheet for crystallizers	—	—	—
38. IS : 8602—1977 Methods of tests for chromate conversion coatings on zinc and cadmium surfaces	—	—	—
39. IS : 8605—1977 Code for practice for construction of masonry in dams	—	—	—
40. IS : 8606—1977 Specification for brass screw wire for footwear	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
41.	IS : 8609—1977 Specification for nail, hip, Jewett type, for orthopaedic use	—	—
42.	IS : 8612—1977 Specification for milling arbors with morse taper and positive drive	—	—
43.	IS : 8620—1977 Specification for clamping nuts for milling arbors	—	—
44.	IS : 8621—1977 Specification for retaining screw for milling arbors	—	—
45.	IS : 8624—1977 Method for determination of swelling index of iron ore pellets	—	—
46.	IS : 8625—1977 Method for determination of crushing strength of iron ore pellets	—	—
47.	IS : 8626—1977 Specification for R salt, technical	—	—
48.	IS : 8627—1977 Specification for gamma acid	—	—
49.	IS : 8628—1977 Specification for G salt (dipotassium salt), technical	—	—
50.	IS : 8631—1977 Specification for copper base alloys for marine propellers	—	—
51.	IS : 8634—1977 Specification for nitro-diazo acid	—	—
52.	IS : 8637—1977 Specification for H acid	—	—
53.	IS : 8638 (Part III)—1977 Code for testing of magnetic compasses and binnacles, class A : Part III Type testing of binnacles and correcting devices	—	—
54.	IS : 8639—1977 Code for evaluation of the effect of packaging and storage on the sensory qualities of foods and beverages	—	—
55.	IS : 8645—1977 Dimensions of magnets for energy meters	—	—
56.	IS : 8652—1977 Specification for sardines, frozen	—	—
57.	IS : 8653—1977 Specification for sardines, fresh	—	—
58.	IS : 8662—1978 Specification for enamel, synthetic, exterior, (a) undercoating, (b) finishing for railway coaches	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

कांग्रेस 2119—प्रमाणन पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) के विनियम 14 के उद्दिनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रविधित किया जाता है कि प्रमाणन चिह्न वाले लाइसेंस जिनके ध्योर तीव्र अनुसूची में दिए गए हैं, स्तम्भ 6 में वर्णित ही नियमों से गतावधि हो गए हैं या उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम लाइसेंस संख्या	लाइसेंसधारी का नाम	वन्तु/प्रक्रिया और सम्बद्ध : पद नाम	जिस राज्यमें	विवरण
सं० (सी एम/एल--)	ओर पता		लाइसेंस की स्वीकृति छाड़ी है उसका एम ओ संख्या ओर नियम	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गतावधि लाइसेंस					
1. सी एम/एल-- 39	राष्ट्रीय मैटल इंडस्ट्रीज लिं. 1957-11-04	बन्नेंटों के लिए पिट्टोर प्रूफिंगियम श्रीरामपुरम मिश्र धामु-- IS : 21--1959	एस आर ओ 3724	दिनांक 1957-11-23	इस लाइसेंस का नवीकरण विनायक 1976-01-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी सिथि से गतावधि माना जाए।
2. सी एम/एल-- 40	" 1957-11-04	"	"	"	"

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3. सी एम/एल—104	ई आर्ट ऑ वैरी सिंह नेलिकुप्पम	परिष्कृत स्ट्रिट— 1958-10-07	परिष्कृत स्ट्रिट— IS : 323—1959	एस ओ 3724 दिनांक 1957-11-23	इस लाइसेंस का 1976-10-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
4. सी एम/एल—732	श्री गम मशीनरी कारपोरेशन, 1964-06-29	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — प्राइवेट लिमिटेड, मद्रास	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226—1975	एस ओ 2590 दिनांक 1964-08-01	इस लाइसेंस का नवीकरण दिनांक 1977-10-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से इसे गतावधि माना जाए।
5. सी एम/एल—733	— 1964-06-29	—	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : 1977—1975	—यथोक्त—	--
6. सी एम/एल—1306	बैंकटेक्स्टर एग्रोकॉमिक्स एंड 1966-07-28	मिनरल्स, मद्रास	एसिक्यूर पायसनीय सान्द्र— IS : 1310—1974	एस ओ 2600 दिनांक 1966-08-27	1977-03-31 के बाद गतावधि
7. सी एम/एल—1586	प्रकाश पस्त्राइजिंग मिल्स, 1967-12-14	ग्रामबार	बी एच सी (एच सी एच) जल परि- क्षेपी चूर्ण— IS : 562—1972	एस ओ 284 दिनांक 1968-01-20	इस लाइसेंस का नवीकरण दिनांक 1976-04-30 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से इसे गतावधि माना जाए।
8. सी एम/एल—1587	“ 1967-12-15	—	बी एच सी जल परिक्षेपी चूर्ण— IS : 565—1975	एस ओ 284 दिनांक 1968-01-20	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-10-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
9. सी एम/एल—1686	पालसेंस हॉस्ट्रीज कपूरथला 1968-04-30	(पंजाब)	डोरक्लोजर (इव नियंत्रित) IS : 3564—1970	एस ओ 2127 दिनांक 1968-06-15	इस लाइसेंस का नवीकरण 1975-02-15 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
10. सी एम/एल—1749	मिशन पेस्टिसाइड्स ग्रामरा 1968-07-18	—	एसिक्यूर पायसनीय सान्द्र— IS : 1307—1973	एस ओ 3150 दिनांक 1968-09-14	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977-05-15 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
11. सी एम/एल—2266	जयलक्ष्मी कर्टीलाइजर्स 1970-02-27	मद्रास—600060	बी एच सी जल परिक्षेपी चूर्ण सान्द्र— IS : 562—1972	एस ओ 1235 दिनांक 1970-04-04	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977-09-30 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
12. सी एम/एल—2325	— 1970-05-19	—	मालाधियोन पायसनीय सान्द्र— IS : 2567—1973	एस ओ 2802 दिनांक 1970-08-22	”
13. सी एम/एल—2405	भारत पस्त्राइजिंग मिल्स (प्रा०) 1970-09-11	लिमिटेड मद्रास	गीला गग्धक चूर्ण— IS : 3383—1965	एस ओ —3349 दिनांक 1971-09-11	1977-09-30 के बाद लाइसेंस गतावधि
14. सी एम/एल—2433	एच्यू स्टील भन्युफैक्चर्स प्राइवेट 1970-10-21	लिमिटेड भ्रह्मवादाद	इस्पात के वर्वाजे, खिक्किया और रोशनशान— IS : 1038—1968	एस ओ 561-दिनांक 1971-01-30	इस लाइसेंस का नवीकरण 1975-10-13 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
15. सी एम/एल—2500	डाबुड हॉस्ट्रीज कौचीन 1971-01-04	—	चाय की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10—1970	एस ओ 5028 दिनांक 1971-11-06	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-12-31 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब इसी तिथि से गतावधि माना जाए।
16. सी एम/एल—2773	एनस कॉम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता 1971-09-16	—	1. आटे के लिए बोहरे ताने के पटसन कपड़े— IS : 3966—1967 2. आटे के लिए बोहरे ताने के बोरे IS : 3984—1967	एस ओ 2403 दिनांक 1972-09-02	1977-11-30 के बाद गतावधि
17. सी एम/एल—2816	वर्नीर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड 1971-11-25	विजूगढ़	सामान्य कार्यों के लिए प्लाईवुड— IS : 3903—1960	एस ओ 403 दिनांक 1972-02-05	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-11-30 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।

1	2	3	4	5	6
18.	सी एम/एल- 2819	प्रदेशान्तर वर्कर प्राइवेट 1971-11-26 लिमिटेड, बनकाटा	फॉर्कीट प्रबलन के लिए शीत बेलिंग इस्पात की सरिया — IS : 1786—1966	एस ओ 403 दिनांक 1972-02-05	1977-11-30 के बाद गतावधि
19.	सी एम/एल- 2894	टीटाराम जूट फॉक्टरी कॉ. लिमि- 1972-01-31 टेड, कलकाता	बोहरे ताने के बोरे— IS : 3984—1967	एस ओ 2777 दिनांक 1972-01-07	1977-11-30 के बाद गतावधि
20.	सी एम/एल- 2908	पी.००८००३ी हैंडसिट्रियल इन्स्टि- 1972-02-14 ट्यूट कोयम्बतुर	प्रांतदाही इनिजन— IS : 1601—1960	एस ओ 2801 दिनांक 1972-10-14	1977-09-30 के बाद गतावधि
21.	सी एम/एल- 3029	मुनेश्वराम एण्ड संस इस्पात रोलिंग 1972-03-30 लिमिटेड प्राइवेट बनकाटा	संरक्षना इस्पात (मानक किल्म) — IS : 226—1969	एस ओ 887 दिनांक 1973-03-24	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 03-31 के बाद स्थगित किया गया या अब इसी तिथि से गतावधि माना जाए।
22.	सी एम/एल- 3030	" 1972-03-30	संरक्षना इस्पात (मानक किल्म) IS : 1977—1975	एस ओ 887— दिनांक 1973-03-24	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 03-31 के बाद स्थगित किया गया या अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
23.	सी एम/एल- 3116	रामकृष्ण प्रमाद पेस्टिसाइट्स 1972-08-01 गुरुद्वारा	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1974	एस ओ 3471— दिनांक 1973-12-15	1977-03-31 के बाद गतावधि
24.	सी एम/एल- 3273	शमनुगर जूट फॉक्टरी कम्पनी 1973-01-05 लिमिटेड, कलकाता	भाटे के लिए बोहरे ताने के बोरे— IS : 3984—1967	एस ओ 1798 दिनांक 1974-07-20	1977-11-30 के बाद गतावधि
25.	सी एम/एल- 3122	विविवाल (सेल्स) प्राइवेट लिमि- 1972-08-10 टेड, मुम्बई-400010	एन्ड्रिन पायसनीय मान्द्र— IS : 1310—1974	एस ओ 3471 दिनांक 1973-12-15	1977-03-31 के बाद गतावधि
26.	सी एम/एल- 3292	चिक्टोरिया जूट कंपनी लिमिटेड, 1973-01-08 कलकाता	आटे के लिए बोहरे ताने के बोरे— IS : 3984—1967	एस ओ 1798 दिनांक 1974-07-20	1977-11-30 के बाद गतावधि
27.	सी एम/एल- 3356	केलिंग जूट कंपनी लिमिटेड, 1973-03-07 कलकाता	बी ट्रिक्ल पटमत के बोरे— IS : 2566—1965	एस ओ 955 दिनांक 1975-03-29	1977-03-15 के बाद गतावधि
28.	सी एम/एल- 3365	भारत कार्बन एंड रिभन मैन्युफैक्चर्स 1973-03-21 कलकाता	स्टैंसिल के कागज— IS : 5086—1969 महाराष्ट्र	यथोक्त	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976- 03-31 के बाद स्थगित कर दिया गया या अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
29.	सी एम/एल- 3373	कानबेंटी स्प्रिंग्स एंड इंजी० कंपनी 1973-03-28 प्राइवेट लिमिटेड, कलकाता	स्वचल शाडियों में नियमन के लिए पत्तीदार कमानिया— IS : 1135—1973	यथोक्त	1977-09-30 के बाद गतावधि
30.	सी एम/एल- 3409	पी बी एस इंडस्ट्रीज, हामपेट 1973-05-07	एन्ड्रिन पायसनीय मान्द्र— IS : 1310—1974	एस ओ 954 दिनांक 1975-03-29	1977-03-31 से गतावधि
31.	सी एम/एल- 3437	एलाइंस इंडिया एस्ट्रेट्रिया 1973-06-11 कलकाता	चाव की पेटियों के लिए धातु की किटिंग— IS : 10—1970	एस ओ 1037 दिनांक 1975-04-05	इस लाइसेंस का नवीकरण 1974- 06-15 की स्थगित कर दिया गया या अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
32.	सी एम/एल- 3907	पेस्टीसाइट्स इंडिया, उदयपुर 1974-08-05	एलिङ्ग धूलम चूर्ण— IS : 2308—1974	एस ओ 686 दिनांक 1976-02-14	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 05-31 की स्थगित कर दिया गया या अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
33.	सी एम/एल- 3928	फृविचेमिन प्राइवेट लिमिटेड, . 1974-08-20 बंगलोर	एन्ड्रिन पायसनीय मान्द्र— IS : 1310—1974	एस ओ 686 दिनांक 1976-02-14	1977-03-31 से गतावधि
34.	सी एम/एल- 4007	लाईमो लिमिटेड, कोयम्बतुर 1974-11-07	बुरंग सूती धार्गे— IS : 171—1973	एस ओ 1763 दिनांक 1976-05-29	1977-10-31 के बाद गतावधि
35.	सी एम/एल- 4043	द एलीय स्टील प्लान्ट इंडिया लिमिटेड 1974-11-07 स्टील लिमिटेड दुर्गपुर जिला बर्देवान (पश्चिम बंगाल)	सतह कठोरकारी इस्पात— IS : 4432—1967	एस ओ 2022 दिनांक 1976-06-19	1977-11-15 से गतावधि
36.	सी एम/एल- 4044	" 1974-11-07	छर्ट, रीलर और बेर्टिंग रेस बनाने के लिए कार्बन कोमियम इस्पात— IS : 4398—1972	यथोक्त	1977-11-15 से गतावधि

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. सी एम/एल—4045	दि एलोय स्टील प्राइंट हिन्दुस्थान कठोरिकरण और टेम्पर देने के लिए 1974-11-07	स्टील लिमिटेड बुगपुर ज़िला बर्वंदान (पश्चिम बंगल.)	इस्पात— IS : 5517—1969	एम ओ 2022 दिनांक 1976-06-19	1977-11-15 से गतावधि
38. सी एम/एल/4245	प्रारब्धियों आश्रम हृष्णगढ़ थाप, 1975-02-26	बर्वंदान (पश्चिम बंगल.) पाइचेरी	इस्पात के त्रैम (जलेदार और जस्ते रहित) IS : 2552—1970	एम ओ 2022 दिनांक 1976-06-19	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 02-28 को किया गया था उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
39. सी एम/एल—4254	नायदेवी हृष्णस्टील, बंगलोर 1975-03-07	वर्तनी के लिए पिटबा स्टेल्मिनियम एवं ऐनुमिनियम मिश्र धातु— IS : 21—1959	--	--	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 02-28 को स्थगित किया गया था उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
40. सी एम/एल—4394	बोजन पांडो इंडस्ट्रियल कारपोरेशन 1975-08-29	प्रिन्सेपल, विजयवाडा— 521108 (आ० प्र०)	पिंगोनगि पावर ट्रांसमिशन के लिए एम ओ 428 दिनांक इस्पात का कार वासे प्लूमिनियम 1977-02-05 बालक गढ़ खिचे लाइदार ऐनुमि तियम धातु— IS : 398—1961	प्रिन्सेपल, विजयवाडा— बालक गढ़ खिचे लाइदार ऐनुमि तियम धातु— IS : 1729—1964	1977-08-31 से गतावधि
41. सी एम/एल—5496	पायोनियर प्रायरस काउंसील प्राइ- 1975-08-29	टेट लिमिटेड, जम्मूकशी	बालूकून संडेंट के स्टीलाट और साकेट बालै सल, गन्दे पार्सी और संकातन पाइप फिटिंग और सहायक सामान— IS : 1729—1964	पर्योक्त	इस लाइसेंस का नवीकरण दिनांक 1977-08-31 को स्थगित किया गया था उसी तिथि से इसे गतावधि माना जाए।
42. सी एम/एल—4651	श्री कासै ईमिकलन प्राइवेट लिमि- 1975-09-22	टेट, वाराणसी	मियाइलपैरारिथाईन पायसरीय सान्ध— IS : 2865—1964	एम ओ 832 दिनांक 1977-03-19	1977-09-30 से गतावधि
43. सी एम/एल—4731	गुजरात एंप्रोक्रिय इंडस्ट्रीज 1975-10-15	अहमदाबाद	श्री ही टी पायगर्नीय सान्ध— IS : 633—1975	एम ओ 1148— 1977-04-16	1977-10-15 से गतावधि
44. सी एम/एल—4763	एंसेन्स लासेस लिमिटेड एनेपी— 1975-10-29	688001 (केरल)	कॉच की दूध की बोतलें— IS : 1392—1971	एम ओ—1148 दिनांक 1977-04-16	1977-10-31 के बाद गतावधि
45. सी एम/एल—4771	वेस्टर्न इंडिया लेस्ट्रिक्युल कार-	गर्म हवा का पंखा— 1975-10-31	गर्म हवा का पंखा— IS : 4283—1967	पर्योक्त	1977-10-31 को गतावधि
46. सी एम/एल—4841	ओमगढ़ा हैंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, 1975-11-26	किलांग (केरल)	धातु के रोलिंग शेटर और गिल— IS : 6248—1971	एम ओ 1147 दिनांक 1977-04-16	1977-11-30 को गतावधि
47. सी एम/एल—4902	जयपाल उद्योग, नोर्मा	1975-12-17	बो एच सी (एच सी एच) जल परि- क्षेपी चूर्ण— IS : 572—1972	एम ओ 3083 दिनांक 1977-10-08	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976- 12-31 को स्थगित किया गया था उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
48. सी एम/एल—5484	श्री बेंकटेश्वर कूट प्रोसेसिंग लिमि-	इमली सान्ध— 1976-09-10	IS : 5955—1976	—	1977-09-09 से गतावधि
49. सी एम/एल—5487	सिप्पन पेस्टीसाइशन, यागरा	स्पिरीकूल मियाक्सी इथाइल पाराक्लो- राइड टेज चूर्ण बने प्रैगिक— IS : 2358—1963	—	1977-09-13 से गतावधि	
50. सी एम/एल—5497	मिनरल माइनिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, ताजापत्रि (आ० प्र०)	श्री एच सी (एच सी एच) जल परि- क्षेपी चूर्ण— IS : 562—1972	—	1977-09-15 से गतावधि	
51. सी एम/एल—5498	फामर्स पेस्टकन्ट्रोल प्राइवेट लिमि-	श्री श्री टी धूलन चूर्ण— IS : 564—1975	—	1977-09-30 से गतावधि	
52. सी एम/एल—5528	मरोक स्टील कारपोरेशन लिमि-	संरचना इलात (मानक किल्स) के रूप में वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात के डलशा बिलेट इंगट— IS : 6915—1975	—	1977-09-30 से गतावधि	
53. सी एम/एल—5578	छोटा भाई जेठा प्राई पटेल एंड 1976-10-25	श्री— कंपनी, गोडिया	1925—1974	—	1977-10-15 से गतावधि
54. सी एम/एल—5592	विरला जूट मैनुफैक्चरिंग कम्पनी 1976-10-25	उद्योक्तों के बोरों के लिए पटसन का कपड़ा— IS : 7407—1974	—	1977-10-15 से गतावधि	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
55. सी एम/एल-5688	एपीजे स्टील प्राइवेट लिमिटेड, 1976-12-10	जलधर	एमचल वाहनों में नियन्त्रण की बालमृद कुंडलीनुमा और परतदार कमा- नियो बनाने के लिए इस्पात के हाईट— और बिलेट— IS : 8051—1976	—	1976-11-30 से गतावधि
56. सी एम/एल-5689	हिन्दुस्तान इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 1976-12-10	राजमूली	पिटवां एक्स्प्रियम के बर्तन— IS : 21—1975	—	1976-12-31 से गतावधि
57. सी एम/एल-5717	श्री बजरंग इलेक्ट्रिक स्टील कंपनी 1976-12-14	प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता	रेल के डिव्हॉं के लिए बाल्यूट और कुंड- लीनुमा कमानियां बनाने के लिए इस्पात— IS : 3195—1975	—	1977-12-15 से गतावधि
58. सी एम/एल-5718	यथोक्त 1976-12-14		रेल के डिव्हॉं के लिए बाल्यूट और कुंडली- नुमा कमानियां बनाने के लिए इ- पात के हाईट— IS : 8052—1976	—	1977-12-15 से गतावधि
59. सी एम/एल-5719	यथोक्त 1976-12-14		परतदार कमानियों को बनाने के लिए इस्पात (रेल के डिव्हॉं के लिए) IS : 3885 (भाग-1)—1968	—	1977-12-15 से गतावधि
60. सी एम/एल-5739	ऐपो इंडस्ट्रियल कैमिकल कंपनी, 1976-12-24	खालपुर	हेप्टाक्सीर पायसनीय सान्ध— IS : 6439—1972	—	1977-12-15 से गतावधि
61. सी एम/एल-5775	तमिलनाडु ऐपो इंडस्ट्रियल कार- पोरेशन लिमिटेड, मद्रास		एन्जिन पायसनीय सान्ध— IS : 1310—1974	—	1977-03-31 से गतावधि
स्थगित लाइसेंस :					
62. सी एम/प्रल-274	स्वराज प्लाईबुड वर्क्स, कोट्यम 1960-09-16		चाय की पेटियों के लिए प्लाईबुड के तालो— IS : 10—1975	एस ओ—2495 दिनांक 1960-10-15	1977-12-31 से स्थगित
63. सी एम/एल-228	शा० राइटर चाकलेट्स एंड कंपनी 1970-09-16	आफ इंडिया, लिमिटेड, बम्बई	मैकरोनी स्पेगेटी और सेवई— IS : 1485—1959	यथोक्त	1977-10-15 से स्थगित
64. सी एम/प्रल-341	मैसूर इसेक्टोमाइक्स कंपनी 1961-09-20	(भारत), विजयवाड़ा	बी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण— IS : 561—1972	एस ओ 2447 दिनांक 1961-10-14	1977-12-15 से स्थगित
65. सी एम/एल-562	भ्रांशूर्णा पालवराइजिंग मिल्स प्राइ- वेट लिमिटेड, इलुर (माहौल) 1963-07-11		बी एच सी (एच सी एच) जल परि- कल्पी चूर्ण— IS : 562—1972	एस ओ 2372 दिनांक 1963-08-24	1977-10-31 से स्थगित
66. सी एम/एल-756	श्री बैंकटेक्टर मिनरल्स प्रा० लि०, 1964-08-12	मद्रास	डी डी टी जल परिकल्पी चूर्ण— IS : 564—1961	एस ओ 3553 दिनांक 1964-10-10	1977-12-31 से स्थगित
67. सी एम/एल-802	के एन मल्होत्रा ब्रवर्स, जलधर 1964-10-23	सिटी	बैंडिंग के रेकेट फ्रेम— IS : 831—1966	एम ओ 4038 1964-11-28	1977-11-15 से स्थगित
68. सी एम/एल-1120	भ्रांशूर्ण स्टील कारपोरेशन लि०, 1965-05-04	विशाखापत्नम	संरचना इस्पात (सानक किस्म) — IS : 226—1975	एस ओ 2667— 1965-08-28	1977-08-31 के बाद गतावधि
69. सी एम/एल-1121	भ्रांशूर्ण स्टील कारपोरेशन लि० 1965-05-04	विशाखापत्नम	संरचना इस्पात (सानक किस्म) — IS : 1177—1975	एस ओ 2667 1965-08-28	1977-08-31 से स्थगित
70. सी एम/एल-1532	राष्ट्रीय इंजीनियरिंग वर्क्स, बटाला 1967-09-28		बाल ढुले लोहे के मल पाइप IS : 1729—1964	एस ओ 3733 1967-10-21	1977-09-15 से स्थगित
71. सी एम/एल-1568	प्रकाश इसेक्टहीसाइक्स प्रा०लि०, 1967-11-24	इलाहाबाद	बी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण— IS : 561—1972	एस ओ 4568 1967-12-23	1977-11-30 से स्थगित
72. सी एम/एल-1765	मी एस इंडस्ट्रीज, हासपेट 1968-08-13		बी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण— IS : 561—1972	एस ओ 3677 दिनांक 1968-10-19	1977-10-15 से स्थगित
73. सी एम/एल-1778	राज द्रुष्ट इंडस्ट्रीज, भोपाल 1968-08-30		बुरुण, रंगरोगन और बालिश— IS : 384—1964	यथोक्त	1977-09-30 से स्थगित
74. सी एम/एल-1824	हिम पाइन इंडस्ट्रीज, वेहरादून 1968-10-31		प्लाईबुड की चाय की पेटियों की पट्टियां— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 4257 1968-11-30	1977-10-31 से स्थगित
75. सी एम/एल-1914	जनरल इंजीनियरिंग कॉ० कोय- म्बपुर		दीन फैजी प्रेरण भोटर— IS : 325—1970	एस ओ 1256 1969-04-05	1977-11-15 से स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76. सी एम/एल-1956	सुदर्शन स्टील रोलिंग मिल्स, 1969-04-23	वेहरी	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : 1977—1975	एस ओ 2238 1969-06-07	1977-04-30 से स्थगित
77. सी एम/एल-2144	बी० आर० हरमन एंड महाता 1969-61-19	(इंडिया) प्रा०लि०, लुधियाना	बालू ढाले लौकृ के सीपीट और साकेट बाले मल, गंद पानी भीर संवातन पाइप फिटिंग और सहायक सामान IS : 1729—1964	एस ओ 5045 1969-12-27	1977-11-30 से स्थगित
78. सी एम/एल-2180	एस एन भली (प्रा०) लि०, 1969-12-24	कलकत्ता	चाय की पेटियों के धातु फिटिंग— IS : 10—1970	एस ओ 437 1970-02-07	1977-12-31 से स्थगित
79.	सी एम/एल-2186	वेबन ब्रदर्स, यमुना नगर 1969-12-31	चाय की पेटियों की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 1235 1970-02-07	1977-12-31 से स्थगित
80.	सी एम/एल-2240	ए०जे० लोप्स एंड संस, कोचीन 1970-02-09	चाय की पेटियों की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 1235 1970-04-04	1977-12-31 से स्थगित
81.	सी एम/एल-2323	कमर्शियल टिल्लर इंडस्ट्रीज, यमुना 1970-05-15	चाय की पेटी की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 2802 1970-08-22	1977-12-15 से स्थगित
82.	सी एम/एल-2377	मूर्यजयं पार्कलैइस इंडस्ट्रीज, 1970-07-28	चाय की पेटी की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 2109 1971-05-29	1977-12-15 से स्थगित
83.	सी एम/एल-2399	गेनत डंकरेले एंड क० लि०, बन्वाई 1930-08-31	प्रल्प धातु द्रवणीय गैसों के भंडारण और परिवहन के लिए बेल्डकूल अल्प कार्बन इस्पात के गैस मिलिडर— IS : 3196—1975	एस ओ 57 1971-01-02	1977-11-30 से स्थगित
84.	सी एम/एल-2401	आनंद स्टील कारपोरेशन लि०, 1970-09-01	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226—1975	एस ओ 3349 1971-09-11	1977-08-15 से स्थगित
85.	सी एम/एल-2703	गेनत डंकरेले एंड क० लि०, 1971-06-16	संर्पिणित गैस शिलिंगरों के लिए धातु फिटिंग— IS : 3224—1974	एस ओ 350 1971-10-02	1977-11-30 से स्थगित
86.	सी एम/एल-2876	नेशनल ट्रेफिंग कारपोरेशन, 1972-03-30	प्लाईवुड की चाय की पेटियों की (धातु की फिटिंग) — IS : 10—1970	एस ओ 2777 1972-10-07	1977-11-30 से स्थगित
87.	सी एम/एल-3034	तारुक इंडस्ट्रीज, राजपुरा 1972-03-30	डार कलोजर (ध्रुव नियक्ति) — IS : 3564—1970	एस ओ 887 1973-03-24	1977-09-30 से स्थगित
88.	सी एम/एल-3135	बेर सर्जिकल एंड एमाइड 1972-08-21	सर्जरी के पृथक्कीनीय ब्लेड बॉर्ड पारकर टाइट — IS : 3319—1973	एस ओ 3471 1973-12-15	1977-10-15 से स्थगित
89.	सी एम/एल-3196	खेती एन्टरप्राइज, मद्रास 1972-10-27	प्रिंटर पावर प्रेषण के लिए संषेठ श्रीवे लक्ष्मार एनुमिनियम चालक और इस्पात केर वाले एनुमिनियम चालक— IS : 398 (भाग 1 और 2) — 1961	एस ओ 846 1974-03-30	1977-10-31 से स्थगित
90.	सी एम/एल-3228	पी० एन एम० कम्पनी, इरोड 1972-11-28	बॉएचसी (एचसीएच) ध्रुलन चूर्ण— IS : 561—1972	एस ओ 1700 विनांक 1975-06-16	1977-10-15 से स्थगित
91.	सी एम/एल-3408	चितावलशाह जूट मिल्स क० 1973-05-04	सीमेन्स भरने के लिए पटसन वी बोरिंग— IS : 2580—1965	एस ओ 954 1975-03-29	1977-10-15 से स्थगित
92.	सी एम/एल-3496	हेम इलेक्ट्रिक मैन्यूफैक्चरिंग 1973-07-31	दोहरे ताने के घाटे के बोरे— IS : 3984—1967		
93.	सी एम/एल-3564	प्लास्टिक मोल्डिंग लि०, हावड़ा 1973-10-10	स्वचल गार्डियों के विजर्सी के हार्म के रिके— IS : 2077—1962	एस ओ 1231 1975-04-10	यथोक्त
94.	सी एम/एल-3613	आनंद स्टील कारपोरेशन लि०, 1973-11-28	बर्टनों में पानी भरने के लिए कम घनत्व वाले पालिहाथाइलोन पाइप IS : 3076—1968	एस ओ 1556 विनांक 1975-05-17	यथोक्त
		विशाखापत्नम	संरचना इस्पात (मानक किस्म) में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के डलवां बिलेट और हंगट— IS : 6914—1973	एस ओ 1602 1975-05-24	1977-08-31 से स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
95. सी एम/एल-3614 1973-11-28	आनंद स्टील कारपोरेशन लि०, विशाखापत्तनम	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वैस्तन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां विलेट और इंगट— IS : 6915-1973	एस ओ 1602 1975-05-24	1977-08-31 से स्थगित	
96. सी एम/एल-3637 1973-12-13	इस्पात कामलेक्स लि० फेरोक	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वैस्तन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां विलेट और इंगट— IS : 6914-1973	एस ओ 1603 1975-05-24	1975-12-15 से स्थगित	
97. सी एम/एल-3638 1973-12-13	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वैस्तन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां विलेट और इंगट— IS : 6915-1973	"	"	
98. सी एम/एल-3941 974-09-02	प्रजता आयरन एण्ड स्टील क० (प्रा०) लिमिटेड, विस्ली	संरचना इस्पात (मानक किस्म) -- IS : 1977-1975	एस ओ 1762 1976-05-29	1977-08-31 से स्थगित	
99. सी एम/एल-3967 1974-09-25	लखापनी बनीर एण्ड सॉन मिस्टर, लखापनी (आसाम)	प्लाईबूड की चाय की पेटियों के ताजे— IS : 10-1970	एस ओ 1762 1976-05-29	1977-11-15 से स्थगित	
100. सी एम/एल-3968 1974-08-25	आसाम बंगाल बनीर इण्डस्ट्रीज प्र०० लि०, कलकत्ता	चाय की पेटियों की अट्टियां-- IS : 10-1970	"	1977-09-30 से स्थगित	
101. सी एम/एल-3997 1974-10-21	एशियन स्टील इण्डस्ट्रीज लि०, हैदराबाद	जसेवार तार की टोक लह— IS : 2141- 1968	एस ओ 1763 1976-05-29	1977-10-31 से स्थगित	
102. सी एम/एल-4035 1974-11-05	आनंद स्टील कारपोरेशन लि०, कलकत्ता	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वैस्तन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां विलेट और इंगट— IS : 6914- 1973	एस ओ 2022 1976-06-19	1977-11-15 से स्थगित	
103. सी एम/एल- 4036 1974-11-05	"	संरचना इस्पात (नान्कारल किस्म) के रूप में पुनर्वैस्तन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां विलेट और इंगट— IS : 6915- 1973	"	"	
104. सी एम/एल- 4064	जे के सरोह हृषि मरीन लि० कानपुर 1974-11-25	डीजल इंजिन-- IS : 1601- 1960	"	1977-11-30 से स्थगित	
105. सी एम/एल- 4131 1975-01-10	आनंद स्टील कारपोरेशन लि०, कलकत्ता	कंक्रीट प्रबलन के लिए टंडी भरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया-- IS : 1786- 1966	एस ओ 2465 1976-07-10	1977-11-15 से स्थगित	
106. सी एम/एल- 4198 1975-02-10	फोकन इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन, नई दिल्ली	1100 बोल्ट तक की बोल्टता के लिए पीरीसी रोधित (हीटी इंपटी) विजारी के केवल-- IS : 1554 (भाग 1)- 1964	"	1977-09-30 से स्थगित	
107. सी एम/एल- 4388 1975-05-23	ओरिएन्टल मैटल प्रेसिंग कंपनी (प्रा०) लि०, बम्बई	एल पी डी वाले घरेलू गैस स्टोब-- IS : 4246- 1972	एस ओ 3623 1976-10-16	1977-11-30 से स्थगित	
108. सी एम/एल- 4580 1975-08-20	इण्डस्ट्रियल कैमिकल्स एण्ड मिनरल्स, भाजियाबाद	बी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण-- IS : 561-1972	एस ओ 428 1977-02-05	1977-08-31 से स्थगित	
109. सी एम/एल- 4602 1975-08-29	रिलायन्स जूट इण्डस्ट्रीज लि०, 24 परगना	दोहरे ताने के प्राटे के बोरे-- IS : 3984- 1967	"	1977-08-31 से स्थगित	
110. सी एम/एल- 4656 1975-09-22	मिनरल माइनिंग क० प्रा० लि०, प्रबन्धनपुर	बीएसी (एचसीएच) धूलन चूर्ण-- IS : 561-1972	एस ओ 832 1977-03-19	1977-09-30 से स्थगित	
111. सी एम/एल- 4717 1975-10-15	स्विका केमिक्स, दिल्ली	10 0 बोल्ट तक की बोल्टता वाले एसुमिनियम चालकों के पीरीसी रोधित केवल-- IS : 69 4 (भाग 2); 1964	एस ओ 1148 1977-04-15	1977-10-15 से स्थगित	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
112. सी एम/एल-4723 एल्फी वायर रोम लिंग, ब्रजर्ह लाम्बा इंजीनियरों कार्यों के लिए, 1970-10-15	इस्पात के तार के रसें— IS : 2266-1970	एस और 1148 1977-04-16		1977-10-15 से स्थगित	
113. सी एम/एल-4724 एल्फी वायर रोम लिंग, ब्रजर्ह द्वारों में कर्वण कार्यों के लिए इस्पात के तार के रसें— IS : 1856-1970		एस और 1148 1977-04-16		1977-10-15 से स्थगित	
114. भी एम/एल- 4754 पेस्टीसाइड्स एड ब्रूमरीज लिंग, 1975-10-27 याता	मालाधियोन पायसनीय साम्ब— IS : 2567-1973	"		1977-10-31 से स्थगित	
115. सी एम/एल-4774 श्री सन्तोष सौं मिस्स, यमुना-पालस्विम की वाय श्री ऐटियों की पट्टियाँ— 1976-10-31 भगर	IS : 10 (भाग 3)-1974	"			
116. सी एम/एल- 4777 प्रोकलचरल विस्कस (ईंडिया) 1975-10-31 लिंग, नासिक	जुलाई में प्रयुक्त चक्रियाँ (अवतरण प्रकार की)— IS : 4366 (भाग 1)-1972	"			
117. सी एम/एल- 4782 फार्मसे पेस्टीसाइड्स, कहुल्या- 1975-10-31	बीएसी (एचसीएच) धूलन चूर्ण— IS : 561-1972	"			
118. श्री एम/एल- 4794 इन्द्रा पॉलीमर्स (प्रा०) लिंग, 1975-11-24 मध्यांश	नल से पानी भरने के लिए अन्य पीडीसी के पॉर्टेश्युलाइन पाइप। IS : 4985-1968	एस और 1147 1977-04-16		1977-11-15 से स्थगित	
119. सी एम/एल- 4798 यूनिक प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज, 1975-11-24 कलकत्ता	नल से पानी भरने के लिए उच्च प्रनत्य वाले पॉलीइथाइलेन पाइप। IS : 4984-1972	"			
120. सी एम/एल- 4818 मोतीलाल पेस्टीसाइड्स इण्डिया, 1975-11-24 मधुरा	फ्लोरेल धूलन चूर्ण— IS : 2864-1974	"			
121. सी एम/एल- 4819 विजय पस्तराइजर्स, गुद्दर 1975-11-24 सिटी	बीएसी (एचसीएच) जल परिषेपी चूर्ण— IS : 562-1972	"		1977-11-30 से स्थगित	
122. सी एम/एल- 4821 साउथर्न एप्लेम गैस अपलायन्स 1975-11-24 प्रा० लिंग, एरनाकुलम	एल पी ओ वाले थरेल गैस स्टोर— IS : 4246-1972	"			
123. सी एम/एल- 4827 गोवर्धन वास पी० ए०, जलनधर 1975-11-24 सिटी	जल वितरण कार्यों के लिए फ्लोर छीर गोल वाल्व क्लीतिं प्लजंगुमा IS : 1703-1968	एस और 1147 1977-04-16		1977-11-30 से स्थगित	
124. सी एम/एल- 4831 मानक मेटल वायर्स प्रा० लिंग, 1975-11-24 नई दिल्ली	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सब्ज क्लिये लड्डावार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलु-मिनियम चालक— IS : 398-1961	एस और 1147 1977-04-16		1977-11-30 से स्थगित	
125. सी एम/एल- 4838 श्रीजापुर कोपाप० स्थिरिंग मिस्स 1975-11-24 लिंग, श्रीजापुर (कन्टिक)	चुदंग सूती धारे— IS : 171-1973	"		1977-11-15 से स्थगित	
126. श्री एम/एल- 4858 औप्स्टर लैक्ज श्रा० लिंग, 1975-12-04 हावड़ा	उर्वरक भरने के लिए परतवार पट्टसन के बोरे— IS : 7406-1974	एस और 3083 1977-10-08		1977-11-30 से स्थगित	
127. सी एम/एल- 4866 श्रीराम एओ केमिकल इण्डस्ट्रीज, 1975-12-04 गुद्दर	मालाधियोन धूलन चूर्ण— IS : 2568-1973	"		1977-12-15 से स्थगित	
128. श्री एम/एल- 4872 कामधियल लैक्ज, कलकत्ता 1975-12-04	उर्वरक भरने के लिए परतवार पट्टसन के बोरे— IS : 7406-1974	"		1977-11-30 से स्थगित	
129. सी एम/एल- 4814 मदन लाल ज्वाला प्रसाद, 1975-12-04 कलकत्ता	उर्वरक भरने के लिए परतवार पट्टसन बोरे— IS : 7406-1974	एस और 3083 1977-10-08		1977-11-30 से स्थगित	
130. श्री एम/एल- 4884 गोवर्धन इंजी० इण्डस्ट्रीज, 1975-12-12 कोयम्बत्तूर	तीन केजी प्रेरण मोटर— IS : 325-1970	एस और 3083 1977-10-08		1977-12-31 से स्थगित	
131. श्री एम/एल- 4898 श्री विजयवुर्गा पलवराइजिंग 1975-12-12 मिस्स, बालरी	बीएसी (एचसीएच) जल परिषेपी चूर्ण— IS : 562-1972	"		1977-12-15 से स्थगित	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
132.	सी एम/एल-5374 मोहता इसात लि०, रत्नाम 1976-07-21	स्वचल नियमन के लिए पंखकत कुंडलीनुमा धौर परतदार कमानिया बनाने के लिए इसात— IS : 3431-1965	एस ओ 3083 1977-10-08		1977-07-31 से स्थगित
133.	सी एम/एल-5501 गोवर्धन दास राठी स्टील्स प्रा० 1976-09-20	कंपोट प्रबलत के लिए ठंडी मरोड़ी विक्रत इसात की सरिया— IS : 1786-1966]	"		1977-09-15 से स्थगित
134.	सी एम/एल-5502 गोवर्धन दास राठी स्टील्स प्रा० 1976-09-20	संरचना इसात (मानक किस्म) — IS : 228-1975	"		"
135.	सी एम/एल-5516 पोखराल उद्योग (इंडिया), 1976-09-21	3. 67 किला (5 हापा) 1500 अम्फर प्रति मिनट, ऊर्जा, एक मिलिएक्टर जल शीत शीजल इंजन IS : 1601-1960	--		1977-09-30 से स्थगित
136.	सी एम/एल-5555 भगवती आक्षरीजन 1976-10-04	संपर्कित आक्षरीजन गैस— बलभग्न विलो	IS : 309-1974		1977-09-30 से स्थगित
137.	सी एम/एल-5560 नेशनल पेस्टीमाइक्स, विदिशा 1976-10-11	एल्क्ट्रिन धूलन चूर्ण— IS : 1308-1974	--		1977-10-15 से स्थगित
138.	सी एम/एल-5561 फार्मसी पेस्ट कन्डोल प्रा० 1976-10-11	बीएचसी (एससीएच) धूलन चूर्ण— गुदूर	IS : 561-1972		"
139.	सी एम/एल-5571 ऐप्रो प्रॉडक्ट्स, बड़ोदरा 1976-10-12	बीडीटी धूलन चूर्ण— IS : 564-1975	--		"
140.	सी एम/एल-5584 श्री पश्चाता इन्स्टीटीमाइक्स, गुन्दूर 1976-10-25	बीएचसी (एससीएच) धूलन चूर्ण— IS : 561-1972	--		"
141.	सी एम/एल-5585 श्री फार्म केमिकल्स प्रा० 1976-10-25	बीडीटी धूलन चूर्ण— वारंगल	IS : 564-1975	--	"
142.	सी एम/एल-5586 इण्डिया काइबर, विलो 1976-10-22	स्कूटर और भोटर साइकिल लालकों के लिए सुरक्षा हेलमेट— IS : 4151-1968			1977-10-31 से स्थगित
143.	सी एम/एल-5591 केमिकल्स इण्डिया, भकोला 1976-10-25	बीडीटी धूलन चूर्ण— IS :	--		"
144.	सी एम/एल-5594 बैशाली केमिकल बर्सी, मुजफ्फर- 1976-10-25	पेराफिन मोय— पुर	IS : 4654-1974		1977-10-31 से स्थगित
145.	सी एम/एल-5598 "	फारबेरिल धूलन चूर्ण— IS : 7122-1973	--		"
146.	सी एम/एल-5620 श्री फार्म केमिकल्स (प्रा०) 1976-11-05	मालापियोन पायसनीय साम्र— लि०, वारंगल	IS : 2567-1973		1977-11-15 से स्थगित
147.	सी एम/एल-5625 आन्ध्र स्टील कार० नि०. 1976-11-05	संरचना इसात (साधारण किस्म) — कलकत्ता	IS : 1977-1975		1977-11-15 से स्थगित
148.	सी एम/एल-5644 एन० प्रार० एन० प्रम्यर एण्ड 1976-11-17	बीएचसी (एससीएच) धूलन चूर्ण— कं०, कुर्झूल	IS : 561-1972		1977-11-30 से स्थगित
149.	सी एम/एल-5645 एन० प्रार० एन० प्रम्यर एण्ड 1976-11-17	बीडीटी जलपरिषेकी चूर्ण— कं०, कुर्झूल	IS : 565-1975		1977-11-30 से स्थगित
150.	सी एम/एल-5648 सूरज प्लॉट एण्ड इक्विपमेन्ट 1976-11-17	कोपले के चूर्णी विषुवत बरमे के लिए ज्वालासह खोल— कार०, चंडीगढ़	IS : 2148-1968		1977-11-30 से स्थगित
151.	सी एम/एल-5651 गुजरात ऐप्रो केम इण्डस्ट्रीज, 1976-11-17	बीडीटी जल परिषेकी चूर्ण— अहमदाबाद	IS : 565-1975		1977-11-30 से स्थगित
152.	सी एम/एल-5663 नवमणि एण्ड कं०, कोयम्बतूर 1976-11-24	तीन फेजी प्रेरण भोटर— IS : 325-1970	--		1977-11-15 से स्थगित
153.	सी एम/एल-5678 दि ओरियन्टल इंजीनियरिंग 1976-12-03	डीजल इंजन— वर्स (प्रा०) लि०, यमुना नगर	IS : 1601-1960		1977-11-30 से स्थगित
154.	सी एम/एल-5684 श्रावीक इंजीनियरिंग कं०, 1976-12-10	डोर लोजर्स (प्रव नियंत्रित) — कलकत्ता	IS : 3564-1975		1977-12-15 से स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
155. सी एम/एल-5692	प्रशोक स्टील कास्टिंग, उबाल 1976-12-10	हलवां लोहे की फलश की टंकियां (घट्टी नुमा)--- IS : 774-1971	--	1977-11-30 से स्थगित	
156. सी एम/एल-5727	प्रनिव मरीन इण्डस्ट्रीज, बृहाती 1976-12-24 (कर्नाटक)	पानी गैस, मल निकालने के फैज़दार साकेट, पैज़दार स्पीगल कालर, बोहरे साकेट वाले मुड़े फैज़दार टी, मादे फैज--- IS : 1538 (भाग 1 से 23)--- 1976	--	1977-12-15 से स्थगित	
157. सी एम/एल-5749	प्रज्ञानाभ इण्डस्ट्रीज प्रा० नि�०, 1976-12-31 कलकत्ता	हलवां लोहे की फलश की टंकियां ऊचे स्तर की (घट्टी नुमा)--- IS : 774-1971	--	1977-12-31 से स्थगित	
158. सी एम/एल-5752	श्री भास्करसं एंग्रीकेमिकल एण्ड 1976-12-31 काटन इण्डस्ट्रीज, गुरुद्वारा	डीडीटी धूलत चूर्ण--- IS : 564-1975	--	"	
159. सी एम/एल-5769	हरयाणा मिल्स फूज्स पेहोवा 1977-01-06 (हरयाणा)	पूर्ण मलाई वाला मोठा संश्नित दूध--- IS : 1166-1973	--	"	
160. सी एम/एल-5773	फार्टिकेम (इंडिया) इण्डस्ट्रीज, 1977-01-07 पांडिचेरी	डीडीटी धूलत चूर्ण--- IS : 564-1975	--	1977-12-31 से स्थगित	
161. सी एम/एल-5800	भारत फाउण्डी, कोयम्बतूर 1977-01-11	कृषि में उपयोग के लिए अपकेन्द्री पम्पों के तीन केंजी स्किवरेल केज प्रेरण मोटर--- IS : 7338-1975	--	"	

[सं० सी एम शी/13 : 14]

S.O. 2119.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks licences, details of which are mentioned in the following schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6:

SCHEDULE

SI. No.	Licence No. No. (CM/L-)	Licensee	Products & IS: No.	S.O. No. & Date of the Gazette Notify- ing Grant of Licences	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
LICENCES LAPSED					
1.	CM/L 39 1957-11-04	Rashtriya Metal Industries Ltd., Bombay.	Wrought aluminium and alu- minium alloy for utensils--- IS : 21—1959	S.R.O. 3724 dated 1957-11-23	Renewal was deferred after 1976-01-31; the licence now stands lapsed after that date.
2.	CM/L-40 1957-11-04	-do-	Wrought aluminium and alu- minium alloy for utensils	S.R.O. 3724 dated 1957-11-23	-do-
3.	CM/L-104 1958-10-07	E.I.D Parry Ltd., Nellikup- pani.	Rectified spirit--- IS : 323—1959		Renewal was deferred after 1976-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
4.	CM/L-732 1964-06-29	Sri Rama Machinery Corp. Pvt. Ltd., Madras.	Structural steel (standard quality)--- IS : 226—1975	S.O. 2590 dated 1964-08-01	Renewal was deferred after 1977-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
5.	CM/L-733 1964-06-29	-do-	Structural steel (ordinary quality)--- IS : 1977—1975	-do-	-do-
6.	CM/L-1306 1966-07-28	Venkateswara Agro-Chemical & Minerals, Madras.	Endrin EC--- IS : 1310—1974	S.O. 2600 dated 1966-08-27	lapsed after 1977-03-31.
7.	CM/L-1586 1967-12-14	Prakash Pulverising Mills, Alwar.	BHC (HCH) WDP--- IS : 562—1972	S.O. 284 dated 1968-01-20	Renewal was deferred after 1976-04-30; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8. CM/L-1587 1967-12-15	Prakash Pulverising Mills, Alwar.	DDT WDP IS: 565—1975	S.O. 284 dated 1968-01-20	Renewal was deferred after 1976-10-31; the licence now stands lapsed after that date.	
9. CM/L-1686 1968-04-30	Palsons Industries, Kapur-thala (Pb.)	Door closures (hydraulically regulated)— IS: 3564—1970	S.O. 2127 dated 1968-06-15	Renewal was deferred after 1975-02-15; the licence now stands lapsed after that date.	
10. CM/L-1748 1968-07-18	Singhal Pesticides, Agra	Aldrin EC— IS: 1307—1973	S.O. 3150 dated 1968-09-14	Renewal was deferred after 1977-05-15; the licence now stands lapsed after that date.	
11. CM/L-2266 1970-02-27	Jayalakshmi Fertilizers, Madras-600060.	BHC WDPC— IS: 562—1972	S.O. 1235 dated 1970-04-04	Renewal was deferred after 1977-09-30; the licence now stands lapsed after that date.	
12. CM/L-2325 1970-05-19	-do-	Malathion EC— IS: 2567—1973	S.O. 2802 dated 1970-08-22	-do-	
13. CM/L-2405 1970-09-11	Bharat Pulverising Mills (P) Ltd., Madras.	Wettable sulphur powder— IS: 3383—1965	S.O. 3349 dated 1971-09-11	Lapsed after 1977-09-30	
14. CM/L-2433 1970-10-21	Agew Steel Mfrs. Pvt. Ltd., Ahmedabad.	Steel doors windows and ventilators— IS: 1038—1968	S.O. 561 dated 1971-01-30	Renewal was deferred after 1975-10-13; the licence now stands after that date.	
15. CM/L-2500 1971-01-04	Dawood Industries, Cochin	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970	S.O. 5028 dated 1971-11-06	Renewal was deferred after 1976-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
16. CM/L-2773 1971-09-16	Angus Co. Ltd., Calcutta.	(i) DW flour jute cloth— IS: 3966—1967 (ii) DW flour bags— IS: 3984—1967	S.O. 2403 dated 1972-09-02	Lapsed after 1977-11-30	
17. CM/L-2816 1971-11-25	Veneer Mills Pvt. Ltd., Dibrugarh.	Plywood for general purposes IS: 3903—1960	S.O. 403 dated 1972-02-05	Renewal was deferred after 1976-11-30; the licence now stands lapsed after that date.	
18. CM/L-2819 1971-11-26	Agarwal Hardware Works Pvt. Ltd., Dhanbad.	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786—1966	-do-	Lapsed after 1977-11-30	
19. CM/L-2894 1972-01-31	Titaghur Jute Factory Co. Ltd., Calcutta.	DW flour bags— IS: 3984—1967	S.O. 2777 dated 1972-10-07	-do-	
20. CM/L-2908 1972-02-14	P.S.G. Industrial Institute, Coimbatore.	I.C. engines— IS: 1601—1960	S.O. 2801 dated 1972-10-14	Lapsed after 1977-09-30	
21. CM/L-3029 1972-03-30	Sulekh Ram & Sons Steel Rolling Mills, Ahmedabad.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1969	S.O. 887 dated 1973-03-24	Renewal was deferred after 1977-03-31; the licence now stands lapsed after that date.	
22. CM/L-3030 1972-03-30	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1777—1975	-do-	-do-	
23. CM/L-3116 1972-08-01	Ramakrishna Prasad Pesticides, Guntur.	Endrin EC— IS: 1310—1974	S.O. 3471 dated 1973-12-15	Lapsed after 1977-03-31	
24. CM/L-3273 1973-01-05	Samnuggar Jute Factory Co. Co. Ltd., Calcutta.	DW flour bags— IS: 3984—1967	S.O. 1798 dated 1974-07-20	Lapsed after 1977-11-30	
25. CM/L-312 1972-08-10	Devidayal (Salcs) Pvt. Ltd., Bombay-400010.	Endrin EC— IS: 1310—1974	S.O. 3471 dated 1973-12-15	Lapsed after 1977-06-15	
26. CM/L-3292 1973-01-08	Victoria Jute Co. Ltd., Calcutta.	DW flour bags— IS: 3984—1967	S.O. 1798 dated 1974-07-20	Lapsed after 1977-11-30	
27. CM/L-3356 1973-03-07	Kelvin Jute Co. Ltd., Calcutta	B-twill jute bags— IS: 2566—1965	S.O. 955 dated 1975-03-29	Lapsed after 1977-03-15	
28. CM/L-3366 1973-03-21	Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Thana (Maharashtra).	Stencilpaper— IS: 5086—1969	-do-	Renewal was deferred after 1976-03-31; the licence now stands lapsed after that date.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29.	CM/L-3373 1973-03-28	Conventry Springs and Engg. Co. Pvt. L. J., Calcutta.	Leaf springs for automobile suspension— IS: 1135—1973	S.O. 995 dated 1975-03-29	Lapsed after 1977-09-30
30.	CM/L-3409 1973-05-07	P.V.S. Industries, Hospet	Endrin EC— IS: 1310—1974	S.O. 954 dated 1975-03-29	Lapsed after 1977-03-31.
31.	CM/L-3437 1973-06-11	Allied India Enterprise, Cal- cutta.	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970	S.O. 1037 dated 1975-04-05	Renewal was deferred after 1974-06-15; the licence now stands lapsed after that date.
32.	CM/L-3907 1974-08-05	Pesticides India, Udaipur	Aldrin DP— IS: 1308—1974	S.O. 686 dated 1976-02-14	Renewal was deferred after 1977-05-31; the licence now stands lapsed after that date.
33.	CM/L-3928 1974-08-20	Krishichemin Pvt. Ltd., Ban- galore.	Endrin EC— IS: 1310—1974	S.O. 686 dated 1976-02-14	Lapsed after 1977-03-31
34.	CM/L-4007 1974-10-28	Lakshmi Mills Co. Ltd., Coimbatore.	Grey cotton yarn— IS: 171—1973	S.O. 1763 dated 1976-05-29	Lapsed after 1977-10-31
35.	CM/L-4043 1974-11-07	The Alloy Steel Plant, Hin- dustan Steel Ltd., Durga- pur Distt. Burdwan (W.B.)	Case hardening steels— IS: 4432—1967	S.O. 2022 dated 1976-06-19	Lapsed after 1977-11-15
36.	CM/L-4044 1974-11-07	-do-	Carbon chromium steel for the manufacture of balls, rollers and bearings races— IS: 4398—1972	-do-	Lapsed after 1977-11-15
37.	CM/L-4045 1974-11-07	-do-	Steel for hardening and tem- pering— IS: 5517—1969	-do-	-do-
38.	CM/L-4245 1975-02-26	Aurobindo Ashram, Harpa- gon Workshop Pondi- cherry.	Steel drums (galvanised and ungalvanized)— IS: 2552—1970	S.O. 2022 dated 1976-06-19	Renewal was deferred after 1977-02-28; the licence now stands lapsed after that date.
39.	CM/L-4254 1975-03-07	Nagadevi Industries, Banga- lore.	Wrought aluminium and alu- minium alloy for utensils— IS: 21—1959	—	Renewal was deferred after 1977-02-28; the licence now stands lapsed after that date.
40.	CM/L-4594 1975-08-29	Bajat Agro Industrial Corpn., Enikepadu Vijayawada-5 521108 (A.P.)	Hard-drawn stranded alumi- nium and/or steel cored aluminium conductors for overhead power transmis- sion purposes— IS: 398—1961	S.O. 428 dated 1977-02-05	Lapsed after 1977-08-31.
41.	CM/L-4596 1975-08-29	Pioneer Iron Foundry Pvt. Ltd., Jammu Tawi.	Sand cast iron spigot and socket soil waste and venti- lating pipes fittings and accessories— IS: 1729—1964	-do-	Renewal was deferred after 1977-08-31; the licence now stands lapsed after that date.
42.	CM/L-4651 1975-09-22	Shree Farm Chemicals Pvt. Ltd., Warangal.	Methyl parathion EC— IS: 2865—1964	S.O. 832 dated 1977-03-19	Lapsed after 1977-09-30
43.	CM/L-4731 1975-10-15	Gujarat Agrochem Industries, Ahmedabad.	DDT EC— IS: 63—1975	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Lapsed after 1977-10-15
44.	CM/L-4763 1975-10-29	Excel Glasses Ltd. Alleppy- 688001 (Kerala).	Glass milk bottles— IS: 1392—1971	-do-	Lapsed after 1977-10-31.
45.	CM/L-4771 1975-10-31	Western India Electric: Corpn. New Delhi-110002.	Hot air fan IS: 4283—1967	-do-	Lapsed after 1977-10-31
46.	CM/L-4841 1975-11-26	Omega Engg. Industries, Qui- lion (Kerala)	Metal rolling shutters and rol- ling grills IS: 6248—1971	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Lapsed after 1977-11-30.
47.	CM/L-4902 1975-12-17	Jaipal Udyog, Loni.	BHC (HCH) WDP— IS: 562—1972	S.O. 3083 dated 1977-10-08	Renewal was deferred after 1976-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
48.	CM/L-5484 1976-09-10	Sri Venkateswara Food Pro- cessing Ltd., Nidadavole.	Tamarind concentrates— IS: 5955—1976	—	Lapsed after 1977-09-09.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
49.	CM/L-5487 1976-09-10	Singhal Pesticides, Agra.	Formulation based on stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates— IS: 2358—1963	—	Lapsed after 1977-09-13
50.	CM/L-5497 1976-09-20	Mineral Mining Co. Pvt. Ltd., Tadapatri (A.P.)	BHC (HCH) WDPC— IS: 562—1972	—	Lapsed after 1977-09-15
51.	CM/L-5498 1976-09-20	Farmers Pest Control Pvt. Ltd., Guntur.	DDT DP— IS: 554—1975	—	Lapsed after 1977-09-30
52.	CM/L-5528 1976-09-24	Ashok Steel Corp. Ltd., Howrah.	Carbon steelcast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS: 6915—1973	—	Lapsed after 1977-09-30
53.	CM/L-5578 1976-10-25	Chhotabhai Jethabhai Patel & Co., Gondia.	Bidis— IS: 1925—1974	—	Lapsed after 1977-10-15.
54.	CM/L-5592 1976-10-25	Birla Jute Mfg. Co. Ltd., 24 Parganas.	Jute fabric for fertilizers bag— IS: 7407—1974	—	Lapsed after 1977-10-15
55.	CM/L-5688 1976-12-10	Apeejay Steel Pvt. Ltd., Jullundur.	Steel ingots for the production of volute helical and laminated springs for automotive suspension— IS: 8051—1976	—	Lapsed after 1976-11-30
56.	CM/L-5689 1976-12-10	Hindustan Industrial Corpn., Rajahmundry.	Wrought aluminium utensils— IS: 21—1975	—	Lapsed after 1977-12-31
57.	CM/L-5717 1976-12-14	Shree Bajrang Electric Steel Co. Pvt. Ltd., Calcutta.	Steel for the manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock)— IS: 3195—1975	—	Lapsed after 1977-12-15
58.	CM/L-5718 1976-12-14	Shree Bajrang Electric Steel Co. Pvt. Ltd., Calcutta	Steel billets for the production of volute and helical springs for (railway rolling stock)— IS: 8052—1976	—	Lapsed after 1977-12-15
59.	CM/L-5719 1976-12-14	-do-	Steel for the manufacture of laminated springs (railway rolling stock)— IS: 3885 (Pt I)—1968	—	Lapsed after 1977-12-15
60.	CM/L-5739 1976-12-24	Agro Industrial Chemical Co., Rudrapur.	Heptachlore EC— IS: 6439—1972	—	Lapsed after 1977-12-15
61.	CM/L-5775 1977-01-07	Tamilnadu Agro Industrial Corp. Ltd., Madras.	Endrin EC— IS: 1310—1974	—	Lapsed after 1977-03-31
LICENCES DEFERRED					
62.	CM/L-224 1960-09-16	Swaraj Plywood Works, Kotayam.	Tea-chest plywood panels— IS: 10—1975	S.O. 2495 dated 1960-10-15	Deferred after 1977-12-31
63.	CM/L-228 1960-09-16	Dr. W.ter Chocolates & Co. of India Ltd., Bombay.	Macaroni, spaghetti and vermicelli— IS: 1485—1959	-do-	Deferred after 1977-10-15
64.	CM/L-341 1961-09-20	Mysore Insecticides Co. (Andhra), Vijayawada.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 2447 dated 1961-10-14	Deferred after 1977-12-15
65.	CM/L-562 1963-07-11	Annapurna Pulverising Mills, Eluru (A.P.)	BHC (HCH) WDPC— IS: 562—1972	S.O. 2372 dated 1963-08-24	Deferred after 1977-10-31
66.	CM/L-756 1964-08-12	Sree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd., Madras.	DDT WDP— IS: 564—1961	S.O. 3553 dated 1964-10-10	Deferred after 1977-12-31
67.	CM/L-802 1964-10-23	K.L. Malhotra Bros, Jullundur City.	Badminton racket frames— IS: 831—1966	S.O. 4038 dated 1964-11-28	Deferred after 1977-11-15
68.	CM/L-1120 1965-05-04	Andhra Steel Corp. Ltd., Visakhapatnam.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975	S.O. 2667 dated 1965-08-28	Deferred after 1977-08-31
69.	CM/L-1121 1965-05-04	Andhra Steel Corp. Ltd., Visakhapatnam.	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	S.O. 2667 dated 1965-08-28	Deferred after 1977-08-31
70.	CM/L-1532 1967-09-28	Rashtriya Engg. Works, Batala	Sand Cast ironsoil pipes— IS: 1729—1964	S.O. 3733 dated 1967-10-21	Deferred after 1977-09-15
71.	CM/L-1568 1967-11-24	Prakash Insecticides Pvt. Ltd., Allahabad.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 4568 dated 1967-12-23	Deferred after 1977-11-30
72.	CM/L-1765 1968-08-13	PVS Industries, Hospet.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 3677 dated 1968-10-19	Deferred after 1977-10-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
73. CM/L-1778 1968-08-30	Raj Brush Industries, Bhopal	Brushes, paints and varnishes IS: 384—1964	S.O. 3677 dated 1968-10-19	Deferred after 1977-09-30	
74. CM/L-1824 1968-10-31	Him Pine Industries, Dehra Dun.	Plywood teaches battens-- IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 4257 dated 1968-11-30	Deferred after 1977-10-31	
75. CM/L-1914 1969-02-07	General Engineering Co., Coimbatore.	Three-phase induction mo- tors-- IS: 325—1970	S.O. 1256 dated 1969-04-05	Deferred after 1977-11-15	
76. CM/L-1956 1969-04-23	Sudha Shan Steel Rolling Mills, Delhi.	Structural steel(ordinary qua- lity)-- IS: 1977—1975	S.O. 2238 dated 1969-05-07	Deferred after 1977-04-30	
77. CM/L-2144 1969-11-19	B.R. Hermann & Mohatta (India) Pvt. Ltd., Ludhiana	Sand cast iron spigot and soc- ket soil, waste and venti- lating pipes, fittings and accessories— IS: 1729—1964	S.O. 5045 dated 1969-12-27	Deferred after 1977-11-30	
78. CM/L-2180 1969-12-24	S.N. Ali (P) Ltd, Calcutta.	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970	S.O. 437 dated 1970-02-07	Deferred after 1977-12-31	
79. CM/L-2186 1969-12-31	Dewan Brothers, Yamuna Nagar.	Tea-chest battens— IS: 10(Pt III) —1974	S.O. 437 dated 1970-02-07	Deferred after 1977-12-31	
80. CM/L-2240 1970-02-09	A.J. Lopez & Sons, Cochin.	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 1235 dated 1970-04-04	-do-	
81. CM/L-2323 1970-05-15	Commercial Timber Industries, Yamunagar.	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 2802 dated 1970-08-22	Deferred after 1977-12-15	
82. CM/L-2377 1970-07-28	Mruthyunjaya Parklands In- dustries, Kottayam.	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 2109 dated 1971-05-29	Deferred after 1977-12-15	
83. CM/L-2399 1970-08-31	Gannon Dunkerlay & Co. Ltd., Bombay.	Welded low carbon steel gas cylinders for the storage and transportation of low pres- sure LPG— IS: 3196—1975	S.O. 57 dated 1971-01-02	Deferred after 1977-11-30	
84. CM/L-2401 1970-09-01	Andhra Steel Corpn Ltd., Vi- shakhapatnam.	Structural steel(standard qua- lity)— IS: 226—1975	S.O. 3349 dated 1971-09-11	Deferred after 1977-08-15	
85. CM/L-2703 1971-06-16	Gannon Dunkerlay & Co Ltd. Bombay.	Valve fittings for compressed gas cylinders— IS: 3224—1974	S.O. 3594 dated 1971-10-02	Deferred after 1977-11-30	
86. CM/L-2876 1972-01-15	National Trading Corpn., Cal- cutta.	Plywood tea-chest (metal fit- tings)— IS: 10—1970	S.O. 2777 dated 1972-10-07	Deferred after 1977-11-30	
87. CM/L-3034 1972-03-30	Taruk Industries, Rajpura	Door closers (hydraulically regulated— IS: 3564—1970	S.O. 887 dated 1973-03-24	Deferred after 1977-09-30	
88. CM/L-3135 1972-08-21	Kehr Surgical & Allied Pro- ducts (Pvt.) Ltd., Kanpur	Blades, surgical detachable (Bard parker type)— IS: 3319—1973	S.O. 3471 dated 1973-12-15	Deferred after 1977-10-15	
89. CM/L-3196 1972-10-27	Reavathec Enterprises, Madras.	Hard-drawn stranded alumini- um and steel cord alumini- um conductors for over- head power transmission purposes— IS: 398 (Pt. I & II)—1961	S.O. 846 dated 1974-03-30	Deferred after 1977-10-31	
90. CM/L-3228 1972-11-28	P.N.M. Co, Erode.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S. O. 1700 dated 1973-06-16	Deferred after 1977-10-15	
91. CM/L-3408 1973-05-04	Chitavalsah Jute Mills Co. Ltd. Chitavalsah Visakha- pathnam.	Jute bags for packing, cement-- IS: 2580—1965 DW—flour bags-- IS: 3984—1967	S.O. 954 dated 1975-03-29	Deferred after 1977-10-15	
92. CM/L-3496 1973-07-31	Hem Electric Mfg Co. (P) Ltd. Varanasi	Automobile electric horn re- lays IS: 2077—1962	S.O. 1233 dated 1975-04-19	-do-	
93. CM/L-3564 1973-10-10	Plastic Moulders Ltd. How- rah.	Low density polyethylene pipes for potable water supplies— IS: 3076—1968	S.O. 1556 dated 1975-05-17	-do-	

1	2	3	4	5	6
94. CM/L-3613 1973-11-28	Andhra Steel Corp. Ltd., Vishakhapatnam	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	S.O. 1602 dated 1975-05-24		Deferred after 1977-08-31
95. CM/L-3614 1973-11-28	-do-	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	-do-	-do-	
96. CM/L-3637 1973-12-13	Steel Complex Ltd., Feroke	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6915—1973	S.O. 1603 dated 1975-05-24		Deferred after 1975-12-15
97. CM/L-3638, 1973-12-13	-do-	Carbon steel cast billet ingot for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	-do-	-do-	
98. CM/L-3941 1974-09-02	Ajanta Iron & Steel Co. (P) Ltd., Delhi.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	S.O. 1762 dated 1976-05-29		Deferred after 1977-08-31
99. CM/L-3967 1974-09-25	Lakhapani Veneers Saw Mills, Lekhapani (Assam)	Plywood tea-chest panels— IS : 10—1970	S.O. 1762 dated 1976-05-29		Deferred after 1977-11-15
100. CM/L-3968 1974-09-25	Assam Bengal Veneer Indus- tries Pvt. Ltd., Calcutta.	Tea-chest battens— IS : 10—1970	-do-		Deferred after 1977-09-30
101. CM/L-3997 1974-10-21	Asian Steel Industries Ltd., Hyderabad.	Galvanized stay strand— IS : 2141—1968	S.O. 1763 dated 1976-05-29		Deferred after 1977-10-31
102. CM/L-4085 1974-11-05	Andhra Steel Corp. Ltd., Calcutta.	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	S.O. 2022 dated 1976-06-19		Deferred after 1977-11-15
103. CM/L-4036 1974-11-05	-do-	Carbon-steel cst billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	-do-	-do-	
104. CM/L-4064 1974-11-25	J.K. Satoh Agricultural Mac- hines Ltd., Kanpur	Diesel engines— IS : 1601—1960	-do-		Deferred after 1977-11-30
105. CM/L-4131 1975-01-10	Andhra Steel Corp. Ltd., Calcutta.	CTD bars for concrete rein- forcement— IS : 1786—1966	S.O. 2465 dated 1976-07-10		Deferred after 1977-11-15
106. CM/L-4198 1975-02-10	Govan Industrial Corp., New Delhi.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for voltage upto and including 1100 V— IS : 1554 (Pt I)—1964	-do-		Deferred after 1977-09-30
107. CM/L-4388 1975-05-23	Oriental Metal Pressing Works Pvt Ltd., Bombay	Domestic gas stove for use with LPG— IS : 4246—1972	S.O. 3623 dated 1976-10-16		Deferred after 1977-11-30
108. CM/L-4580 1975-08-20	Industrial Chemicals & Mi- nerals, Ghaziabad	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	S.O. 428 dated 1977-02-05		Deferred after 1977-08-31
109. CM/L-4602 1975-08-29	Reliance Jute Industries, Ltd., 24-Parganas	DW flour bags— IS : 3984—1967	-do-		Deferred after 1977-08-31
110. CM/L-4656 1975-09-22	Mineral Mining Co. Pvt. Ltd., Anantapur	BHC (HCH)—DP— IS : 561—1972	S.O. 832 dated 1977-03-19		Deferred after 1977-09-30
111. CM/L-4717 1975-10-15	Ruchika Cables, Delhi	PVC insulated cables with aluminium conductors for voltage upto 100 V— IS : 694 (Pt II)—1964	S.O. 1148 dated 1977-04-16		Deferred after 1977-10-15
112. CM/L-4723 1975-10-15	Eldee Wire Ropes Ltd., Bombay	Steel wire ropes for general engineering purposes— IS : 2266—1970	S.O. 1148 dated 1977-04-16		Deferred after 1977-10-15
113. CM/L-4724 1975-10-15	-do-	Steel wire ropes for haulage purposes in mines— IS : 1856—1970	-do-	-do-	
114. CM/L-4754 1975-10-27	Pesticides & Breweries Ltd., Thana	Malathion EC— IS : 2567—1973	-do-		Deferred after 1977-10-31

1	2	3	4	5	6
115. CM/L-4774 1975-10-31	Shri Santosh Saw Mills, Yamunanagar.	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Pt III)—1974	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-10-31	
116. CM/L-4777 1975-10-31	Agricultural Discs (India) Ltd., Nasik.	Agricultural tillage discs (concave type)— IS : 4366 (Pt I)—1972	-do-	-do-	
117. CM/L-4782 1975-10-31	Farmers Pesticides, Guddapah	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	-do-	-do-	
118. CM/L-4794 1975-11-24	Indira Polymers (P) Ltd., Madras.	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies— IS : 4985—1968	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-11-15	
119. CM/L-4798 1975-11-24	Unique Plastic Industries, Calcutta.	High density polyethylene pipes for potable water supplies— IS : 4984—1972	-do-	-do-	
120. CM/L-4818 1975-11-24	Motilal Pesticides India, Mathura.	Chlordane dusting powders— IS : 2864—1974	-do-	-do-	
121. CM/L-4819 1975-11-24	Vijaya Pulverisers, Guntur	BHC (HCH) WDP— IS : 562—1972	-do-	Deferred after 1977-11-30	
122. CM/L-4821 1975-11-24	Southern Aflame Gas Appliances Pvt. Ltd., Ernakulam.	Domestic gas stove for use with LPG— IS : 4246—1972	-do-	Deferred after 1977-11-20	
123. CM/L-4827 1975-11-24	Goverdhan Das P.A., Jullundur City.	Ball valves (horizontal plunger type) including floats for water supplies purposes— IS : 1703—1968	-do-	-do-	
124. CM/L-4831 1975-11-24	Standard Metal Wires Pvt. Ltd., New Delhi.	Hard drawn standard aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-11-30	
125. CM/L-4838 1975-11-24	Bijapur Co-op Spining Mills Ltd., Bijapur (Karnataka).	Grey cottonyarn— IS : 171—1973	-do-	Deferred after 1977-11-15	
126. CM/L-4858 1975-12-04	Oyster Packages Pvt. Ltd., Howrah.	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1974	S.O. 3083 dated 1977-10-08	Deferred after 1977-11-30	
127. CM/L-4866 1975-12-04	Shri Ram Agro Chemical Industries, Guntur.	Malathion DP— IS : 2568—1973	-do-	Deferred after 1977-12-15	
128. CM/L-4872 1975-12-04	Commercial Packages, Calcutta.	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1974	-do-	Deferred after 1977-11-30	
129. CM/L-4874 1975-12-04	Madan Lal Jwala Pershad Calcutta.	Laminated jute bags for packing fertilizers—	-do-	-do	
130. CM/L-4884 1975-12-12	Goverdhan Engg. Industries, Coimbatore.	Three-phase induction motors IS : 325—1970	S.O. 3083 dated 1977-10-08	Deferred after 1977-12-31	
131. CM/L-4898 1975-12-12	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Ballary.	BHC (HCH) WDP— IS : 562—1972	-do-	Deferred after 1977-12-15	
132. CM/L-5374 1976-07-21	Mohta Ispat Ltd., Ratlam.	Steel for volute, helical and laminated springs for automotive suspensions— IS : 3431—1965	—	Deferred after 1977-07-31	
133. CM/L-5501 1976-09-20	Gordhan Das Rathi Steels Pvt. Ltd., Delhi.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	—	Deferred after 1977-09-15	
134. CM/L-5502 1976-09-20	-do-	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	—	-do-	
135. CM/L-5516 1976-09-21	Porwal Udyog (India), Indore.	3.67 kW (5 HP) 1500 R.P.M. vertical single cylinder water cooled diesel engines— IS : 1601—1960	—	Deferred after 1977-09-30	
136. CM/L-5555 1976-10-04	Bhagwati Oxygen Ltd., Balabgarh.	Compressed oxygen gas— IS : 309—1974	—	Deferred after 1977-09-30	

1	2	3	4	5	6
137.	CM/L-5560 1976-10-11	National Pesticides, Vidisha	Aldrin DP— IS : 1308—1974	—	Deferred after 1977-10-15
138.	CM/L-5561 1976-10-11	Farmers Pest Control Pvt. Ltd., Guntur.	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	—	-do-
139.	CM/L-5571 1976-10-12	Agro Products, Baroda	DDT DP— IS : 564—1975	—	-do-
140.	CM/L-5584 1976-10-25	Sri Padamja Insecticides, Guntur.	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	—	-do-
141.	CM/L-5585 1976-10-25	Shree Farm Chemicals Pvt. Ltd., Warangal,	DDT DP— IS : 564—1975	—	-do-
142.	CM/L-5586 1976-10-25	India Fibre, Delhi	Protective helmets for scooter and motor cycle riders— IS : 4151—1968	—	Deferred after 1977-10-31
143.	CM/L-5591 1976-10-25	Chemicals India, Akola	DDT DP— IS : 564—1975	—	-do-
144.	CM/L-5594 1976-10-25	Vaishali Chemical Works, Muzaffarpur.	Paraffin wax— IS : 4654—1974	—	Deferred after 1977-10-31
145.	CM/L-5598 1976-10-29	-do-	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	—	-do-
146.	CM/L-5620 1976-11-05	Shree Farm Chemicals (Pvt.) Ltd., Warangal.	Malathion EC— IS : 2567—1973	—	Deferred after 1977-11-15
147.	CM/L-5625 1976-11-05	Andhra Steel Corp. Ltd., Calcutta.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	—	Deferred after 1977-11-15
148.	CM/L-5644 1976-11-17	N.R.N. Ayyar & Co., Kur-nool.	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	—	Deferred after 1977-11-30
149.	CM/L-5645 1976-11-17	-do-	DDT WDP— IS : 565—1975	—	-do-
150.	CM/L-5648 1976-11-17	Suraj Plant & Equipment Corp., Chandigarh.	Flameproof enclosures for rotary electric coal drill— IS : 2148—1968	—	Deferred after 1977-11-30
151.	CM/L-5651 1976-11-17	Gujarat Agro Chem Industries, Ahmedabad.	DDT WDP— IS : 565—1975	—	Deferred after 1977-11-30
152.	CM/L-5663 1976-11-24	Navamani & Co., Coimbatore.	Three-phase induction motors IS : 325—1970	—	Deferred after 1977-11-15
153.	CM/L-5678 1976-12-03	The Oriental Engg Works (P) Ltd., Yamuna Nagar.	Diesel engines— IS : 1601—1960	—	Deferred after 1977-11-30
154.	CM/L-5684 1976-12-10	Ashoka Engg. Co., Calcutta.	Door closures (Hydraulically regulated)— IS : 3564—1975	—	Deferred after 1977-12-15
155.	CM/L-5692 1976-12-10	Ashok Steel Castings, Unnao	Cast iron flushing cisterns (bell type)— IS : 774—1971	—	Deferred after 1977-11-30
156.	CM/L-5727 1976-12-24	Alinda Machine Industries, Hubli (Karnataka).	Cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage flanged sockets, spigot, collars, double socket bend flanged toes, blank flanges— IS : 1538 (Part I to XXIII)—1976	—	Deferred after 1977-12-15
157.	CM/L-5749 1976-12-31	Abjanabh Industries Pvt Ltd., Calcutta.	Cast iron flushing cisterns, high level (bell type)— IS : 774—1971	—	Deferred after 1977-12-31
158.	CM/L-5752 1976-12-31	Shri Bhaskars Agro Chemical & Cotton Industries Guntur.	DDT DP— IS : 564—1975	—	-do-
159.	CM/L-5769 1977-01-06	Haryana Mills Foods, Pehowa (Haryana).	Full cream sweetened condensed milk — IS : 1166—1973	—	-do-
160.	CM/L-5773 1977-01-07	Fertichem (India) Industries, Pondicherry.	DDT DP— IS : 564—1975	—	-do-
161.	CM/L-5800 1977-01-11	Bharat Foundry Coimbatore	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural applications— IS : 7338—1975	—	Deferred after 1977-12-31

नई दिल्ली, 1980-07-24

का०आ० 2120—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के प्रनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिन्हों का डिजाइन उसके शास्त्रिक विवरण तथा तत्वबंधी भारतीय मानक के शोषक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है यह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त यह मानक चिन्ह विवरण 1979-12-16 से लागू होगा।

अनुसूची

क्रम मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्वबंधी भारतीय मानक की पद संख्या और मानक चिन्ह की डिजाइन का शास्त्रिक विवरण		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 	प्रारूपण प्रणालियों के निचले बेनरने की विशिष्टि बेनर	IS : 2510-1976 प्रारूपण प्रणालियों के निचले बेनरनों की विशिष्टि (पहला पुनर्वर्णन)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई रैनो और प्रनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।	[पंक्ति मां प्रम. की/13 : 9]

New Delhi, the 1980-07-24

S.O.2120—In pursuance of sub-rule(1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notified that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1979-12-16 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Bottom rollers for drafting systems.	IS : 2510—1976 Specification for bottom rollers for drafting systems (third revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का०आ० 2121—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के प्रनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिन्हों का डिजाइन उसके शास्त्रिक विवरण तथा तत्वबंधी भारतीय मानक शोषक संघर्ष में अनुसूची में दिया गया है यह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त ये मानक चिन्ह उसके सामने दर्शाई गई तिथियों से लागू होंगे।

अनुसूची

क्रम मानक चिन्ह का नंबर	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्वबंधी भारतीय मानक को मानक चिन्ह के डिजाइन का शास्त्रिक विवरण	पद संख्या और शोषक	प्राप्त होने का तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		स्वचल गाइडिंग डिस्ट्रिब्यूशन चिन्ह	IS : 506-1973 स्वचल गाइडिंग को विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और प्रनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या, उसके बर्द शहित दी गई है।	1980-04-16
2.		बैच बाक	IS : 2586-1975 बैच बाक को विशिष्टि (परीक्षण आवश्यकों के बाक) (पहला पुनर्वर्णन)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और प्रनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक का पद संख्या दी गई है।	1980-04-16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3		स्टेनलैस इस्पात के लाभा पकाने के बर्तन, उपयोगिता घ्रेह	IS 3411-1966 स्टेनलैस इस्पात के लाभा पकाने के बर्तनों की विशिष्टि	--	1980-04-16
4		तांबा और तांबा मिश्र धातुओं पर निकल और क्रोमियम की पर्ती का विद्युत लेपन	IS 4827-1968 तांबा और तांबा मिश्र धातुओं पर निकल और क्रोमियम की विद्युत लेपन पर्ती की विशिष्टि	--	1980-04-16
5		कार्बन इस्पात की तार छड़ी के उत्तावन के लिए इस्पात के इंगट और बिलेट	IS 8951-1978 कार्बन इस्पात की तार छड़ी के उत्तावन के इंगट की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द हीने हैं स्तम्भ (2) में दिवाइ गई गैरी और अनुपात में नैयार किया गया है और जैमा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंक्षय दी गई है।	1980-04-16

[सं० सो एम झी/13 : 9]

S.O.2121—In pursuance of sub-rule(1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations aforesaid thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

S. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		Automotive grease	IS : 506—1973 Specification for automotive grease.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
2.		Bench vices	IS : 2586—1975 Specification for bench vices (machinist's vices) (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letter 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
3.		Stainless steel cooking utensils, utility grade.	IS : 3411—1966 Specification for stainless steel cooking utensils.	-do-	1980-04-16
4.		Electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	IS : 4827—1968 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	-do-	1980-04-16
5.		Steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	IS : 8951—1978 Specification for steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	-do-	1980-04-16

[No. CMD/13 : 9]

का०आ० 2122 --भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 7 के उत्तराधिकार (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाना है कि प्राप्तवेदनों के निचले बेलनों का प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क निर्धारित किया गया है। यदि वर्तीन शुल्क जिसके बादूरे अनुसूची में दिए गए हैं दिनांक 1979-12-16 से लागू होगा।

अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्परताधीन भारतीय मानक की पद संख्या और शाखा	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. प्राप्तवेदनों के निचले बेलन	IS 2510-1976 प्राप्तवेदनों के निचले एक अद्वा बेलनों की विशिष्टि (तीव्र पुनरीक्षण)	IS 2510-1976 प्राप्तवेदनों के निचले एक अद्वा बेलनों की विशिष्टि (तीव्र पुनरीक्षण)	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क

1. 10 पैसे प्रति इकाई पहली 20000 इकाइयों के लिए,
2. 5 पैसे प्रति इकाई 20001 वी से 40000 तक की इकाइयों के लिए और
3. 1 पैसा प्रति इकाई 40001वीं इकाई और उससे प्रतिह इकाइयों के लिए।

[संख्या ना० पम ८/13 : 10]

S.O. 2122.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notified that the marking fee per unit for bottom rollers for drafting systems details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1979-12-16.

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Bottom rollers for drafting systems	IS : 2510—1976 Specification for One Piece bottom rollers for drafting systems (third revision)	इकाई	(i) 10 Paise per unit for the first 20000 units, (ii) 5 Paise per unit for the 20001st to 40000 units, and (iii) 1 Paise per unit for the 40001st unit and above.

[No. CMD/13 : 10]

का०आ० 2123 --भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) के विनियम 1955 के विनियम 7 के उत्तराधिकार (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाना है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क नीचे अनुसूची में दिए गए बादूरे के अनुसार निर्धारित किया गया है और यह शुल्क उनके सामने दिखाई करी तिथियों से लागू होगा।

अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्परताधीन भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षिक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	स्वचल वाहनों के लिए दीज़	IS 506-1973 स्वचल वाहनों के लिए दीज़ की विशिष्टि	1 किंवद्दन	2 पैसे	1980-04-16
2.	बैच वाइस (बैच ब्रॉक)	IS 2586-1976 बैच वाइस (बैच ब्रॉक की विशिष्टि) मारीन आलको के बैच ब्रॉक (पहला पुनरीक्षण)	1 अद्वा	1. 5 पैसे प्रति इकाई पहली 50000 इकाइयों के लिए, और 2. 3 पैसे प्रति इकाई 50001वीं और उससे अधिक इकाइयों के लिए	1980-04-16
3.	स्टेनलेस इस्पात के लाना पकाने के बर्तन उपयोगिता रेड	S 3111-1966 स्टेनलेस इस्पात के लाना पकाने के बर्तनों की विशिष्टि	100 किंवद्दन	10 1. 50	1980-04-16
4.	तांबा और तांबा मिश्र धातु पर निकल और कोमिशन की विद्युत लेपित पर्सों की विशिष्टि	IS 4827-1968 तांबा और तांबा लेपित क्षेत्र का मिश्र धातु पर निकल और कोमिशन एक वर्ग मीटर	1 रु 5. 00 प्रति इकाई पर्सों 200 इकाइयों के लिए 2. रु 3. 00 प्रति इकाई 201वीं से 400 इकाइयों के लिए, और 3. रु 2. 00 प्रति इकाई 401वीं और उससे अधिक इकाइयों के लिए	1980-04-16	
5.	कार्बन-इस्पात की तार छड़ों के उत्पादन के लिए इस्पात तार-छड़ों के उत्पादन के लिए इस्पात के हंगट और बिलेट	IS 8951-1978 कार्बन इस्पात की एक मीटरी टन	50 पैसे		1980-04-16

[संख्या ना० पम ८/13 : 10]
ए०पी० उन्नर्जी अपर महानिवेशक

S.O. 2123—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notified that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Automotive grease	IS : 506—1973 Specification for automotive grease.	One kg.	2 Paise	1980-04-16
2.	Bench vices	IS : 2586—1975 Specification for bench vices (machinist's vices) (first revision)	One Piece	(i) 5 Paise per unit for the first 50000 units and (ii) 3 Paise per unit for the 50001st unit and above.	1980-04-16
3.	Stainless steel cooking utensils, utility grade.	IS : 3411—1966 Specification for stainless steel cooking utensils.	100 kg.	Rs. 1.50	1980-04-16
4.	Electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	IS : 4827—1968 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	One square metre of plated area	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 200 units; (ii) Rs. 3.00 per unit for the 201st to 400 units and (iii) Rs. 2.00 per unit for the 401st to unit and above.	1980-04-16
5.	Steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	IS : 8951—1978 Specification for steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	One Tonne	50 Paise	1980-04-16

[No. CMD/13 : 10]

A.P. BANERJI, Additional Director General

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई विल्ही, 21 जूलाई, 1980

का० आ० 2124.—यह: इस संसदन अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम व्यवस्थापन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) विधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में समुद्र तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये उस संसदन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया गया है;

और यह: इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ने उक्त विधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के छण्ड (1) में निविष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गाव के नाम के सामने दिया है तिथि से पर्यवर्तित कर दिया है।

अब यह: पेट्रोलियम और अनिवार्य पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) विधिनाली 1963 के नियम 4 के अधीन मकाम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निविष्ट सक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्वारा विधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

व्यष्णन क्षेत्र मलाया से समुद्र तक पाइप लाइन मकाया पर्यवसान

तहसील: खारखी	जिला: पाली	राज्य: राजस्थान			
मंत्रालय का नाम	गांव	खसरा न०	का० आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	सक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5	5
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1 गुडा कैसरसह	221, 222, 175, 172, 162, 169, 151, 166, 167, 150 और 148 129, 108, 111, 107, 51, 52, 54, 53, 30, 29, 28, 18, 17, 16, 14, 13, 4, 3, 678, 679, 680 और 681	892 3253 892 3253	1-4-78 22-9-79 1-4-78 22-9-79	10-12-79 10-12-79 25-12-79 25-12-79

1	2	3	4	5	6
2 गद्धाणा	151, 149, 150 43, 40, 39 और 60 273, 275, 276, 313, 312, 309, 308, 307, 282, 284, 285, 286, 287, 288, 292, 233, 232, 231, 189, 194, 195, 198, 205, 202, 217 और 216	892 892	1-4-78 1-4-78	25-12-79 27-4-80	
3 कंटालिया	376, 375, 374, 373 और 377 18, 19, 17, 13, 14, 12, 5, 6, 111, 112 और 115	892	1-4-78	10-12-79	
4 बोरनडी	समस्त खसरा नं० का० आ० के अनुसार	892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80	
5 गुन्डागढ़ी	समस्त खसरा नं० का० आ० के अनुसार	892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80	

[क्रमांक 12020/24/79 ग्रो]

नरेल्ल सिंह, सशम प्राधिकारी, प्रधिनियम के अन्तर्गत, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के लिए

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILISER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 21st July, 1980

S.O. 2124.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act,

1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended hereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh ;

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule ;

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Tehsil: Kharchi	District: Pali	State: Rajasthan			
Name of the Ministry	Name of Village	Khasra No.	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of Termination
1	2	3	4	5	6
Petroleum, Chemicals & Fertiliser (Department of Petroleum)	1. Gurha Kesar-Singh " " "	221, 222, 175, 172, 162, 169, 151, 166, 167, 150 & 148. 129, 108, 111, 107, 51, 52, 54, 53, 30, 29, 28, 18, 17, 16, 14, 13, 4, 3, 678, 679, 680 & 681.	892 3253 892 3253	1-4-78 22-9-79 1-4-78 22-9-79	10-12-79 10-12-79 25-12-79 25-12-79
	12. Gadhana	151, 149, 150, 43, 40, 39 & 60 273, 275, 276, 313, 312, 309, 308, 307, 282, 284, 285, 286, 287, 288, 292, 233, 232, 231, 189, 194, 195, 198, 205, 202, 217 & 216.	892 892 3253	1-4-78 1-4-78 22-9-79	25-12-79 27-4-80 27-4-80
	3. Kantaliya	376, 375, 374, 373 & 377 18, 19, 17, 13, 14, 12, 5, 6, 111, 112, & 115.	892 892	1-4-78 1-4-78	10-12-79 28-4-80

1	2	3	4	5	6
4. Bornari	All khasra Nos. as per S.O.		892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80
5. Gundagarhi	All khasra Nos. as per S.O.		892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80

[No.12020/24/79-Prod.]

NARENDRA SINGH, Competent Authority
under the Act for Rajasthan and Uttar Pradesh

मई विली, 22 जुलाई, 1980

New Delhi, the 22nd July, 1980

का० प्रा० 2125 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० नार्थ कड़ी जीजीएस से नार्थ कड़ी सीटीएफ तक पेट्रोलियम हॉ परिवहन के लिये पाइप लाइन तेज तथा प्राकृतिक गैस आपोग द्वारा बिकाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसे लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिये एतदपावद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और अनिंज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्ति) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए प्राकृत नक्श अधिकारी, तेज तथा प्राकृतिक गैस तथा आपोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनशाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

एन० कड़ी जी० जी० एस० से एन० कड़ी सी० टी० एफ० तक, पाइप लाइन बिलाने के लिए, 5 मीटर अधिक छीड़ाई

गज्य : गुजरात जिला अहमदाबाद तालुका : विरमगाम

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकार्ड लेन्टीयर
तेलावी	रेलवे	0	75
	227 -	0	45
	226/43	0	4
	226/55	0	1
	226/42	0	40
	226/27/पी	0	65
	226/28	0	1
	कार्ट ट्रैक	0	20
	209/59	0	5
	209/57	0	10
	209/55	0	50
	209/49	0	1
	209/50	0	30
	209/47	0	2
	209/26	0	20
	209/23	0	6
		1	60

[सं० 12016/33/80—प्र० I]

S.O. 2125.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection, shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDEULE

Rou for Extra 5 Meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF
State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centi-are
Telavi	Railway	0	0	75
	227	0	0	45
	226/43	0	4	70
	226/55	0	1	40
	226/42	0	0	40
	226/27/P	0	5	65
	226/28	0	1	85
	Cart Track	0	0	20
	209/59	0	5	10
	209/57	0	1	50
	209/55	0	1	30
	209/49	0	2	70
	209/50	0	1	20
	209/47	0	3	20
	209/26	0	6	30
	209/23	0	1	60

[No. 12016/33/80-Prod-I]

का० आ० 2126—यहतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृप नं० नार्थ कड़ी जीजीएस से नार्थ कड़ी सीटीएफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध ग्रन्तसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और अनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्षम अधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस सूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आयोग करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

ग्रन्तसूची

एन० कड़ी जीजीएस से एन० कड़ी सीटीएफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य : गुजरात जिला: अहमदाबाद तालुका: विरमगाम

गांव	मर्वेन०	हेक्टेयर	एकारई	सेस्टीयर
1	2	3	4	5
आलसासण	216/5	0	1	65
	216/4	0	1	90
	216/3	0	1	40
	216/2	0	0	60
	216/1	0	4	05
	217	0	3	05
	218/2	0	5	25
	202/3	0	2	50
	201/3	0	1	80
	201/2	0	2	25
	199/4	0	0	10
	199/3	0	2	15
	199/2/पी	0	2	30
	200/2	0	0	2
	198/पी	0	1	25
	198/पी	0	1	10
	198/पी	0	0	85
	195/1	0	1	00
	196/6	0	2	25
	196/4	0	2	25
	196/3	0	1	15
	196/2	0	0	85
	195/2	0	1	50
	191/2/पी	0	3	00
	198/पी	0	0	75
	198/पी	0	0	85

1	2	3	4	5
	191/2/पी	0	1	40
	कार्ट ट्रेक	0	0	35
	192/4	0	0	03
	192/3	0	2	92
	कार्ट ट्रेक	0	0	25
	138/3	0	2	95
	138/2	0	1	03
	138/1	0	1	90
	9/1/पी	0	16	55
	127/1	0	6	60
	126/2	0	1	45
	126/1/पी	0	0	25
	126/पी	0	2	35
	126/पी	0	0	65
	125/2+3+4/पी	0	3	00
	9/1/पी	0	5	45
	67/2	0	3	40
	66/पी	0	1	05
	66/पी	0	4	00
	कार्ट ट्रेक	0	0	25
	62/1	0	0	35
	61/2	0	4	35
	61/1	0	3	30
	60	0	3	20
	58/पी	0	1	50
	58/पी	0	3	00
	58/पी	0	3	00
	58/पी	0	2	75
	58/पी	0	0	50
	58/पी	0	4	00
	51	0	2	10
	52/1	0	1	85
	52/2	0	4	75
	49	0	2	20
	53/2	0	1	75

[सं० 12016/34/80-प्र० I]

S.O. 2126.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Extra 5 Mtrs. Rou for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF
State : Gujarat Dist. Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hect.	Arc	Centiares
1	2	3	4	5
Balsasan	216/5	0	1	65
	216/4	0	1	90
	216/3	0	1	40
	216/2	0	0	60
	216/1	0	4	05
	217	0	3	05
	218/2	0	5	25
	202/3	0	2	50
	201/3	0	1	80
	201/2	0	2	25
	199/4	0	0	10
	199/3	0	2	15
	199/2/A	0	2	30
	200/2	0	0	2
	198/P	0	1	25
	198/P	0	1	10
	198/P	0	0	85
	195/1	0	1	00
	196/6	0	2	25
	196/4	0	2	25
	196/3	0	1	15
	196/2	0	0	85
	195/2	0	1	50
	191/2/P	0	3	00
	198/P	0	0	75
	198/P	0	0	85
	191/2/P	0	1	40
	Cart-track	0	0	35
	192/4	0	0	03
	192/3	0	2	92
	Cart-track	0	0	25
	138/3	0	2	95
	138/2	0	1	03
	138/1	0	1	90
	9/1/P	0	16	55
	127/1	0	6	60
	126/2	0	1	45
	126/1/P	0	0	25
	126/P	0	2	35
	126/P	0	0	65
	125/2+3+4/P	0	3	00
	9/1/P	0	5	45
	67/2	0	3	40
	66/P	0	1	05
	66/P	0	4	00
	Cart-track	0	0	25
	62/1	0	0	35
	61/2	0	4	35
	61/1	0	3	30
	60	0	3	20
	58/P	0	1	50
	58/P	0	3	00
	58/P	0	2	75

1	2	3	4	5
58/P		0	0	50
58/P		0	4	00
51		0	2	10
52/1		0	1	85
52/2		0	4	75
49		0	2	20
53/2		0	1	75

[No. 12016/34/80 Prod-II]

का० आ० 2127 :—यतः केन्द्रीय सरकार द्वे यह प्रतीत होता है कि गोकर्ण में यह भावधार्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० नं० कड़ी जी० जी० ए० से नार्थ कड़ी सीटीएफ नक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जाना चाहिए।

प्रौर यतः यह प्रतीत होता है कि मेसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपावृद्ध ग्रन्तुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

प्रतः अब पेट्रोलियम प्रौर खानिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रज्ञन) प्रधिनियम, 1962 (1962 वा० 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त वर्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आण्य एतद्वारा घोषित किया है।

बताते कि उक्त भूमि में हितवृद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आयोग समक्ष प्रधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निमणि और बेखाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-१ को इस अधिसूचना की सारिख से 21 दिनों के भीतर कर सकता।

प्रौर ऐसा आयोग करने वाला हर व्यक्ति विनिष्टितः यह भी कदम करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसारी की मार्फत।

ग्रन्तुसूची

एन० कड़ी जी० जी० ए० से एन० कड़ी सी० टी० एफ० नक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

सांख	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकार्ड संख्या
आलासन	95	0	30
	कार्ट ट्रैक	0	35
	110/2	0	70
	87	0	60
	86/3	0	90
	111/2	0	08
	111	0	85
	112	0	70
	कार्ट ट्रैक	0	20
	118/2	0	35
	117/पी	0	70
	121/2	0	15
	117/पी	0	70

[सं० 12016/34/80-प्रौर-III]

S.O. 2127.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Rou for extra 5 meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hect.	Arc	Centi-arc
Chalsasan	95	0	2	30
	Cart track	0	0	35
	110/2	0	3	70
	87	0	6	60
	86/3	0	2	90
	111/2	0	0	08
	111/1	0	2	85
	112	0	3	70
	Cart track	0	0	20
	118/2	0	1	35
	117/P	0	2	70
	121/2	0	4	15
	117/P	0	3	70

[No. 12016/34/80 Prod-II]

बताते हैं कि उक्त भूमि में हिलबढ़ बोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन के लिए प्राक्षेप सभस्म अधिकारी, तेल तथा प्राक्षितिक गेम नथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बहोदरा-१ को इस व्यक्तिसूचना की। १० दिनों से २१ दिनों के भीतर कर सकेगा।

द्वीर देना आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी काथन करेगा कि वह यह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवस्था की माफत।

भूमिसूची

वायर बेन से ८०० फी० ८०० स्टेशन तक वायर विभागे के लिए ।
राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : भरुच

गाँव	सर्व नं०	हेक्टेयर	एकार्ड	सेन्टीयर
कहान	9	0	0	99
	10	0	0	40
	11	0	0	14

[No. 12016/32/80-प्र००]

S.O. 2128.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Wire Bed to C P Statia in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for wire bed pipeline to C.P. Station.

State : Gujarat Distt: Bharuch Taluka: Bharuch

Village	Survey No.	Hect.	Arc	Centi-arc
Kahan	9	0	0	99
	10	0	0	40
	11	0	0	14

[No. 12016/32/80-Prod.]

का० आ० 2128 :—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नोकहिस में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप सं० वायर बेन से ८०० फी० ८०० स्टेशन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल सदा प्राक्षितिक गैस आयोग द्वारा विभाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विभागे के प्रयोजन के लिये प्रत्यावर्ती भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करता आवश्यक है।

अब: यह पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करते का अपना प्राप्त एतत्त्वां घोषित किया है।

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1980

का० आ० 2129 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दोष हित में यह प्रावधयक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० नार्थ कटी जीजीएस से नार्थ कटी सीटीएफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रयोग द्वारा बिताई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एस्ट्रोब्रड अन्तर्राष्ट्रीय में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और लैनिंग पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्य एतद्वारा घोषित किया है।

इसरों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस तथा प्रायोग, निर्माण और वेखाल प्रधारण, मकरपुरा रोड, बडोबरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधी व्यवसायी की भारक्त।

प्रमुखता

एन० कटी जी० एस०, से एन० कटी सी० टी० एफ० लक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई।

राज्य : गुजरात जिला: अहमदाबाद लालुका : बिस्मार्य

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकार्ड	सेन्टीयर
भटारिया	41/पी	0	7	55
	40/1	0	0	60
	42/2/पी	0	5	75
	42/2/पी	0	0	25
	38	0	6	80
	48/1/2/3	0	9	35
	143	0	0	45

[स० 12016/33/80-प्र०-II]
किरन चड्हा, प्रबर सचिव

New Delhi, the 22nd July, 1980

S.O. 2129.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi OGs to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for extra 5 meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF
State : Gujarat Distt : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hect.	are	Centi-are
Bhataria	41/P	0	7	55
	40/1	0	0	60
	42/2/P	0	5	75
	42/2/P	0	0	25
	38	0	6	80
	48/1/2/3	0	9	35
	143	0	0	45

[No. 12016/33/80. Prod-II]
KIRAN CHADHA Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1980

का० आ० 2130—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा(1) के खण्ड (आ) के उपबंधों के अन्तर्गत में बम्बई विश्वविद्यालय ने डा० एम० बी० खेर, एम० एम० सी० (चिकित्सा) एम०बी० बी०एम० को 29 मई, 1980 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का मवस्य निर्वाचित किया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य भवालय की 9 अनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम० में सिन्नलिखित रांगोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (आ) के अधीन निर्वाचित” शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 7 श्रीर. उमसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर सिन्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“7 डा० एम० बी० खेर, एम० एम० सी० (मेडिकल)
एम० बी० बी० एम०,
सुभम करीता, पासी हिल,
बादा, बम्बई-400050”

[मंत्रपा ची०-11013/12/80-एम० ई० (पी०)]
क्र० वेणुपाला, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 29th July, 1980

S.O. 2130.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. M. B. Kher, M. Sc., (Medical)—MBBS has been elected by the Bombay University to be a member of the Medical Council of India with effect from 29th May, 1980 ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of late Ministry of Health No. S-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 7 and the entries relating thereto the following serial numbers and the entries shall be substituted namely:—

"7. Dr. M. B. Kher, M. Sc. (Med.) MBBS,
Shubham Karoti, Pali Hill,
Bandra, Bombay-40030."

[No. V. 11013/12/80-M.E.(Policy)]

K. VENUGOPAL, Under Secy.

इष्टात, आनंद और कोयला मंडल

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1980

का० आ० 2131—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक थेंड (अर्जेन श्री विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20, की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भूमि के उत्पादन, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित सभूत सरकार के भूतपूर्व ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 1057, तारीख 8 मार्च, 1979 द्वारा उस अधिनियम से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट थेंडों का 2205-00 हैक्टर (लगभग) या 5446.35 एकड़ (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वांकन करने के अपने आशय को सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के कुछ भाग में कोयला अभिप्राप्त होने की संभावना है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक थेंड (अर्जेन श्री विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवरत गतियों का प्रयोग करते हुए:—

(क) इससे उपाबद्ध अनुसूची 'क' में वर्णित 80-70 हैक्टेयर (लगभग) या 198-40 एकड़ (लगभग) भूमि;

(ख) इससे उपाबद्ध अनुसूची 'ख' में वर्णित 1966-78 हैक्टेयर (लगभग) या 4859-78 एकड़ (लगभग) भूमि में आनन, खादन, खेदन, खोने और खनिजों की खोज, प्राप्ति, उन पर कार्य करने और उने जाने के अधिकारों को अंजित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पणी—1 इस अधिसूचना के अधीन आने वाले थेंड के रेखांक का निरीक्षण कलकटर बैतूल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला

नियंत्रक, 1 कौसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या ऐस्टर्न कोल फील्ड्स निमिटेड (गोजस्व अनुभाग) बिसेसर हाउस, मन्दिर मार्ग, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पणी—2 2 पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 8 की ओर इसके द्वारा ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित के लिए उपबंध किया गया है:

अर्जेन के प्रति आपत्तियाँ:—

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध है अधिसूचना के निकले जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किसी अधिकारी के अर्जेन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

सम्बोधकरण:—इस धारा के अध्यात्मांत यह प्रापति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खान संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपति सभीम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सभीम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का प्रवाह देगा और ऐसी सभीम आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और आगे ऐसी प्रतिरिक्षण जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह सो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न दुक्तानों या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्रवाई के अभिलेख सहित रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनियोग के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोगों के लिए किसी भूमि में सहित समझा जाएगा, जो प्रतिकर में हित का बाबा करने का लक्ष्य होता यदि भूमि या ऐसी भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अंजित कर लिए जाते हैं।

टिप्पणी 3:—केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1 कौसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को इस अधिनियम के प्रतीन सभीम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची "क"

आठर खण्ड (सलायुग-III)

पठखेड़ा कोयला थेंड

सभी अधिकार

रेखांक सं० सी-1 (ई 8/III/एफ० एफ० आर/99 तारीख 13-11-79

भाग I

(जिसमें अंजित का जाने वालों भूमि वर्णित की गई है) 1179

क्रम सं०	वन का नाम	उपखण्ड और श्रृंखला	तहसील और जिला	टिप्पणी
1	रानोपुर आरक्षित वन	381 (दाव: बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
2	"	382 (बगवोना फॉलिंग)	यथोक्त	भाग
3	"	383 (बगवोना फॉलिंग)	यथोक्त	भाग
	कुल थेंड़ :	57-30 हैक्टेयर (लगभग)		
		141. 50 एकड़ (लगभग)		

भाग II (क)

क्रम सं०	घन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और ज़िला	टिप्पणी
1	रानीपुर आरक्षित	381 (टावा बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
2	"	382 (बगदोना फालिंग)	"	भाग
	कुल क्षेत्र :	5.00 हेक्टेयर (लगभग) या 12.36 एकड़ (लगभग)		

भाग II (ख)

क्रम सं०	घन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और ज़िला	टिप्पणी
1	रानीपुर आरक्षित घन (म० प्र० बोर्ड डारा धारित)	381 (टावा बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
	कुल क्षेत्र :	0.21 हेक्टेयर (लगभग) या 0.51 एकड़ (लगभग)		

भाग III

क्रम सं०	घन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और ज़िला	टिप्पणी
1	रानीपुर आरक्षित घन	381 (टावा बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
	कुल क्षेत्र :	15.80 हेक्टेयर (लगभग) या 39.04 एकड़ (लगभग)		

भाग IV

क्रम सं०	घन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और ज़िला	टिप्पणी
1	रानीपुर आरक्षित घन	380 (बगदोना फालिंग)	बेतूल	भाग
	कुल क्षेत्र :	2.59 हेक्टेयर (लगभग) या 5.90 एकड़ (लगभग)		

भाग I, II (क), II (ख), III और IV का कुल क्षेत्र :

80.70 हेक्टेयर (लगभग)
या 199.40 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

अनुसूची 'क'

भाग I

- क 1-क 2— रेखा बगदोना घाम और उपखण्ड सं० 382 की साझी सीमा के साथ-साथ जाती है और बगदोना घाम तथा उपखण्ड सं० 382 की साझी सीमा पर बिन्दु "क 2" पर मिलती है।
- क 2-क 3— रेखा बगदोना घाम, उपखण्ड सं० 382, 383 की साझी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क 3" पर मिलती है।
- क 3-क 4— रेखा बगदोना घाम और उपखण्ड सं० 383 की साझी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।
- क 4-क 5,,— रेखा का ० प्रा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 द्वारा धारा 9(1) के अधीन अर्जित पार्थबंड II (उपखण्ड ग) की वक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु क 5 पर मिलती है।
- क 5-क 6— रेखा उपखण्ड सं० 383 और 381 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड की उत्तरी सीमा (बोर्ड डॉगरी-सारनी) की साइडिंग पर बिन्दु क 6 पर मिलती है।
- क 6-क 1— रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की उत्तरी सीमा (बोर्ड डॉगरी-सारनी) की साइडिंग के साथ-साथ जाती है और आरक्षिक बिन्दु 'क-1' पर मिलती है।

भाग II(क)

- ख 1-ख 2 रेखा उपखण्ड सं० 382 से होकर जाती है।
 ख 3-ख 4 और उपखण्ड सं० 382 और 381 की साझी सीमा पर बिन्दु 'ख 5' पर मिलती है।
 ख 5-ख 6 रेखा उपखण्ड सं० 381 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित भूमि की पश्चिमी सीमा पर बिन्दु 'ख 6' पर मिलती है।
 ख 6-ख 7 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित भूमि की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ख 7' पर मिलती है।
 ख 7-ख 1 रेखा उपखण्ड म० 381 से होकर जाती है और उपखण्ड स० 381 और 382 की साझी सीमा पर आरंभिक बिन्दु 'ख 1' पर मिलती है।

भाग II(ख)

- ख 6-ख 7 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित भूमि की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ख 7' पर मिलती है।
 ख 7-ख 8 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि से होकर जाती है और बिन्दु 'ख 8' पर मिलती है।
 ख 8-ख 9 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि से होकर जाती है और बिन्दु 'ख 9' पर मिलती है।
 ख 9-ख 6 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि से होकर जाती है और उपखण्ड म० 381 और 382 की साझी सीमा पर आरंभिक बिन्दु 'ख 6' पर मिलती है।

भाग III

- ग 1-ग 2 रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा कोयला धारक थेल प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अंजित थेल की पूर्वी सीमा (उपखण्ड II) के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ग 2' पर मिलती है।
 ग 2-ग 3 रेखा उपखण्ड सं० 381 से होकर जाती है और उपखण्ड सं० 381 और 380 की साझी सीमा पर बिन्दु 'ग 3' पर मिलती है।
 ग 3, ग 4-ग 5 रेखा उपखण्ड सं० 381 से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु 'ग 1' पर मिलती है।

भाग IV

- घ 1-घ 2 रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 19-12-71 द्वारा कोयला धारक थेल प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अंजित धोगरी खण्ड (उपखण्ड I) की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'घ 2' पर मिलती है।
 घ 2-घ 3 रेखा उपखण्ड सं० 380 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि की उत्तरी सीमा पर बिन्दु 'घ 3' पर मिलती है।
 घ 3-घ 1 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि के साथ-साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु 'घ 1' पर मिलती है।

अनुसूची "ख"

धर्मेर खण्ड (महापुरा-3)

पठांडोड़ा कोयला थेल

रेखांक म० ग-1 (ई)/३/एफएफआर/९९-११९९
तारीख १३-११-१९७९

(ऐसी भूमि दर्शित करने वाले जहाँ स्वनिजों के निकासन, खदान, बेधन, खुदाई और खोजने, प्राप्त करने, निकालने और अनिज से जाने का अधिकार अंजित किया जाता है।)

खनन अधिकार

भाग I

सरकारी खत

क्रम	वन का नाम	उपखण्ड	श्रावणा	तहसील और ज़िला	टिप्पणिया
सं०					
1	रानीपुर आरक्षित वन	381	बगदोला कालिंग	बेतूल	भाग
2	"	381	टेवा बाई प्लाइंग	बेतूल	भाग
3	"	382	बगदोला पर्वानग	"	"
4	"	383	बगदोला कालिंग	"	"

कुल थेल :

644. 04 हेक्टेयर (लगभग)

या 1591. 42 एकड़ (लगभग)

भाग II

क्रम	स्थानीय का नाम	तहसील और ज़िला
सं०	1 म० प्र० वि० बोर्ड का सरेनी ताप बिजली धर	बेतूल

कुल थेल :

616. 63 हेक्टेयर (लगभग)

या 1523. 70 एकड़ (लगभग)

भाग III

क्रम सं.	प्राप्ति	पी० सी० सं०	तहसील और जिला	क्षेत्र राजस्व भूमि	एकड़ में सरकारी भूमि	जोह	द्विपालिङ्ग
1	पठ्ठेड़ा	27	बेटूल	52.03	444.07	496.10	भाग
2	धोगरी	25	बेटूल	30.49	89.96	120.45	"
3	धेसर	25	बेटूल	547.20	180.99	728.19	"
4	बगदोना	23	बेटूल	330.13	69.79	399.92	"
			कुल क्षेत्र :	959.85	784.81	1744.66 एकड़ (लगभग)	
			या	706.05 हेक्टेयर (लगभग)			

भाग I, II और III का कुल धोन

1966-72 हेक्टेयर (लगभग)

या 4859.78 एकड़ (लगभग)

पठ्ठेड़ा प्राप्ति में अधिकृत किये जाने वाले प्लाटों के संख्यात्मक :

1 भाग, 3 भाग, 4 भाग, 5 से 10, 11 भाग, 12 से 22, 23 भाग, 24 भाग, 28 भाग, 32 भाग, 33 भाग, 34 से 41, 42 भाग, 43 भाग, 53 भाग, 54 और 55 भाग।

धेसर प्राप्ति में अधिकृत किये जाने वाले प्लाटों के संख्यात्मक :

1 भाग, 26 भाग, 32, 33, 34 भाग, 36 भाग, 46 भाग, 48 भाग, 51 भाग, 52, 53 भाग, 54 से 63, 64 भाग, 65 भाग, 66 से 69, 70 भाग, 76 भाग, 79 भाग, 80 भाग, 107 भाग, 113 भाग, 114 भाग और 127 भाग।

बगदोना प्राप्ति में अधिकृत किये जाने वाले प्लाटों के संख्यात्मक :

1 से 25, 26 भाग, 27 भाग, 28 भाग, 31 भाग, 32 भाग, 33 भाग, 93 भाग, 94, 95, 96 भाग, 97 भाग, 98 भाग, 99 भाग, 100 भाग, 101 से 149, 150 भाग, 151, 152 भाग, 153 से 156, 157 भाग, 158 भाग और 159 भाग।

वगदोना प्राप्ति में अधिकृत किये जाने वाले प्लाटों के संख्यात्मक :

57 भाग, 59 भाग, 60 भाग, 62 भाग, 63, 64, 65 भाग, 66 भाग, 69 भाग, 71 भाग, 72 भाग, 73 भाग, 151 भाग, 153 भाग, 154 भाग, 155, 156 भाग, 193 से 207, 208 भाग, 209 भाग, 214 भाग, 219 भाग, 220 भाग, 221 भाग, 222 भाग, 225, 226 भाग, 227 से 262, 263 भाग, 264 से 289, 270 भाग, 272 भाग, 287 भाग, 288 भाग, 297 भाग, 308 भाग, 309 भाग, 310 भाग, 315 भाग, 316 से 342, 343 भाग, 344, 345 भाग, 346 भाग, 363 भाग, 364 भाग, 365 भाग, और 366 भाग।

सीमा वर्णन : (अनुसूची के भाग 2 के भीतर 2 ख के रूप में अधिकृत भाग को सभी अधिकारों में से अपवर्जित करते हुए)।

क-1-क-6 अनुसूची 'क' (भाग 1) में क-5-क-1 रेखा के रूप में दिये गए सीमा वर्णन के अनुसार।

क-6-क-5 अनुसूची 'क' (भाग 1) में क-5-क-6 रेखा के रूप में दिए गए सीमा वर्णन के अनुसार।

क-5-क रेखा का० धा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अधिकृत पठ्ठेड़ा धारक-II के उपखण्ड 'ग' और उपखण्ड 'क' की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ उसके एक भाग से होते हुए जाती है और पठ्ठेड़ा छण्ड-II (उपखण्ड 'क') और का० धा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा धारा 9(1) के अधीन अधिकृत पठ्ठेड़ा धारा की साझी सीमा पर बिन्दु 'क' पर मिलती है।

क-ख-ग-घ-क रेखा का० धा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अधिकृत क्षेत्र की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ (पठ्ठेड़ा धारा) जाती है और का० धा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 और का० धा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 द्वारा पूर्वोत्तर की धारा 9(1) के अधीन अधिकृत क्षेत्र की साझी सीमा पर बिन्दु 'क' पर मिलती है।

क-घ रेखा का० धा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अधिकृत पठ्ठेड़ा-II के उपखण्ड 'क' की पश्चिमी सीमा से होकर जाती है और का० धा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा पूर्वोत्तर अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अधिकृत पठ्ठेड़ा धारक-II (उपखण्ड-ख) और धोगरी खण्ड (उपखण्ड-II) की माझी सीमा के बिन्दु 'क' पर मिलती है।

घ-छ रेखा का० धा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अधिकृत धोगरी खण्ड के (उपखण्ड-II) की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

छ-ग-1 रेखा का० धा० सं० 290 तारीख 28-12-71 द्वारा का० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन अधिकृत धोगरी खण्ड के उपखण्ड-II की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग-1-ग-4-ग-3 अनुसूची 'क' (भाग-III) में ग-3-ग-4-ग-1 के रूप में दिया गया है।

ग-3-ग-2 अनुसूची 'क' (भाग-III) में ग-2-ग-3 के रूप में दिया गया है।

ग-३-ज	रेखा या० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित धोगरी खण्ड (उपखण्ड-II) की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
ज-४-क	रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित धोगरी खण्ड के उपखण्ड-II की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और धोगरी खण्ड (उपखण्ड-II) तथा का० आ० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा धारा 9(1) के अधीन प्रजित पठबेंडा खाम की माझी सीमा पर मिलती है।
झ-५-	रेखा का० आ० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित पठबेंडा खाम की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और पठबेंडा खाम और धोगरी खण्ड (उपखण्ड-I) की माझी सीमा के बिन्दु "ट" पर मिलती है।
य-६-क	रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित धोगरी खण्ड (उपखण्ड-I) की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "व १" पर मिलती है।
घ-१-घ-३-घ-२	अनुसूची "क" (भाग) में घ-२-घ-३-घ-१ में दिया गया है।
घ-२-ट	रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित धोगरी खण्ड (उपखण्ड-1) के दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।
ट-ठ	रेखा का० आ० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित धोगरी खण्ड (उपखण्ड-I) की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और पठबेंडा खाम और धोगरी खण्ड (उपखण्ड-1) की मीमा पर बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
ठ-४	रेखा पठबेंडा खाम की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित पठबेंडा खाम और धोगरी खण्ड (उपखण्ड-3) की माझी सीमा के बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
ह-ठ-४-त	रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षे० प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन प्रजित धोगरी खण्ड (उपखण्ड-3) के दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और धोगरी खण्ड (उपखण्ड-3) की पूर्वी सीमा के बिन्दु "त" पर मिलती है।
त-४	रेखा भागत: म० प्र० वि० बोई सड़क की मध्य रेखा में होकर बाहर की ओर जाती है और भागत: म० प्र० वि० बोई द्वारा धारित क्षेत्र में होकर जाती है तत्पश्चात् पठबेंडा ग्राम के प्लाट सं० 1, 11 से हो कर जाती है और प्लाट सं० 43 पर बिन्दु "ध" पर मिलती है।
थ-४	रेखा पठबेंडा ग्राम के प्लाट सं० 43, 23, 24, 32, 33, 28, 42, 53, 55 और 43, धोगरी ग्राम के प्लाट सं० 127, 126, 112 और 113 (म० प्र० वि० बो० द्वारा धारित क्षेत्र) और प्लाट सं० 113, 114, 76, 70, 65, 64 से हो कर जाती है तत्पश्चात् धेसर ग्राम के प्लाट सं० 157, 158, 159, 97, 98, 99, 93, 100, 33, 32, 31, 28, 26 में होने वाले वर्ती हैं और उसी ग्राम में प्लाट सं० 27 पर बिन्दु "इ" पर मिलती है।
द-४	रेखा धेसर और कोलगांव की माझी सीमा के साथ-साथ जाती है और धोसर, बगदोना और कोलगांव ग्रामों के त्रिसंगम पर बिन्दु "ए" पर मिलती है।
ष-८	रेखा बगदोना और कोलगांव ग्रामों की माझी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।
न-४	रेखा बगदोना ग्राम के प्लाट सं० 366, 365, 364, 363, 345, 346, 343, 309, 308, 310, 315, 297, 263, 288, 287, 270, 272, 209, 208, 214, 226, 222, 220, 219 और 156 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बो० की पार्श्व भूमि की दक्षिणी सीमा पर बिन्दु "प" पर मिलती है।
प-फ-व	रेखा म० प्र० वि० बोई द्वारा रेलवे साइडिंग (गोग-झोंगरी-मरेनी) के लिए धारित भूमि की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बगदोना ग्राम तथा मारिकन बन की माझी सीमा पर बिन्दु "व" पर मिलती है।
ब-क-१	रेखा म० प्र० वि० बोई द्वारा रेलवे माइडिंग के लिये (गोग-झोंगरी-मरेनी) के लिए धारित भूमि से हो कर जाती है और भारतीय बिन्दु "क १" पर मिलती है।

[सं० 19(37)/79-सी० एस०]

मुद्रणन, ब्रह्म र सचिव

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL
(Department of Coal)

New Delhi, the 19th July, 1980

S.O. 2131.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy, Department of Coal No. S.O. 1057 dated the 8th March, 1979 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957) published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 24th March, 1979, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2205.00 hectares (approximately) or 5446.35 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire:

- (a) the lands measuring 80.70 hectares (approximately) or 199.40 acres (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto;
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring (1966.72 hectares (approximately) or 4859.78 acres (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto.

Note 1: The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Betul (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue section), Bisesar House, Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

Note 2: Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act, which provide as follows:

Objections to acquisition:

"8(1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land."

Explanation:—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE "A"

DHASER BLOCK (SATPURA—III)

PATHAKHERA COALFIELD

ALL RIGHTS

**PLAN No. C-1(E)/III/FFR/99—1179
dated 13-11-1979**

(showing lands to be acquired)

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
2.	"	382 (Bagdona falling)	-do-	Part
3.	"	383 (Bagdona falling)	-do-	Part
Total Area: 57.30 hectares (approximately) or 141.59 acres (approximately)				

PART II (a)

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
2.	"	382 (Bagdona falling)	..	Part
Total Area: 5.00 hectares (approximately) or 12.36 acres (approximately)				

PART II (b)

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest (held by M.P.E.B.)	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
Total Area: 0.21 hectares (approximately) or 0.51 acres (approximately)				

PART III

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
		Total Area: 15.80 hectares (approximately) or 39.04 acres (approximately)		

PART IV

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	380 (Bagdona falling)	Betul	Part
		Total Area: 2.39 hectares (approximately) or 5.90 acres (approximately)		
		Total Area of Part I, II(a), II(b), III and IV: OR 80.70 hectares (approximately) 199.40 acres (approximately)		

Boundary Description:**SCHEDULE "A"****PART I**

- A1-A2 Line passes along the common boundary of village Bagdona and compartment No. 382 and meets at common boundary of village Bagdona and compartment No. 382 at point "A2".
- A2-A3 Line passes along the common boundary of village Bagdona, compartment Nos. 382, 383 and meets at point "A3".
- A3-A4 Line passes along the common boundary of village Bagdona and compartment No. 383 and meets at point "A4".
- A4-A5 Line passes along the Southern boundary of Patharkhera II (Sub-block-C) acquired u/s. 9(1) vide S.O. No. 4055 dated 14-10-71 and meets at point "A5".
- A5-A6 Line passes through compartment Nos. 383 and 381 and meets on the Northern boundary of M.P.E.B. (Ghoradongri-Sarni) siding boundary at point "A6".
- A6-A1 Line passes along the Northern boundary of M.P.E.B. (Ghoradongri-Sarni) siding boundary and meets at the starting point "A1".

PART II(a)

- B1-B2-B3-B4-B5. Line passes through compartment No. 382 and meets on the common boundary of compartment No. 382 and 381 at point "B5".
- B5-B6 Line passes through compartment No. 381 and meets on the Western boundary of land held by M.P.E.B. at point "B6".
- B6-B7 Line passes along the Western boundary of the land held by M.P.E.B. and meets at point "B7".
- B7-B1 Line passes through compartment No. 381 and meets on common boundary of compartment No. 381 and 382 at the starting point "B1".

PART II(b)

- B6-B7 Line passes along Western boundary of the land held by M.P.E.B. and meets at point "B7".
- B7-B8 Line passes through M.P.E.B. land and meets at point "B8".
- B8-B9 Line passes along the boundary of M.P.E.B. land and meets at point "B9".
- B9-B6 Line passes through M.P.E.B. land and meets on the Western boundary of M.P.E.B. land at the starting point "B6".

PART III

- C1-C2 Line passes along the Eastern boundary of the area acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dated 18-12-71 (sub-block II) and meets at point "C2".
- C2-C3 Line passes through compartment No. 381 and meets on the common boundary of compartment Nos. 381 and 380 at point "C3".
- C3-C4-C1 Line passes through compartment No. 381 and meets at starting point "C1".

PART IV

- D1-D2 Line passes along the Southern boundary of the Ghogri Block (Sub-Block 1) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act 1957 vide S.O. No. 290 dated 18-12-71 and meets at point "D2".
- D2-D3 Line passes through compartment No. 380 and meets on Northern boundary of M.P.E.B. land at point "D3".
- D3-D1 Line passes along the M.P.E.B. land and meets at starting point "D1".

SCHEDULE "B"
DHASER BLOCK (SATPURA- III)
PATHAKHERA COALFIELD

MINING RIGHTS

PART I

PLAN No. C-1(E)/III/FFR/99—1179
dated 13-11-1979.

(showing lands where right to mine, quarry bore, dig, and search for, win, work, carry away minerals are to be acquired).

GOVT. FOREST

Sl. No.	Name of Forest	Compart- ment	Series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	380	Bagdona falling	Betul	Part
	"	381	Tawa Dam planting	"	"
3.	"	382	Bagdona falling	"	"
4.	"	383	Bagdona falling	"	"
Total Area : 644.04 hectares (approximately) or 1591.42 acres (approximately)					

PART II

Sl. No.	Name of Owner	Tehsil & District
1.	Sirni Thermal Power Station of M.P.E.B.	Betul

Total Area: 616.63 hectares (approximately)
or 1523.70 acres (approximately)

PART III

Sl. No.	Village	P.C. No.	Tehsil & District	Area in acres		Total	Remarks
				Rev. land	Govt. land		
1.	Pathakhera	27	Betul	52.03	444.07	496.10	Part
2.	Ghogri	25	"	30.49	89.90	120.45	"
3.	Dhaser	25	"	547.20	180.99	728.19	"
4.	Bagdona	23	"	330.13	69.79	399.92	"
Total Area:				959.85	784.81	1744.66 acres (approximately)	
Total Area of Part I, II and III:						1966.72 hectares (approximately)	
OR						4859.78 acres (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Pathakhera :

1P, 3P, 4P, 5 to 10, 11P, 12 to 22, 23P, 24P, 28P, 32P, 33P, 34 to 41, 42P, 43P, 53P, 54 and 55P.

Plot numbers to be required in village Ghogri:

1P, 26P, 32, 33, 34P, 36P, 46P, 48P, 51P, 52, 53P, 54 to 63, 64P, 65P, 66 to 69, 70P, 76P, 79P, 80P, 107P, 113P, 114P and 127P.

Plot numbers to be acquired in village Dhaser:

1 to 25, 26P, 27P, 28P, 31P, 32P, 33P, 93P, 94, 95, 96P, 97P, 98P, 99P, 100P, 101 to 149, 150P, 151, 152P, 153 to 156, 157P, 158P and 159P.

Plot numbers to be acquired in village Bagdona :

57P, 59P, 60P, 61, 62P, 63, 64, 65P, 66P, 69P, 71P, 72P, 73P, 151P, 153P, 154P, 155, 156P, 193 to 207, 208P, 209P, 214P, 219P, 220P, 221, 222P, 225, 226P, 227 to 262, 263P, 264 to 269, 270P, 272P, 287P, 288P, 297P, 308P, 309P, 310P, 315P, 316 to 342, 343P, 344, 345P, 346P, 363P, 364P, 365P and 366P.

Boundary Description:

(Excluding portion identified as Part 2A and 2B of the Schedule "A" in All Rights).

A1-A6 As per boundary description given in Schedule "A" (Part I) as line A6-A1.

A6-A5 As per the boundary description given in Schedule "A" (Part I) as line A5-A6.

A5-A Line passes partly along the southern boundary of (Sub-block "C") and (sub-block-A) of Pathakhera Block II acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 as S.O. No. 4055 dated 14-10-71 and meets on the common boundary of Pathakhera Block II (Sub-Block A) and Pathakhera Main acquired u/s. 9(1) vide S.O. No. 2760 dated 19-9-63 at point "A".

A-B-C-D-E	Line passes along the Southern boundary of the area acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63 (Pathakhera Main) and meets on the common boundary of the area acquired u/s. 9(1) ibid vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63 and S.O. No. 4055 dt. 14-10-71 at point "E".
E-F	Line passes along the Western boundary of Sub-Block B of Pathakhera Block II notified u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 4055 dt. 14-10-71 and meets on the common boundary of Pathakhera Block II (Sub Block-B) and Ghogri Block (Sub Block-II) acquired u/s. 9(1) ibid vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 at point "F".
F-G	Line passes along the Western boundary of Ghogri Block (Sub Block-II) acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71, and meets at point "G".
G-C1	Line passes along the Southern boundary of Sub Block II of Ghogri Block acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "C1".
C1-C4-C3	Given in Schedule "A" (Part III) as C3-C4-C1.
C3-C2	Given in Schedule "A" (Part III) as C2-C3.
C2-H	Line passes along the Eastern boundary of Ghogri Block (Sub Block-II) acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "H".
H-I	Line passes along the Northern boundary of Sub Block-II of Ghogri Block acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at the common boundary of Ghogri Block (Sub Block-II) and Pathakhera Main acquired u/s. 9(1) vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63.
I-J	Line passes along the Eastern boundary of Pathakhera Main acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63 and meets on the common boundary of Pathakhera Main and Ghogri Block (sub Block-I) at Point "J".
J-D1	Line passes along the Southern boundary of Ghogri Block (Sub-Block I) acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "D1".
D1-D3-D2	Given in Schedule "A" (Part IV) as D2-D3-D1.
D2-K	Line passes along the Southern boundary of Ghogri Block (Sub Block-I) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "K".
K-L	Line passes along the Eastern boundary of Ghogri Block (Sub-Block I) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. 290 dt. 18-12-71 and meets on the common boundary of Pathakhera Main and Ghogri Block (Sub Block I) at point "L".
L-M	Line passes along Southern boundary of Pathakhera Main and meets on the common boundary of Pathakhera Main and Ghogri Block (Sub Block-3) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 at point "M".
M-N-O-P	Line passes along the Southern and Eastern boundary of Ghogri Block (Sub Block 3) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets on Eastern boundary of Ghogri Block (Sub Block-3) at point "P".
P-Q	Line passes partly along centre line of the MPEB road to dam site and partly through the area held by MPEB when passes through village Pathakhera in plot Nos. 1, 11 and meets in plot No. 43 at point "Q".
Q-R	Line passes through village Pathakhera in plot Nos. 43, 23, 24, 32, 33, 28, 42, 53, 55 and 43, passes through village Ghogri in plot nos. 127, 126, 112 and 113 and (the area held by MPFB) and through plots 113, 114, 76, 77, 70, 65, 64, 53, 46, 48, 51, 80, 34, 36 then proceeds through village Dhaser in plot nos. 157, 158, 159, 97, 98, 59, 93, 100, 33, 32, 31, 28, 26 and meets in plot no. 27 and in the same village at point "R".
R-S	Line passes along the common boundary of village Dhaser and village Kolgaon and meet at trijunction of villages Dhaser, Bagdona and Kolgaon at point "S".
S-T	Line passes along the common boundary of village Bagdona and Kolgaon and meets at point "T".
T-U	Line passes through village Bagdona in plot nos. 366, 365, 364, 363, 345, 346, 343, 309, 308, 310, 315, 297, 263, 288, 287, 270, 272, 209, 208, 214, 226, 222, 220, 219 and 156 and meets in plot no. 59 on the Southern boundary of MPEB siding land at point "U".
U-V-W	Line passes along the Southern boundary of the land held by MPEB for railway siding (Goradongari-Sarni) and meets on common boundary of village Bagdona and reserve forest at point "W".
W-A1	Line passes through MPEB land held for railway siding (Goradongari-Sarni) and meets at starting point "A1".

[No. 19(37)/79-CL]
SUDARSHAN, Under Secy.

कृषि संबंध

(खाद्य विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, १८ जून १९८०

नथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के लिये, भण्डार-करण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा बिक्री के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जोकि खाद्य नियम अधिनियम, १९६४ (१९६४ का ३७) की धारा १३ के अधीन भारतीय खाद्य नियम के कृत्य हैं।

प्रौढ़ यतः खाद्य विभाग, शेषीय खाद्य निवेशालयों, उपायित निवेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर

रहे और उपरिवर्णित कार्यों के पालन में सभे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के भारतीय 16 अप्रैल, 1971 के परियोग के प्रत्युत्तर में उसमें विनियोग तारीख के अन्वर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त प्रधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अधिकारि सूचना नहीं दी है।

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थानान्तरण के सभी कारतीय खाद्य निगम की स्थायी पद	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थानान्तरण की भारतीय पद
1.	श्री महाबीर सिंह सुपुत्र श्री प्रभु दयाल	फिल्ड लिपिक	वरिष्ठ लिपिक 1-3-69
2.	श्री टी० ई० पेरियालवार	वाचमैन	वाचमैन 1-3-69
3.	श्री वी० अप्पा राव	वाचमैन	वाचमैन 1-3-69
4.	श्री सैयद महबूब अली/सैयद हुसैन अली	वाचमैन	वाचमैन 1-3-69

[संख्या 52/1/79-एफ० सी० 3 (बाल्यम-5)]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 18th July, 1980

S.O.2132.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the procurement Directorates and the Pay & Accounts offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971, intimated, within the date specified therein their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section(I) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S.No.	Name of the Officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to F.C.I.
		3	4	5
1	2			
1.	Shri Mahabir Singh S/o Shri Prabhu Dayal	Junior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
2.	Shri T.E. Perialwar	Watchman	Watchman	1-3-69
3.	Shri V. Appa Rao	Watchman	Watchman	1-3-69
4.	Shri. Syed Mahboob Ali/Syed Hussain Ali	Watchman	Watchman	1-3-69

[No. 52/1/79-F.III(Vol. V)]

मुद्रित पद

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1980

S.O. 2133.—इस विभाग के आवेदन संख्या 52/1/79-एफ० सी० 111 (बाल्यम-3) विनांक 18-8-79 में निम्नलिखित मुद्रित पदों की जाएँ :

स्थानान्तरण आवेदन में क्रम संख्या	की जाने वाली मुद्रित पदों
44 कालम 2 में "श्री राम नरेश सिंह" के स्थान पर "श्री राम नरेश मिहा" पढ़ें।	

[संख्या 52/1/79-एफ० सी० 3(बाल्यम 5)]
एम० प्र० कम्बोह, प्रबंध सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th July, 1980

S.O. 2133.—In this Department's Order No. 52/1/79-FC.III (Vol. III) dated 18-8-79, following correction shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
44	For the words "Shri Ram Naresh Singh" in column 2, read "Shri Ram Naresh Sinha".

[No. 52/1/79-FC.III Vol. V)]

S. L. KAMBOH, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1980

का० आ० 2134—इस मंत्रालय के विनाक 16-5-1979 की प्रधि-
सूचना संख्या के०-13011/19/78-टी० १(ए) जो कि भारत के
राजपत्र के भाग II खण्ड 3(ii) में कम संख्या....में है, निम्नलिखित
तुटि सुधारी जाती है—

मंगोधन शीर्षक के प्रलंगत

“और सम्पर्क मार्ग से विरा हुआ और उत्तर में पी० टी० आई०
भवन का प्लाट”, के स्थान पर

“और सम्पर्क मार्ग से विरा हुआ और उत्तर में इक सार भवन का
प्लाट” पढ़ा जाए।

[सं० के०-13011/19/78-टी० १(ए)]
एस० बालकृष्णन, डेस्क प्रधिकारी

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 19th July, 1980

S.O. 2134.—The following corrections carried out in
this Ministry's Notification No. K-13011/19/78-DDIA dated
the 16th May, 1979, which appeared in S. No.....in the
Gazette of India Part II, Section 3(ii), dated.....under
heading :

MODIFICATION

for “and bounded by the side of service road and the plot
of PTI building in the north”.

read “and bounded by the side of service road and the
plot of P & T building in the north”.

[No. K-13011/19/78-DDIA/JIA]

S. BALAKRISHNAN, Desk Officer

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1980

का० आ० 2135—प्रधिसूचना संख्या पी० टी० सी०/77/5541 विनाक
2 जुलाई, 1977 का आंशिक प्रधिलंबन करते हुए प्रध्यक्ष, वित्ती
विकास प्राधिकरण ने आवास समिति का निम्नलिखित रूप में सहृदय
पुस्तक फिया है—

1 उपराज्यपाल	प्रध्यक्ष
2 उपायक	मदर्द्दम्य
3 प्रधियन्ता मदस्य	मदस्य
4 वित्त सदस्य	मदस्य
5 आयुक्त, दिल्ली नगर निगम	मदस्य
6 निवेशक (आवास)	मदिव

[सं० एस०-१ (201/70-एचडी/टीएचसी)]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 3rd July, 1980

S.O. 2135.—In partial supersession of notification No. PA/
VC/77/541 dated 2nd July, 1977, the Chairman Delhi Develop-
ment Authority is pleased to re-constitute the Housing Com-
mittee as under :—

1. Lt. Governor—Chairman.
2. Vice-Chairman—Member.
3. Engineer Member—Member.
4. Finance Member—Member.
5. Commissioner, M. C. D.—Member.
6. Director (Housing)—Secretary.

[No. F. 1(201)/70-HDDHC]

(तर्वेक्षण व निपटारा भूमि-१)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1980

का० आ० 2136—दिल्ली विकास आंशिकियम 1957 (प्रधिनियम
1957 का 61) की घारा 22 की उपधारा (4) के प्रत्यंगत केन्द्रीय
सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित
भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और
अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को आपिग स्टेटर के लिए स्था-
नान्तरित की जाती है।

अनुसूची

आर० क० पूरम, सेक्टर 13 में स्थित भूमि सं०.....
साईट सं० 20 को प्रधिसूचना सं० एस०ओ० 1810 दिनांक 20-7-74
के प्रनुभाय लगभग 2.66 एकड़ (लगभग 1.0788 हेक्टर) भूमि के
लाग को दिक्षाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

[सं० एस०-१(एस० 33 (7) 77 ए०ग्र-ओ० (1)/837-39]

(Survey & Settlement Unit I)

New Delhi, the 18th July, 1980

S.O. 2136.—In pursuance of the provisions of Sub-section
(4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of
1957), the Delhi Development Authority has replaced at the
disposal of the Central Government the land described in
the schedule below for placing it at the disposal of the Land
and Development Office, Ministry of Works & Housing, Govt.
of India, New Delhi for further transfer to the New Delhi
Municipal Committee for shopping centre.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 2.66 acres, (about 1.0788
H.) situated in R. K. Puram Sector XIII—bearing
Plot No. _____ Site No. 20 partly/full of Notification
No. S. O. 1810 Dated 20-7-74

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Road
South : Road
East : Road
West : Road

[No. S&S 33(7)/77/ASO(I) 837—39]

का० आ० 2137—दिल्ली विकास प्रधिनियम 1957 (प्रधिनियम
1957 का 61) की घारा 22 की उपधारा (4) के प्रत्यंगत केन्द्रीय
सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित
भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और
अब यह भूमि एस्टेट हाउस बमाने हेतु मध्य प्रदेश सरकार को ही
स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

सरदार पटेल मार्ग में स्थित भूमि सं० 7 साईट सं० 42 को प्रधि-
सूचना सं० एस०ओ० 1810 दिनांक 20-7-74 के प्रनुभाय लगभग
2261.09 एकड़ (लगभग 1890.56 एकड़ मीटर) भूमि के लाग को
दिक्षाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण हस्त प्रकार

उत्तर : प्लाट नं० 6
दक्षिण : गली/प्लाट नं० 8
पूर्व : गली/नाला
पश्चिम : सड़क

[सं० एस० एंड एस० 33 (6)/78 ए०/एस० शो० (I)/843-45]

S.O. 2137.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing Government of India, New Delhi for further transfer to the Government of Madhya Pradesh for construction of State Guest House.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 2261.09 sq. yds. about 1890.56 sq. mts. situated in Sardar Patel Marg, bearing Plot No. 7 Site No. 42 partly of Notification No. S.O. 1810, dated 20-7-1974.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Plot No. 6
South : Service Lane/Plot No. 8
East : Service lane/Nalla
West : Service Road.

[No. S&S 33(6)|78|ASO(I)|843-45]

का० शा० 2138—दिल्ली विकास प्रबंधनियम, 1957 (प्रभिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केंद्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई इन्हसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को ग्राउंडमी स्कूल हेतु स्थानान्तरित की जाती है।

प्रान्तसूची

सरदार पटेल नगर हमें दिया भूखण्ड सं० 5, साईट सं० 42 को अधिसूचना सं० एस० शो० 1810 दिनांक 20-7-74 के अनुसार लगभग 2173.35 वर्ग गज (लगभग 1817.2031 वर्ग मीटर) (भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण हस्त प्रकार है :—

उत्तर : प्लाट नं० 4
दक्षिण : प्लाट नं० 6
पूर्व : गली/नाला
पश्चिम : सड़क।

[सं० एस० एंड एस० 33(4)/78/एस० शो० (1)/834-36]

S.O. 2138.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the Government of Uttar Pradesh for construction of State Guest House.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 2173.35 sq. yds. (about 1817.2031 sq. mts.) situated in Sardar Patel Marg, bearing Plot No. 5 Site No. 42 partly of Notification No. S.O. 1810 dated 20-7-1974.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Plot No. 4
South : Plot No. 6
East : Service Land/Nalla
West : Service Road.

[No. S & S 33(4)/78/ASO(I)/834-36]

का० शा० 2139—दिल्ली विकास प्रबंधनियम, 1957 (प्रभिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केंद्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई इन्हसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को ग्राउंडमी स्कूल हेतु स्थानान्तरित की जाती है।

प्रान्तसूची

नेता जी नगर (पश्चिमी नियन्त्रण नगर) नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० — माईट सं० 22 को अधिसूचना सं० एस० शो० 4719, दिं० 21-8-75 के अनुसार लगभग 2.413 एकड़ (लगभग 1.0112 हेक्टेयर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण हस्त प्रकार है :—

उत्तर :— सड़कों का हायर सेकेंडरी स्कूल
दक्षिण :— सड़क
पूर्व :— सड़क
पश्चिम :— सड़क

[सं० एस० एंड एस० 33(11)/77/ए०/एस० शो० (1)/840-42]

S.O. 2139.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the New Delhi Municipal Committee for Primary School.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 2.413 acre (about 1.0112 Hect.) situated at Netaji Nagar (West Vinay Nagar) New Delhi bearing Plot No. — Site No. 22 full of Notification No. S.O. 4719, dated 21-8-1975.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : By Boys Hr. Sec. School
South : By Road
East : By Road
West : By Road

[No. S&S 33(11)|77|ASO(I)|840-42]

का० शा० 2140—दिल्ली विकास प्रबंधनियम, 1957 (प्रभिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केंद्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई इन्हसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को स्टाफ क्वार्टर्स बनाने हेतु नारोजी नगर नई दिल्ली में स्थानान्तरित की जाती है।

प्रान्तसूची

नारोजी नगर नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० — साईट सं० 49 को अधिसूचना सं० एस० शो० 4719, दिं० 21-8-75 के अनुसार लगभग 0.206 एकड़ (लगभग 0.083 हेक्टेयर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :-

उत्तर — रिंग रोड
दक्षिण — नाला
पूर्व — नाला
पश्चिम — मटक

[म० एम० एड एम० 33(41)/79/ए० एम० ओ० (1)/846-48]

S.O. 2140.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the New Delhi Municipal Committee, for Staff Quarters in Narauji Nagar, New Delhi.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 0.206 acre (about 0.083 Hec. situated in Narauji Nagar, New Delhi bearing Plot No. Site No. 49 full of Notification No. S.O. 4719, dated 21-8-1975.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : By Ring Road
South : By Nallah
East : By Nallah
West : By Road.

[No. S & S 33(41)/79/ASO(I)/846-48]

का० आ० 2141—विल्ली विकास अधिनियम, 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के प्रत्यंगत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं प्रावास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु विल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि रेलवे स्टेशन के निकट दिल्ली प्रशासन को आबंदन हेतु स्थानान्तरित की जाती है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

का० आ० 2142.—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के भावेश संघर्षा एस० ओ० 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम मन्त्र-सूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपर्यंग के प्रत्यंगत जारी किए गए अनुबेदों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सङ्कालकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बावजूद इसके साथ सभी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के स्पानरों में सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, सीकृत करती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माण का नाम	क्या बैज्ञानिक फिल्म है या प्रिया संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटना की फिल्म है या डाकमंदी फिल्म है
1	2	3	4	5	6
1.	भारतीय समाचार चित्र संज्ञा 1649 (गण्डीय)	162.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24, पैडग रोड, दम्बई-26		"समाचार और सामयिक घट- नाओं" की फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
2.	भारतीय समाचार चित्र संज्ञा 1649 (दक्षिण)	263.00	-तर्जन-		-तर्जन-

1	2	3	4	5	6
3.	माहिती चिन्ह संख्या 324	183.00	महाराष्ट्र कूचना निवेशक, गुजरात मरकार, रमनाड़े फिल्म लैब निं०, आ० एसीवीएस्ट, रोड, वर्ली, बम्बई-18		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (गुजरात सेक्टिक में प्रदर्शन के लिए)
4.	महाराष्ट्राचा	385.00	सुखना और जनसंपर्क महानिवेश लय, महाराष्ट्र मरकार, फिल्म सेटर, ८८-तारदेव रोड, बम्बई-४०००३४		आकुमेंट्री फिल्म (महाराष्ट्र सेक्टिक में प्रदर्शन के लिए)
5.	शत इली (रंगीन)	478.54	श्री जगदीश बनर्जी, २ हिमगिरि, पैडर रोड, बम्बई-२६		आकुमेंट्री फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
6.	भारतीय समाचार चिन्ह संख्या 1650 (राष्ट्रीय)	195.00	फिल्म प्रभाग, भारत मरकार, २४-पैडर रोड, बम्बई-२६		"समाचार और सामयिक घटनाओं" की फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए) —तरीका— (परिवर्तन सेक्टिक में प्रदर्शन के लिए)
6क.	भारतीय समाचार चिन्ह संख्या 1650 (परिवर्तनी)	303.00	—तरीका—		आकुमेंट्री फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
7.	परिवर्तन की ओर (रंगीन)	302.00	—तरीका—		आकुमेंट्री फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
8.	दो भाई	380.00	फिल्म प्रभाग २४-पैडर रोड, मैससे फिल्म सौदागरी, बम्बई बम्बई-२६		—तरीका—
9.	स्टीरी आफ इंडियन मेड लैकीमोटिव	292.91	मैससे काहिया फिल्म्स, १९ ए, शेक्सपीयर सारणी, कलकत्ता-७०००७१		—तरीका—
10.	पूरे हुए भीम वर्ष	298.00	सुखना और जनसंपर्क महानिवेश लय, महाराष्ट्र मरकार, फिल्म सेटर, ८८-तारदेव रोड, बम्बई-४०००३४		आकुमेंट्री फिल्म (महाराष्ट्र सेक्टिक में प्रदर्शन के लिए)
11.	इन्हें भी देखिए	207.79	भारद्वाज फिल्म्स, ३४१, तारदेव रोड, बम्बई-४०००३४		आकुमेंट्री फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
12.	भारतीय समाचार चिन्ह संख्या 165 (राष्ट्रीय)	214.00	फिल्म प्रभाग, भारत मरकार, २४-पैडर रोड, बम्बई-४०००२६		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
13.	भारतीय समाचार चिन्ह संख्या 1651 (उत्तरी)	300.00	फिल्म प्रभाग, भारत मरकार, २४-पैडर रोड, बम्बई-४०००२६		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तरी सेक्टिक में प्रदर्शन के लिए)
14.	ए सांग फार बिरसा	479.44	श्री राजाशास गुप्त, ६०/९/२, बेलुलायड सेक्टरी १४/९७ गोल्फ ड्राकुमेंट्री फिल्म इरिप्प इस्ता सेन, कलकत्ता-७०००३३		(मामाज्य प्रदर्शन के लिए)
15.	गोदावरी पुष्करम् 1979	291.00	जी० एल० भारद्वाज, बी-४६/४३२, गांधी नगर, बांदरा (पूर्व), बम्बई-५१		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामाज्य प्रदर्शन के लिए)
16.	भारतीय समाचार चिन्ह संख्या 1652 (राष्ट्रीय)	217.00	फिल्म प्रभाग, भारत मरकार, २४-पैडर रोड, बम्बई-२६		—तरीका—
17.	तरीका (पूर्वी)	291.00	—तरीका—		—तरीका— (पूर्वी सेक्टिक में प्रदर्शन के लिए)

1	2	3	4	5	6
18.	महाराष्ट्र समाचार संस्था	345	266.00	सूचना और जनसंकेत महानिवेदन, भालग, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तारदेव रोड, बम्बई-400034	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
19.	पदचिह्न की धूम		301.75	-तथैव-	आकुमेट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
20.	ट्रूस्ट फँस्टीबल		365.75	गिरा विस्ता, वी० एस० एंटर-प्राइजेज, 11 राम श्याम निवास, एस० ई० टेम्पल रोड, बम्बई-16	-तथैव-
21.	एडेट विद श्री मन (रंगीन)		361.71	-तथैव-	-तथैव-
22.	भारतीय समाचार चित्र संस्था 1653 (राष्ट्रीय)		219.00	फिल्म प्रधाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
23.	तथैव (इक्षिण)		295.00	-तथैव-	-तथैव- (इक्षिण सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
23क.	सम्मता का अपमान		381.00	-तथैव-	आकुमेट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
24.	गोवावरी नस्ली		297.79	श्री जी० एल० भारद्वाज, भारद्वाज फिल्मस, श्री-16/432, गांधी नगर, गांधरा (पूर्णी), बम्बई-51	-तथैव-
25.	माहिनी चित्र संस्था 325		204.22	महायक सूचना निवेशक, गुजरात सरकार, सूचना निवेशक, गुजरात सरकार, सूचिवालय, गांधी नगर-382010	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
26.	कैसर पर विजय (रंगीन)		499.00	श्री जगत मुरारी, 27/1-वी-एरंडावनी, पुणे-411004	आकुमेट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
27.	स्वर संगम (केशल संगीत) (रंगीन)		256.03	मैमसं प्रसाव प्रोडक्शन (प्रा०) लिं०, 810-बम्बई मार्किट, तारदेव रोड, बम्बई	-तथैव-
28.	मुझे प्यार दी		398.49	श्री प्रदीप मिठा, 2ए, हिंदू चौधरी रोड, रास विहारी नगर, कलकत्ता-29	-तथैव-
29.	कहां से कहां तक		468.00	श्री पस० सद्गेना, 1034, आर० एस० भवन, मोती कट्टा, जयपुर-302003	-तथैव-
30.	भारतीय समाचार चित्र संस्था 1654 (राष्ट्रीय)		226.00	फिल्म प्रधाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-16	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
31.	तथैव (पश्चिम)		302.00	-तथैव-	-तथैव- (पश्चिमी सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
32.	उत्तर प्रदेश समाचार-75		291.39	धीरेन्द्र पाण्डे, प्रोड्यूसर, न्यूजीलैं, सूचना और जन संपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए)

1	2	3	4	5	6
33.	भारतीय समाचार विभाग संख्या 1654-क (विशेष)	301.00	फिल्म प्रेसग्राम, भारत सरकार, 24, पैडर रोड, बम्बई-26		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (मासान्य प्रदर्शन के लिए)
34.	उत्तर प्रदेश समाचार-76	287.42	धीरेंद्र पाण्डे, प्राइमसर ट्यूजरी, सूचना और जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, दखनऊ		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तर प्रदेश मिक्टि में प्रदर्शन के लिए)
35.	कोल्हापुर	304.00	सूचना और जनसंपर्क भवनिंदे-शालिय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तार्डे रोड, बम्बई-400034		शाकुमेंट्री फिल्म (महाराष्ट्र मिक्टि में प्रदर्शन के लिए)
36.	गिरी	299.00	—नवैव—	—सर्वेक्षण—	

[फाइल संख्या 315/1/80-फ०(पी०)]

मर्गीत देव मन्त्री, ऐस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

O R D E R

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2142—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information & Broadcasting No. S.O. 3792 dated the 2nd Dec., 1966 the Central Government after considering recommendations of the Films Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Title of the Film	Length of the Film (in Meters)	Name of the Applicant	Name of the Producer	Brief whether a Synopsis Scientific Film or for Educa- tional purpose or a Film dealing with News Current events or Documentary Film
1	2	3	4	5	6
1.	Indian News Review No. 1649 (National)	162.00	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road Bombay-26.		News and Current Events (General release)
2.	Indian News Review No. 1649 (Southern)	263.00	-do-		News and Current Events (Release in Southern circuit)
3.	Mahitichitra No. 324	183.00	Asstt. Director of Information Govt. of Gujarat Ramnond Research Lab. Ltd. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.		News and Current Events (Release in Gujarat circuit)
4.	Mahanubhava	385.00	Directorate General of Inf. & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400034		Documentary Release in Maharashtra circuit.
5.	Raat Dhali (The Night has Passed) (Colour)	478.54	Shri Jagadish Banerjee, 2 Himgiri Pedder Road, Bombay-26.		Documentary General release.

1	2	3	4	5	6
6.	Indian News Review No. 1650 (National)	195.00	Films Div. Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (General Release).
6A.	Indian News Review No. 1650 (Western)	303.00	-do-		News and Current Events (Release in Western circuit)
7.	A Change (Colour)	302.00	-do-		Documentary (Gene- ral Release).
8.	Two Brothers	380.00	Films Div. 24-Peddar Road, Bombay-26	M/s. Film Saudagars, Bombay	Documentary (Gene- ral Release)
9.	Story of Indian made Locomotive	292.91	M/s. Candia Films, 19A Shakespeare Sarani, Calcutta-700071.		Documentary (Gene- ral release).
10.	Varshe Zali Vees Puri	298.00	Directorate General of Inforation & Public Relations, Govt. of Mah- arashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.		Documentary (Release in Mah- arashtra circuit)
11.	There are others	297.79	Bhardwaj Films, 341 Tardeo Road, Bombay-400 034.		Documentary Gene- ral release.
12.	Indian News Review No. 1651 (National).	214.00	Films Divitision, Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-400026.		News and Currnet Events (General Release).
13.	Indian News Review No. 1651 (Northern)	300.00	-do-		News and current Events (Release in Northern circuit).
14.	A Song For Birsa	479.44	Shri Raja Desgupta 60/9/2, Haripada Dutta Lane, Calcutta-700 033.	Celluloid century 14/ 97 Gold Club Road, Calcutta.	Documentary (Gene- ral release).
15.	Godavari Pushkaram 1979	291.00	G.L. Bhardwaj, B-46/432 Gandhi Nagar, Bandra (East), Bombay-51.		News and Current Events (General Release).
16.	Indian News Review No. 1652 (National).	217.00	Films Div. Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (Genetral Release).
17.	Indian News Review No. 1652 (Eastern)	291.00	-do-		News and Current Events (Release in Eastern circuit).
18.	Maharashtra News No. 345	266.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Mah- arashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.		News and Current Events Release in Maharashtra cir- cuit.
19.	Padachincha-ka-Dhool	301.75	-do-		'Documentary' (Gene- ral release).
20.	Tourist Festival	365.75	Miss Vimala, V.S. Enterprises, 11 Ram- shyam Nivas, S.D. Tample Road, Bombay-16.		'Documentary' (General Release).
21.	A date with the Sun (Colour)	361.71	-do-		'Documentary' (General Release).
22.	Indian News Review No. 1653 (National).	219.00	Films Div. Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (General Release).
23.	Indian News Review No. 1653 (Southern).	295.00	-do-		News and Current (Release in Southern circuit)
23A.	Insult to Civilization.	381.00	-do-		Documentary Gene- ral release.

1	2	3	4	5	6
24.	Godavari Talli	297.79	Shri G.L. Bhardwaj, Bhardwaj Films, B-461432 Gandhi Nagar, Bandra (East), Bombay-51.		Documentary General Release.
	: Mahitichitie No. 325	204.22	Asstt. Director of Information Govt. of Gujarat Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road Worli, Bombay-18.	Director of Inf. Govt. of Gujarat Sachivalaya Gandhi Nagar-382010.	News and Current Events Release in Gujarat circuit.
26.	Conquest of Cancer (Colour)	499.00	Shri Jagat Murari 27/1-B Erandavne Pune-411004.		Documentary General Release.
27.	Swar Sangam (Only music) (Colour).	256.00	M/s. Prasad Production (P) Ltd., 810- Bombay Market Tardeo Road,		Documentary General Release.
28.	I need your love.	398.49	Shri Pradip Sinha 2-A, Ishwar Choudhary Road, Rashbehari Avenue, Calcutta-29.		Documentary General Release.
29.	Kaban Se Kahan	468.00	Shri S. Saxena, 1034, R. S. Bhawan Moti Katla, Jaipur-302003.		Documentary General Release.
30.	Indian News Review No. 1654 (National).	226.00	Films Div. Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (General Release).
31.	Indian News Review No. 1654 (Western)	302.00	-do-		News and Current Events (Release in Western Circuit).
32.	Uttar Pradesh Samachar-75	291.39	Dhirendra Pande, Producer Newsreels, Information & Public Relations, Dept. U.P. Lucknow.		News and Current Events (Release in U.P. Circuit).
33.	Indian News Review No. 1654-A (Special).	301.00	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (General release.).
34.	Uttar Pradesh Samachar-76	287.42	Dhirendra Pande, Producer Newsreels, Information & Public Relations Dept. U.P. Lucknow.		News and Current Events (Release in U.P. circuit).
35.	Kolhapur	304.80	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.		Documentary Release in Maharashtra circuit.
36.	Shirdi	299.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo, Road, Bombay-34.		Documentary Release in Maharashtra circuit.

[File No. 315/1/80-F(P)]

A.D. MALIK, Desk Officer

अम भवालय

नई दिल्ली, 23 जूनाई, 1980

का० आ० 2143—मैसर्स गेंडोर टूल्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 10-12, नया श्रीचौपाल ब्लॉक, फरीदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमंचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध घटनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त घटनियम कहा गया है) की धारा 17 के उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कमंचारी, कोई पृथक् व्यविधाय या श्रीमियम का संदाय किए जिना ही,

भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कमंचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक मनुकूल हैं जो कमंचारी नियम सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें प्रदुषित हैं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त घटनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उक्त स्थापन की में विनियिष्ट गती के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 लिम्बवर, 1977 से उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से कूट दती है।

अनुसूची

1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रदेशित भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चंडीगढ़, को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे सेवा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर नियित करें।

2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन नियित करें।

3 समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाधीनों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाधीनों का अतरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मचारियों की बहुसंघ्या की माध्यम से उसकी मुख्य बातों का अनुदाद, स्थापन के मूल्यान्पट पर प्रक्षिप्त करेंगा।

5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उस अधिनियम के अधीन सूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के स्वयं में उसका नाम तुरन्त वृंद करेंगा और उसकी आवत आवश्यक प्रीमियम भागतीय जीवन बीमा नियम को संदर्श करेंगा।

6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उस फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुप्त हैं।

7 समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदैय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संवेद होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता सो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिका को प्रतिकर के स्पष्ट में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेंगा।

8 समूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी समोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चंडीगढ़ के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी समोधन में कर्मचारियों के लिए गर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना शूटिंगांग स्पष्ट करने का मुक्युतक अवश्य देंगा।

9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रही जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह सूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियन नारीक्र के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम का सदाय करने में अमफल रहता है और पानियों का व्यपगत छा जाने किया जाता है, तो, सूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के सदाय, आदि में कोई अनिक्रम घटता है तो, उन मूल सदस्यों के नाम निर्विणियों या विधिक वारिसों कि, जो यह सूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वाला फायदों के संदाय का उत्तराधित्य नियोजक पर होंगा।

12 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशिकाओं/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मान विन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्यावसायिक शाप्त

इस मामले में पूर्वपैदी प्रभाव से सूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि सूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपैदी प्रभाव से सूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 35014/7/80-पी० एफ०-2]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd July, 1980

S.O. 2143.—Whereas Messrs Gedore Tools (India) Private Limited 10-12, New Industrial Area, Faridabad, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits, admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st December 1977 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available

under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014(7)180-PF. II]

का० आ० 2144.—मैसर्म राकेन साइकिल हंडस्ट्रीज, 730, छण्डम्बियल परिया, बी०, नुदियाना—141003. (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट हिँ जाने के लिए प्रावेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पत्रक अभिवाय या प्रीभियम का मंत्रालय किए विना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समृद्ध बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के स्पष्ट में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के किए थे कायदे उन कायदों में शक्ति अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेप से सम्बन्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हे अनुग्रह है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपांबद्ध अनुग्रहीय में विनिर्दिष्ट जारी के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन का, 1 मित्रवार, 1978 से उक्त स्कीम के मध्ये उपयोगों के प्रयोग में छूट देनी है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सदृश में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके मंत्रालय लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीभियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी अवयों का अनु नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की पृष्ठ प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाता, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या को भावा में उमर्का मुख्य बातों का अनुबाद, स्थापन के सूचनाएँ पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीभियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवन दरेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध कायदे बढ़ाया जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुग्रह हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर हम स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दफा में संदेश होती जब भव उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विशिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बाबत रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते की संभावना होती है, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, प्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना वृद्धिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना दी गई है, प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे की रौप्यता नहीं है, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस निवन नारीय के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम निवन करे, प्रीभियम का संदाय करने में असक्त रहता है, और वानियों को वर्गात ही जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीभियम के संदाय, आदि में कोई अतिक्रम करना है तो, उन भूत सरकारों के नाम निर्देशितीयों या विशिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की वजा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होती, बीमा कायदों के संदाय वा उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन प्राप्त वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्वैशिष्टयों/विधिक वारितों को बीमाहृत रकम का संदाय तत्पत्रता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाहृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बाल्यावलक स्थापन

इस मामले में पूर्वपिण्डी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है अर्थात् छूट के लिये प्राप्त भावेवन पत्र की कर्तव्याई पर समय लगा। तथांग, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिण्डी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संक्षा एस० 35014(92)/79-पी० एफ०-2]

New Delhi, the 24th July, 1980

S.O. 2144.—Whereas Messrs Rockman Cycle Industries, 730 Industrial Area B-Ludhiana-141003, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from the 1st day of September, 1978.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the Sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014(92)/79-PF.II]

का० आ० 2145—मैरस इंजिनियर ग्रॉपरिशन लिमिटेड, 254-सी, आ० पी० बैंसेट गोड, प्रमाधनी, मुम्बई-400025 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है (की धारा 17 की उआधारा (2) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है))

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई पृथक् अधिशाय या ग्रीष्मियम का संवाप किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियम से समूह बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें प्रत्युत्तम हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 के उपाधारा (2) द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपावद्ध अनुशूली में विनियिष्ट भारी के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापना को, 31 मार्च 1978 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के माध्यम से उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुशूली

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि अधिकारी, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा, और निरीक्षण के

लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे नियोजन प्रभारी का प्रत्येक भाग की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संबोध करेगा जो केंद्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिसियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के अनुच्छेद (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखांशों का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय का अनुरूप, नियोजन प्रभारों का संबोध आविर्भाव है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रसिद्धी जब कभी उनमें मरणोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नशा कर्मचारियों का बहुसङ्ख्या को भाषा में उमस्थी मुझ्या बालों का अनुवाद स्थापन के सूचना-रूप पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी अधिष्ठय निधि का या उक्त अधिसियम के अधीन छूट प्राप्त किया स्थापना की अधिष्ठय निधि का पहले से मद्दत्य है, उक्त स्थापना में नियोजित किया जाता है, तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उमस्था नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों ने अधिक अनुकूल होता है, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदैय रकम उम रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दृष्टि में मवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवेशिती की पतिकार के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन प्रावेशिक अधिष्ठय निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पहले की मंसोबन हो जाता है, तो, यदि वारिस/नाम निवेशिती की पतिकार द्वारा से पूर्व कर्मचारियों की आवान दृष्टिकाण्ड स्पष्ट करने का, वृक्षायुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियम नारोल के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी की अपग्रेड हो जाने दिया जाता है, तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय आविर्भाव में कोई अतिक्रम करता है, तो, उन मूल सदस्यों के नाम निवेशितीय या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दृष्टि में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उन्नरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के मंबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कदार नाम निवेशितीय विधिक वारिसों को बीमायुक्त रकम का संदाय तथाना से और प्रत्येक वर्ष

में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमायुक्त रकम प्राप्त होने के साथ दिन के बीतर सुनिष्ठित करेगा।

व्यापारान्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वविणी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिक्षी प्रभाव छूट देने से किसी के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एम. 35014/22/78-पा.क-2]

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2145.—Whereas Messrs Indian Oil Corporation Limited, 254-C, Dr. Annie Basant Road, Prabhavati, Bombay-400025 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 31st March, 1978 and upto the 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced, in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/22/78-PF. II]

का० आ० 2146.—दि गृजारन स्टेट कोर्पोरेटिव लैफ डब्ल्यूपमेंट बैंक निमिटेह, राजकोट, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिया जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय मरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अधिवाय या प्रांतियम का संदर्भ किए बिला ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें ग्रन्तीय हैं;

अतः अब, केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त यानियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपबन्ध अनुसूची में विनियित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, (अक्टूबर, 1979 से 30 मित्तम्बर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रबंधन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण

496 GI/80-11

के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के अंतिम संदाय करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3k) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रनाली लेखाओं का रद्द जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गत, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बड़न नियंत्रक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय मरकार द्वारा यह यहां अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसको मुख्य बानों का अनुशास, स्थापन के सूचनाएँ पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन प्राप्त हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हाएँ भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दणा में संदेश छोटी जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिग/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रत्यंतर के बाबत रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्राविशिक भविष्य निधि आयुक्त, आहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्राविशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत नारीब के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीनियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिमी को अपनात हो जाने विद्या जाता है तो, छूट रह कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल सबस्थों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिगों के, जो वह छूट न दी जाने की दणा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्थ की मृत्यु होने पर, उसके हक्काबाद नाम निर्देशितियों/विधिक वारिगों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिश्वित करेगा।

ध्यानप्राप्तक ज्ञापन

इस भाषण में पूर्वोर्धा प्रभाव से छुट दीर्घ आवश्यक हो गई है क्योंकि छुट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, वह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वोर्धा प्रभाव से छुट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मेरा अनु० 35014/76/79-पी० एफ०-२]

S.O. 2146.—Whereas Messrs the Gujarat State Cooperative Land Development Bank Limited, Rajkot (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st October, 1979 and upto the 30th September, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/76/79-PF. II]

S.O. 2147.—मैसमं गाणिक बाल हरिलाल स्थितिग पाण्ड मैन्युफॉर्मिंग, कम्पनी लिमिटेड, मारग्पुरा, अहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पञ्चान् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रतीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पञ्चान् उक्त स्थापन कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छुट दिये जाने के लिए आवेदन किया है।

प्रौढ़ केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिदाय या प्रभिप्रम का संबंध निए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समृद्ध बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं प्रौढ़ ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पञ्चान् उक्त स्थापन कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुरोध हैं;

अतः, प्रौढ़ केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवल शक्तियों का प्रयोग करने हुए प्रौढ़ इसमें उपबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को, 1 मित्तम्बर, 1979 से 31 अगस्त, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छुट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुष्म, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजें, ऐसे लेखा रखेगा प्रौढ़ निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-नामय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समर्पित में 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपलब्ध (उक्त) के खण्ड (क) के अधीन लिखित करें।

3. समृद्ध बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखनों का रखा जाना विवरणियों का प्रत्युत्तम किया जाना, बीमा प्रीभायम का संदाय, सेवाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, हाँ वाले सभी घट्टों का छह नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा अनुमोदित समृद्ध बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब उसी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अवृद्धियों की भवुतमयी की भावा में उस की मूल्य वालों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पृष्ठ पर प्रशिपित करेगा।

5. यदि कोई रिसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भवित्व निधि का प्रा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापन की भवित्व निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समृद्ध बीमा स्कीम के सबल्प के रूप में उम्मा नाम तुरन्त दिया करेगा। और उसकी वाले आवश्यक प्रीभायम भारतीय जीवन बीमा निगम जो तुरन्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाने हैं तो, नियोजक समृद्ध बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्बन्धित रूप से बूँदीं वी जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कि कर्मचारियों के लिये समृद्ध बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरेय हैं।

7. समृद्ध बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की भूत्य पर इस स्कीम के अधीन संरेय रकम उग रखा सं कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संरेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी विधिक पारित नामिनदेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के अवधारणा रकम का संवाय करेगा।

8. समृद्ध बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भवित्व निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के दिया नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहा, प्रादेशिक भवित्व निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन क्रेन से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समृद्ध बीमा स्कीम के, जिस स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाने हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीभायम का संदाय करने में अम्बफल रहता है, और पानिसा को व्यपरगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीभायम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल सबस्थों के नाम निर्देशितों या विधिक वार्ताओं के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरवापित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस रकीम के अधीन अपने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विधिक वार्ताओं को बीमाकृत रकम का संदाय स्वयंस्वा से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर निर्दित करेगा।

व्यापारिक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वांकी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि पूर्ट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र का कारंबाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रभावित किया जाता है कि पूर्वांकी प्रभाव से छूट देने पर किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

[सं. प्रम. 35014(47)/80-प्र०प०II]

S.O. 2147.—Whereas Messis Manek Lal Hari Lal Spinning and Manufacturing Co. Ltd. Suraspur, Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st September 1979 and upto 31st August 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/47/80-PF. II]

कानून 2148.—मैसर्स श्री अभिका मिल्स लिमिटेड (यूनिट श्री अभिका द्यूस्ट), भ्रहमवाहार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए में फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निष्पत्ति संबंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उहों अनुज्ञेय हैं;

अतः, प्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपलब्ध अनुसूची में विनियिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के प्रबलंग से छूट देती है।

अद्युक्ति

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशित भविष्य निधि आयुक्त, भ्रहमवाहार को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के बांड (क) के अधीन निर्विष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनमीलित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भावा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से मरम्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाने हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बान के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सरेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की बाजा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विशिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रत्यक्ष के बाबत रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, भ्रहमवाहार के पूर्व अनुपोदन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहुँचे की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रबल सर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, यह रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल मदस्यों के नाम निर्देशितीयों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तराधित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितीयों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्यापकात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम-35014/33/79-पी० एफ०-2]

S.O. 2148.—Whereas Messrs Shri Ambica Mills Limited (Unit—Shri Ambica Tubes), Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as

already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nomine or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/33/79-PF, II]

का० अा० 2149 —मैसर्स दि पंजाब ट्रेकर्स मिमिटेड, सात्रिंबाबाद अजीत मिहनगर, रोपड (पंजाब) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उस्के स्थापन कहा गया गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उस्के प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रश्नीलृप विए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केंद्रीय सरकार का सम्बोधन हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् प्रभिकाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निधि को समृद्ध बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेप सबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें प्रदर्शित हैं :

अत., अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रशिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2क) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए और हमसे उपाबद्ध अनुमती में विनिविष्ट गति के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 जुलाई, 1978 से 30 जून, 1981 तक उक्त समीक्ष के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छुट देती है।

प्रगति

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक, पंजाब को ऐसी विवरणिया भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. नियोजक, ऐसे नियोजन प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संभाव्य करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उस अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के समीत विषय करे।

3. समृद्ध श्रीमा म्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, श्रीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्राप्त भी है, होते बातें सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार हारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति वथा कर्मचारियों की बहुमत्वा की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापना के मूल्यान्वयन पर प्रबलग्न करेगा।

5. यदि कोई गंसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से गवास्था है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के मद्दत्य के रूप में उमका नाम तुरन्न दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध कायदे बदला जाने हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के ग्राहीत उपलब्ध कायदे उन कायदों से ग्राहिक अनुकूल हो, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के हानि हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उम कर्मचारी की वसा में संदेश लोती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस / नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के भीतर के वरावर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन किना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो बाहं, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त हानि वाले कायदे किसी रूप से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम, के संदाय, आवि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितां या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आवाले किसी संवस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितां/विधिक वारिसों को बीमाहृत रकम का संदाय तत्परता से शीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाहृत रकम प्राप्त होने के मात्र दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक शापन :

इस मामले में पूर्णपेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्क हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, वह प्रभाणित किया जाता है कि पूर्णपेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एस. 35014/37/78-पी. एफ.- (2)]

S.O. 2149.—Whereas Messrs The Punjab Tractors Limited, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Ropar (Punjab) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied

for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st July, 1978, and upto the 30th June, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme or the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/37-78-PF-II]

का०आ० 2150.—मेसर्स रिमिंग ट्रैडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, आनंद सोजिता रोड, विठ्ठल उद्योग नगर, गुजरात, (जिसे इसमें हमके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें हमके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छृष्ट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए गए हो, भारतीय जीवन बीमा नियम की ममृह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चेत संबंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हममें हमके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुमेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और हममें उपायद्वारा अनुसूची में विनिष्टिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 नवम्बर, 1979 से 31 अक्टूबर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छृष्ट बनाए रखता है।

अनुमूली

1. उक्त स्थापन के मध्यमें नियोजक प्रायोगिक भविष्य निधि प्रायुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रशान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खाल (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. ममृह बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा की प्रीमियम का संबाय, नियोजित कार्यों का संबाय, निरीक्षण प्रभारों का संबाय प्रायि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय गवर्नर द्वारा यथा अनुमोदित गमृह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमतया की साथ में उम्मीद वालों का अनुबाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि काई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छृष्ट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले में सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजक, ममृह बीमा स्कीम के मद्दत्य के रूप में उसका नाम तुरल दर्ज करेगा और उसकी बायक्स आवश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सदृश करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे वाला जाने हैं तो, नियोजक ममृह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए ममृह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजेय हैं।

7. ममृह बीमा स्कीम में किसी वात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उक्त स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की शरा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता होता है, नियोजक कर्मचारी के विविक वालिंग/नामनिर्देशनी को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बाबार रकम का संशय करेगा।

8. ममृह बीमा स्कीम के उपवर्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, गृजरात के पूर्व अनुमोदन वित्त नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समावाह हो वहाँ, प्राविंशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना शृन्दिकोण स्पष्ट करने का युक्तिकूल अधिग्रह देगा।

9. यदि किसी कार्यवाण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम ममृह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना देका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो वह छृष्ट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कार्यवाण, नियोजक उम नियन नारीकू के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम का संबाय करने में असफल रहता है, और पानिसी को व्यापगत हो जाने दिया जाता है तो, छृष्ट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संबाय, आदि में कोई व्यनिक्रिय करना है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविक वारिसों के, जो वह छृष्ट न दी जाने की व्या में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संबाय का उत्तराधिकृत नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी गदस्य की मृत्यु होने पर, उसके इकावार ताम निर्देशितियों/विविक वारिसों की बीमाकृत रकम का संबाय नापराता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मृत्युप्रिष्ठत करेगा।

ध्याक्षरात्रक शापन

इस मामले में पृथक्षी प्रभाव में छृष्ट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छृष्ट के लिये प्राप्त आवेदन प्रति की कार्यकारी पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पृथक्षी प्रभाव से छृष्ट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. 35014/80/79-पी० एफ०-२]

S.O. 2150.—Whetcas Messrs The Milling Trading Company Private Limited, Anand SOJTRA ROAD, VITTHAL Udyog Nagar Gujarat (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st November, 1979, and upto the 31st October, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintaining such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premiums, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendments is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014/80/79-PF.II]

कां आ० 2151—मैसर्स कनिष्ठा स्टील, ग्रानंद-सोमिक्षा रोड, विधानगढ़, गुजरात, (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोष्ठ उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन लूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

प्रौढ़ केन्द्रीय मरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और प्रौढ़ ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चेप सबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञाय हैं।

अत., यद्य, केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त याकियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपबन्ध अनुसूची में विनियिष्ट जीवों के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को, 1 नवम्बर 1979 से 31 अक्टूबर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छुट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियों भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाओं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मरकार समय-समय पर नियिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक साम की गमालिस में 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन नियिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रत्यंत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रमुख किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाद, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण, प्रभागों का संवाद आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय मरकार द्वारा पथा प्रमुखित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उम संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उमकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचनाप्रट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य नियम का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्यत नियम का पहले में गदग्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के संबंध के स्वयं में उसका नाम तुरन्त बदल करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भाग्नीय जीवन बीमा नियम को सदर्न करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे अनुशंशा हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से प्रतिक अनुकूल हैं, औ उक्त स्कीम के अधीन अनुशंशा है :

7. समूह बीमा स्कीम में किसी आत के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदेय रकम उम रकम में कम है जो कर्मचारी की दशा में संतुष्ट होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, तियोजक कर्मचारी के विधिक बारिम/नामिनीशितों को प्रतिकूल के रूप में दोनों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संबोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन विना नहीं किया गया और जहां किसी संबोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों जो अपना दूषिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रबल देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीसि में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन्त करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को अवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय आदि में कोई अनियंत्रित करता है तो, उन मूल मददों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा कायदों के संदाय का उल्लंघनित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन अने था कि वे संवय की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रयोक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यानक जापन

इस मामले में पूर्वविभीत प्रभाव से छूट देनी आवश्यक ही गई। कर्मचारी छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वविभीत प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[एम-०-३५०१४/८३/७९-पी० एफ०-२]

S.O. 2151.—Whereas Messrs Kanisha Steels Anand Sajitra Road, Vallabh Vidyanagar, Gujarat (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

496 GI/80-12

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st November, 1979 and upto the 31st October, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/83/79-PF.II]

कां आ० 2152.—मैसर्ज स्थिति के लिए कारपोरेशन, दर्या, प्रार० सी० दल, रोड, बड़ोदा-३ (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रशीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (२क) के अधीन छृष्ट दिन जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिकाय या प्रीमियम का संबंध किए बिंदा ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निशेष से सम्बन्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुशेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (२क) द्वारा प्रदत्त अधिकायों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपादान अनुसूची में विनिर्विट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अक्टूबर, 1979 से 30 मित्तम्बर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छृष्ट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात, को ऐसी विवरणियों भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संबंध करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (३क) के छण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संबंध, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संबंध आदि भी है, हांने वाले सभी श्रयों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति श्रीर अब कभी उनमें संमोधन किया जाए,

तब उम संमोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की शहृमंडल की भाग्य में उमकी मुझ वालों का अनुबाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छृष्ट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले में सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के मदद के रूप में उमका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उमकी वालन ग्रावर्षक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम की मंदत्व करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बताये जाने हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल हैं, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की सृज्य पर इस स्कीम के अधीन मरींग रकम उस रकम से कम है जो उम कर्मचारी की दशा में सदैय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वार्षिक/नामनिर्देशिती को प्रतिक्रिय के रूप में उन्हें रकमों के अंतर के बाबत रकम का मंदृष्य करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपकरणों में कोई भी संगीधन प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन दिन नहीं किया जाएगा और जहां किसी संसाधन ले कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहले की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवधार देगा।

9. यदि किसा कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना लेकर जानी रही रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छृष्ट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना लेकर जानी रही रह जाते हैं, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से अपकल रहता है, और पातिमी वो व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छृष्ट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदर्भ, अवधि में कोई अविकरण करता है तो, उन मृत गदस्यों के नाम निर्देशितीया या विधिक वारिसों के, जो यह छृष्ट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संदर्भ का उन्नरकार्यवित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की सृज्य होने पर, उसके लकडार नाम निर्देशितीयों/विधिक वारिसों को बीमालूप रकम का संदर्भ लकडारा से भीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमालूप रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ध्याल्याल्सक लाप्त

इस मामले में पूर्वांकी प्रभाव से छृष्ट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छृष्ट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वांकी प्रभाव से छृष्ट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मंद्या एग०-35014/59/80-पी० एफ०-2]

S.O. 2152.—Whereas Messrs Indian Dairy Corporation, Darpan, R. C. Dutt Road, Baroda-3 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under

sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st October, 1979 and upto the 30th September, 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of Accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35016/59/80-PF. II]

कांगड़ा 2153.—मैंसर्वे श्री अम्बिका मिल्स लिमिटेड (यूनिट श्री अम्बिका मिल सं. 1), अहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन किया गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोर्ट उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

ओर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिकार या प्रीमियम का संदाय किए विना ही, भारतीय जीवन बीमा लिप्त की समृद्ध बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोजित से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुशेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रबल् अधिकारों का प्रयोग करते हुए और इसमें जारी अनुसूची में विनिर्दिष्ट पार्टी के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के नई उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

प्रमुखस्त्री

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियों भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 पर उपधारा 3(क) के घण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समृद्ध बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रलग्न लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रत्यक्षण, निरीक्षण प्रभारों या सदाग्र आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय मरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति स्थान कर्मचारियों की बहुसंघता की भाषा में उमर्का मृत्यु बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निविक का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापन की भविष्य निविक का पहले से सदृश्य है, उक्त स्थापन में नियोजित विधा जाता है, तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदृश्य के रूप में उक्त नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उमर्की बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदेत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुबंध हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर हस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है, जो उस कर्मचारी की दाना में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक आन्तरिक विधियों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रत्यक्ष के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निविक आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन विना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो जाहाँ, प्रादेशिक भविष्य निविक आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रक्रम देगा।

9. यदि किसी कारणका, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणका, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी की व्यापार हो जाते दिया जाता है, तो, छूट रह कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई अतिक्रम करता है, तो, उस मूल सदृश्यों के नाम निर्दिष्टियों या विधिक विवरियों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के मम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आते शाले किसी सदृश्य की मृत्यु होने पर, उक्त रकम का हक्कावार रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाफूल रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

आवश्यक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपेशी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन-पत्र की कर्मचारी पर समय लगा। साथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपेशी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम० 35014/36/79-पी० एफ-2]

S.O. —Whereas Messrs M/s. Shri Ambica Mills Limited (Unit Sri Ambica Mill No. 1) Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto the 28th February 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for the exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/36/79-PF. II]

कांडा 2154—मैसर्स उषा मार्टिन ब्लैक लिंग, कलकत्ता, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अर्थदाय या प्रीमियम का संवाद किए बिना ही, भारतीय जीवन शीमा निगम की समूह शीमा स्कीम के अधीन जीवन शीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधेय से सम्बद्ध शीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुरूप हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपबन्ध प्रन्तुर्वी में विनियिष्ट गतीयों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अप्रैल, 1979 से 31 मार्च, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रत्यंत से छूट देती है।

प्रमुख

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेदिक भविष्य निधि प्रायुक्त, कलकत्ता को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजन, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मात्रा की भावालि से 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के अनुरूप (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह शीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियाँ जो प्रगतुर निया जाता, शीमा प्रीमियम आ संवाद, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाद आदि भी है, होने वाले गतीय वर्षों का बहुत नियोजक डारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह शीमा स्कीम के लियाँ की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति स्थान कर्मचारियों जी बहुसंघया की भाषा में उम्मीद मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचनाग्रह पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थान में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह शीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरत बदल करेगा और उसकी बाबत अवधारक प्रीमियम भारतीय जीवन शीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाया जाने हैं तो, नियोजक समूह शीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह शीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरूप हैं।

7. समूह शीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की भूत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उक्त कर्मचारी की दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के अद्यार के अद्यार रकम का संवाद करेगा।

8. समूह शीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, कलकत्ता के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी तंत्रोन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो रही है, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपत्ता अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन शीमा निगम की उक्त समूह शीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन शीमा निगम नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन शीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाद करने में असफल रहता है, और पालिमी का व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के मंदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उक्त मृत सम्बन्धों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, शीमा कायदों के संवाद का उत्तराधित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आते वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को शीमाकृत रकम का संवाद तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन शीमा निगम से शीमाकृत रकम प्राप्त होने के मात्र दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

स्थानात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपिक्षी प्रभाव से छूट देनी अवधार हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। नथापि, यह प्रमाणित किया जाना है कि पूर्वपिक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहेजा।

S.O. 2154.—Whereas Messrs Usha Martin Black Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the continuous specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from first April, 1979 and upto thirty first March, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient feature thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/68/80-PF. II]

S.O. 2155.—ऐससे मुक्त शायरन एण्ड स्टील वर्क्स लिमिटेड, मम्पैर्ड (जिसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) से कंपन्यारी भविष्य निधि और प्रकार्यां उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) जी धारा 17 की उपधारा 2(क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आदेत किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कर्तृ पृथक प्रभादाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की मम्ह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उनका प्रयोग करने वाले हैं जो कर्मचारी नियम से मम्ह बीमा स्कीम, 1976 (जिसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञा दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) वाला प्रवत शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपावद अनुमति में विनियोजित घटावों के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को, 1 फरवरी, 1979 से और 31 जनवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के मम्ह में नियोजित प्रादेशिक भविष्य निधि शायरन, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी गुरुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर नियिष्ट करें।

2. नियोजिक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 3(क) के छूट (क) के अधीन नियिष्ट करें।

3. मम्ह बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, उन्हें वाले सभी व्याप्रों का वहन नियोजिक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमति दिए मम्ह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कर्मचारी उनमें गोष्ठीयता किया जाए, तब उग गणीयता की प्रति तथा कर्मचारियों की अहमत्वा की धारा में उसकी मूल्य बातों का अनुचान स्थापन के मूल्यानुपर्याप्त पर व्यवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐमा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का था, उक्त अधिनियम के अधीन सूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सरक्ष्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को मंथन करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक प्रतिकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधान अनुरूप हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए थी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रक्रीय संवेदन रकम उस रकम से वास है जो उस कर्मचारी की दाया में संवेद होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक आरिग्न/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बीच बराबर रकम का मंत्राय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपलब्धियों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रतिकूल अनुसार वेतन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी मंशोधन से कर्मचारियों के हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हों सम्भावना हो वहाँ, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आपना अनुसार वेतन से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर होगा।

* 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिस स्थापन पहले अपना नहीं है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी भीति से कम हो जाते हैं, तो यह सूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियत लारीव के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम को, प्रीमियम का संवाद करने में प्रसंफल रहता है, और पाविसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, सूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संबंध में कोई अतिक्रम करता है तो, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितीयों या विधिक आरिसों के, जो वह सूट न ही जाते की दाया में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संवाद का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, उस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कार नामनिर्देशितीयों/विधिक आरिसों को बीमाकृत रकम का संवाद तत्वरक्ता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मात्र दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बाल्यावलक नामन

इस मामले में पूर्वाधिकी प्रभाव से सूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि सूट के लिये प्राप्त आवेदन-गति की कार्रवाई पर समय लगा। नथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वाधिकी प्रभाव से सूट देने में किसी के लिए पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मं. एस० 35014/15/79-पी० एफ० II]

S.O. 2155.—Whereas Messrs Mukund Iron and Steel Works Ltd., Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts w.e.f. 1-2-79 and upto the 31st January, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The Employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of he said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/15/79-PF. II]

का०आ० 2156—मैसर्वे पृष्ठ जी गाँ—रवीन्द्र लेखोरेट्रीज़ (इण्डिया लिमिटेड, अमरगढ़वार्डी मार्ग, अहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

ओर केन्द्रीय मरकार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिवाद्य या प्रीमियम का भंगाव किए जिन ही भारतीय जीवन शीमा निगम की समूह शीमा स्कीम के अधीन जीवन शीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेप से सम्बद्ध शीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुकैय हैं;

अतः, ओव, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाय अनुसूची में विनिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अगस्त, 1979 से 31 जुलाई, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रत्येक से छूट देती है।

समूह शीमा

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 3(क) के घण्ट (क) के अधीन निर्विष्ट करें।

3. समूह शीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, शीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, हीने बाले सभी अधियों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय मरकार द्वारा यथा प्रमुखेवित समूह शीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पालन से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूह शीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा बंज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन शीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह शीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कि कर्मचारियों के लिये समूह शीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकैय हैं।

7. समूह शीमा स्कीम में किसी बात के होने वाले भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दण में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के वित्रिक वारिस/तामनिर्विधिति को प्रतिकरण के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बाबत रकम का संदाय करेगा।

8. समूह शीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संघोषण से कर्मचारियों के हित पर, प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन शीमा निगम की उस समूह शीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीत से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम लारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन शीमा निगम नियन करे, प्रीमियम का संदाय करने में, असफल रहता है, और पालिसी की व्यपत्ति हो जाने विधा जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत मवस्थों के नाम निर्विधियों या वित्रिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दण में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते हीने शीमा फायदों के संदाय का उत्तरवायित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन प्राप्त शीमा स्कीम की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्विधियों/वित्रिक वारिसों को शीमाहृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दण में भारतीय जीवन शीमा निगम से शीमाहृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्यापक व्यापक

इस मामले में पूर्विकी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गयी है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रभावित किया जाता है कि पूर्विकी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एम० 35014/40/80-पी०एफ० 2]

S.O. 2156.—Whereas Messrs Megam Ravindra Laboratories (India), Limited Amraimade Road, Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st August 1979 and upto the 31st July, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such return to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employer been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/40/80-PF II]

का०आ० 2157.—मैसर्स ग्रोज-बेकर्ट समूह, लिमिटेड, ग्रोयोगिक सेवा, चंडीगढ़ (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

ओर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिकार्य या प्रीमियम का संवाद किए बिना ही, भाग्योत्तम जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियम से भव्य बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें मनुज्ञय हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपबद्ध भास्तुओं में विनिरिप्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अप्रैल, 1978 से उक्त स्कीम के सभी उपबद्धों के प्रबंधन से छूट देती है।

प्रमुख बीमा

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चंडीगढ़, को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए, ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विनिरिप्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति में 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निरिप्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रत्येक लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीनियम का संवाद, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रमुखोंका समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए,

द्वारा इस संशोधन की प्रति स्थान कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुकाद, स्थापन के सूचनापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त ग्रन्थिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सरकार है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद रकम, उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की बात में संवेद होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चंडीगढ़ के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो वहाँ, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते का युक्तियुक्त प्रबंधर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना दृक्षय करता है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीत से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाद करने में घसफर रहता है, और पालिसी को व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाद, आदि में कोई अविकल्प करता है, तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक बारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाद का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आमे वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक बारिसों को बीमाकृत रकम का संवाद तत्परता से और प्रत्येक वश में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्यावधारणक आपन

इस मामले में पूर्वपेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त प्रावेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपेक्षी भाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहुँचेगा।

[संख्या इस 35014/6/80-पी०एफ-2]

S.O. 2157.—Whereas Messrs. Groz-Bucket School Limited Industrial Area, Chandigarh (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-

section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st April, 1978 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended thereof, with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employee's Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the aid establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/6/80-PF. II]

कांडा 2158.—मैसर्स दीपक नाइट्रोइट लिमिटेड, नांडोदा, बड़ोदा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन दिया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक प्रभिवाप या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे अन कायदों में अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निशेष सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त नियतियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाय अनुसूची में विनिश्चित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि अयुक्त, गुजरात अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुनिधारण प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समयसमय पर निविष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसी निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समयसमय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निविष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके प्रत्यागत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, नेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसको मुद्य बातों का अनुशाद, स्थापन के सूचनापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी जावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदून करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी भाव के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की जीवन बीमा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता सो, नियोजक कर्मचारी के विधिक घासिस/नामिनिवेदिती को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात, प्रह्लद भावाद, के पूर्व अनुमोदन दिन नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहले की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, प्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना सुनिश्चित स्पष्ट करने का युक्तिसूक्ष्म अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना भुक्त है, अधीन होता है रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीत से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करते हैं में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संकाय, आदि में कोई व्यक्तिका करता है तो, उन भूत सबस्थों के नाम निर्देशियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कवाल नाम निर्देशियों/विधिक वारिसों को बीमा हुत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वर्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाहुत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्यवस्थापन स्थापन

इस मामले में पूर्विकी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त प्रावेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्विकी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस 35014/57/78-पी-एफ-2]

S.O. 2158.—Whereas Messrs Deepak Nitrite Limited, Nandcsari, District, Baroda, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to

the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from the 1st day of March, 1979 and upto the 29th February, 1981.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption is liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014/57/78-PF, II]

क्र.०आ० 2159.—मैसर्स दि रावलियर रेपन सिन्क मैत्यफैब्रिंग (विविग) कम्पनी लिमिटेड, बिरला नगर, मध्य प्रदेश, (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रीमियम उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई प्रथक अधिवान या प्रीमियम का सदाय किए, बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेप समूह बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञा हैं:

प्रतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट घटों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छू देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की तमाजिन से 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के बाब्त (क) के अधीन निर्दिष्ट करे;

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रत्येक नेतृत्वालों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखालों का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय प्राप्त भी ही होने वाले सभी घटों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बदूसंख्या की मापा में उसकी मुख्य घटों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रशिक्षित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सक्षम्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सबस्थ के रूप में उसका नाम मुरल दाने करेगा और उसकी बाबत प्रावधान प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध कायदे बढ़ाये जाने हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी भाव के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संवेद रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में मंदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वार्षिक/नाम निर्दिष्ट को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के भी अंतर के बराबर रकम का संदाय फरेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपवर्त्तियों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्राविष्ठिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अक्षमत देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुका है, प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम्मि नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संशय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवस्थित हो जाने विषय जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, प्राप्ति में कोई व्यापक फरता है तो, उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अंतर्भूत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राप्त वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कावार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय संतुष्टा से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के साथ दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक ज्ञान

इस मामले में पूर्वपक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए ग्राहन अवधेन पत्र का कार्यकारी पर सभ्य लगा। स्थापित, महा प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपक्षी प्रशास्त्र से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एस-35014/77/79-प्र०प०-२]

S.O. 2159.—Whereas Messrs The Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvg.) Company Limited, Birla Nagar, Madhya Pradesh (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from the 1st day of March, 1979.

SCHEDULE

1. The Employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the Policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/77/79-PF. II]

S.O. 2160.—नेसर्स पंजाब कॉनकास्ट स्टील लिमिटेड, लुधियाना, (जिसे इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रबोधन उपदान अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पूर्वक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए जिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में काफ़ी उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए मेरे फायदे हैं उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेप सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उह अनुमेय हैं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त अक्षरों का प्रयोग करते हुए और इससे उपरांड़ अनुसूची में विनियिष्ट शारों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अप्रैल, 1979 से 31 मार्च, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के प्रबंधन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी मुश्किलें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का अत्येक मास की समाप्ति तिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निविष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का भंदाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की मात्रा में उसकी मूल्य शारों का अनुबोध, स्थापन के सूचनापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अंतीर छूट प्राप्त किया स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुग्न दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से घृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने का भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवैध रकम उम रकम से कम है, जो उस कर्मचारी की दशा में गंदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारियों के विविध वार्षिक/नाम निर्देशिका को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंदर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करें का युक्तियुक्त अवमर देगा।

9. यदि किसी कारणबश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले काफ़ी फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणबश, नियोजक उम नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम के प्रयोग करने से असफल रहता है, और पालिसी को व्यवस्था हो जाने शिया जाता है, तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई अविकल्प करता है, तो उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अवलंगत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तराधित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी मदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात बिन के भीतर मुनिष्ठित करेगा।

स्थापनात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वविधी प्रमाण से छूट देनी आवश्यक हो गई है कर्मचारी छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वविधी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एम-35014/69/80-मी-एफ-०२]

S.O. 2160.—Whereas Messrs Punjab Con-Cast Steel Limited, Ludhiana, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st April, 1979, and upto 31st March, 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would have been payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/69/80-PF.II]

का०खा० 2161.—मैसर्स आर० एम० इंजीनियरिंग बहस्तर खोखरा, मेहमदा बाद, अहमदाबाद (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रीमीय उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए प्रायदेवत किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक प्रधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन कायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियम से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपबन्ध अनुसूची में विनिष्टिंग भर्ती के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के मध्य उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन निर्विष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का भ्रंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अनुसंधान की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुशासन स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पट्टने से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के मदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपबन्ध फायदे बढ़ाये जाने हैं, तो नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपबन्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कर्मचारियों के लिये समूह बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध फायदे उन कायदों से प्रधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ रखने वाले उस रकम से कम है तो उस कर्मचारी की दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी विधिक वारिस नामनिर्देशिति को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात, महाराष्ट्र व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रबन्ध देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियन्त्रित तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को अपनात होते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई घटनिकम करता है, तो उन मूल मददों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट त दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तराधिकृत नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाहृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाहृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बयानस्मृत जापत

इसके मामले में पूर्विकी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आयेदेन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रभावित किया जाता है कि पूर्विकी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/23/79-पी.एफ.३]

S.O. 2161.—Whereas Messrs R. M. Engineering Works, Khokhra, Mehmecabad, Ahmedabad, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto the 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/23/79-PP.II]

का०आ० 2162.—मैंगर्म श्री प्रभिका लिल्ट लिमिटेड, यूनिट नं० 2, प्रहमदाबाद, (जिसे इसमें दर्शाया गया उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 वा 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (२क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अधिकार या प्रीमियम का संशय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चय गे नम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुदाय हैं।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (२क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपायक अनुसूची में विनिष्ट गतों के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अद्यमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रयोग करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की घमानि से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (२क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, नेशनलों का अन्तर्गत, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वक्ष्यमंज्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किए स्थापन की भविष्य निधि का पहले से मवस्था है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदरय के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपबन्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7 समूह बीमा स्कीम में दर्शी बान के अंते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी भी मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदैय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में सदैय शोषिती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता लो, जिन्होंके कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिकी को प्रतिक्रिय के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयका, अद्यमदाबाद के पूर्व अनुमोदित के बिना नहीं किया

जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के द्वित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो वहां प्रावेशिक भविष्य निधि आयका, अपना अनुमोदित देने में पूर्व कर्मचारियों को आपना वृष्टिकौण अपेक्षित करने वा युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीत से कम हो जाने हैं, तो वह छूट रह कर वी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिमी को अपगम हो जाने दिया जाता हो, तो वह छूट रह कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई अतिक्रम करता है तो, उन मूल मदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की वशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कार्यकों के संदाय का उपरकायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाहृत रकम का संदाय तपरता से और प्रत्येक वर्षा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाहृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, सुनिश्चित करेगा।

आवश्यात्मक ज्ञापन

इस मामिले में पूर्वपिधो प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है जब्तक छूट के लिये प्राप्त आयेदान पत्र की कारबाई पर समाय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिधी प्रभाव से छूट देने से किसी के द्वित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/36/79-पी० पक्ष 2]

S.O. 2162.--Whereas Messrs Shri Ambica Mills Ltd. Unit N.o 2, Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and up to the 28th February 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding any thing contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Abhaya Bhawan where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/38/79-PF.II]

का०आ० 2163.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खण्ड (क) के अनुसरण में श्री के० एस० रघुपति, सचिव, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय को श्री पारा० के० ग० भुवनेश्वर के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी भवित्व के रूप में नामिनिष्ट किया है;

ग्रह, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संस्कार का० आ० 477 (इ), दिनांक 16 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, “(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 8 के खण्ड (क) के अधीन नामिनिष्ट)”, शीर्षक के नीचे मह 1 के सामने की प्राचीनित के स्थान पर निम्नलिखित प्रथिष्ठ रखी जाएगी, अर्थात्—

“श्री के० एस० रघुपति,
सचिव, भारत सरकार,
श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली।”

[संख्या यू-16012/2/80-एच० आई०]

S.O. 2163.—Whereas the Central Government has in pursuance of clause (a) of Section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri K. S. Raghupathi, Secretary to the Government of India, Ministry of Labour as the Chairman of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri R. K. A. Subrahmanyam :

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S. O. 477(E), dated the 16th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading '(Nominated by the Central Government under clause (a) of section 8)', for the entry against item 1, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri K. S. Raghupathi,
Secretary to the Government of India.
Ministry of Labour, New Delhi.

[No. U-16012/2/80-HT]

का०आ० 2164.—मैसर्स भारत स्टोल, टयबम निः०, गनौर, सोनीपत, हरियाणा, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छुट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

ग्रह, केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभियादय या प्रीभियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चेप संबंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञय हैं;

ग्रह, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायकूल अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपचारों के प्रबंधन से छुट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब को ऐसी विवरणिया भेजेगा, ऐसे ऐसा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति में 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट है।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत सेषोधन का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का लक्षण, लंबवारों का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संबाध आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय वरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी सुधू बातों का अनुबाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य नियि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य नियि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका लाभ तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संतुल करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे द्वारा जाए हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुबोध हो।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की वृणा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिति को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के भ्रंतर के बगवार रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी मंशोधन, प्राइविट अधिकार वालुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदित बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो वहां, विधिक भविष्य नियि आयकृत, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबाट, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीत से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणबाट, नियोजक उस नियत नारीब के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संबाध करने में प्रसफल रहता है, और पालिसी को व्यपत बो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संबाध, आदि में कोई व्यक्तिक्रम करता है तो, उन मूल सवैस्तों के नाम निर्देशिति या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की वृणा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संबाध का उत्तरायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कावार नाम निर्देशिति/विधिक वारिसों को बीमाहत रकम का संबाध तत्परता से और प्रत्येक वृणा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाहत रकम प्राप्त होने के साथ दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक नापन

इस नामसे में पृष्ठप्रिष्ठी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आयेवन पत्र की कारंवाई पर समय लगा। लक्षणि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पृष्ठप्रिष्ठी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एस०-३५०१४/५०/८०-पी० एफ०—II]

S.O. 2164.—Whereas Messrs Bharat Steel Tubes Limited, Ganaur Sonepat Haryana (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto the 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/50/80-PF. II]

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

का०आ० 2165—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं बाजाजी ग्राफिक इण्डस्ट्रीज, 1325/40 'E' शिवाजी उद्यम नगर, कोल्हापुर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(113)/79 पी०एफ० II]

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2165.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bajaji Graphic Industries, 1325/40 'E' Shivaji Udyam Nagar, Kolhapur-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S. 35018(113)/79-PF.II]

का०आ० 2166.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं खड़ी भीवल, नं० 896, संगल कारा स्ट्रीट, करनपाई, थानजावूर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(240)/79-पी०एफ० II]

S.O. 2166.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ruby Seaval, No. 896, Sangal Kara Street, Karanthai, Thanjavur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1977.

[No. S. 35019(240)/79-PF.II]

का०आ० 2167—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं मैक एण्ट कम्पनी, (दि वीजु बैक पाओप) 65, थालाजा रोड, मद्रास-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(274)/79-पी०एफ० II]

S.O. 2167.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs MACK and Company, (The Bijou Work Shop) 65, Wallajah Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1978.

[No. S-35019(274)/79-PF. II]

का०आ० 2168—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं वित्तनलीदेली इस्टिक्ट फिशरमैन कोऑपरेटिव फेस्टेन लिमिटेड, 49, वीथ रोड, तूर्मोकोरिन-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(302)/79-पी०एफ० II]

S.O. 2168.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Tirunelveli District Fishermen Co-operative Federation Limited, 49, Beach, Road, Tuticorin-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1977.

[No. S-35019(302)/79-P.F. II]

का०आ० 2169.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० धनांशकरन एण्ड कम्पनी, 4, इलिस रोड, माउंट रोड, मद्रास-2, जिसके अन्वर्तन बैंगलोर ट्रूक रोड, पुन्नामली डाकघर मद्रास-56, स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019 (259)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2169.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S. Dhanasekaran and Company, 4, Ellis Road, Mount Road, Madras-2 including its Factory at Bangalore Trunk Road, Poonamallee Post Office, Madras-56, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1977.

[No. S-35019(259)/79-PF. II]

का० आ० 2170.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शान्ति इंडियनिम्स, 2/169, माउंट रोड, मद्रास-2, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019(273)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2170.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shanti Electronics, 2/169, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S-35019(273)/79-PF. II]

का० आ० 2171.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी मूल्डर्स, 11/12 तोपे बैंकटाचल मुडली स्ट्रीट, लिलिकेन, मद्रास-5, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जून, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (262)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2171.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lakshmi Moulders, 11/12, Thope Venkatachala Mudali Street, Triplicane, Madras-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1977.

[No. S-35019(262)/79-PF. II]

का०आ० 2172.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डायमंड शिपिं एजेन्सी, 60, दक्षिणी राज स्ट्रीट, तूटीकोरिन-1, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (307)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2172.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Diamond Shipping Agencies, 60, South Raj Street, Tuticorin-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1977.

[No. S-35019(307)/79 -PF.II]

का०आ० 2173.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शंजीनियरिंग कम्पनी, 28, टाउन सेंड रोड, कलकत्ता-15, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017 (92) /79 पी० एफ० II]

S.O. 2173.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in

relation to the establishment known as Messrs Data Engineering Company, 28, Town Send Road, Calcutta-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35017(92)/79-PF. II]

का० आ० 2174.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अपर्णी डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 10/D/1, हैरिंगटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16, नाम स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंघ्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017 (60)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2174.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Apara Distributors (Private) Limited, 10/D/1, Harrington Street, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1978.

[No. S. 35017(60)/79-PF. II]

का० आ० 2175.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० ३ श्री ल्यू, सैथ्टल स्टोर्स, 31, रोबर्ट्स स्ट्रीट, कलकत्ता-12, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंघ्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(59)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2175.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P3 Show Room Central Stores, 31, Roberts Street, Calcutta-12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35017(59)/79-PF. II]

का० आ० 2176.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिव शक्ति कोल्ड स्टोरेज, (प्राइवेट) लिमिटेड, 55, भूपेन बोस एंड बैन्क बालकन्ता-4, जिसके प्रत्यार्थी टी० रोड, (हाटपुकुर) डाकघर मेमारी, फिल्म बर्दवान, स्थित उमकी शाखा भी है, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंघ्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35017 (90)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2176.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shiva Shakti Cold Storage (Private) Limited, 55, Bhupen Bose Avenue, Caicutta-4 including its branch at G.T. Road, (Hatpukur) Post Office Memari, District Burdwan, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1979.

[No. S. 35017(90)/79-PF. II]

का० आ० 2177.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शॉर्टी कार्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 15, शेक्सपियर सारणी, कलकत्ता-71, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंघ्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35017 (74)/79-पी० एफ०-II]

S.O. 2177.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Q'marrl Cars (Private) Limited, 15, Shakespeare Sarani, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35017(74)/79-PF. II]

का० आ० 2178.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कंसल्टेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 11, कैम्पक स्ट्रीट, कलकत्ता-17, जिसके प्रत्यार्थी (1) 5वां फ्लौर, पूर्न चैम्बर्स शिलागढ़ इस्टेट, डा० एसी बैंसट

रोड, वर्ली मुम्बई-18 और नरमिंगा राजा रोड, वंगलौर-3, प्रियत उसकी शाखाएँ हैं, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017 (81)/79 पृ० एफ० II]

S.O. 2178.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sigma Consultants (Private) Limited, 11-Cmac, Street, Calcutta-17 including its branches at (1) 5th Floor Poonam Chambers, Shivsagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay 18 and (2) Narasimha Raja Road, Bangalore-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35017(81)/79-PF. II]

का०आ० 2179-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स हैरन्ड्राई श्रीराम, 74, जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, कलकत्ता-7, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017 (84)/79 पृ० एफ० II]

S.O. 2179.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Harchandrai Scrcram, 74, Jamunalal Bajaj Street, Calcutta-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35017(84)/79-PF. II]

का०आ० 2180-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स मुन्दर हॉमियो सदन, 113, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1, नियोजक शक्तियों वांडिंड लेकरेटरी, जेस्पोर रोड, उदयगढ़पुर, 24-परामा (पश्चिमी बंगाल) स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 21 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017 (70)/79-पृ० एफ० II]

S.O. 2180.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sundar Homco Sadan, 113, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, including its branch at Bonded Laboratory, Jessor Road, Udaipur, 24-Parganas (West Bengal), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-first day of July, 1978.

[No. S. 35017(70)/79-PF. II]

का०आ० 2181-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स शाहु टॉकिया, शशी रोड, कोलहापुर, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018 (140)/79-पृ० एफ० II]

S.O. 2181.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shahu Talkies, Laxmi Road, Kolhapur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S. 35018(140)/79-PF. II]

का०आ० 2182-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स इण्डस्ट्रीज, 11, सिध्धपुरा, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, गोरेगाव (पश्चिम), मुम्बई-62, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018 (101)/79-पृ० एफ० II]

S.O. 2182.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pyroflex Industries, 11, Sidhpura Industrial Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35018(101)/79-PF. II]

कांगडा० 2183.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स धादर ब्रॉक लिपो, श्री बिलिंग, राणाडे रोड, दादर, मुम्बई-28, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंस्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018 (50)/79-पी० एफ०-2]

S.O. 2183.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dadar Book Depot, Shri Building, Ranade Road, Dadar, Bombay-28, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35018(50)/79-PF. II]

कांगडा० 2184.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री गणेश केमिकल प्रोडक्ट्स, 13-A, शालीमार, इण्डस्ट्रियल हस्टेट, टाटा पावर हाउस के निकट, मुम्बई-39, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंस्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 18) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018 (155)/79 पी० एफ० II]

S.O. 2184.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Ganesh Chemical Products, 13-A, Shalimar Industrial Estate, Near Tata Power House, Matunga, Bombay-19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eight day of February, 1979.

[No. S. 35018(155)/79-PF. II]

कांगडा० 2185.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कॉवेंट्री स्प्रिंग एंड इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, शी-2, एस० आई० डी० सी० इण्डस्ट्रियल प्रिंसिपल, नागपुर-16 नामक स्थापन से मध्यद नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंस्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018 (115)/79-पी०-एफ०-II]

S.O. 2185.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Coventry Spring and Engineering Company (Private) Limited, D-2, M. I. D. C Industrial Area, Nagpur-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35018(115)/79-PF. II]

कांगडा० 2186.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओमरेस्स-मेडिको, 1, प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुम्बई-60 नामक स्थापन से मध्यद नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंस्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018 (100)/79-पी०-एफ० II]

S.O. 2186.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Omress-Medico, 1, Prabhat Nagar, Jogeshwari (West), Bombay-60, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35018(100)/79-PF. II]

का० आ० 2187—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अब्दुल राजाक इब्राहिम एण्ड कम्पनी, शिवाजी महाराज मार्केट, पाल्टन रोड पट्टा पांजी, कमरा सं० 18, मुम्बई-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों का बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 9) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपाधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35018(130)/79-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 2187.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Abdul Razak Ebrahim and Company, Shivaji Maharaj Market, Ploton Road, 1st Floor, Room No. 18, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth of November, 1978.

[No. S. 35018(130)/79-PF. II(i)]

का० आ० 2188.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्युक्त अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आदायक जाप करने के पश्चात् 30 नवम्बर, 78 से मैसर्स अब्दुल राजाक इब्राहिम एण्ड कम्पनी, शिवाजी महाराज मार्केट, पाल्टन रोड, पट्टा पांजी, कमरा सं० 18, मुम्बई-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[का० सं० एम०-35018/130/79-पी०एफ०-2 (ii)]

S.O. 2188.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of November, 1978 the establishment known as Messrs. Abdul Razak Ebrahim and Company, Shivaji Maharaj Market, Palton Road, 1st Floor, Room No. 18, Bombay-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/130/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2189.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हस्तिसन एण्ड रिचर्ड्स (सर्वेयर्स) (प्राइवेट) लिमिटेड, 32, आर० कामनी मार्ग, मुम्बई-38, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्युक्त अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपाधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(125)/79-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 2189.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ericson and Richards (Surveyors) (Private) Limited, 33, R. Kamani Marg, Mombay-38 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S. 35018(125)/79-PF. II(i)]

का० आ० 2190.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्युक्त अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आदायक जाप करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1978 से मैसर्स इरिकसन एण्ड रिचर्ड्स (सर्वेयर्स) (प्राइवेट) लिमिटेड, 32, आर०, कामनी मार्ग, मुम्बई-38 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[का० सं० एम०-35018(125)/79-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 2190.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1978 the establishment known as Messrs Ericson and Richards (Surveyors) (Private) Limited, 32, R. Kamani Marg, Bombay-38, for the purposes of he said proviso.

[No. S. 35018(125)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2191.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फैमली टी कम्पनी लिमिटेड, 5, पन्नालाल बनर्जी लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्युक्त अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपाधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017(65)/79-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 2191.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamala Tea Company Limited, 5, Pannalal Banerjee Lane, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1978.

[No. S. 35017(65)/79-PF. II(i)]

का० आ० 2192.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 30 मित्तवर 78 से मैमसं कमाल दी कम्पनी लिमिटेड, 5, पन्नालाल बनर्जी लेन, कलकत्ता-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[फा० सं० एम०-35017/65/79-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 2192.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1978 the establishment known as Messrs. Kamala Tea Company Limited, 5, Pannalal Banerjee Lane, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/65/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2193.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसं कॉप प्रोटेक्टेट्स (इण्डिया) (प्राइवेट) लिमिटेड, 18, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017(73)/79-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2193.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Crop Protectants (India) (Private) Limited, 18, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35017(73)/79-PF. II(i)]

का० आ० 2194.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1979 से मैमसं कॉप प्रोटेक्टेट्स (इण्डिया) (प्राइवेट) लिमिटेड, 18, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[फा० सं० एम०-35017/73/79-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 2194.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1979 the establishment known as Messrs. Crop Protectants (India) (Private) Limited, 18, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/73/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2195.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसं नर पीरजीराव नेताजी गुरु उपादाक सामाजिक नियमित, मुर्गुद नामक, कागल, जिला कोल्हापुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(128)/79 पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2195.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sir, Pitajirao Sahakari Gul Utpadak Society Limited, Murgud Taluka, Kagal, District Kolhapur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1979.

[No. S. 35018(128)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2196.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 31 मार्च, 1979 से मैमसं नर पीरजीराव सामाजिक संस्कारी गुरु उपादाक सोमाजी लिमिटेड, मुर्गुद तालुका, कागल, जिला कोल्हापुर, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[फा० सं० एम० 35018(128)/79-पी० एफ० (I) (ii)]

S.O. 2196.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1979 the establishment known as Messrs. Sir Pirajirao Sahakari Gul Utpadak Society Limited, Murgud Taluka, Kagal, District Kolhapur, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(128)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2197.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसं नानकिंग रेस्टरें, 22 ब्लॉकबर्न लेन, कलकत्ता-12, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 प्रगत, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 3501757/79 पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2197.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nanking Restaurant, 22, Blackburn Lane, Calcutta-12, have agreed that the

provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1977.

[No. S. 35017(57)/79-PF. II(i)]

का० आ० 2198.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 31 अगस्त, 1977 से मैसर्स नानिंग रेस्टरंट, 22, ब्लैकबर्न लेन, कलकत्ता-12, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35017(57)/79-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 2198.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of August, 1977 the establishment known as Messrs. Nanking Restaurant, 22, Blackburn Lane, Calcutta-12 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(57)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2199.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एल्युमिनेक्स (इण्डिया) (प्राइवेट) लिमिटेड, 6वा०, फ्लॉर, रेमन हाउस, 169 बैंकबे, रिक्लेमेशन, मुम्बई-20, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंश्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अब, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(135)/79-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 2199.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aluminex (India) (Private) Limited, 6th Floor, Ramon House, 169, Backbay, Reclamation, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35018(135)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2200.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रि अर्गेंट सिगरेट्स लिमिटेड, नेक्सो एम्पायर, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को अहुसंश्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना उम मास के प्रार्थित दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी जिस मास में अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित की जाती है।

[सं० एस०-35019(234)/79-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 2200.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Arvind Ceramics Limited, Nechmo Premises, Gomtipur Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the last day of the month in which the notification is published in the Official Gazette.

[No. S. 35019(234)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2201.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भाद्रादा केमिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड सी-1-बी-159, फेज-2, जी० आई० डी० सी० बाटवा, अहमदाबाद-382445 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंश्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रवृत्त होगी।

[सं० एस०-35019(248)/79-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 2201.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhadrada Chemicals (Private) Limited C-1-B-159, Phase-2, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad-382445, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the date of its publication in the official gazette.

[No. S. 35019(248)/79-PF. II(i)]

का० आ० 2202.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आर० एव० सर्विसेज, हनुमतला बिल्डिंग्स, चिकादुआ रोड, घटनगरे-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंश्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(278)/79-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 2202.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs R. H. Services, Hanumanthappa Building, Chitradurga Road, Devangere-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July 1979.

[No. S. 35019(278)/79-PF. (III(i))]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1980

S.O. 2203.—केन्द्रीय सरकार, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961 (1961 का 53) की धारा 14 द्वारा प्रवत्तन अधिकारों का प्रयोग करते हुए, नीचे लारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की सूत्स्थानी प्रविधिगिट्टों में विनियिष्ट क्षेत्रों में किनी ऐसे स्थापन की बाबत जिसमें घृणसारी, कलावाजी और अन्य कार्यों का प्रदर्शन करने के लिए व्यक्ति नियुक्त किए जाते हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।—

सारणी

क्रम सं०	अधिकारी	सीमां
(1)	(2)	(3)
1.	मध्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
2.	संयुक्त मध्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
3.	उप-मध्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
4.	प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	सम्पूर्ण भारत
5.	मुख्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), कालाहाकार, नई दिल्ली।	
6.	महायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
7.	श्रम प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
8.	प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), मुम्बई।	
9.	मुम्बई क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)।	महाराष्ट्र राज्य और गोआ दमन श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)।
10.	मुम्बई क्षेत्र के सभी श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	मुम्बई क्षेत्र के सभी श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।
11.	प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), कलकत्ता।	पश्चिमी बंगाल (बाँडान, बीर-भूम, बाँकुरा और पुलिया के सिविल जिलों को छोड़कर) असम, मेघालय, नागालैण्ड मणिपुर और लिपुरा राज्य तथा ग्रन्दमान और निकोबार द्वीप समूह और मिजोराम, मण्डालाल प्रवेश संघ राज्य क्षेत्र।
12.	कलकत्ता क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)।	
13.	कलकत्ता क्षेत्र के सभी श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
14.	प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), मद्रास।	तमिलनाडु और केरल राज्य तथा पाइक्केरी और लक्ष्मीप संघ राज्य क्षेत्र तथा कनाटक राज्य में बंगलौर/कोलार/मैसूर, माईडा टूकर/कुर्नी/दक्षिण कलारा/हसन चिकमगलूर, यामोगा, आंकड़ुर्ग और आंध्र प्रदेश में किल्लूर के सिविल जिले।
15.	मद्रास क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)।	
16.	मद्रास क्षेत्र के सभी श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	

- | | |
|---|--|
| 17. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), जबलपुर। | |
| 18. जबलपुर क्षेत्र में सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | |
| 19. जबलपुर क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-निरीक्षक (केन्द्रीय)। | मध्य प्रदेश राज्य |
| 20. जबलपुर क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-निरीक्षक (केन्द्रीय)। | |
| 21. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), काशीपुर। | |
| 22. काशीपुर क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्य तथा विल्लै और चण्डीगढ़ राज्य क्षेत्र। |
| 23. कानपुर क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)। | |
| 24. कानपुर क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-निरीक्षक (केन्द्रीय)। | |
| 25. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), धनबाद। | |
| 26. धनबाद क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | |
| 27. धनबाद क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)। | |
| 28. धनबाद क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-निरीक्षक (केन्द्रीय)। | |
| 29. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय) हैदराबाद। | कनाटक राज्य (बंगलौर/कोलार मैसूर/माईडा/टूकर/कुर्नी दक्षिण कलारा/हसन/चिकमगलूर शिमोगा/चिकडुर्ग के सिविल जिलों को छोड़कर) और आंध्र प्रदेश (चित्तूर के सिविल जिले को छोड़कर)। |
| 30. हैदराबाद क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | |
| 31. हैदराबाद क्षेत्र के सभी श्रम प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)। | |
| 32. हैदराबाद क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-निरीक्षक। | |
| 33. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), भजपेश। | |
| 34. भजपेश क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | राजस्थान और गुजरात राज्य। |
| 35. भजपेश क्षेत्र के सभी श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)। | |
| 36. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), आसनसोल। | |
| 37. आसनसोल क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | पश्चिम बंगाल राज्य में बर्दिकान बीरभूम, बाँकुरा और पुरुलिया जिले। |
| 38. आसनसोल क्षेत्र के सभी श्रम-प्रबर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)। | |
| 39. आसनसोल क्षेत्र के सभी कलिण्ठ श्रम-निरीक्षक (केन्द्रीय)। | |
| 40. प्रादेशिक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय), भजनेश्वर। | |
| 41. भजनेश्वर क्षेत्र के सभी सहायक श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)। | उडीसा राज्य |

[संख्या एस-36013/1/79-एस-आई०]

हस राज छावडा, उप सचिव

New Delhi, the 30th July, 1980

S.O. 2203.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Maternity Benefit Act, 1961 (53 of 1961), the Central Government hereby appoints the officers, mentioned in column (2) of the Table below to be inspectors for the purpose of the said

Act, in relation to any establishment wherein persons are employed for the exhibition of equestrian, acrobatic and other performance in respect of the areas specified in the corresponding entries in column 3 of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Officers No.	Limits (3)	(1)	(2)	(3)
1.	Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.		21.	Regional Labour Commissioner (Central), Kanpur.	
2.	Joint Chief Labour Commissioner, (Central), New Delhi.		22.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Kanpur Region.	The States of Uttar Pradesh, Punjab Haryana, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir and the Union territories of Delhi and Chandigarh.
3.	Deputy Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.		23.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Kanpur Region.	
4.	Regional Labour Commissioners (Central), New Delhi.	Whole of India.	24.	All Junior Labour Inspectors, (Central) in the Kanpur Region.	
5.	Welfare Adviser to the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.		25.	Regional Labour Commissioner (Central), Dhanbad.	
6.	Assistant Labour Commissioners (Central), New Delhi.		26.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Dhanbad Region.	
7.	Labour Enforcement Officers, New Delhi.		27.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Dhanbad Region.	The State of Bihar.
8.	The Regional Labour Commissioner (Central), Bombay.		28.	All Junior Labour Inspectors (Central) in the Dhanbad Region.	
9.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Bombay Region.	The State of Maharashtra and the Union Territories of Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli.	29.	Regional Labour Commissioner (Central), Hyderabad.	The States of Karnataka (excluding Civil Districts of Bangalore/Kolar/Mysore/Mandy/Tumkur/Coorg/South Kanara/Hassan/Chickmagalur/Shimoga/Chitradurg) and Andhra Pradesh (excluding the Civil District of Choittoor).
10.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Bombay Region.		30.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Hyderabad Region.	
11.	Regional Labour Commissioner (Central) Calcutta.	The States of West Bengal (Excluding the Civil Districts of Burdwanj Birbhum, Bankur and Purulia) Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Tripura and the Union Territories of Andaman and Nicobar Islands, Mizoram and Arunachal Pradesh.	31.	All Labour Enforcement officers (central) in the Hyderabad Region.	
12.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Calcutta Region.		32.	All Junior Labour Inspectors (central) in the Hyderabad Region.	
13.	All Labour Enforcement Officers (Central) in Calcutta Region.		33.	Regional Labour Commissioner (Central) Ajmer.	
14.	Regional Labour Commissioner (Central) Madras.		34.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Ajmer Region.	The States of Rajasthan and Gujarat.
15.	All Assistant Labour Commissioner (Central) in the Madras Region.		35.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Ajmer Region.	
16.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Madras Region.		36.	Regional Labour Commissioner (Central), Asansol.	
17.	Regional Labour Commissioner (Central), Jabalpur.		37.	All Assistant labour Commissioners (Central), in the Asansol Region.	The Districts of Burdwan, Birbhum, Bankura and Purulia in the State of West Bengal.
18.	All Assistant Labour Commissioner (Central)in the Jabalpur Region.		38.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Asansol Region.	
19.	All Labour Enforcement Officers (Central) in the Jabalpur Region.		39.	All Junior Labour Inspectors (Central) in the Asansol Region.	
20.	All Junior Labour Inspectors (Central) in the Jabalpur Region.	The State of Madhya Pradesh	40.	Regional Labour Commissioner (Central) Bhubaneswar.	
			41.	All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Bhubaneswar Region.	The State of Orissa.

प्रावेश

मई किलोमीटर, 25 जुलाई, 1980

का० आ० 2204.—केन्द्रीय सरकार की याचत है कि इससे उपाधिकरण अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल के प्रबन्धतात्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाढ़नीय समझती है :

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

“क्या मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतात्र द्वारा सर्वश्री महाकौर टाटी और मोहन टाटी और चंकर्स को रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?”

[मंज्ञा एल०-26011/2/80-डी० 3 (बी०)]

ORDERS

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2204.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. S. Lal & Company Limited, Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether denial of employment to S/Shri Bhupan Nalk, Kishan Munda and Bhudev Bapati, Drillers by the management of Jilling Longlota Iron Mines of M/s. S. Lal & Company Limited, Barbil is justified ? If not, to what relief they are entitled.”

[No. L. 26011/2/80-D III(B)]

का० आ० 2205.—केन्द्रीय सरकार की याचत है कि इससे उपाधिकरण अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतात्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाढ़नीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

“क्या मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतात्र द्वारा सर्वश्री महाकौर टाटी और मोहन टाटी और चंकर्स को रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?”

[स० एल०-26011/4/80-डी० 3 (बी०)]

S.O. 2205.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jilling Longlota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd. Barbil and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether denial of employment to S/Shri Mohabir Tanty and Mohan Tanty, Ore Checkers by the management of Jilling Longlota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd. Barbil is justified ? If not, to what relief they are entitled ?”

[No. L-26011/4/80-D. III(8)]

का० आ० 2206.—केन्द्रीय सरकार की याचत है कि इससे उपाधिकरण अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतात्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाढ़नीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

“क्या मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतात्र द्वारा श्री प्रयाम सुन्दर बारिक, चपरामी को रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?”

[स० एल०-26011/5/80-डी० III (बी०)]

S.O. 2206.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to management of Jilling Longlota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co., Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether denial of employment to Shri Shyam Sunder Barik, Peon by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co., Barbil is justified? If not, to what relief he is entitled?".

[No. L-26011/5/80-D.III(B)]

का० आ० 2207.—केन्द्रीय सरकार की गय है कि इसमें उपबालु प्रत्यक्षी में विनियोगित विषय के बारे में मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्ध से सम्बद्ध एक श्रौतोंगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, श्रौतोंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बांध (ष) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक श्रौतोंगिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीड़ितार्थी श्री एस० वी० गंगाराज् छोंगे, जिनका मूल्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रौतोंगिक अधिकारण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्री गोपाल चत्तर पाल और श्री भूतु घला लोंगलोटा सहायक और लाइनेम से 10-9-79 से रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो किस अनुसूची के बाबत है?"

[सं० एल-26011/7/80-टी० III (बी)]

S.O. 2207.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether denial of employment to Shri Gopal Chandra Patra and Shri Bhulu Ghana, Blasting helper and Lineman respectively by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil from 10-9-79 is justified? If not, to what relief they are entitled?".

[No. L-26011/7/80-D.III(B)]

का० आ० 2208.—केन्द्रीय सरकार की गय है कि इसमें उपबालु प्रत्यक्षी में विनियोगित विषय के बारे में मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्ध से सम्बद्ध एक श्रौतोंगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, श्रौतोंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 4) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बांध (ष)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक श्रौतोंगिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीड़ितार्थी श्री एस० वी० गंगाराज् होंगे, जिनका मूल्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रौतोंगिक अधिकारण का न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिलिंग लोंगलोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्रीमती माली देहि, जलदातक (वाटर कैरियर) की 12-10-79 से रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो किस अनुसूची की दृष्टिकोण से है?"

[सं० एल-26011/8/80-टी० III (बी)]

ए० क० राय, अवर सचिव

S.O. 2208.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether denial of employment to Smt. Mali Dei Water Carrier by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil from 12-10-79 is justified? If not, to what relief she is entitled?"

[No. L-26011/8/80-D.III(B)]

A. K. ROY, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1980

का० आ० 2209.—केन्द्रीय सरकार की गय है कि इसमें उपबालु अनुसूची में विनियोगित विषय के बारे में एस०सी० कम्पनी लिमिटेड, येलान्ड जिला अम्मान (प्रांत प्रवेश) के प्रबन्धतंत्र में सम्बद्ध एक श्रौतोंगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है।

श्रीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, श्रौतोंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बांध (ष) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक श्रौतोंगिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीड़ितार्थी श्री जी० सदाशिव रेही होंगे, जिनका मूल्यालय ऐवरायाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रौतोंगिक अधिकारण का न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स शिगरेसी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के प्रबन्धतंत्र की उनकी येलान्ड बर्क्साप में ट्यू मरम्मत करने वाले बनाने वाले मैक्यानों के ट्यू मरम्मत करने वाले/बनाने वाले मजदूरों फौ बांध-II में रखने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार विवर अनुसूची के सफारा हैं?"

[सं० एल-21011(18)/79-टी० 4(बी)]

एस० एस० मेहता, अंतर्र अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 27th July, 1980

S.O. 2209.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of S. C. Co. Ltd. Yellandu Khammam District (A.P.) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. Sadashiva Reddy shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited in placing in Category II tub repairing/Making mazdoors in Tub Repairing/Making Sections at their Yellandu Workshop is justified. If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

[No. L. 21011(18)/79-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

नई विस्ती, 26 जुलाई, 1980

का० आ० 2210—यान अधिनियम 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा श्री लक्ष्मणसूर्य आड्डा, उप महानिदेशक, खान मुख्या (मध्य क्षेत्र), धनबाद, जो श्री लक्ष्मणसूर्य पर दिवेश जा रहे हैं के स्थान पर, ऐसे मध्य क्षेत्रों के लिए जिस पर उक्त अधिनियम का विस्तार है, 28 जुलाई, 1980 से श्री भट्ट के कार्यभार ग्रहण करते तक मध्य खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[मं० ए०-11019/1/79-एम-1]

ज० के० जैन, अधर सचिव

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2210.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri H. S. Ahuja, Deputy Director General of Mines Safety (Central Zone) Dhanbad, to be the Chief Inspector of Mines for all the territories to which the said Act extends, on and from the 28th July, 1980 vice Shri B. M. Bhat, who is proceeding on deputation abroad until Shri Bhat resumes duty.

[No. A-11019/1/79-MI]

J. K. JAIN, Under Secy.

नई विस्ती, 26 जुलाई, 1980

का० आ० 2211—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विकास अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के प्रत्युत्तर में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 206 तारीख, 15 जनवरी, 1980 द्वारा पाइथाइट्स खनन उद्योग जो उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जनवरी, 1980 से छ. मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छ. मास की ओर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अब, औद्योगिक विकास अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखण्ड (6) के प्रत्युत्तर द्वारा प्रवत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उचाव की उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जुलाई, 1980 से छ. मास की ओर कालावधि के लिए लाल उपयोगी सेवा घोषित करता है।

[संख्या एम० 11017/1/80-ई-1(ए)]

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2211.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 206 dated the 15th January, 1980, the pyrites mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 27th January, 1980 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th July, 1980.

[F. S. 11017/1/80-D.I.(A)]

का० आ० 2212—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विकास अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के प्रत्युत्तर में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 207 तारीख 15 जनवरी, 1980 द्वारा फाइबरग्राइट खनन उद्योग जो उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जनवरी, 1980 से छ. मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छ. मास की ओर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अब, औद्योगिक अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखण्ड (6) के प्रत्युत्तर द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को 27 जुलाई, 1980 से छ. मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[मं० एम० 11017/2/80-ई 1(ए)]

एम० के० नारायणन, अधर सचिव

S.O. 2212.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 207 dated the 15th January, 1980, the phospherite mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 27th January, 1980 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th July, 1980.

[F. S. 11017/2/80-D.I.(A)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

प्रावेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

का० नं० 2213.—केंद्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावधि प्रभन्नसूची में विनिरिप्ट विवादों के बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धनतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व आनंद इंडिया स्टेट बैंक आफ इंडिया फैडरेशन मन्दास करती है, विद्यमान है;

और उक्त विवाद को औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की परिभाषा के अन्दर औद्योगिक विवाद समझा जाता है और उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध बोनस संबाध प्रधिनियम, 1965 (1965 का 21) की धारा 22 के अनुसार उक्त विवाद के संबंध में लागू होते हैं;

और उक्त विवाद का स्वरूप ऐसा है कि उसमें एक से अधिक राज्य में स्थित भारतीय स्टेट बैंक के औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ऐसे विवाद से हितवद्ध या प्रभावित होने की संभावना है;

और केंद्रीय सरकार की राय है कि उक्त विवाद में राष्ट्रीय औद्योगिक प्रधिकरण द्वारा न्यायनिर्णय किया जाना चाहिए।

अतः, यदि केंद्रीय सरकार—

- (1) औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-ए द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए एक राष्ट्रीय औद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसका मुख्यालय बन्दर्ह में होगा और न्यायमूर्ति श्री चित्तामन तुकाराम शीघ्रे को इसका पीठासीन प्रधिकारी नियुक्त करती है; और
- (2) औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त औद्योगिक विवाद को उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक प्रधिकरण को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धनतंत्र की 31 दिसम्बर, 1976 और 31 दिसम्बर, 1977 को समाप्त हुए लेखा वर्षों के लिए हकदार कर्मचारियों को देय बोनस की राशि का निर्धारण करने के लिए बोनस संबाध प्रधिनियम की धारा 4 के अधीन अपेक्षित सकल लाभ की संरणना के प्रयोजनार्थी वर्ष 1976 और 1977 के दौरान प्राकस्मिकता निधि से प्रारक्षित निधि में प्रत्यक्षित रूपमा 25 करोड़ रुपये और 10 करोड़ रुपये की राशि को आमिल न करने की कार्रवाही न्यायनिर्णय है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मचार किस प्रान्तु लोग के हकदार हैं?”

[संख्या एल-12011/2/80-डी० 2 (ग)]

एस० के० विश्वास, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2213.—Whereas the Central Government is of opinion that a dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India and their employees represented by All India State Bank of India Officers' Federation, Madras in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the said dispute is deemed to be an industrial dispute within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and the provisions of that Act apply in relation to the said dispute as per Section 22 of the Payment of Bonus Act, 1965 (21 of 1965);

And whereas the said dispute is of such a nature that industrial establishments of the State Bank of India situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such dispute;

And whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Industrial Tribunal.

Now, therefore, the Central Government—

- (i) In exercise of the powers conferred by section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947)

hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints Justice Shri Chintaman Tukaram Dighe as its Presiding Officer; and

- (ii) In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of State Bank of India in not taking into account Rs. 25 crores and Rs. 10 crores transferred from contingency to reserve fund during the years 1976 and 1977, for the purposes of computation of gross profits, as required under Section 4 of the Payment of Bonus Act, for determining the quantum of bonus payable to the entitled employees for the accounting years ended on the 31st December, 1976 and 31st December, 1977, respectively is justified? If not, to what relief are the employees concerned entitled?”

[No. L-12011/2/80-D.II(A)]

New Delhi, the 30th July, 1980

S.O. 2214.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 81 of 1977

In re :

The General Secretary,
State Bank of Patiala Employees Union,
C/o State Bank of Patiala, Sector 22,
Chandigarh.

Petitioner

Versus

The General Manager,
State Bank of Patiala, H.O. Mall,
Patiala.

Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Govt. referred an Industrial Dispute vide its order No. L. 12012/28/75-DII/A dated the 17th May, 1975 under Section 10 of the I.D. Act to Industrial Tribunal, Chandigarh in the following terms:

1. Is the management of the State Bank of Patiala, Head Office The Mall, Patiala justified in terminating the services of Shri Gurmeet Singh, Peon, Satnali Branch, with effect on the 28th November, 1974? If not to what relief is the said workman entitled?
2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties, in pursuance whereof statement of claim was filed and then a written statement was filed and finally a replication was filed. Upon the pleadings of the parties following issues were framed by the Industrial Tribunal, Chandigarh vide his order dated the 23rd August, 1975:
 1. Whether the action of the management of the State Bank of Patiala was justified in terminating the services of Gurmeet Singh, Peon, Satnali Branch, with effect from 28th November, 1974?
 2. Is the workman estopped from raising the dispute because of his alleged conduct in accepting the conditions of service as alleged by the management?
 3. If issue No. 1 is decided against the management and issue No. 2 for the workman to what relief, if any, is the workman entitled?
 3. Thereafter the case was ordered to be fixed for evidence and documents of the parties. Before evidence could be recorded the term of Presiding Officer, Industrial Tribunal, Chandigarh came to an end and in consequence this reference was transferred to Industrial Tribunal, Delhi who registered it vide his order dated the 31st November, 1976. No progress could be made before the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Delhi and finally this case was transferred to this Tribunal

vide order dated the 13th May, 1977 by the appropriate Govt. On receipt of this reference by transfer it was ordered to be registered. An application was filed for amendment of statement of claim which was allowed and in consequence amended statement of claim was filed to which the written statement and replication were filed and the case was adjourned for evidence of the parties. The evidence of the parties consists of statement of the workman as W.W. 1 and his statement is one line statement which reads that 'I joined on 20th September, 1973 as peon. I do not know why my services were terminated'. He was not cross examined at all inspite of the opportunity afforded to the Bank. Thereafter the case was adjourned for evidence of the management. The evidence of the Management consists of statement of two witnesses M.W. 1 Shri Lashkari Mal and M.W. 2 Shri Devki Nandan and they have been cross examined as well. I have gone through the evidence produced by the parties and have given my considered thought to the matter before me and I have come to the following findings upon issues above.

4. According to the statement of claim filed by the workman this workman has alleged to have joined service of the Bank on the 5th September, 1973 and he continued as such till 23rd May, 1974. Later on he was appointed on probation on 29th May, 1974 but his services were terminated before completion of the said probation period of six months on 28th November, 1974. The workman has contended that this was termination and removal from the services and was in violation of awards, Bipartite Settlements and the law and as such he was entitled to be reinstated.

3. It is not denied by the Management that the workman was initially employed as a peon as told by the workman. It is also not denied that he was later taken on probation for the period of six months. Similarly it was not denied that his services were terminated as alleged by the workman. What is contended by the Bank is that the work put in by the workman during the period of probation was not satisfactory and his services were terminated. Finally it is contended that the workman was not entitled to any relief whatsoever.

6. Issue No. 1 :

It is not denied by the Bank that the workman was initially appointed on the 5th of September, 1973 in a temporary capacity and he continued to serve the Bank till 23rd May, 1974. It is also not denied by the Bank that the workman was appointed w.e.f. 27th May, 1974 for a period of six months on probation. Likewise it is admitted by the Bank that his services were terminated before expiry of six months referred to in the appointment letter. The workman has produced the relevant documents on record. The appointment letter of probation is Ex. M.W.2/1 and is dated 15th May, 1974. The termination letter is Ex. M.W. 1/4 and is dated 25th November, 1974. There is an office note placed on record and is dated 25th November, 1974 and is numbered as 2070 which shows that the services of this workman have been terminated. Ex. M.W.2/2, Ex. M.W.2/4 are the reports regarding misbehaviour of the workman during the period of probation. Ex. M.W.2/5 is his explanation in this behalf. Ex. M.W. 2/3 is another report regarding the misbehaviour of the workman and his reply is Ex. M.W.2/6. However for the purposes of disposal of this issue most important document is Ex. M.W.2/1, the appointment letter which goes to show that this workman was appointed on probation for a period of six months. This document when read in the context of yet another document Ex. M.W. 1/1, goes to show that the workman had been appointed on probation in so far as he had been serving in a temporary capacity for a considerable period very satisfactorily. It would be appropriate here to re-produce the content of Ex. M.W.1/1. From the perusal of Ex. M.W. 1/1 it is established that the temporary service of this workman matured into his regular appointment in course of time. That being the position the period of six months of probation referred to in the letter of appointment Ex. M.W.2/1, would have to be worked out of the period served by this workman in his temporary capacity. This position is brought out by para 20.8 of the Bipartite Settlement dated the 19th October, 1966 which reads that 'a temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that such temporary appointment shall not exceed a period of three months during which the bank shall make arrangements for filling up the vacancy permanently. If such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy, the period of such temporary employment will be

taken into account as part of his probation period.' That being the position it was not within the competence of the Bank—Management to terminate the services of this workman without any show cause notice and enquiry for the alleged misconduct or misbehaviour. The appointment of this workman would be deemed to have matured into regular appointment on the completion of six months of probationary period. The said six months of probationary period in fact stood already completed when he was appointed on probation vide letter Ex. M.W.2/1. It cannot be said that letter Ex. M.W.2/1 is infructuous to the extent that it has prescribed a probationary period even though he had already put in more than six months as temporary workman. The situation is the result of the operation of para 20.8 of the Bipartite Settlement referred to above. It would come into operation only when ultimately the temporary employee is confirmed as a regular employee. It has been urged before me that the temporary appointment had already come to an end 4-5 days prior to the appointment of probation but this thing is belived by the contents of Ex. M.W.1/1 which clearly establishes beyond any doubt that it was the temporary appointment which had matured into a regular appointment in this case. Not only that, it further goes to show that it was in consideration of satisfactory service put in by this workman as a temporary workman that he was employed on permanent basis. In view of my discussions above, I held that the termination of services of this workman by the Bank is not justified and is not valid and accordingly this issue is decided in favour of the workman and against the Bank.

7. Issue No. 2 :

My attention has not been drawn to any provisions of law whereby it can be even remotely inferred that the workman is estopped from challenging the service conditions. In fact the stand taken up by the workman is the product of the terms para 20.8 of the Bipartite Settlement dated the 16th October, 1966. There is no question of any estoppel against such a settlement. Even otherwise in the matter of collective bargaining principle number of estoppel is never applicable in the strict sense it would have under normal civil law. Accordingly this issue is decided in favour of the workman.

8. Issue No. 3 :

In view of my discussions and findings above upto issued no. 1 and 2 I hold that the termination of services of the workman w.e.f. 28th November, 1974 is invalid and illegal and accordingly it is awarded that the workman would be deemed to have continued in services without any break during all this period. It has not been urged on behalf of the Management that the workman has been gainfully employed during this period and in view thereof it would follow that the workman would be entitled to his full wages for the period his services terminated and it is awarded accordingly. The workman would also be entitled to the costs of this litigation which are assessed at Rs. 500.

Dated : the 31st May, 1980.

Further warded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

Dated : the 31st May, 1980.

[No. L-12012/28/75-D.II.(A)]

S.O. 2215.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala, Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 207 of 1977

In re :

Shri Mukesh Pal Soni
G/o Mehta Jagdish Prasad Soni, Advocate,
Nalagarh, Distt. Solan (HP). . . . Petitioner

Versus

The General Manager,
State Bank of Patiala, The Mall,
Patiala.

. . . . Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/35/77-D.II.A dated the 8th December, 1977 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act 1947 to this Tribunal in the following terms :

'Whether the management of State Bank of Patiala, The Mall, Patiala is justified in terminating the services of the employees w.c.f. 16-4-75 without following the provisions of Section 25F of Industrial Disputes Act ? If not, to what relief is the workmen entitled ?'

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement was filed by the Management. Finally a replication also was filed. Upon the pleadings of the parties the following issues were framed :

1. Whether the workman is estopped from pressing this matter in view of the allegations in the written statement ?
2. As in order of reference ?
3. To what relief if any is the workman entitled in this reference ?

3. After the issues were framed the case was adjourned for evidence of the workman to 21-11-78 but the workman did not appear on that date and case was adjourned to 17-1-79 on which date the workman appeared and requested for adjournment and the case was again adjourned for evidence of the workman to 13-3-79. On 13-3-79 again his counsel was not present and adjournment was requested by the workman and the case was adjourned to 30-4-79. On that date again the counsel for the workman did not appear and adjournment was requested by the workman and as a concession one last opportunity was granted and the case was adjourned to 19th June, 1979 on which date none appeared for the Bank and ex-parte proceedings were ordered against the Bank but later on ex-parte proceedings against the Bank were set aside on payment of Rs. 30 as costs and case was again adjourned for the evidence of the Bank to 26-11-79 on which date it was reported that talks for compromise have started between the parties but no compromise was effected and as such the case was adjourned to 16th April, 1980 for evidence of the workman. On 16th April, 1980 none appeared for the workman and since then none has appeared for the workman side even though four adjournments have been given. In consequence ex-parte evidence of the Management has recorded which consists of the statement of Shri Rakesh Modi, M.W.1, Shri Tirath Singh, M.W. 2 and Shri K. K. Mehta, M.W. 3. After ex-parte evidence of the Management was recorded the representative of the Bank came forward with the following statement :

'Statement of Shri N. K. Kaushal, on S.A.'

'I have led my evidence which shows that workman has been gainfully engaged during the period his services remained terminated by bank and that he did not avail fresh opportunity to take the test. In view thereof I have no objection if he is ordered to be reinstated in earlier capacity without back wages and without continuity.'

4. From the perusal of the statement of Shri Kaushal it is evident that he has no objection if the workman is ordered to be reinstated in earlier capacity. What he seeks is that the

workman should not be paid back wages and in continuity. I have perused the ex-parte evidence of the Management. From the perusal of his statement of claim it is established that he was initially employed with the Bank w.e.f. 10-8-73 and he continued to be so employed with some breaks until 16-4-75 when his services were terminated. He has challenged the termination in view of the provisions of Section 25-F in as much as he has put in more than 240 days of service in a year. The fact that he had no continued in service and put is more than 240 days is not denied by the Management. It is also not denied that his services came to an end as alleged by the workman. It is also not alleged that any retrenchment compensation to which he was entitled u/s 25-F was ever paid him and in the absence of payment of said compensation it would follow that termination of his services cannot be held to be valid and he would be therefore deemed to be held in continuous service till date and his termination would be illegal. Accordingly in view of the principal of law laid down in Sunder Mani's case by the Hon'ble Supreme Court of India and later reiterated in Santosh Gupta's case by the said court I hold that the termination of his service was not justified and he would be deemed to have continued in the service of the Bank in the same capacity as he was working on 16-4-75 as a temporary employee of the Bank and it is accordingly awarded that the Management of State Bank of Patiala, The Mall, Patiala is not justified in terminating the services of its employee w.e.f. 16-4-75 without following the provisions of Section 25-F and he would be deemed to have continued in service as a temporary employee till date. Coming to the question as to whether he was entitled to any wages for period the Bank has led evidence in the form of affidavit the statement of M.W.1. Shri Rakesh Modi and M.W.2 Shri Tirath Singh that the workman was gainfully employed in Rambaxy Laboratories, Cannnaught Place, New Delhi at a salary of Rs. 450 per month plus Rs. 11 per day and thereafter he has been employed with M/s. R. S. Traders and Packers, Paschim Vihar, New Delhi at Rs. 700 per month till date. Statement of M.W. 2 shown that the workman had received a total sum of Rs. 25,762 after the date of his termination i.e. from 16-4-75 upto 31-12-79 and he was still gainfully employed. Keeping in view all these facts I do not think that the workman would be entitled to any wages for the period 16-4-75 onward till he rejoins duty. In so far as his ex-parte the workman would not be entitled to any costs in this matter.

Further Orders :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

Dated : the 26th June, 1980.

[No. L-12012/35/77-D.II.(A)]

S.O. 2216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 2 of 1978

In re :

The President, Delhi Circle State Bank Staff Association, Ranbir Hall, Civil Lines, Jullundur.

. . . Petitioner

Versus

The Regional Manager, Region VII, State Bank Staff Association, Ranbir Hall, Civil Lines, Jullundur.

. . . Respondent

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-12012/36/77-D. II. A dated the 28th December,

1977 referred an Industrial Disputes u/s. 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

- 'Whether denial of officiating chances to Shri Vijaya Singh by the management of State Bank of India from 27-7-75 onwards was fair and legal and if not to what relief the workman is entitled?'
 2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties whereupon a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement also was filed and finally a replication was filed and upon the pleadings of the parties following one issue was framed:

ISSUE :

'As in the order of reference'.

3. After the issue was framed the case was adjourned for the evidence of the workman to 11-4-80 and on 11-4-80 none had appeared for the workman and in view thereof the case was again adjourned to 7th of June, 1980 for evidence of the workman. On 7th June, 1980 Shri J. G. Verma, the representative of the workman withdrew from this case under his statement and as such there was none who had appeared for the workman on that date. The case was adjourned to 21st June, 1980 and a notice was issued to the workman for that date. But the workman did not appear inspite of notice on 21-6-1980 and as such ex parte proceedings were ordered against the workman and ex parte evidence was recorded on 23-6-80. I have gone through the pleadings of the parties and also the ex parte evidence of the Management and have given my considered thought to the matter before me and I have come to the conclusion that the workman is not entitled to any relief what-so-ever in this reference. The Ex parte evidence of the Management consists of statement of Shri A. C. Jaidka, Law Officer of the Bank who has state as follows :

Shri Vijay Singh workman joined SBI on 12-7-71. He was served with a charge sheet on 3-5-74 with regard to some irregularities and his misbehaviour. While he was posted at Bhatoli sub office. Shri H. K. Babbar was appointed as Enquiry Officer. Shri H. K. Babbar officer Grade I was deputed as Enquiry Officer to enquire into the charges levelled against Shri Vijay Singh in the charge sheet. Shri H. K. Babbar gave his findings after giving full opportunity to Shri Vijay Singh on 12-8-75. Then on 20-5-76 personnel hearing was granted to workman by the Regional Manager Region-II. As a result of this one increment was stopped of Shri Vijay Singh which would have the effect of postponing future increments. Shri Vijay Singh had negotiated demand draft of Rs. 1,000 of Shri M. K. Sharma his colleague which was recovered from Shri Vijay Singh. But workman was refunded this amount as was mutually agreed upon by Shri J. G. Verma the representative of the workman and the Bank. Mr. Verma agreed before your honour with the management not restoring the increment of Shri Vijay Singh which was stopped by the Bank. Shri Vijay Singh was dobarred from officiating due to his own misbehaviour and misconduct towards his seniors and colleagues Shri J. G. Verma agreed with the Bank before your honour for not restoring the increment that means he agrees that it was rightly debarred from officiating also by the bank. Officiating is a temporarily promotion and all the ethical rules of promotion are equally applicable to officiating eligibility. It's the matter of discretion of the management to select persons for officiating which is a temporary promotion, whether a particular employee should be promoted or allowed to officiate depends not only on the length of service but also on the efficiency and other qualification for the post. If an employee is not found suitable to officiate he may not be given the power to officiate. It can also be withdrawn if the management does not consider him suitable for officiating. According to para 85 of the Sastry Award all the formalities for punishing the workman were duly complied with. Ex. M.W. 1/1 is the departmental enquiry of clerk Deera Branch, Ex. M.W. 1/2 is the personal hearing of Sh. Vijay Singh Clerk Dehra Branch, Ex. M.W. 1/3 is letter of Manager, Region II addressed to workman.

4. From the perusal of his statement as supported by Ex. M.W. 1/1 Ex. M.W. 1/2 and Ex. M.W. 1/3 I find that the denial of officiating chances to Shri Vijay Singh by the Management of State Bank of India from 27-7-75 onwards was fair and legal and he is not entitled to any relief what-so-ever. It is established from the ex parte evidence that the workman was found to be guilty of irregularities and mis-behaviour and if on account thereof he is refused officiating promotion there is no reason to hold that the order of the Management to that effect was not justified. Accordingly on the basis of the above mentioned ex parte evidence it is awarded that the denial of officiating chances to Shri Vijay Singh by the Management of State Bank of India from 27-7-75 onwards was fair and legal and that the workman is not entitled to any relief what-so-ever. Parties however are left to bear their own costs.

FURTHER ORDERED :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

MAESH CHANDRA, Presiding Officer
Dated : 26th June, 1980

[No. L-12012/36/77-D.II. (A)]

S.O. 2217.--In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India, Lucknow, and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 8 of 1980

In re :

The Secretary,
U.P. Bank Employees' Union, Kailash Mandir,
Kanpur. . . Petitioner

Versus

The Zonal Manager,
Union Bank of India,
Zonal Office, Lucknow. . . Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/59/79-D.II.A dated the 14th February, 1980 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this tribunal in the following terms :

'Whether the action of the management of Union Bank of India in terminating the services of Shri Ram Autar, Peon of Kalavanpur Branch, Kanpur is justified? If not, to what relief is the workman concerned?

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. A statement of claim was filed in pursuance thereof but before any written statement could be filed the parties arrived at a compromise and the compromise is Ex. S/1. I have perused the terms of the compromise and find that they are favourable to the workman in so far as he is being reinstated in permanent service of the Bank and therefore the compromise was ordered to be recorded. Following statement of Shri Ravindra Raj and Shri V. V. Mangalvahadaka, the representatives of the parties has been recorded. The parties have arrived at a settlement in this matter. An award in terms of the compromise settlement S/1 be made leaving the parties to bear costs'. In pursuance of the terms of the settlement it is awarded that the action of the Management of Union Bank of India in terminating the services of Shri Ram Autar, Peon of Kalavanpur, Branch, Kanpur is not justified and a compromise award is hereby given directing the Management to appoint Shri Ram Autar in permanent service of the Bank without any back wages or other benefits except that he would be entitled to the benefit of continuity of service for the purposes of seniority alone. Parties would however bear their own costs.

FURTHER ORDERED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated the 7th July, 1980

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/59/79 D II(A)]

S.O. 2218—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Travancore, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE THIRU T SUDARSHAN DANIEL, B.A.B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS

(Constituted by the Government of India)

Monday, the 14th day of July, 1980

Industrial Dispute No. 5 of 1980

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of State Bank of Travancore, Trivandrum)

BETWEEN

Thiru K Radhakrishnan,
T C 15/637, Jagathy, Trivandrum-14

AND

The Managing Director,
State Bank of Travancore,
H.O. Trivandrum

REFERENCE :

Order No. L-12012/138/78-D.II(A), dated 21st January, 1980 of the Ministry of Labour, Government of India

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 5th day of June, 1980 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal N Krishnankutty and N. Hiran Babu, Advocates appearing for the workmen and of Thiru S. Justus Sam for Thiruvalargal Devadasan and Sagar, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of State Bank of Travancore, Trivandrum referred to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-12012/138/78-D.II(A), dated 21st January, 1980 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue :

Whether the action of the management of State Bank of Travancore, Trivandrum in dismissing Shri K. Radhakrishnan, Peon from service with effect from 20th August, 1977, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

(2) Facts leading upto the dispute are as follows : Sri K. Radhakrishnan is the Petitioner. Respondent is the Managing Director, State Bank of Travancore, Head Office, Trivandrum, Kerala State. Petitioner was employed as a Peon under the Respondent State Bank of Travancore. While he was working as a peon in the Manjeri Branch of the Bank he was served

with show cause memo Ex. M-1 dated 10th December, 1976. Ex. M-9 dated 20th December, 1976 is the explanation offered by the Petitioner. Petitioner was placed under suspension as per order dated 24th December, 1976—vide Ex. M-10. Ex. M-13 is the charge sheet issued to the Petitioner on 7th February, 1977. Ex. M-14 is the explanation offered by the Petitioner on 19th February, 1977. Apparently, the Respondent-Management was not satisfied with the explanation offered by the Petitioner and therefore decided to hold an enquiry into the charges levelled against the Petitioner. Ex. M-15 is the enquiry notice issued to the Petitioner on 4th March, 1977. Shri K. V. George, A Grade Officer of the Manjeri Branch was appointed as the Enquiry Officer. Under Ex. M-20, the Enquiry Officer fixed the enquiry for 25th April, 1977 at Manjeri Branch premises. Ex. M-39 are the enquiry proceedings in original recorded in Malayalam. Ex. M-21 series are the English translation of the enquiry proceedings. Ex. M-39. Ex. M-22 dated 21st June, 1977 are the findings of the Enquiry Officer. The Enquiry Officer held that all the charges had been substantiated against the Petitioner. Accepting the findings of the Enquiry Officer the disciplinary authority, viz., the Regional Manager, State Bank of Travancore, Trivandrum issued a show cause notice Ex. M-23 proposing the punishment of dismissal. Ex. M-25 is the explanation offered by the Petitioner on the question of proposed punishment of dismissal. Ex. M-26 dated 20-8-1977 is the original order passed by the disciplinary authority dismissing the Petitioner from the services of the Bank with immediate effect. Aggrieved by the order of the disciplinary authority, Petitioner under Ex. M-27 preferred Memorandum of appeal to the appellate authority, viz., Managing Director, State Bank of Travancore, Head Office, Trivandrum-695001. Petitioner was given a personal hearing on his appeal—vide Ex. M-28 dated 24-11-1977. Eventually the appellate authority dismissed the appeal confirming the penalty of dismissal—vide Ex. M-29 and M-30. Thereafter, the Petitioner demanded reinstatement with the Management and this was not acceded to and therefore Petitioner set the industrial law in motion and ultimately the present reference has been made to this Tribunal by the Government of India.

From the narration of facts set out in paragraph supra it can prima facie be held that the domestic enquiry held was fair and proper and that the principles of natural justice had not been violated. But the case of the Petitioner is that the domestic enquiry proceedings and the order following the findings of the domestic Enquiry Officer and the appellate authority are empty formality and therefore they will have to be brushed aside. Ex. M-39 is a book containing the entire enquiry proceedings in Malayalam in which it was conducted. Ex. M-21 is the English translation of the enquiry proceedings. Ex. M-39. The main charge levelled against the Petitioner is that while he was serving as a peon in the Manjeri branch of the Bank, on 4-12-1976 he made an alteration in a telegram receipt from Rs. 3.—50 into one of Rs 4—50 and had thus misappropriated Re. 1. However, only six days later i.e., on 10-12-1976, the Manager of the branch of the Manjeri Bank issued the Memo I. v. M-1 to the effect that the Petitioner has misappropriated Re. 1 on 4-12-1976. Ex. M-9 is the explanation offered by the Petitioner on 20-12-1976, wherein he denied the charges. While so 4 days later on 24-12-1976 Petitioner was placed under suspension with immediate effect—vide Ex. M-10, in view of the seriousness of the charge mentioned in Ex. M-1. This order of suspension was served on the Petitioner only on 31-12-1976 as can be gathered from Ex. M-10. On receipt of this order of suspension on 31-12-1976, on 4-1-1977 the Petitioner has prayed for revocation of his suspension. On the even date he has also under I. v. W-1 requested that he may be allowed to report daily to Kozhikode branch. On 22-1-1977 under Ex. W-2 the Petitioner pointed out that the stipulation on him to sign daily the attendance register is not in accordance with Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972 and therefore he may be allowed to sign the register only once in a month. Therefore it is obvious that the charge-sheeted and suspended workman was consistently insisting on his rights as enjoined under the Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972. In this background, the final charge sheet Ex. M-13 is given by the Management to the employee only on 7-2-1977. It is true that this charge-sheeted contains three charges including the one which prompted the Management to suspend the workman. The learned counsel for the workman contends that the inclusion of two other charges also under Ex. M-13 is a

clear indication that because the charge-sheeted workman was persisting in right under the Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972 (subsequently the Management had relented its earliest stand and agreed to pay the subsistence allowance on the only condition that the workman should submit a certificate every month to the effect that he is not employed elsewhere during the period of suspension, as provided in the Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972), the Management by way of abundant caution and to show an appearance of gravity of the situation had also included two other equally innocuous charges in the charge sheet Ex. M-13. It is true as can be gathered from Exs. M-6 and M-7 that even on 22-12-1976 the Management had issued the show cause notice to the workman and had been probing into the conduct of the workman to some extent. Of course, it is not illegal or improper or unjust on the part of the Management to have incorporated two more charges also under Ex. M-13. But regard being had to the relationship that existed between the charge-sheeted workman and the Respondent-Management ever since the suspension of workman an assertion of right, it is not improbable that the Management had thought fit to include two other charges also in order to make their position unassailable. In the circumstances, in incorporating three charges ultimately under Ex. M-13 there may be an element of truth in the submission of the learned counsel for the workman that in order to harass and annoy the charge-sheeted workman, two other charges had also been included in the charge-sheet Ex. M-13. There it is for what it is worth.

4. Before proceeding further, I may advert to the stand taken by the Management in paragraph (1) of the counter statement that it is not open to this Tribunal to substitute its judgement regarding the quantum of punishment and the only question for consideration before this Tribunal is whether the standing orders justifying the dismissal had been violated. End of paragraph (1) of the counter statement runs as follows :—

"Therefore, ex facie the action of the Management is fully justified."

It may be mentioned that nowhere else in the counter statement is there any whisper that the Management may be given a right to support their action in having dismissed the Petitioner nor was there any request at the time of arguments either. Advertising to the stand of the Management that this Tribunal cannot interfere with the quantum of punishment as Section 11A of the Industrial Disputes Act cannot be invoked suffice for me to refer to the decision of the Supreme Court reported in 1958—I.L.L.J.—page 260 (Indian Iron and Steel Company Limited and another vs. their workmen), a case which arose even prior to the introduction of Section 11A of the Industrial Disputes Act, in which the Supreme Court has held that the Tribunal can interfere with the findings of the domestic Enquiry Officer on the following grounds :—

- (i) when there is a want of good faith,
- (ii) whether there is victimisation or unfair labour practice,
- (iii) when the management has been guilty of a basic error or violation of a principle of natural justice and
- (iv) when on the materials the finding is completely baseless or perverse.

In the light of these cardinal principles, the materials appearing before the domestic Enquiry Officer have to be sifted. In the latest decision of the Supreme Court reported in 1980-II-L.L.J.—page 78 (Shankar Chakravarti vs. Britannia Biscuit Co., and another) the Supreme Court has pointed out that if no opportunity is sought by the employer, nor is there any pleadings to that effect, no duty is cast on the Tribunal suo moto to call upon the employer to adduce additional evidence to substantiate the charges. Therefore on the materials placed before the domestic Enquiry Officer, the action of the Management has to be appreciated.

5. The domestic enquiry proceedings are attacked on several grounds. In the first place, it is stated that the copies of relevant materials and documents relied on by the Management had not been supplied to the charge-sheeted workman and therefore this has prejudicially affected the workman's conduct of defence. The stand of the Management with regard to this criticism is found at paragraph 4(b)

at page 3 of the counter statement filed by the Management. According to the Management, it was not possible to make copies of documents relied on by the Management nor it was necessary to do so and that it is open to the workman to peruse any document on the basis of which the charge sheet was framed. It may be true that the documents sought to be relied on by the Management were made by the delinquent himself, but that does not absolve the Management from making available at least a copy of the documents sought to be relied on by the Management. Ex. M-15 is the enquiry notice issued to the employee by the Management on 4-3-1977. Under Ex. M-15, the Management had decided to constitute the domestic enquiry and accordingly Sri K. V. George, A Grade Officer of the Bank at Manjeri Branch was nominated to conduct the enquiry. Ex. W-7 is the enquiry notice received by the Petitioner-workman. While Ex. W-7 calls upon the charge-sheeted workman to make available the evidence to be produced on his behalf, it does not mention the witnesses proposed to be examined by the Management or the documents relied on by the Management. Not even a list of witnesses had been furnished to the charge-sheeted workman. It is significant to note that all the details found in post script to the order in Ex. M-15 are not communicated to workman—vide Ex. W-7. Those details will show the witness etc., proposed to be examined by Management at enquiry. In the circumstances, it is not difficult to hold that the failure to mention the witnesses or furnish copy of the documents proposed to be relied on by the Management, certainly violates known principles of natural justice.

6. Another point that is sought to be made out was that the charge-sheet and other communications and the intimations intended for the workman was not in the language understood by the workman and therefore the procedure adopted is not in accordance with the rules laid down as per Bi-partite settlement. It is said that the workman is unable to understand the charge-sheet etc., made out in English and that he has studied only upto 7th standard. But the correspondence that had been placed between the Management and the workman all along will indicate that communication had been carried only in English. At no time had the workman complained to the Management that he did not know English or that he wanted the charge sheets, memos, etc., to be in Malayalam only. Suffice for me to refer only to Exs. M-9 and M-14, the explanations offered by the Petitioner himself in English. Therefore it is too late for him to contend now that he had been prejudiced in any manner because the charge-sheets, memos, etc., were in English and not in Malayalam.

7. Another point that was seriously contended by the learned counsel for the Petitioner is that the denial of assistance of a lawyer at a domestic enquiry is a violation of principles of natural justice. Ex. W-7 is the enquiry notice issued by the Management to the Petitioner on 4-3-1977. Clause (4) of Ex. W-7 runs as follows :—

"If you desire to bring any representative of a recognised Trade Union of employees of the Bank to assist you in the enquiry, you may do so after furnishing the name and address of such individual to the enquiry officer at least 3 clear days before the enquiry commences. Under no circumstances will you be permitted to have the assistance of a lawyer to appear on your behalf in the enquiry proceedings."

The disciplinary authority has permitted any representative of recognised trade union of employees of the Bank to assist the charge sheeted workman at the enquiry if he so desires. Admittedly, the Petitioner is not a member of any trade union. As per Bi-partite settlement, rule 19.12, an employee shall be permitted to be defended—

- (i) (x) by a representative of a registered trade union of bank employees of which he is a member on the date first notified for the commencement of the enquiry;
- (y) where the employee is not a member of any trade union of bank employees on the aforesaid date, by a representative of a registered trade union of employees of the bank in which he is employed;

or

(ii) at the request of the said union by a representative of the state federation or all India Organisation to which such union is affiliated;

or

(iii) with the Bank's permission, by a lawyer.

On 21-3-1977 under the original of Ex. M-16 the charge-sheeted workman had informed the Enquiry Officer that he is not a member of any trade union in the Bank and as such he will not get assistance from any one. He has also stated he is incapable of examining witness of his own and therefore demanded that he may be permitted to engage a lawyer at the enquiry. Ex. M-17 is the reply sent by the Enquiry Officer on 24-3-1977, wherein he draws the attention to clause (4) of Ex. W-7, wherein it is specifically mentioned that under no circumstances he will be permitted to have the assistance of lawyer to appear on his behalf in the above enquiry proceedings and therefore he regrets his inability to permit the charge-sheeted workman to engage a lawyer to participate in the enquiry and he also informs the Petitioner that he will shortly advise him as to the next date of enquiry. In response to this letter of the Enquiry Officer, the charge-sheeted workman had sent Ex. M-18 on 28-3-1977, wherein he draws the attention of the Enquiry Officer to paragraph 19.12(a)(iii) of Bipartite settlement which clearly provides that with the permission of the Bank, a lawyer could be engaged and therefore he again requested to allow him to engage a lawyer. He was not a member of any trade union and he is unable to defend himself and therefore sought permission to engage a lawyer. As soon as the Enquiry Officer received this letter Ex. M-18 from the Petitioner he had addressed the disciplinary authority, Trivandrum as to what he should do. The Regional Manager on 11-4-1977 under the original of Ex. W-5 regretted to permit the Petitioner to engage a lawyer at the enquiry proceedings. Therefore at the enquiry proceeding, the charge-sheeted workman could not get the assistance of any trade union leader because he is not member of any union and could not engage a lawyer as his request was turned down by the Management. In the first place, the learned counsel for the Petitioner points out that as between the presenting officer who represented the Management before the Enquiry Officer and the delinquent who had studied only upto 7th standard and is only a Peon (Last Grade servant) obviously there is no match between the two. In other words, it is a battle between two unequal. From Ex. M-15, page 2, it can be noted that Sri N. J. Joseph, Manager, State Bank of Travancore Manjeri has been directed to be present at the enquiry and prove all charges against the delinquent. Thus it is clear that the Management was represented by the Manager, State Bank of Travancore while the poor half-literate workman has to defend himself with no help. Learned counsel for the Petitioner points out that even at the time of issuing the enquiry notice Ex. W-7 and Ex. M-15 the Management had already made up their mind not to permit the assistance of an advocate to the charge-sheeted workman and therefore they have pre-judged the course of enquiry. As already pointed out paragraph 19-12 of the Bi-partite settlement lays down the right on the charge-sheeted workmen to be defended by certain categories of persons. Admittedly, clause (ii) will be inapplicable because the Petitioner is not a member of any registered trade union of the Bank employees. From Ex. W-7, it can be seen that even at that time, the Management was perfectly conscious that Petitioner was not a member of any Union and therefore did not refer to paragraph 19.12(a)(i)(x) and paragraph 19.12(a)(i)(y). They had also deleted paragraph 19.12(i) (ii) and the Bank exercise their prerogative and refused permission to be defended by a lawyer under paragraph 19.12-(a)(iii). Although the Bi-partite settlement enables the Management to decline the assistance of a lawyer the decision of the Management even at that stage of issuing notice not to permit the worker to have the assistance of an advocate although he is not a member of any Union would to a considerable extent indicate the bias on the part of the Management in not permitting the worker the right to be represented by an advocate. It will be altogether a different story if when a request is made before the Enquiry Officer as was done in this case and the Enquiry Officer declines to permit the assistance of an advocate. Here also when the charge-sheeted workman made an application to the Enquiry

Officer, the Enquiry Officer has sought for the opinion of the disciplinary authority. That action again shows that the Enquiry Officer has not exercised his own discretion with regard to the claim of the delinquent-workman whether he should be permitted the assistance of an advocate or not. The proper procedure would have been for the Enquiry Officer to call on the officer who is presenting the case of the Management to find out if the Bank has any objection to the employment of an advocate by the charge-sheeted workman. Instead, the Enquiry Officer apparently a subordinate of the disciplinary authority, the Regional Manager, Trivandrum has taken instructions from the disciplinary authority. Thus it is a violation of the right of the matter being decided independently by the Enquiry Officer. It is important to note that even in Ex. W-5, the Regional Manager does not at all give any reason for refusing to give permission in spite of the fact that the Bank is aware that the Petitioner is not a member of any Union and that he has none to assist it. On behalf of the Management, reliance is sought to be placed on the decision reported in 1961-II-L.L.J.-page 417 (Brooke Bond India (Private) Ltd., vs. Subba Raman (S) and another) wherein the Supreme Court held that the refusal by the enquiring officer to the workman being represented at the domestic enquiry by a lawyer or by an outsider would not vitiate the enquiry. But I have just pointed out the refusal in the present case is not by the Enquiry Officer but only by the disciplinary authority and therefore this citation does not assist the Management for the stand taken by them. There is a similar provision to Rule 15(5) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1957 which runs as follows :—

"The Disciplinary Authority may nominate any person to present the case in support of the charges before the authority inquiring into the charges (Hereinafter referred to as the Inquiring Authority). The Government servant may present his case with the assistance of any other Government servant approved by the Disciplinary Authority, but may not engage a legal practitioner for the purpose unless the person nominated by the Disciplinary Authority as aforesaid is a legal practitioner or unless the Disciplinary Authority, having regard to the circumstances of the case, so permits."

Dealing with this rule, the High Court of Calcutta in 1974-II-L.L.J.-Page 44 (Director-General of Post and Telegraphs and others vs. N. G. Majumdar alias Narcisoal Majumdar and another) has held that from a fair reading of Rule 15(5) it seems clearly obligatory upon the disciplinary authority to allow the assistance of a legal practitioner to a Government servant if the person nominated by the disciplinary authority for presentation of its case is also a legal practitioner; even, if it is not so, then also it is equally obligatory upon the disciplinary authority to consider all other relevant circumstances of the case and then either to accord or refuse such permission and it would therefore be a clear breach of duty on the part of the disciplinary authority in presenting its own case. I have already pointed out how under Ex. W-5 the disciplinary authority does not at all attempt to give any reason for his refusal although the hard fact remains that the person nominated by the disciplinary authority to present the case before the Enquiry Officer is a Manager of the Bank whereas the charge-sheeted workman is a last grade employee, viz., Peon with none to assist because he is not a member of any Union. Under such circumstances, the Calcutta High Court held that the refusal to allow the Petitioner to engage a legal practitioner must be deemed to have denied reasonable opportunity to defend himself. To a similar effect is also the decision of the Kerala High Court reported in 1974-II-L.L.J.-Page 292 (H. Appi vs. Senior Supdt. of Post Offices, Trivandrum and two others). They have also pointed out that the disciplinary authority has a duty to consider whether the request to engage a legal practitioner is justified or not. In that case, the request was refused on the ground that the prosecution is not in the hands of a legal practitioner. But in the present case, as I had already pointed out no reason was assigned for the refusal—vide Ex. W-5. In that case, the charge-sheeted workman was a postman himself. Here also it is a peon and he cannot defend himself. The High Court also points out relying on an earlier decision of the Supreme Court that it is the duty of authority to consider whether and how the case of the department would be prejudiced by the petitioner having the assistance of a legal practitioner. The High Court held that the refusal to permit an advocate is violation of principles

of natural justice. In 1972-I-L.I.J.-Page 465 (C.L. Subramaniam vs. Collector of Customs, Cochin) the Supreme Court held that the refusal of permission to engage a counsel to defend the Petitioner at the enquiry was held to be a denial of reasonable opportunity. In another latest decision reported in 1979-I-L.I.J.-Page 10 (Messrs. Kavitha Movie House vs. P. M. Mary and another) the Kerala High Court has held that the Enquiry Officer who conducted the domestic enquiry treated it as merely an empty formality and in spite of the fact that the fight was between two unequal and her request for permission to present her case with the assistance of a lawyer was rejected and that was also in spite of the fact that she specifically stated that she was not a member of any union. The High Court has also referred to the earlier decisions on this aspect and has held that it was not a proper domestic enquiry. In the light of these facts, the procedure adopted by the Enquiry Officer in refusing the aid of a counsel must be held to be opposed to principles of natural justice.

8. Another point urged by the Petitioner is that the procedure followed by the Enquiry Officer is not in accordance with the principles of natural justice. According to him even before the witnesses for the Management were examined, the Enquiry Officer started cross-examining the charge-sheeted workman. Ex. M-21 is the English translation of the enquiry proceedings held. The proceedings were held in Malayalam and the original proceedings had been marked as Ex. M-39. Three charges are levelled against the workman as will be evident from Ex. M-13. No doubt it is just and proper that at the outset of the proceedings for the Enquiry Officer to find out whether the charge-sheeted workman pleads guilty to any of the charges framed against him. With regard to the three charges the question posed by the Enquiry Officer was whether the workman agreed to the charges. To which the workman replied that the two charges are not correct and mentioned the alteration of the telegram receipt and that he has never been absent from duty without leave. It must be remembered that the Enquiry Officer did not call on the delinquent whether he admits the charges or not. Therefore even at the commencement an apparent confusion has set in. All that the workman stated was that two charges out of three charges are not correct. It does not necessarily follow that the third charge is true. The Enquiry Officer again asked as follows : "That means, the third charge is correct." To which the Petitioner has replied "I have cashed my cheques that is correct". After this also, it has to be remembered that the Enquiry Officer again asked as follows :—

"When you say, three charges are not correct, then to disapprove if you have not sent me the list of your witnesses."

Therefore it is clear that even according to the Enquiry Officer the worker does not admit the three charges levelled against him and therefore the Enquiry Officer finds fault with workman for having not sent him a list of witnesses to be examined on his side. Promptly, the Petitioner replied that he has no witness. This should be appreciated in the background that neither in the show cause memo Ex. M-1 nor in the charge-sheet Ex. M-13 is there any whisper about the witnesses proposed, to be examined by the Management or documents to be relied on by the Management. Even at the commencement of the enquiry on 25-4-1977, the Enquiry Officer did not appraise the workman or the witnesses proposed to be examined by the Management or the documents to be relied on by the Management. On the other hand, he takes the charge-sheeted workman to task for not having submitted a list of witnesses to be examined on his side. Therefore it is manifestly a case where the Enquiry Officer is more loyal than the King. Adverting to this conduct of the Enquiry Officer, the Management at page 5 of their counter statement would maintain that the delinquent-workman was not subjected to any cross-examination as such by the Enquiry Officer. And according to the Management, it is open to the Enquiry Officer to clarify the evidence let in and that the Enquiry Officer has right to clarify the evidence let in. When as such no evidence has been adduced on behalf of the Management the question of the right of Enquiry Officer clarifying such evidence does not at all arise. On the other hand, as soon as the workman stated that he has no witness, the charge sheeting authority represented by Sri N. J. Joseph, Manager, State Bank of Travancore, Manjeri straightaway started cross-examining the workman and all the subsequent questions will only indicate that the

workman was cross-examined by the Management. The procedure adopted by the Enquiry Officer is unknown to any civilised system. Not least content with this gross impropriety and when even to the cross-examiner, the Petitioner did not admit his guilt, he proceeded to examine the witness on behalf of the Management. Significantly, when the first witness on behalf of the Management Sri E. J. Joseph was examined, the workman was not asked to cross-examine him. Stopping the examination of the first witness, at one stage, 2nd witness Sri K. P. Krishnan Kutty was examined. No doubt 2nd witness was allowed to cross-examine by the workman and then 3rd witness Sri C. Balakrishnan was examined. While 3rd witness was in the box there is an open conference between the Enquiry Officer and the charge sheeting authority relating to the 2nd charge, during which the workman was also cross-examined by the charge sheeting authority. When the workman said that he has given the necessary leave application, the charge sheeting authority assumes the roll of a witness and says there is no leave application in this office and questioned "Is there any proof to show you have given them?" To which the workman again says there is proof and he will produce it later. Again this workman was cross-examined by the charge-sheeting authority "Why have you not brought proof when these charges were mentioned in the Charge Sheet?" To which the workman has replied that he was not able to trace them at once. In the same fashion the charge sheeting authority questioned this half-literate, half informed charge-sheeted workman. The charge sheeting authority further assumes the roll of a witness and represents that the workman's personal leave file will itself show that his leave record was not good and therefore his statement that he has not taken leave without applying for them is not acceptable. It is rather strange ever the charge sheeting authority in the immediate presence of the Enquiry Officer not only gives evidence and cross-examines the workman and also passed judgement. Therefore, on a perusal of the enquiry proceedings, it can be seen that almost a thamasha (formality) of enquiry was held in league with the Enquiry Officer, charge sheeting authority and some witnesses and the Petitioner being closely interrogated at every stage whenever either the Enquiry Officer or the charge sheeting authority or witnesses or the witness wanted explanation from the charge-sheeted workman. Thus even a casual perusal of the enquiry proceedings would easily demonstrate that the enquiry was held flouting all known principles of procedure in the matter of enquiries. No reasonable person would dare to characterise this procedure as an enquiry at all. In the face of these facts, I have absolutely no hesitation to find the enquiry was absolutely partial and biased.

9. Paragraph 19.14 of the Bi-partite settlement mentions how officers are authorised as competent officers to conduct the disciplinary enquiry and also appellate authorities. It enables the Chief Executive Officer to decide the disciplinary authority and also the appellate authority and the names of such officers or the body who are empowered to pass the original orders or hear and dispose of the appeal shall, from time to time, be published on the bank's notice board. The grievance of the workman is the names of competent officers were not published in the Bank's notice board and that the workman had not been informed or had the knowledge, as to who are the Officers competent to take disciplinary action against him and to punish him. At the top of page 5 of the counter statement, the Respondent-Management has stated the name of the competent authority would be the charge sheeting authority, disciplinary authority, who would be the Appellate authority had been published in the Notice Board of the Bank as per the Bi-partite settlement. The Petitioner has also filed a rejoinder statement on 15th March, 1980, wherein he has refuted the claim of the Management that such notices were exhibited on the board. Even after such denial the Management has not taken any steps to place oral or documentary evidence to show that in fact such a publication has been made. In the absence of any such acceptable materials it must be held that the provisions of paragraph 19.14 of the Bi-partite settlement had not been followed by the Respondent-Management.

(10) Finally, learned counsel for the Petitioner points out that the so-called findings of the Enquiry Officer are blatantly perverse and are not based on any materials whatsoever. I have earlier referred to the improper procedure adopted at the time of enquiry and how no evidence worth the name had been recorded by the Enquiry Officer. Ex. M 22 are the findings of the Enquiry Officer, dated 21-6-1977. At page 2

of Ex. M-22, the Enquiry Officer clearly points out that he had impressed on the Petitioner that as long as he has not admitted the charges against him it is the duty of the Petitioner-worker to prove that the charges are baseless. Thus it can be seen that the Enquiry Officer has put the cart before the horse and has reversed the jurisprudence to which we are now committed. Therefore there is basically error even on the face of the enquiry proceedings that the approach of the Enquiry Officer gathered the materials which are incorrigible justice. Comparing Ex. M-21, the English translation of the enquiry proceedings, I am unable to find from where the Enquiry Officer gathered the materials which are incorporated in his findings Ex. M-22. Therefore it is obvious that the Enquiry Officer has pressed into service materials which were not actually before him to come to the conclusion that he has arrived at. A perusal of the enquiry findings would disclose the casual manner in which the Enquiry Officer has dealt with the charges and the materials. Therefore there is room enough to accept the contention of the learned counsel for the Petitioner that the Enquiry Officer thought that he was going through mere formality assuming that the workman is guilty of charges levelled against him. I have already pointed out how the Enquiry Officer have grievously erred in holding that the Petitioner is guilty until and unless the contrary is proved.

(11) I shall now advert to salient features of the actual materials placed before the Enquiry Officer. The first and the main charge is that Petitioner has temporarily misappropriated a sum of Re. 1. With regard to 1st charge, the Enquiry Officer has placed strong reliance on the so-called admission made by the Petitioner before the Branch Manager. The Branch Manager himself has not been examined as witness. It may also be noted the Branch Manager was the charge-sheeting authority who was conducting the prosecution on behalf of the Management. There is absolutely no clear admission made by the Petitioner that he has committed either the defalcation of Re. 1 or the alteration in the postal receipt. According to the incident, the telegram receipt is dated 4-12-1976. If in fact the version of the Petitioner is false and that the Management is true certainly even on the evening of 4-12-1976, the concerned clerk must have known the so-called misappropriation of Re. 1. The concerned clerk does not at all give any complaint either in writing or orally to the Manager. On the other hand only six days later on 10-12-1976, a report is made to the Head Office—vide Ex. M-2. Therefore, merely because the poor workman had agreed to alter the figure in the receipt to the dictate of the superiors it does not necessarily follow that he alone must have committed the fraud. In 1977-II—L.L.J.—Page 263 (Andhra Handloom Weavers' Co-op. Society, Vijayawada Vs. Labour Court and others), the High Court has pointed out that in the absence of any clear admission of guilt on the part of the workman with regard to charge of misappropriation a domestic enquiry must be held. That apart, the case of admission has to be taken as a whole and cannot be torn to pieces. The Petitioner has given his explanation under Exs. M-9 and M-14 and therefore his explanations have to be taken as a whole in order to appreciate the charge levelled against him. It should also be remembered that he is not a member of the Union of bankmen. Therefore it is not unlikely that he has been pitched upon to serve as a scapegoat. Moreover, a Peon who has to be in 14 years of service is not likely to have altered a figure to gain Re. 1. Hence the inference is irresistible that for some ulterior purpose, a situation arose and that is pressed into service against this poor undefended workman with no union strength. With regard to charge No. 2, under Ex. M-14 the Petitioner has clearly stated that he had applied for leave with medical certificate and that he had also sent a telegram by his letter dated 14-12-1976. There is not an iota of evidence on the side of the Management to show that no leave application was received and no medical certificate had been received and no telegram had been received. Admittedly, the Management had not played all the cards before the Enquiry Officer. With regard to charge No. 3, it relates to discounting of cheques. Here also the workman has clearly stated his case that his brother-in-law had been directed to remit Rs. 800 by 14-12-1976 and therefore Petitioner was emboldened to discount cheque at different place of the Respondent-Bank within the amount promised by his brother-in-law. It must be remembered that Petitioner being an employee of the Bank he had got this facility of discounting cheques at any branch of the bank irrespective of the fact whether he maintained the

account or not in that particular Bank. Petitioner has in fact availed of this facility and has discounted cheque. Merely because the cheques were not honoured on the ground referred to the drawer, it does not necessarily mean that the action of the Petitioner was lacking in bona fide. As a matter of fact the pay for December, 1976 including allowances remained unpaid with the Management. There is no question of Petitioner misusing the facility offered to him. According to the Management the act of the Petitioner would come under Paragraph 19.5 of the Bipartite settlement. But a careful perusal of this clause would not admit the use of such facility by the employee of the Bank as a misconduct. Therefore there is no basis to hold that Petitioner has committed any misconduct much less gross misconduct, much less wilful damage to the Bank. The bona fides of the Petitioner discounting the cheque can also be gathered from the document placed by the Management Ex. M-6 wherein the Manager of the Bank reports that because of heart disease to the mother-in-law of the Petitioner, urgent money had to be raised and therefore there is material to show that Petitioner has discounted this cheque only for bona fide reasons, thereby negating the claim of an intentional discounting of cheques. It is true that the Tribunal is neither revisional nor the appellate authority on the findings of the disciplinary authority as confirmed by the appellate authority. I have pointed out certain important features from the materials to show that the findings of the Enquiry Officer are perverse and based on no legal evidence. In view of my findings earlier that the entire domestic enquiry proceedings are violated by principles of natural justice for the several reasons mentioned above, the findings cannot be upheld and therefore it follows that the charges levelled against the Petitioner had not been properly substantiated before domestic Enquiry Officer. Assuming that the domestic enquiry held was fair and proper and the findings were not perverse and based on evidence even then in the light of the Supreme Court decision referred by me earlier the conclusions arrived at can be disturbed by this Tribunal. The poor workman studied only upto 7th standard and he had no assistance, much less legal assistance and had bona fide acted under certain circumstances, the punishment of dismissal of a last grade servant who has put 14 years of service without any blemish (the Management has not produced any scrap of paper to show that his last record was anything but satisfactory) is manifestly disproportionate to the innocent acts attributed to him. He is only aged 34 years. Much bigger fishes are let off for nothing. Thus the imposition of the extreme penalty of dismissal itself ex-facie amounts to act of victimisation on the part of the Management. In that view also the order of dismissal cannot be sustained.

(12) In the result, an Award is passed holding that the action of the Management is unjustified and that the Petitioner is to be reinstated with half back wages and continuity of service. Petitioner is residing at Trivandrum and has to trek all the way from Trivandrum to Madras for four or five hearings and eventually he had also engaged a counsel to plead his cause before this Tribunal. In the circumstances it is only just and fair to direct the Respondent-Management to pay Petitioner a sum of Rs. 500 towards cost.

Dated, this 14th day of July, 1980

T. SUNDARSANAM DANIEL, Presiding Officer
[No. L-12012/138/78-D.II. (A)]
S. K. BISWAS, Desk Officer

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For workman

Ex. W-1/4-1-77—Letter from the employee to the Bank requesting permission to draw pay and allowances.
(copy)

Ex. W-2/22-1-77—Letter from the employee to the Bank requesting permission to sign attendance register once in a month. (copy)

Ex. W-3/2-2-77—Letter from the Bank to the employee regarding the request to permit him to report and sign the attendance register at Kozhinjapara Branch (copy)

- Ex. W-4/13-4-77—Letter from the employee to the Bank for payment of subsistence allowance. (copy)
- Ex. W-5/11-4-77—Letter from the Bank to the employee refusing permission to engage lawyer (copy)
- Ex. W-6/16-2-77—Letter from the Bank to the employee intimating their decision not insisting to report to the Manjeri Branch daily.
- Ex. W-7/4-3-77—Enquiry notice issued to the employee.
- For Management
- Ex. M-1/10-12-76—Show cause a memo issued to the employee.
- Ex. M-2/10-12-76—Letter from the Branch Manager to the Head Office about the employee.
- Ex. M-3/16-12-76—Letter from the Branch Manager to the Head Office about the employee.
- Ex. M-4/18-12-76—Letter from the Branch Manager, Medical College, Trivandrum to the Head Office regarding the cheque of the employee.
- Ex. M-5/22-12-76—Telegram from the Colachel Branch to the Head Office regarding the cheque discounted by the employee.
- Ex. M-6/22-12-76—Letter from the Colachel Branch to the Head Office regarding the discounting of cheque by the employee.
- Ex. M-7/22-12-76—Show cause notice issued to the employee about his unauthorised absence from duty.
- Ex. M-8/23-12-76—Letter from the Udyogamandal Branch to the Head Office regarding the discounting of cheque by the employee.
- Ex. M-9/20-12-76—Explanation of the employee to Ex M-1.
- Ex. M-10/24-12-76—Suspension order issued to the employee.
- Ex. M-11/31-12-76—Letter from the Manjeri Branch to the Head Office intimating the service of suspension order on the employee.
- Ex. M-12/4-1-77—Letter from the employee to the Head Office for cancelling the suspension order.
- Ex. M-13/7-2-77—Charge sheet issued to the employee.
- Ex. M-14/19-2-77—Explanation of the employee to Ex. M-13
- Ex. M-15/4-3-77—Enquiry notice issued to the employee.
- Ex. M-16/21-3-77—Letter from the employee to the Enquiry Officer for permission to engage a lawyer. (copy)
- Ex. M-17/24-3-77—Reply letter from the Enquiry Officer to Ex. M-6.
- Ex. M-18/28-3-77—Letter from the employee to the Head Office for permission to engage a lawyer.
- Ex. M-19/30-3-77—Letter from the Enquiry Officer to the Head Office requesting to advise decision regarding the lawyer's engagement for the employee.
- Ex. M-20/16-4-77—Letter from the Enquiry Officer to the employee intimating the date of enquiry.
- Ex. M-21—English translations of the Enquiry Proceedings.
- Ex. M-22/21-6-77—Findings of the Enquiry Officer.
- Ex. M-23—Show cause notice proposing the punishment of dismissal.
- Ex. M-24/28-6-77—Letter from the Regional Manager of the Bank to the Manjeri Branch sending show cause notice for service on the employee.
- Ex. M-25/20-7-77—Reply of the employee to the show cause notice proposing the punishment of dismissal.
- Ex. M-26/20-8-77—Dismissal order issued to the employee.
- Ex. M-27/3-9-77—Memorandum of appeal of the employee.
- Ex. M-28/24-11-77—Memo of personal hearing of the employee.
- Ex. M-29/22-12-77—Order of the Appellate Authority agreeing the punishment of dismissal.
- Ex. M-30/22-12-77—Order of the Appellate Authority confirming the dismissal order issued to the employee.
- Ex. M-31/20-2-78—Letter from the employee to the Head Office for re-instatement in service.
- Ex. M-32/14-3-78—Letter from the employee to the Assistant Labour Commissioner (Central) raising dispute.
- Ex. M-33/8-5-78—Conciliation letter to the parties from the Assistant Labour Commissioner (Central), Ernakulam.
- Ex. M-34/8-12-78—Conciliation failure report.
- Ex. M-35/4-12-76—Postal receipt No. 1651.
- Ex. M-36/4-12-76—Postal receipt No. 1652.
- Ex. M-37/28-12-76—Letter from the Post Master, Manjeri, to the Manjeri Branch.
- Ex. M-38/25-4-77—Receipt signed by the employee for Rs. 9.25.
- Ex. M-39/25-4-77—Enquiry Proceedings in Malayalam. (Register)
- Note : Parties are directed to take return of their documents within six months from the date of publication of the Award.
- (sd) T. SUNDARSANAM DANIEL,
Presiding Officer
- New Delhi, the 29th July, 1980
- S O. 2219.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.
- BEFORE MR. JUSTICE B. K. RAY, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
DHANBAD**
- In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947
- Reference No. 48 of 1978**
- (Ministry's Order No L-20012/123/78-D, III(A), dated 30th November, 1978)
- PARTIES :**
- Employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad.
- AND
- Their workman.

APPEARANCES :

For the Management—Shri T. P. Choudhury, Advocate.
For the Workman—Shri Shankar Bose, Secretary, Rashtriya Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated Dhanbad, the 17th July, 1980.

AWARD

By notification No. L-20012/123/78-D. III(A), dated the 30th November, 1978 the Central Government being of opinion that an Industrial Dispute exists between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen have referred the dispute mentioned in the schedule to the notification to this Tribunal for adjudication. The schedule to the notification reads thus:

"Whether the action of the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad in imposing a punishment of 10 days suspension on Shri Mangru Gope, Onsetter is justified? If not to what relief is the said workman entitled."

2. On receipt of the reference parties have been noticed and they have filed their respective written statements. The case of the management as revealed from their written statement is as follows: One Tribeni Gope a trammer in South Jharia Colliery was transferred as such to a neighbouring place under Bharat Coking Coal Limited on 10th August, 1977 by order issued for the headquarters of B.C.C.L. The local authorities including Asstt. Manager had nothing to do with the order of transfer. On receipt of the order from headquarters the local authorities at South Jharia Colliery by order of the same date directed that Tribeni Gope be relieved immediately. The orders of transfer and of release were tried to be served on Tribeni Gope through Peon Book of the local office. But Tribeni Gope refused to accept them even though he was aware of the contents of the orders. This was evident from the entry in the Peon Book. The order of transfer and the order to relieve him irritated Tribeni Gope who was under the impression that the local authorities at South Jharia were responsible for these orders. According to the management the order of transfer was the result of an agreement between the authorities at the headquarters of B.C.C.L and the union and that the local authorities had no say in the matter. On 10th August, 1977 at about 4 p.m. Tribeni Gope and another worker namely Mangru Gope who is the workman concerned in the case and was a sympathiser of Tribeni Gope met the Assistant Manager of South Jharia Colliery at the pit top. The two workmen told the Assistant Manager there that he will reap the consequences. This according to the management was a threat to the Asstt. Manager. On 10th August, 1977 at about 7 p.m. while the Asstt. Manager was returning from inspection of South Jharia Section (an underground mine) and was proceeding to inspect another mine which was a quarry, on his motor cycle, near a Kali temple he was assaulted by Tribeni Gope with a lathi as a result of which Assistant Manager sustained injuries, fell down and his motor cycle was damaged. In course of the tussle between the Assistant Manager and Tribeni Gope over the lathi used by Tribeni Gope, 'he white cloth with which Tribeni Gope had covered part of his face fell down. After the cloth fell down the Assistant Manager recognised his assailant as Tribeni Gope. At that time the Assistant Manager saw Mangru Gope the concerned workman standing near the place of assault. The Assistant Manager seeing Mangru Gope called him for help. Mangru Gope instead of coming to the rescue of the Assistant Manager replied that he had been rightly dealt with. Thereafter one security man who was passing by was asked by the Assistant Manager to call his officer. Officer V. Gupta on being called came to the place of occurrence and helped the Assistant Manager to go to the Camp office nearby. Thereafter authorities of the management were informed about the occurrence and an F.I.R. was lodged before the police by the Assistant Manager regarding the incident. On the following day chargesheets were issued against Tribeni Gope and Mangru Gope and upon the charge-sheets so issued the replies of the two workmen having been found unsatisfactory two separate domestic enquiries were held by the management in which the workmen were found to be guilty. Upon this finding management dismissed Tribeni Gope from service which is the subject matter

Reference No. 1 of 1979 and in that reference it has been held by this Tribunal that the action of the management in dismissing Tribeni Gope is justified. Upon the F.I.R. lodged before the police the latter submitted a charge-sheet against Tribeni Gope only U/s. 307 L.P.C. Tribeni Gope was tried by Session Judge, Dhanbad and was ultimately acquitted after having been given a benefit of doubt. On the basis of finding against the concerned workman in this case he has been inflicted a punishment of suspension for ten days.

3. The charge against the concerned workman as framed by the management is that he threatened Assistant Manager at No. 1 Pit top of South Jharia Section with dire-consequences in connection with transfer of Tribeni Gope, that on the same day at about 7 p.m. while the Assistant Manager was returning from inspection of South Jharia Section and was going to 10 Seam quarry for further inspection, the concerned workman was present near Kali temple where the Assistant Manager was assaulted by Tribeni Gope by Lathi, and that when the Assistant Manager called the concerned workman for help, the concerned workman turned his face and said that the Assistant Manager deserved that treatment. On these allegations the chargesheet says that the concerned workman had threatened the Assistant Manager and incited Tribeni Gope to assault the Assistant Manager and thereby abetted the assault. These acts according to the charge-sheet constitute misconduct under clause 18(r)(t) and (u) of the Certified Standing Order.

In the show cause submitted by the concerned workman his case is that he did not threaten the Assistant Manager as alleged in the charge-sheet, that he was not present at the place of alleged assault and that on the day in question he being ill was not in the Colliery at all.

The above reply of the concerned workman having been found unsatisfactory a domestic enquiry was held in which the concerned workman was found guilty of having abetted the offence of assault by Tribeni. On the question as to whether the concerned workman threatened the Assistant Manager at 4 p.m. on 10th August, 1977 and incited Tribeni Gope to assault the Assistant Manager at 7 p.m. on 10th August, 1977 the findings recorded by the enquiry officer is in negative and so are in favour of the workman.

4. By order dated 21st May, 1980 the Tribunal has held that the domestic enquiry is fair and proper. No further evidence has been adduced by the parties when the case has been taken up for hearing on merit. In the domestic enquiry the records reveal that on behalf of the management 3 witnesses were examined of whom Assistant Manager the person assaulted and threatened was M.W. 1. He has fully supported his case as in the charge-sheet regarding threat given by concerned workman at 4 p.m. and abetment of the offence of assault on him at 7 p.m. on 10th August, 1977. M.W. 2 the other witness examined by the management is intended to support the case of the Assistant Manager regarding threat given to him at 4 p.m. The enquiry officer after thorough discussion of the evidence of the two witnesses regarding the incident of threat, has recorded a finding that the concerned workman did not threaten. I do not see any reason to differ from this finding. The management has not examined any independent witnesses who is an eye witness to the occurrence relating to assault. The only witness on the point is the Assistant Manager. After scrutinising the evidence of the Assistant Manager the enquiry officer has found that there is no evidence that the concerned workman incited Tribeni Gope to assault the Assistant Manager. I do not find anything wrong in this finding also. The enquiry officer has therefore rightly exonerated the concerned workman of the charge of inciting Tribeni Gope to assault the Assistant Manager. But regarding the case of abetment the enquiry officer has found the concerned workman guilty. While dealing with this aspect of the case the enquiry officer has held and that also rightly that the concerned workman was present at the place of assault at a distance of 10 to 20 ft. from the place of occurrence. The case of the concerned workman that he was ill on that day and was confined to bed has not been accepted by the enquiry officer because practically no evidence was led by the concerned workman that he was lying ill at the relevant time. After carefully examining the papers relating to enquiry proceedings, the evidence recorded in the domestic enquiry, the report and the arguments advanced before me by the parties I do not see any reason to differ.

from the conclusion of the enquiry officer that the concerned workman was present at the place of assault and that when the Assistant Manager called the concerned workman for help the latter turned his face and said that the Assistant Manager had been rightly dealt. Nothing has been shown by the concerned workman under what circumstances he was present at the place of assault. His case of illness has been disbelieved. Naturally it has to be inferred that the concerned workman and Tribeni Gope were there at the place of assault with the common object to seek an opportunity to assault the Assistant Manager. Normally a person who is a stronger to an incident of assault on another and sees the assault, would resent and if possible would come to the rescue of the person assaulted. The conduct of the concerned workman as revealed from evidence is somewhat unnatural. That apart the evidence is that when the Assistant Manager called the concerned workman for help he turned his face aside and said that the Assistant Manager had been rightly dealt with. This evidence if believed cannot but lead to the conclusion that the concerned workman was at the place to render assistance to Tribeni Gope in his attack on the Assistant Manager. Because no help was required by Tribeni Gope so there was no necessity for the concerned workman to do some tangible act to help Tribeni Gope. But the way the concerned workman behaved and the words he spoke to the Assistant Manager when the latter called the concerned workman for help irresistibly lead to the conclusion that Tribeni Gope is an abettor and was not there merely as a sight seer. The argument advanced by Shri Bose for the union that without corroborative evidence the version of the Assistant Manager can not be accepted has no substance. It is only when material evidence is suppressed that the prosecution may be found to be at fault. But when there is no eye witness to an occurrence of assault as in the present case, the evidence of the single witness who was assaulted if otherwise inspires confidence has to be accepted. Reading the evidence of the Assistant Manager as a whole there appears to be a ring of truth in it and no serious infirmity has been pointed to me in the evidence. Nothing has been shown that there were other eye witnesses to the occurrence. The judgement in the Cr. case in which Tribeni Gope has been acquitted referred to above shows that Tribeni has been given benefit of doubt. There is no invariable rule that the finding in a Cr. court has always to be accepted in a departmental enquiry by the management. That apart when the order of acquittal of Tribeni Gope is not on merit and when he has been given benefit of doubt, the judgement in the Cr. case can be of no assistance to the concerned workman in the present case. So I hold that the finding of the enquiry officer that the concerned workman is an abettor of the offence of assault which is a misconduct under certified standing order is correct.

5. Now coming to the question of quantum of punishment it is found that the concerned workman has not been removed from service. Only a punishment of suspension of 10 days has been inflicted on the concerned workman. The offence committed by Tribeni Gope is of very serious nature and is certainly a grave misconduct which warrants a punishment of dismissal. When no separate punishment is provided for a misconduct which is abutment of another grievous misconduct entailing a punishment of dismissal the misconduct of abettment in such a case should normally entail also a punishment of dismissal. In this view therefore it must be held that the management has been very lenient in punishing the concerned workman. The order of punishment of suspension for 10 days therefore calls for no interference. The reference is answered accordingly.

B. K. RAY, Presiding Officer.

[No. L-20012/123/78-D. III(A)]

S.O. 2220.—In pursuance of section 18 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE MR. JUSTICE B. K. RAY, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference Under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 1. of 1979

[Ministry's Order No. L-20012/173/78-D.III(A), dated 28-12-1978.]

PARTIES :

Employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

For the Management—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated Dhanbad, the 16th July, 1980

AWARD

By notification No. L-20012/173/78-D.III(A), dated the 28th December, 1978 the Central Government being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen in respect of matters specified in the schedule to the notification have referred the dispute for adjudication to this Tribunal in exercise of powers conferred on them by Cl. (ii) of subsection (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The schedule to the notification reads thus :

"Whether the action of the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad in dismissing Shri Tribeni Gope, Trammer, from service with effect from 24th February, 1978, is justified ? If not to what relief is the said workman entitled?"

2. After receipt of the reference parties have been noticed and they have filed their respective written statements. The union sponsoring the dispute having pleaded in its written statement that the domestic enquiry alleged to have been held by the management preceding the impugned order of dismissal of the concerned workman is not fair and proper and principles of natural justice have not been followed in the enquiry and the management having denied this plea of the union, a preliminary issue as to whether domestic enquiry is fair and proper has been framed and the said issue has been decided preliminary as desired by the management by order dated 9th May, 1980 in their favour.

3. The facts as revealed from the pleadings of the management which led to the impugned order of dismissal may be briefly stated thus : The concerned workman who was working as a Trammer in South Jharia Colliery was ordered to be transferred to a neighbouring place under the management by order dated 10th August, 1977 issued from the headquarters of the management. To give effect to the order of transfer Tribeni Gope was ordered to be relieved immediately. The order to relieve Tribeni Gope was tried to be served on him through Peon Book. Tribeni Gope refused to accept the same as per the entry in the Peon Book. After having come to know about his transfer order, Tribeni Gope bore a grudge against the local officers functioning in South Jharia Colliery under the management being under an impression that the local authorities in South Jharia Colliery had brought about his transfer. On 10-8-77 at 4 p.m. Tribeni Gope and another worker namely Mangru Gope met the Asstt. Manager at No. 1 Pit top of South Jharia Colliery and threatened him (Asstt. Manager) by saying that he will reap the consequences. On that very day i.e. on 10-8-77 at 7 p.m. the Asstt. Manager while going for inspection to

another mine after finishing inspection of South Jharia Section in his Motor Cycle, was stopped and assaulted by Tribeni Gope with lathi near Kali Temple. As a result of the assault the motor cycle was damaged and the Asstt. Manager sustained several injuries on different parts of his body including his head. He also fell down. In course of assault when Asstt. Manager tried to save himself by catching hold of the lathi from the assailant a tussle ensued and in course the tussle the cloth with which Tribeni Gope had covered his face fell down. Thereafter Asstt. Manager could recognise his assailant to be Tribeni Gope. The other workman Mangru Gope who was standing at the place of occurrence was called by the Asstt. Manager to come to his help. Instead of helping the Asstt. Manager Mangru turned his face aside and said that the Asstt. Manager had been rightly dealt with. On being assaulted Asstt. Manager raised an alarm. One security man who was coming by that way ran to the Asstt. Manager on hearing his cry. When the Security man reached the place Asstt. Manager asked the Security man to call his officer. On being so asked the Security man ran to his officer and called his officer who was V. Gupta. Shri Gupta then came to the spot and helped the Asstt. Manager to go to the Camp office. The authorities were then informed about the incident and a chargesheet was issued against Tribeni Gope on the following day asking him to Show cause why disciplinary action should not be taken against him for his misconduct under clause 18(e) & (r) of the Certified Standing Orders. The charge sheet issued against Tribeni Gope is Ext. M-1. The workman concerned submitted a reply to the chargesheet denying all the allegations therein. The reply not having been found satisfactory the management held a domestic enquiry in which Tribeni Gope was found guilty. Upon that findings the management inflicted punishment of dismissal on Tribeni Gope by the impugned order. In these circumstances the management claim that the impugned order of dismissal is justified.

4. It may be mentioned here that besides bringing the incident of assault to the notice of the management which led to the domestic enquiry and finally to the order of dismissal, a first information report regarding the incident was also lodged before the Police which submitted a chargesheet against Tribeni Gope u/s. 307 I.P.C. Upon that chargesheet Tribeni Gope was tried and was ultimately acquitted by Session Judge, Dhanbad. The certified copy of the Judgement of acquittal which has been filed before this Tribunal by the union shows that Tribeni Gope has been given a benefit of doubt. The last two paragraphs of the Judgement read thus :—

"28. Even if it is found that the informant was assaulted it cannot be said beyond all doubt on the basis of evidence so far adduced that it was this accused who assaulted him. There is no evidence that there was any light at the time of occurrence.

29. I, therefore, find that prosecution has failed to prove the charge beyond all doubt and hence I give benefit of doubt to the accused and he is acquitted of the charge."

On the aforesaid facts Mr. S. Bose for the union argues that in view of the judgment of acquittal of the Session Judge the finding of the enquiry officer that Tribeni Gope is guilty of the charges cannot be said to be justified, because the evidence before the Session Judge being same as was before the enquiry officer and on the same evidence the Session Judge having observed that the prosecution cannot be said to have proved the charge beyond all doubt, the finding of the Session Judge should be preferred to that of the Enquiry Officer. Secondly it is contended that on the basis of uncorroborated statement of the Asstt. Manager the finding regarding the guilt of the concerned workman cannot be sustained because as appears from the judgement in Cr. case there was a tea shop and a house of a person near the place of occurrence and none from either the house or the tea shop has been examined in support of the version of the Asstt. Manager. I shall deal with these contentions one by one.

5. I shall first of all deal with the point raised regarding the judgment of acquittal of the Session Judge relating to the very same incident which is the subject matter of the reference. In the case reported in S.C.L. Judgments Vol. 2 at page 1340 (Delhi Cloth and General Mills Ltd., and

Kushal Bhan) a question similar to the question raised by Mr. Bose arose. In that case the cycle of one Ram Chandra, Head Clerk of the company was alleged to have been stolen by Kushal Bhan the respondent a Peon under the Company. The company issued a chargesheet against the respondent on the allegation that he had stolen the cycle of Ram Chandra and the respondent was asked to show cause as to why disciplinary action would not be taken against him for misconduct. The cause shown by the respondent was found to be unsatisfactory and so, the company initiated a domestic enquiry against the respondent. The respondent refused to take part in the domestic enquiry on the plea that on the self same allegation against him a Cr. case had been started that the case was pending disposal and that the domestic enquiry should await the judgment in the Cr. case. The Company however did not accept the plea of the respondent and directed the domestic enquiry to proceed. Accordingly the domestic enquiry proceeded in the absence of the respondent and in the enquiry the respondent was found guilty of the charge. On that finding against the respondent the Company dismissed the respondent from service. In the meantime however in the Cr. case the respondent was given benefit of doubt and was acquitted. It was urged in that case for the respondent that the domestic enquiry should have awaited the decision in the Cr. case and that the domestic enquiry not having been stayed there was violation of principles of natural justice. Had the domestic enquiry awaited the decision in the Cr. case the respondent having been acquitted in the Cr. case the finding against him in the domestic enquiry could not have been what it was. Their Lordship's deciding the case clearly observed that principles of natural justice do not require that the employer should always await the decision of Cr. case. When however facts and questions of law involved were complicated it would be fair on the part of the employer to await the decision in the Cr. case. But when facts were simple the employer can not be blamed because he does not await the decision of the case pending against the delinquent in a criminal court regarding the very same incident which in the subject matter of charge in the domestic enquiry. Their Lordship's held in that case that the allegation of charge against the respondent were very simple and so the company was justified in proceeding against the respondent in the domestic enquiry without awaiting for the decision of the Cr. case and in dismissing the respondent on the basis of the finding in the domestic enquiry holding the workman guilty. The judgment of acquittal in the Cr. case in which the respondent had been given benefit of doubt would not affect the order of dismissal. The facts of the case before their Lordships are almost similar to the facts of the case before me. In the judgment in the Cr. case the concerned workman has been given benefit of doubt. In the domestic enquiry the concerned workman never wanted the enquiry to await the decision of the Cr. court and on the other hand he participated in the enquiry. It was therefore open to the management in exercise of its managerial function to draw up a chargesheet against the concerned workman and to proceed according to the provisions of the certified standing orders. On the basis of the findings against the concerned workman the management was fully within its limits to pass an order of dismissal against the concerned workman dismissing him from service. The pendency of the proceeding in the Cr. Court regarding the very same incident which was the subject matter of domestic enquiry would not stand in the way of the management to proceed against the concerned workman as per provisions of certified standing order which embody the conditions of service for the workman and authorise the management to take action against him as provided in the said orders. The enquiry officer in the case is fully competent to arrive at his own conclusion regarding the guilt of the concerned workman on the evidence led before him. If the evidence does not support the conclusion then it may be said that the report is perverse. But the enquiry officer is not bound to accept the findings of a criminal court even if the evidence led before him as well as in Cr. case is almost the same provided the conclusion arrived by him is possible on such evidence. There is nothing in law that the findings of a Cr. Court should have preference over the findings of an enquiry officer in a domestic enquiry. That apart in the present case the Session Judge has given the concerned workman only a benefit of doubt.

The main reason that has weighed with the Session Judge is that there was no corroboration to the version of the Asstt. Manager regarding assault and that at 7 p.m. on 10-8-77 there was no light to enable the Asstt. Manager to

identify his assailant. The reasons are not so weighty. In August the day is longer than night. By 7 p.m. it will not be so dark in which the Asstt. Manager would not recognise the concerned workman. Moreover the concerned workman being a direct subordinate to the Asstt. Manager, it will be very easy for the Asstt. Manager to identify the concerned workman in little light. Regarding corroboration an adverse inference can only be drawn against the prosecution when it withholds available material evidence. But when facts are such that there are no eye witness to the occurrence, a Cr. case has to proceed on the solitary uncorroborated story of the prosecutor or the complaint and in such a case it is always open to a Cr. court to accept the uncorroborated version of the complaint and to prosecute he accused. In the case before me there is nothing to show that other eye witnesses who were available had been withheld. Mr. Bose invites my attention to a portion of Cr. court judgment which has reproduced the evidence of the I.O. According to the I.O. when he visited the place of occurrence he found that there were a tea shop and a house of a person nearby. But that evidence does not disclose that persons were present in the tea shop and in the house nearby when the occurrence took place. In such state of things it cannot be said that prosecution is guilty of suppression of material evidence. Therefore the reasons which weighed with Session Judge are not of such a nature that one would be inclined to accept the same in preference to the reasons given by the enquiry officer. So the points raised by Mr. Bose on the basis of Judgment of acquittal in the Cr. court are of no avail as the same are devoid any merit. For the reasons given by me above it can not be said that the findings of the enquiry officer are not justified because the Session Judge has given a benefit of doubt to the concerned workman.

Now coming to the actual evidence led before the enquiry officer it is found that the management examined as many as 3 witnesses namely Asstt. Manager who was the person assaulted, R.S. Ram, Personnel Officer of the Colliery and V. Gupta, an officer of Security Deptt. A reference to the evidence shows that the Personnel Officer and Mr. V. Gupta were not eye witnesses to the occurrence of assault. Mr. Gupta was the person who being informed by the Security man came to the spot after assault and helped the Asstt. Manager to go to the Camp Office, where after other authority were informed regarding the incident. Mr. R.S. Ram is not also an witness to assault and speaks of threat given by the concerned workman at 4 p.m. on 10-8-77 to the Asstt. Manager. The present case is not concerned with this and the finding of the enquiry officer relating to the occurrence of threat is in favour of the workman. On the day following the occurrence management issued a chargesheet. This being the evidence before the enquiry officer, it must be said there was no other eye witness to the occurrence. The Judgment in the Cr. case also does not show if there were other eye witnesses. The enquiry officer was therefore competent to accept the version of Asstt. Manager. Sri V. Gupta who is a post occurrence witness who visited the place of occurrence immediately after the assault lends support to the evidence of Asstt. Manager. No suggestion has been made either to the Asstt. Manager or to Mr. V. Gupta in cross-examination that there was no light at the time of occurrence to enable the Asstt. Manager to recognise the concerned workman. That apart as I have said earlier the concerned workman was working in the colliery in which the person assaulted was the Asstt. Manager till the date of occurrence. So the Asstt. Manager had chance to see the concerned workman working in the colliery very often. Therefore little light would be enough for the Asstt. Manager to recognise the concerned workman as the assailant. It is contended by Mr. Bose that U.s. 11A of the I.D. Act this Tribunal has to reappraise the evidence led before the enquiry officer and to come to its own conclusion because the earlier position in law that if there has been a fair and proper enquiry and that if there is some evidence in support of the findings of guilt against delinquent in a domestic enquiry a Tribunal has no jurisdiction to set aside the findings is no longer available after incorporation of section 11A in the Industrial Disputes Act. This contention of Mr. Bose is well founded. What was a question of satisfaction of the enquiry officer before amendment has now become the question of satisfaction of the Tribunal after amendment. The Tribunal

after amendment has the power to reappraise the evidence. It must at the same time also bear in mind that the officer entrusted with the work of holding a domestic enquiry is not a person well versed either in procedure obtaining in law courts or in law of evidence and is not a judicial officer. Therefore while reprimanding the evidence led before the enquiry officer Tribunal should not expect from the enquiry officer the same standard which is expected of an experienced judicial officer. The Tribunal has of course to see if all the circumstances revealed in the case have been considered, if the evidence which is contrary to the evidence in support of enquiry officer's findings has been properly taken note of, if proper inference has been drawn therefrom, if cogent reasons have been given by the enquiry officer for accepting the evidence led by the management and if serious lacuna in management's case have been lost sight of in the domestic enquiry. Looking at the evidence led in the enquiry in the context of observations made above I do not see reason to interfere with the findings of the enquiry officer in the case holding the concerned workman guilty. Mr. Bose then argues that the doctor's evidence does not support the evidence of the Asstt. Manager regarding his story of assault and that there is no reason when First Information Report was lodged before the police on the very night of occurrence why the Asstt. Manager was not examined on Police requisition on the following day. These circumstances relied upon by Mr. Bose do not appear to me to be of such grave nature that would affect the merit of finding of the enquiry officer. After giving due consideration to the points raised on behalf of the union I have no doubt in mind that the management has proved satisfactorily the charge of misconduct of the concerned workman. Lastly it is argued by Mr. Bose that if according to management local authorities in the colliery had no hand in the transfer of Tribeni Gope why should he bear any grudge against the Asstt. Manager and would assault him. The management's case is that So far as the workman is concerned he was under the impression that the local authorities affected the transfer. It is well known that motive is not a very essential factor in determining the guilt of an accused. If the incident is proved by reliable evidence the author of the incident must be held responsible for it even if there is no motive behind. Motive is a factor to be considered to lend support to the evidence regarding the incident. It does not follow therefore when motive is not established the occurrence must be held not to have taken place. When the evidence regarding assault by the concerned workman has been accepted, he must be held to be guilty of the charge. In this connection I may refer to the plea of alibi taken by the concerned workman before the enquiry. Such a plea had not been taken in his reply to the chargesheet. So the plea of alibi is a belated one taken by the workman concerned. It is therefore very difficult to accept the plea unless it is satisfactorily established. In the present case on scrutiny of evidence led in the enquiry by the concerned workman it is found that the plea has remained a plea only. There is no evidence worth the name to support the plea.

6. The act complained of is of very grave nature. In the interest of good and efficient administration such act must be seriously dealt with. Under the Certified Standing Orders dismissal is a punishment for a misconduct of the present nature. When the concerned workman has been found guilty of the charge of misconduct the punishment of dismissal inflicted on him can not but be said to be justified in view of the gravity of the misconduct of which the workman has been found guilty. The punishment according to me is not so severe as to lead to a conclusion that the case is either one of victimisation or of unfair labour practice. The misconduct proved against the workman concerned warrants a punishment of dismissal and so the management is fully justified in dismissing the concerned workman from service with effect from 24th February, 1978. The workman therefore is not entitled to any relief.

Sd/-

B. K. RAY, Presiding Officer

[No. L-20012/173/78-D.IJ(A)]

S.H.S. IYER, Desk Officer